इंडिया एक्ज़िम बैंक
India Exim Bank

वार्षिक रिपोर्ट
ANNUAL REPORT
2020-21

उद्देश्य OBJECTIVES

निर्यातकों और आयातकों को वित्तीय सहायता प्रदान करना और...
देश के अंतरराष्ट्रीय व्यापार के संवर्धन की दृष्टि से माल एवं सेवाओं के निर्यात
और आयात का वित्तपोषण करने वाली संस्थाओं के कामकाज का
समन्वय करने के लिए एक प्रमुख वित्तीय संस्था...

‘जनहित को ध्यान में रखते हुए व्यावसायिक सिद्धांतों पर कार्य करना‘

(भारतीय निर्यात–आयात बैंक अधिनियम, 1981)

Providing financial assistance to exporters and importers, and...
functioning as the principal financial institution for coordinating
the working of institutions engaged in financing export and import of goods and
services with a view to promoting the country's international trade...

'Act on business principles with due regard to public interest'.

(The Export-Import Bank of India Act, 1981)

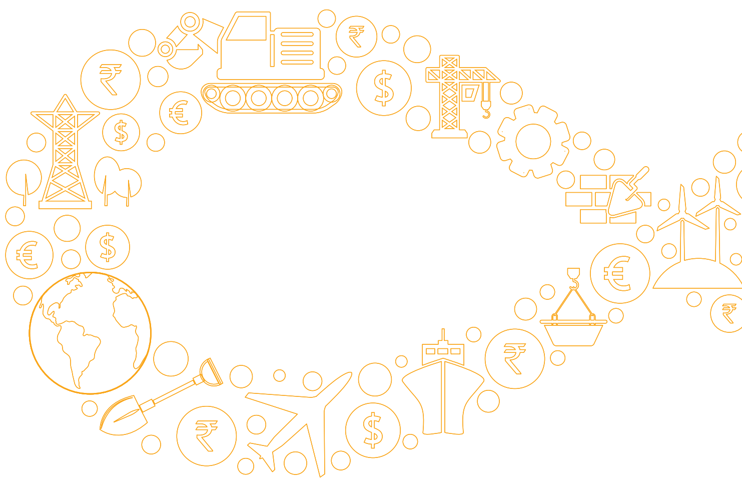

विषय वस्तु
CONTENTS

निदेशक मंडल
Board of Directors 02

प्रबंध निदेशक का वक्तव्य
Managing Director's Statement 04

प्रबंधन
Management 11

निदेशकों की रिपोर्ट
Directors' Report 19

व्यवसाय परिचालन
Business Operations 27

वित्तीय विवरण
Financial Statements 69

निर्यात विकास कोष
The Export Development Fund 169

निदेशक मंडल
BOARD OF DIRECTORS

भारत सरकार का प्रतिनिधित्व करने वाले निदेशक
Directors representing the Government of India

श्री राहुल छाबड़ा
सचिव (ईआर)
विदेश मंत्रालय

Shri Rahul Chhabra
Secretary (ER)
Ministry of External Affairs

श्री रजत सच्चर
प्रधान सलाहकार
उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

Shri Rajat Sachar
Principal Adviser
Department for Promotion of Industry and Internal Trade
Ministry of Commerce and Industry

श्री के. राजारमन
अपर सचिव
(निवेश, आईईआर और प्रशासन)
आर्थिक कार्य विभाग
वित्त मंत्रालय

Shri K. Rajaraman
Additional Secretary
(Investment, IER & Admin)
Department of Economic Affairs
Ministry of Finance

श्री पंकज जैन
अपर सचिव
वित्तीय सेवाएं विभाग
वित्त मंत्रालय

Shri Pankaj Jain
Additional Secretary
Department of Financial Services
Ministry of Finance

श्री अमिताभ कुमार
संयुक्त सचिव
वाणिज्य विभाग
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

Shri Amitabh Kumar
Joint Secretary
Department of Commerce
Ministry of Commerce and Industry

भारतीय रिज़र्व बैंक, संस्थाओं और वाणिज्यिक बैंकों से निदेशक
Directors from the Reserve Bank of India, Institutions and Commercial Banks

श्री आर. सुब्रमणियन
कार्यपालक निदेशक
भारतीय रिज़र्व बैंक

Shri R. Subramanian
Executive Director
Reserve Bank of India

श्री दिनेश खारा
अध्यक्ष
भारतीय स्टेट बैंक

Shri Dinesh Khara
Chairman
State Bank of India

श्री एम. सेंथिलनाथन
अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक
ईसीजीसी लिमिटेड

Shri M. Senthilnathan
Chairman-cum-Managing Director
ECGC Ltd.

श्री राकेश शर्मा
प्रबंध निदेशक और
मुख्य कार्यकारी अधिकारी
आईडीबीआई बैंक

Shri Rakesh Sharma
Managing Director &
Chief Executive Officer
IDBI Bank

श्री राजकिरन राय जी.
प्रबंध निदेशक और
मुख्य कार्यकारी अधिकारी
यूनियन बैंक ऑफ इंडिया

Shri Rajkiran Rai G.
Managing Director &
Chief Executive Officer
Union Bank of India

श्री ए. एस. राजीव
प्रबंध निदेशक और
मुख्य कार्यकारी अधिकारी
बैंक ऑफ महाराष्ट्र

Shri. A. S. Rajeev
Managing Director &
Chief Executive Officer
Bank of Maharashtra

पूर्णकालिक निदेशक
Whole-time Directors

श्री डेविड रस्कीना
प्रबंध निदेशक

Shri David Rasquinha
Managing Director

सुश्री हर्षा बंगारी
उप प्रबंध निदेशक

Ms. Harsha Bangari
Deputy Managing Director

श्री एन. रमेश
उप प्रबंध निदेशक

Shri N. Ramesh
Deputy Managing Director

(यथा 18 मई, 2021 / As on May 18, 2021)

प्रबंध निदेशक का वक्तव्य
Managing Director's Statement

वित्तीय वर्ष 2020-21 के अधिकांश महीने 'वायरस की भेंट' चढ़ गए। वह जाता हुआ 2019 था, जब कथित तौर पर एशिया के प्रांतीय शहरों में से एक में कोविड-19 वायरस का विस्फोट हुआ और देखते ही देखते यह दुनियाभर में फैल गया। एकाएक सारी दुनिया में विपदा, रुग्णता और दुर्भाग्यवश मौत का मंज़र पसरता चला गया। डरा देने वाली संख्याएं भयावह आंकड़े मात्र बनकर रह गईं। इस क्षति से सारी दुनिया में मनुष्य जाति की प्रगति बुरी तरह प्रभावित हुई। भारत भी इसके प्रकोप से अछूता नहीं रहा और हमारे देश में भी इसका बहुत बुरा असर दिखाई दिया। हम अपने साथी भारतीयों तथा समस्त मनुष्य जाति के प्रति गहरी संवेदना प्रकट करते हैं, जो इस वायरस से बुरी तरह प्रभावित हुए। हम सलाम करते हैं उस पूरे चिकित्सक समुदाय और वैज्ञानिकों को, जिन्होंने इस मुश्किल घड़ी में अदम्य साहस का परिचय देते हुए इससे संघर्ष किया और हमें टीके का कवच प्रदान किया।

इस वायरस ने लोगों के स्वास्थ्य को तो बुरी तरह प्रभावित किया ही है, व्यवसाय और अर्थव्यवस्था के लिए भी यह घातक रहा है। हालांकि अलग-अलग

The financial year 2020-21 has been for the most part the 'Year of the Virus'. Beginning with a stray case which reportedly erupted from one of Asia's provincial capitals in end-2019, the COVID-19 virus has rampaged across the globe, leaving in its wake much misery, illness and sadly death. Numbers, frightening as they may be, are mere statistics. The cost in terms of the setback to human progress around the world has been terrible. India has been hard hit too and our hearts go out to our fellow Indians, and all human beings, who have borne the brunt of the virus. We gratefully salute the medical fraternity and the scientists who have worked heroically to stem the onslaught and give us the shield of vaccines.

The adverse impact of the virus on health has been exacerbated by its pernicious impact on business and the economy. While the varied lockdowns and

तालाबंदियों और विभिन्न प्रतिबंधों की बदौलत वायरस को फैलने से रोकने और इसके कारण हो रही मौतों को कम करने में मदद मिली, किन्तु आर्थिक गतिविधि की दृष्टि से इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ी। हालांकि खेतों में हल न रुकने से कृषि एकमात्र क्षेत्र रहा, जिसमें वृद्धि दर्ज की गई, किन्तु विनिर्माण और सेवा क्षेत्र बुरी तरह प्रभावित हुए। सेवा क्षेत्र पर विशेष रूप से प्रतिकूल प्रभाव पड़ा, जिसमें व्यक्तिगत उपस्थिति की जरूरत अधिक रहती है। दूसरी लहर के प्रभाव के बावजूद, एक सकारात्मक पहलू यह है कि 2020-21 में जीडीपी में जो गिरावट थी, उसके 2021-22 में अच्छे सुधार के रूप में तब्दील होने की संभावना है।

इस महामारी ने हमारे परिचालन के तौर-तरीकों को असाधारण रूप से बदला है। वैश्विक स्तर पर, व्यवसायों और लोगों के काम करने के तरीके इस सहस्राब्दि की शुरुआत से ही तेजी से बदलते रहे हैं। यह बदलाव काम करने के फ्लेक्सिबल समय से लेकर घर से काम करने की सुविधा और इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स के माध्यम से ही वित्तीय ट्रांजैक्शन तक कर लेने में देखा जा सकता है। भारत सहित उभरती अर्थव्यवस्थाओं ने इन परिवर्तनों को अपनाया, पर इसमें कहीं न कहीं संकोच और अरुचि का भाव रहा। किन्तु, इस महामारी ने समीकरण बदल दिए और भारत के एक बड़े हिस्से को इन नई वास्तविकताओं को आत्मसात करने और व्यवसाय करने की संभावनाओं को अपनाने की ओर धकेला। वस्तुतः भारतीय वित्तीय संस्थाओं ने भी बदली परिस्थितियों को उत्साह से स्वीकार किया, जिनके परिचालन बेहद गोपनीय और जटिल होते हैं और घर से काम करते हुए ही समस्त कार्यों का निष्पादन किया। सुदृढ़ आईटी सिस्टम और सुप्रशिक्षित एवं प्रतिबद्ध स्टाफ की बदौलत अन्य के साथ-साथ एक्ज़िम बैंक ने भी वर्चुअल तरीके से अबाधित रूप से काम किया। बैंक की व्यवसाय निरंतरता योजना महत्त्वपूर्ण साबित हुई। भौतिक रूप से दोबारा कार्यालय आना शुरू करने के बाद भी घर से काम करने के अनुभवों से मिली सीख से हम लाभान्वित होते रहेंगे। यह सही है कि साथियों के साथ काम करने और भौतिक कार्यालय संस्कृति का कोई विकल्प नहीं है; इसके अतिरिक्त, मौजूदा व्यवसाय को तो हम वर्चुअल रूप से अंजाम दे सकते हैं, किन्तु नए व्यवसाय स्क्रीन के जरिए हासिल नहीं किए जा सकते हैं। लेकिन वे अधिकारी, जिन्हें घर से काम करने की जरूरत है, और वे गतिविधियां, जिनके लिए भौतिक रूप से कार्यालय आना आवश्यक नहीं है, वे निश्चित रूप से वर्चुअल तरीके से काम कर सकते हैं।

वित्तीय और व्यवसाय परिणाम

2020-21 में विशेष रूप से निर्यातों के लिए व्यवसाय परिवेश चुनौतीपूर्ण रहा है। निष्पादित की जा रही परियोजनाओं में मंदी देखी जा रही है और नई परियोजनाएं धरातल पर उतरने में समय ले रही हैं। कंपनियां भी सावधानी

restrictions have helped in controlling the spread of the virus and in reducing fatalities, the cost in terms of economic activity has been heavy. While agriculture has ploughed its lone furrow, manufacturing and services have been hit, especially the latter which require more of personal interface. On the positive side, even with the impact of the second wave, the GDP degrowth of 2020-21 is widely expected to transition to a robust recovery in 2021-22.

The pandemic has resulted in phenomenal alterations in the way we operate. Globally, there has been a steady transformation in the way businesses and people operated since the beginning of this millennium, from flexible working hours, to work from home, to doing financial transactions over electronic gadgets. Emerging economies including India were adopting these changes but there was an element of hesitation and reluctance. However, the pandemic changed the equation and essentially drove much of India to embrace these new realities and possibilities of doing businesses. In fact, Indian financial institutions that conduct extremely confidential and complex operations, accepted the changing circumstances with elan while executing deals as they worked from home. Robust IT systems and a well-trained and committed staff base has enabled Exim Bank, among others, to work seamlessly in a virtual environment. The Bank's Business Continuity Plan has proved its worth, and even after we return to the physical office, the lessons of Work From Home will benefit us. There is of course no substitute for the fellowship and culture of a physical office; moreover, while existing business can be serviced virtually, new business cannot be sourced through a screen. But those officers who need to Work From Home, and those activities that do not always require physical presence, can certainly thrive virtually as well.

Financial and Business Results

The business environment in 2020-21, especially for exports, has been challenging, with projects under execution slowing down, and new projects taking time to materialise. Companies too have tended to

पूर्वक, अपनी बैलेंस शीट के अनुकूल व्यवसाय करने लगीं और पूँजीगत निवेश को स्थगित कर दिया। एक्ज़िम बैंक जैसी विकास वित्त संस्था के लिए यह हतोत्साहित करने वाली स्थिति है। तथापि, बैंक ने कोविड-19 से उत्पन्न चुनौतियों के बावजूद बदली हुई परिस्थितियों को तेजी से आत्मसात किया और इसी की बदौलत एक्ज़िम बैंक वित्तीय वर्ष 2020-21 को सकारात्मक नज़रिए से देख सकता है। प्रमुख वित्तीय विवरण इस प्रकार हैं:

be cautious, favouring deleveraging of their balance sheets and deferment of capital investment. For a Development Financial Institution like Exim Bank, this is a dispiriting combination. Nevertheless, the Bank adapted fast and despite the challenges posed by COVID-19, Exim Bank can look back at a positive FY 2020-21. The key financial highlights are:

मानदंड Parameter (A – J ₹ बिलियन में in ₹ bilion, K– N in % में)		निष्पादन Performance 2019-20	निष्पादन Performance 2020-21	वृद्धि Growth 2019-20
A.	ऋण पोर्टफोलियो/Loan Portfolio	994.47	1,038.51	4.43%
B.	गैर-निधिक पोर्टफोलियो/Non-Funded Portfolio	158.69	142.29	(10.34%)
C.	ग्राहक आस्ति पोर्टफोलियो (ए+बी)/ Customer Asset Portfolio (A+B)	1,153.16	1,180.80	2.40%
D.	निवल निवेश /Net Investments	108.37	100.17	(7.57%)
E.	कुल उधारियां/Total Borrowings	1,051.66	1,096.17	4.23%
F.	कुल व्यवसाय (सी+डी+ई)/Total Business (C+D+E)	2,313.19	2,377.14	2.76%
G.	प्रति कर्मचारी व्यवसाय/Business per Employee	6.51	6.83	4.91%
H.	परिचालनात्मक लाभ/Operating Profit	20.31	28.23	39.00%
I.	कर पूर्व लाभ/Profit Before Tax	2.44	3.56	45.90%
J.	कर पश्चात लाभ/Profit After Tax	1.24	2.54	104.84%
K.	निवल अनर्जक आस्तियां/Net Non Performing Assets	1.77%	0.51%	(bps 126)
L.	जोखिम भारित आस्ति पूँजी अनुपात/Capital to Risk Assets Ratio	20.13%	25.89%	bps 576
M.	प्रावधान कवरेज अनुपात/Provision Coverage Ratio	88.76%	96.74%	bps 798
N.	स्लिपेज अनुपात/Slippage Ratio	1.94%	1.52%	(bps 42)

ऋण पोर्टफोलियो में उपर्युक्त अनुसार, 4.43 प्रतिशत की वृद्धि दर वस्तुतः विनिमय दर में उतार-चढ़ावों के चलते कमतर आंकी गई है। दरअसल, करंसी-न्यूट्रल वृद्धि दर तकरीबन 7.0 प्रतिशत है। किन्तु 31 मार्च, 2020 से 31 मार्च, 2021 तक रुपये के मूल्य में हुई बढ़ोत्तरी इस वृद्धि दर पर प्रतिकूल प्रभाव डालती है। वर्ष के दौरान, बैंक को न्यूनतर ब्याज दरों की तलाश करने वाले अपने शीर्ष कॉर्पोरेट ग्राहकों से पूर्व-भुगतान के दबाव का सामना करना पड़ा। ठीक इसी समय कंपनियों की तरफ से भी नए निवेश से उल्लेखनीय रूप से विमुखता देखी गई। परिणामस्वरूप, यथा 31 मार्च, 2021 को भारत सरकार की ओर से बैंक द्वारा किया गया पॉलिसी व्यवसाय ऋण पोर्टफोलियो का 61 प्रतिशत रहा, जबकि वाणिज्यिक व्यवसाय 39 प्रतिशत रहा। इसके अतिरिक्त, वाणिज्यिक व्यवसाय का करीब एक तिहाई हिस्सा बैंकों को पुनर्वित्त का रहा, जिस पर बैंक को न्यूनतर यील्ड मिली।

फंसे हुए कर्ज को कम करने के लिए बैंक द्वारा क्रियान्वित किए गए सख्त फिल्टरिंग मानकों के जरिए बैंक की आस्ति गुणवत्ता में निरंतर सुधार होता रहा है और यह

The growth rate of 4.43 per cent in the loan portfolio is actually an underestimate due to exchange rate fluctuations. The currency-neutral growth is close to 7.0 per cent, but the appreciation of the Rupee from March 31, 2020 to March 31, 2021, adversely impacts the translated number. During the year, the Bank faced pre-payment pressure from its top corporate customers looking for lower interest rates, combined with a marked reluctance by corporates to undertake fresh investment. As a result, as of March 31, 2021, the Policy Business done by the Bank on behalf of the Government of India amounted to 61 per cent of the loan portfolio, while the Commercial Business stood at 39 per cent. Additionally, close to a third of the Commercial Business was lower-yielding refinance to banks.

A marked positive has been the sustained improvement in the Bank's asset quality, arising from tighter filtering standards implemented by

सुधार उल्लेखनीय सकारात्मकता का संकेत है। इसी का परिणाम है कि वाणिज्यिक व्यवसाय का 89 प्रतिशत से अधिक हिस्सा निवेश ग्रेड का है। इससे स्लिपेज (स्लिपेज अनुपात में दर्ज की गई कमी के अनुसार) की आशंका काफी हद तक कम हो जाती है। यह तथ्य भी बैंक के ऋण कौशल में सुधार का प्रमाण है कि यथा 31 मार्च, 2021 को बैंक की अनर्जक आस्तियों का 97.20 प्रतिशत हिस्सा पुराने मामलों का है, जिन्हें 31 मार्च, 2017 से पहले मंजूरी प्रदान की गई थी और केवल 2.80 प्रतिशत हिस्सा ऐसा है, जिसे 01 अप्रैल, 2017 को या इसके बाद मंजूरी प्रदान की गई। फंसे हुए कर्जों की वसूली पर गहन फोकस और सुविचारित प्रावधानों की बदौलत बैंक की निवल अनर्जक आस्तियां घटकर निवल ऋणों की महज 0.51 प्रतिशत रह गईं और प्रावधान कवरेज अनुपात 96.74 प्रतिशत रहा, जो आगामी समय में पुराने ऋणों के प्रभाव को कम करने वाला है। वस्तुतः निदेशक मंडल के अनुमोदन से बैंक ने सूझबूझ के साथ प्रावधानों तथा विवेकसम्मत गुंजाइश को आरबीआई द्वारा निर्धारित न्यूनतम अपेक्षाओं से अधिक बनाए रखा है। बैंक ने परिचालनात्मक लाभ और अपने कर पश्चात लाभ को दोगुना कर उल्लेखनीय रूप से सुधार करते हुए लाभप्रदता के अपने रुझान को जारी रखा है। विवेकसम्मत व्यवसाय और लेखांकन की दृष्टि से बैंक ने निदेशक मंडल के अनुमोदन से अपने प्रावधानों और आरक्षित निधियों को बढ़ाने का निर्णय लिया है। इस प्रकार बैंक ने न्यूनतर घोषित लाभ की मामूली कीमत पर अपनी बैलेंस शीट को सुदृढ़ किया है।

बैंक को भारत सरकार की विदेशी आर्थिक कूटनीति में इसके एजेंट के रूप में कार्य करने का विशेषाधिकार प्राप्त है। बैंक दुनियाभर में विकास परियोजनाओं के लिए रियायती ऋण-व्यवस्थाओं के जरिए अपनी यह भूमिका निभाता है। यथा 31 मार्च, 2021 को बैंक द्वारा 26.76 बिलियन यूएस डॉलर की ऋण प्रतिबद्धताओं के साथ 64 देशों में 272 ऋण-व्यवस्थाएं प्रदान की जा चुकी हैं।

इसके अलावा, उभरते सितारे कार्यक्रम की शुरुआत बैंक का एक और सकारात्मक कदम रहा है। इसकी शुरुआत आने वाले कल की निर्यात चैंपियन कंपनियों को उनके निर्यातों में गुणात्मक और मात्रात्मक वृद्धि के लिए इक्विटी, ऋण और तकनीकी सहायता के रूप में मिला-जुला सहयोग प्रदान करने के उद्देश्य से की गई है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत ऋणों में ₹ 1 बिलियन से कम की मंजूरियों के अतिरिक्त, बैंक के पास उच्च गुणवत्ता वाले मामले (विभिन्न क्षेत्रों में सौ से अधिक संभावित मामलों में से चयनित) पाइपलाइन में हैं और वर्तमान वर्ष के दौरान इनमें से कई के मंजूरियों में तब्दील होने की संभावना है। इसके अतिरिक्त, सिडबी के साथ मिलकर गठित 'वैकल्पिक निवेश कोष' के लिए तैयारी का काम पूरा हो गया है। मुझे उम्मीद है कि समय के साथ, उभरते

the Bank to minimise bad loans. As a result, over 89 per cent of the Commercial Business is rated Investment Grade, materially reducing the probability of slippage (as evidenced by the drop in the Slippage Ratio). The improvement in the Bank's credit skills is also evidenced by the fact that 97.20 per cent of the Bank's NPAs as of March 31, 2021, are legacy cases sanctioned prior to March 31, 2017, and only 2.80 per cent pertain to loans sanctioned on or after April 01, 2017. Intensive focus on recovery of bad loans, combined with aggressive provisioning have reduced the Bank's net NPAs to just 0.51 per cent of the net loans, with a Provision Coverage ratio of 96.74 per cent, implying minimal legacy pain going forward. In fact, the Bank has consciously, and with the approval of the Board, stepped up provisions and prudential allowances beyond the *de minimis* requirements of the RBI. The Bank has also maintained its trend of profitability with a significant improvement in Operating Profit and a doubling of the Profit After Tax. From a prudent business and accounting perspective, the Bank, with the approval of its Board, has chosen to bolster provisions and reserves, thus strengthening the balance sheet at the minor expense of a lower declared profit.

The Bank is privileged to serve as the agent of the Government of India (GOI) in its overseas economic diplomacy via concessional Lines of Credit (LOCs) for development projects across the globe. As of March 31, 2021, Exim Bank has extended 272 LOCs, covering 64 countries with credit commitments of over US$ 26.76 bn.

A further positive has been the launch of the Ubharte Sitaare Programme, aimed at offering future export champions a combination of equity, debt and technical assistance to qualitatively and quantitatively grow their exports under the programme, apart from sanctions of just under ₹ 1 billion in loans, the Bank has a high-quality pipeline of cases (shortlisted out of an overall pipeline of more than one hundred potential cases across various sectors), and expects to convert several of them to sanctions in the current year. Moreover, all preparatory work for the Alternative Investment Fund in association with SIDBI are in place. Over time, I expect the Ubharte Sitaare to be the flagship development business programme of the Bank. I am highly optimistic that the Ubharte Sitaare programme will identify and develop future export champions of India in the days ahead.

सितारे बैंक का प्रमुख विकास व्यवसाय कार्यक्रम होगा। मैं आशान्वित हूं कि उभरते सितारे कार्यक्रम आने वाले समय में कल की निर्यात चैंपियन कंपनियों को चिह्नित करेगा और उनके विकास में सहयोगी होगा।

बैंक अपनी बैलेंस शीट को सुदृढ़ करने और वृद्धि के लिए वित्तीय सेवाएं विभाग के जरिए प्रदान की गई पूँजी के माध्यम से भारत सरकार से मिले प्रचुर सहयोग के लिए भारत सरकार का विनम्र आभारी और कृतज्ञ है। यथा 31 मार्च, 2021 को बैंक का लिवरेज मल्टीपल 7.60 (अधिकतम अनुमेय 10) रहा, जो पूँजी के उच्च उपयोग को और भावी वृद्धि की गुंजाइश को दर्शाता है। यथा 31 मार्च, 2021 को बैंक का जोखिम भारित आस्तियों की तुलना में पूँजी अनुपात 25.89 प्रतिशत की मजबूत स्थिति में रहा (यथा 31 मार्च, 2020 को 20.13 प्रतिशत)। हालांकि यह अनुपात ऋण-व्यवस्थाओं / रियायती वित्त योजना के अंतर्गत ऋणों के लिए भारत सरकार द्वारा गारंटी दिए गए शून्य-जोखिम भार लेने के चलते थोड़ा अधिक है; किन्तु यदि इनके लिए भी हम 50 प्रतिशत का जोखिम भार ले लें तो भी समायोजित सीआरएआर 18.30 प्रतिशत होगा (यथा 31 मार्च, 2020 को 14.84 प्रतिशत), जो इस स्तर पर भी अच्छी स्थिति में होगा और यह भी वृद्धि की संभावनाओं को दर्शाता है।

बैंक ने जनवरी 2021 में 10 वर्षीय बॉन्ड के जरिए 1 बिलियन यूएस डॉलर जुटाते हुए अंतरराष्ट्रीय ऋण पूँजी बाजार में अपना उल्लेखनीय ट्रैक रिकॉर्ड बनाए रखा है। बैंक ने यह राशि किसी भी भारतीय संस्था द्वारा 10 वर्षीय निर्गम के लिए न्यूनतम कूपन दर पर जुटाई। जनवरी 2016 से पिछले पांच वर्षों से बैंक विदेशों में सबसे बड़ी और सबसे प्रतिस्पर्धी दर पर विदेशी मुद्रा बॉन्ड जारी करने वाली संस्था रहा है। बैंक द्वारा जारी सभी विदेशी मुद्रा बॉन्ड इंडिया आईएनएक्स में लिस्टेड हैं, जो गिफ्ट सिटी में भारत का प्रथम अंतरराष्ट्रीय एक्सचेंज है। हम गौरवान्वित हैं कि एक्ज़िम बैंक इंडिया आईएनएक्स में संचयी रूप से सबसे बड़ी बॉन्ड जारीकर्ता संस्था है और हमें उम्मीद है कि आगामी वर्षों में इंडिया आईएनएक्स के साथ बैंक के संबंध और सुदृढ़ होते रहेंगे।

वर्तमान वर्ष 2021-22 चुनौतीपूर्ण होने के साथ-साथ अवसरों से भरपूर भी दिखाई देता है। वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान बैंक ने तमाम लागू विनियमों का अनुपालन करते हुए घर से काम को अधिकतम स्तर तक बढ़ाया और अपने व्यवसाय को सफलतापूर्वक अबाधित रूप से संभाला। हालांकि, पहले से चले आ रहे व्यवसाय को घर से काम करते हुए संभालना सहज है, किन्तु यात्राएं और मार्केटिंग किए बिना नए व्यवसाय लाने की कल्पना करना व्यावहारिक नहीं है। दूसरी लहर के बाद देश में लगाए गए विभिन्न प्रतिबंध धीरे-धीरे हटाए जा रहे हैं। ऐसे में, मैं उम्मीद करता हूं कि बैंक सक्रियता से नए व्यवसाय प्रस्ताव लाएगा और 2021-22 में बेहतर वृद्धि का प्रदर्शन करेगा। यह

The Bank is deeply appreciative of, and grateful for, the unstinted support of the GOI, through the Department of Financial Services (DFS), in providing the Bank with capital to strengthen the balance sheet and grow. As of March 31, 2021, the Bank's leverage multiple stood at 7.60 (maximum permissible 10), implying high utilisation of capital, yet leaving room to grow further. The Bank's Capital to Risk Assets Ratio (CRAR) as of March 31, 2021 stood at a robust 25.89 per cent (20.13 per cent on March 31, 2020). This is however arithmetically distorted by the zero-risk weightage for GOI guaranteed Lines of Credit / Concessional Finance Scheme Loans; at a midway risk weightage of 50 per cent instead, the adjusted CRAR would stand at 18.30 per cent (14.84 per cent on March 31, 2020), which is still robust and offers room for growth.

The Bank maintained its enviable track record in the international debt capital markets, raising US$ 1 billion in 10-year bonds in January 2021, at the lowest coupon for any Indian 10-year issuer ever. Over the last five years since January 2016, the Bank has been the largest and most competitively priced issuer of foreign currency paper out of India. All foreign currency bonds issued by the Bank are listed on India INX, which is India's first International Exchange set up at GIFT City. We are also proud to convey that Exim Bank is cumulatively the largest bond issuer listed on India INX, and we hope to continue to strengthen the Bank's relationship with India INX in the years ahead.

The current year 2021-22 looks to be promising as well as challenging. During 2020-21, the Bank in compliance with all applicable regulations has maximised Work From Home and has been successful in managing its business uninterrupted. However, while ongoing business is amenable to Work From Home, origination of new business without active travel and marketing is impractical. As the country opens gradually after the second wave, I look forward to the Bank actively generating new business proposals to enable superior growth performance in 2021-22. Encouragingly, the rapid improvement in India's major export markets augurs well for growing Indian exports.

Board Members

The Bank will complete 40 years later this year, and this voyage, as productive as it has been, would not have happened without the stellar direction

अच्छा संकेत है कि भारत के प्रमुख निर्यात बाजारों में तेजी से सुधार का पूर्वानुमान है, जो भारतीय निर्यातों की वृद्धि के लिए अच्छा है।

निदेशक मंडल के सदस्य

इसी वर्ष के उत्तरार्ध में बैंक के 40 वर्ष पूरे हो रहे हैं और यह यात्रा जितनी उत्पादक रही है, वह निदेशक मंडल के सदस्यों से समय-समय पर मिलने वाले सतत मार्गदर्शन और परामर्श के बिना संभव नहीं थी। 1980 के शुरुआती दशकों में एक नए संस्थान की बुनियाद रखने वाले संस्थापक एक्ज़िमाइट्स दूरदृष्टा साबित हुए हैं, जिन्होंने एक सुदृढ़ और प्रभावशाली संस्था की नींव रखी।

आज हम जिस मुकाम पर हैं, हमें हमारे निदेशक मंडल में भारत सरकार का प्रतिनिधित्व करने वाले निदेशकों श्री राहुल छाबड़ा, सचिव (ईआर), विदेश मंत्रालय; श्री रजत सच्चर, प्रधान सलाहकार, उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय; श्री के. राजारमन, अपर सचिव, आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय; श्री पंकज जैन, अपर सचिव, वित्तीय सेवाएं विभाग, वित्त मंत्रालय; और श्री अमिताभ कुमार, संयुक्त सचिव, वाणिज्य विभाग, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, का मार्गदर्शन और सान्निध्य मिलता रहा है।

हम विभिन्न संस्थाओं और वाणिज्यिक बैंकों का प्रतिनिधित्व करने वाले निदेशकों की विशेषज्ञता से लाभान्वित होते रहे हैं और उनसे सीखते रहे हैं, जिनमें श्री आर. सुब्रमणियन, कार्यकारी निदेशक, भारतीय रिज़र्व बैंक; श्री दिनेश खारा, अध्यक्ष, भारतीय स्टेट बैंक; श्री एम. सेंथिलनाथन, अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक, ईसीजीसी लि.; श्री राकेश शर्मा, प्रबंध निदेशक एवं सीईओ, आईडीबीआई बैंक; श्री राजकिरन राय जी., प्रबंध निदेशक एवं सीईओ, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया; और श्री ए. एस. राजीव, प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, बैंक ऑफ महाराष्ट्र; के साथ-साथ मेरे सहयोगी, बैंक के उप प्रबंध निदेशक सुश्री हर्षा बंगारी और श्री एन. रमेश शामिल हैं।

बैंक के निदेशक मंडल में परिवर्तन भी हुए हैं। ये परिवर्तन निदेशक के रूप में उनके पदभार में परिवर्तन होने या अधिवार्षिता आयु पूरी होने, जैसा भी मामला हो, के चलते हुए हैं। इनमें श्री विद्युत बिहारी स्वैन, विशेष सचिव, वाणिज्य विभाग, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय; श्री आनंद सिंह भाल, वरिष्ठ आर्थिक सलाहकार, उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय; सुश्री इंद्राणी बनर्जी, कार्यकारी निदेशक, भारतीय रिज़र्व बैंक; और श्री रजनीश कुमार, अध्यक्ष, भारतीय स्टेट बैंक, शामिल हैं। बैंक उनके मार्गदर्शन और सहयोग के लिए उनके प्रति आभार प्रकट करता है।

व्यक्तिगत मोर्चे पर, यह उत्तरदायित्व में परिवर्तन का समय है। यह बस 36 साल पुरानी ही तो बात है,

and advice received from the Board members from time to time. The founder Eximites, who created a new institution in the early 1980s have proved to be visionaries, creating the foundation for a robust and effective institution.

As we stand today, we are blessed to being guided by members of our Board of Directors representing the Government of India - Shri Rahul Chhabra, Secretary (ER), Ministry of External Affairs; Shri Rajat Sachar, Principal Adviser, Department for Promotion of Industry and Internal Trade, Ministry of Commerce and Industry; Shri K. Rajaraman, Additional Secretary, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance; Shri Pankaj Jain, Additional Secretary, Department of Financial Services, Ministry of Finance; and Shri Amitabh Kumar, Joint Secretary, Department of Commerce, Ministry of Commerce and Industry.

We continue to benefit and learn from the expertise of Directors from various institutions and commercial banks, which include Shri R. Subramanian, Executive Director, Reserve Bank of India; Shri Dinesh Khara, Chairman, State Bank of India; Shri M. Senthilnathan, Chairman-cum-Managing Director, ECGC Ltd.; Shri Rakesh Sharma, Managing Director & CEO, IDBI Bank; Shri Rajkiran Rai G., Managing Director & CEO, Union Bank of India; and Shri A.S. Rajeev, Managing Director & Chief Executive Officer, Bank of Maharashtra; apart from my colleagues, Ms. Harsha Bangari and Shri N. Ramesh, Deputy Managing Directors of the Bank.

There have also been changes on the Board of the Bank due to relinquishment of directorships consequent upon change in office or achieving superannuation, as may be the case-these include, Shri Bidyut Behari Swain, Special Secretary, Department of Commerce, Ministry of Commerce and Industry; Shri Anand Singh Bhal, Senior Economic Adviser, Department for Promotion of Industry and Internal Trade, Ministry of Commerce and Industry; Ms. Indrani Banerjee, Executive Director, Reserve Bank of India; and Shri Rajnish Kumar, Chairman, State Bank of India - we thank them all for their guidance and support.

On a personal note, it is time for a change of guard. Just over 36 years ago, in 1984-85, I joined the Exim Bank as a callow and untested Management

जब मैंने एक अनुभवहीन युवा प्रबंधन प्रशिक्षु के रूप में 1984-85 में बैंक जॉइन किया था। मैं सभी स्तरों पर अपने अग्रज एक्ज़िमाइट्स की सदाशयता और उनकी उदारता के लिए अत्यंत कृतज्ञ हूं, जिन्होंने मुझे सिखाया और मेरा मार्गदर्शन किया। मैं भारत सरकार के प्रति भी कृतज्ञ हूं, जिसने पहले उप प्रबंध निदेशक के रूप में और फिर प्रबंध निदेशक के रूप में बैंक का नेतृत्व करने के लिए मुझमें विश्वास जताया। मुझे इस बात का अफसोस जरूर रहेगा कि मेरा अधिकांश समय और ध्यान बैलेंस शीट को ठीक करने तथा अनर्जक आस्ति की समस्या का समाधान करने की भेंट चढ़ गया, जिससे वृद्धि और रणनीति पर ध्यान केंद्रित करने के लिए मेरे पास कम समय रहा। हालांकि यह रक्षात्मक कार्य अब पूरा हो गया है और बैंक की बैलेंस शीट सुदृढ़ है। 31 मई, 2021 को मैं 1980 के दशक की पीढ़ी के अंतिम प्रतिनिधि के रूप में अपने कार्यभार से विमुक्त हो जाऊंगा और मशाल 1990 के दशक की पीढ़ी को सौंप दूंगा। मुझे पूरा विश्वास है कि इस परिवर्तन से बैंक को एक ऊर्जावान, युवा और वृद्धि–उन्मुख मानसिकता वाला नेतृत्व मिलेगा, जो सुदृढ़ बैलेंस शीट से लाभान्वित होगा और बैंक को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा तथा आगामी वर्षों में इन उम्मीदों पर खरा उतरने के लिए न सिर्फ हर संभव प्रयास करेगा, बल्कि भारत सरकार की उम्मीदों से बेहतर प्रदर्शन करेगा।

भारतीय निर्यातकों के लिए प्रमुख बाजारों में से पहले से ही संभलने लगे यूएस और यूरोप जैसे कुछ बाजारों में सुधार को देखते हुए मैं भारत की वापसी को लेकर आशान्वित हूं। हम, एक्ज़िम बैंक, यह समझते हैं कि जैसे–जैसे हम आगे बढ़ेंगे, यह साल हमारे लिए अच्छा साबित होता जाएगा और हम भारतीय निर्यातकों की वैश्विक आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए उनके साथ मिलकर काम करने के लिए आशान्वित हैं।

बैंक के प्रत्येक कर्मचारी के समर्पण और योगदान के लिए मैं अपनी कृतज्ञता व्यक्त करता हूं और सराहना करता हूं, जो इस बेहद मुश्किल घड़ी में भी मजबूती से अपने काम पर डटे रहे और बेहतरीन प्रदर्शन किया। दुर्भाग्यवश, कोविड-19 के चलते हमने अपने कुछ स्टाफ और उनके परिजनों को खो दिया, जिसकी भरपाई कभी नहीं की जा सकती। समस्त एक्ज़िमाइट्स की विशेषज्ञता, अपने क्षेत्र का ज्ञान और प्रतिबद्धता ही बैंक की दृढ़ता का स्रोत है और आगामी वर्षों में यही दृढ़ता बैंक को प्रगति के मार्ग पर सफलतापूर्वक आगे ले जाएगी। बैंक और सभी एक्ज़िमाइट्स को भविष्य के लिए मेरी तरफ से शुभकामनाएं।

डेविड रस्कीना
18 मई, 2021

Trainee. I am deeply grateful for the generosity and kindness of eminent elder Eximites at all levels, who guided and taught me. I am also grateful to the Government of India, for reposing confidence in me to lead the Bank, first as Deputy Managing Director and then as Managing Director. A lasting regret for me is that a major share of my time and attention had to perforce be devoted to repairing the balance sheet and attacking the NPA problem, leaving me less time and attention to address growth and strategy. This defensive work is now over though, and the Bank's balance sheet is strong. On May 31, 2021, I lay down office as the last representative of the 1980s generation and pass the torch to the 1990s generation. I am confident that the change of guard will see an energetic, youthful, and growth-oriented mind-set that will leverage the strong balance sheet and take the Bank to new heights, leaving no stone unturned in the years ahead, to live up to, and in fact exceed, the expectations of the Government of India.

I am optimistic that India will bounce back given the recovery in some of the major markets for Indian exporters like the US and Europe which have already started recuperating. We at Exim Bank stand to believe that we are going to have a good year as we go ahead, and we look forward to partnering with Indian exporters in fulfilling their global aspirations.

I would like to express my gratitude and appreciation for the dedication and contribution of each and every employee of the Bank who stood tall during these extremely unprecedented times and performed exceedingly well. Sadly, we suffered losses to staff and their families on account of COVID-19, losses that can never be made up. The expertise, domain knowledge and commitment of all Eximites is a source of strength that will see the Bank grow from strength to strength in the years ahead. I wish the Bank, and all Eximites, all the very best for the future.

David Rasquinha
May 18, 2021

प्रबंधन
Management

मुख्य महाप्रबंधक
Chief General Managers

श्री मुकुल सरकार
Shri Mukul Sarkar

श्री डेविड सिनाटे
Shri David Sinate

श्री प्रहलादन अय्यर
Shri Prahalathan Iyer

सुश्री रीमा मारफतिया
Ms. Rima Marphatia

सुश्री मंजिरी भालेराव
Ms. Manjiri Bhalerao

सुश्री दीपाली अग्रवाल
Ms. Deepali Agrawal

श्री तरुण शर्मा
Shri Tarun Sharma

श्री गौरव भंडारी
Shri Gaurav Bhandari

श्री उत्पल गोखले
Shri Utpal Gokhale

(यथा 31 मार्च, 2021 / As on March 31, 2021)

महाप्रबंधक
General Managers

श्री टी. डी. सिवाकुमार
Shri T. D. Sivakumar

सुश्री मीना वर्मा
Ms. Meena Verma

श्री विक्रमादित्य उगरा
Shri Vikramaditya Ugra

श्री धर्मेन्द्र सचान
Shri Dharmendra Sachan

श्री सुजीत भाले
Shri Sujeet Bhale

सुश्री शिल्पा वाघमारे
Ms. Shilpa Waghmare

श्री उदय शिंदे
Shri Uday Shinde

श्री लोकेश कुमार
Shri Lokesh Kumar

श्री सरोज खुंटिया
Shri Saroj Khuntia

श्री रिकेश चंद
Shri Rikesh Chand

श्री निर्मित वेद
Shri Nirmit Ved

श्री दयानन्द शेट्टी
Shri Dayanand Shetty

सुश्री मेघना जोगलेकर
Ms. Meghana Joglekar

सुश्री प्रीति थॉमस
Ms. Priti Thomas

(यथा 31 मार्च, 2021 / As on March 31, 2021)

आर्थिक परिवेश
Economic Environment

वैश्विक अर्थव्यवस्था

पिछले एक वर्ष में दुनिया बहुत तेजी से बदली है। कोविड-19 महामारी ने दुनिया को तेजी से अपनी चपेट में ले लिया और वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए अप्रत्याशित चुनौती खड़ी कर दी। स्वास्थ्य संकट, बड़े पैमाने पर आर्थिक दुष्परिणामों के फलस्वरूप आर्थिक संकट में तब्दील हो गया। कोविड-19 वायरस को फैलने से रोकने के लिए, वर्ष 2020 के अधिकतर महीनों के दौरान दुनिया के तमाम देशों ने सुरक्षित दूरी, क्वारंटीन और जरूरी तालाबंदी जैसे उपाय किए। अप्रैल 2021 में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के वर्ल्ड इकनॉमिक आउटलुक आकलन के अनुसार, 2020 में वैश्विक अर्थव्यवस्था में 2019 की 2.8 प्रतिशत की वृद्धि दर की तुलना में 3.3 प्रतिशत की गिरावट आई। इसे 1930 की महामंदी के बाद सबसे बड़ी आर्थिक मंदी के रूप में देखा जा रहा है।

इसके बावजूद, 2020 के आखिरी के कुछ महीनों में, अधिकतर देशों ने तालाबंदी में ढील देते हुए, विस्तारकारी राजस्व और मौद्रिक नीतियों और टीकाकरण के जरिए आर्थिक सुधार का मार्ग अपनाया। तदनुसार, 2020 के उत्तरार्ध में दुनियाभर में व्यवसाय जगत के साथ-साथ उपभोक्ताओं के भरोसे में सुधार आया।

इस महामारी ने अधिकतर देशों को 2020 में मंदी की ओर धकेल दिया। आर्थिक सुधार की दिशा अलग-अलग क्षेत्रों और देशों में भिन्न रही है। इससे पता चलता है कि इस महामारी से उत्पन्न बाधाओं के साथ-साथ नीतिगत सहायता का स्वरूप भी अलग स्तर का रहा है। उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में गिरावट वैविध्यपूर्ण रही है, जिसने मुख्य रूप से यूएस (2019 की 2.2 प्रतिशत की तुलना में 2020 में -3.5 प्रतिशत), यूरो क्षेत्र (2019 की 1.3 प्रतिशत की तुलना में 2020 में -6.6 प्रतिशत) और यूके (2019 की 1.4 प्रतिशत की तुलना में 2020 में -9.9 प्रतिशत) जैसी बड़ी अर्थव्यवस्थाओं को प्रभावित किया है। उभरती और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं की विकास दर 2019 में 3.6 प्रतिशत रही थी, किन्तु 2020 में यह 2.2 प्रतिशत रह गई। दुनिया की तमाम बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में चीन एकमात्र ऐसा देश रहा, जो 2020 में 2.3 प्रतिशत की धनात्मक जीडीपी वृद्धि दर को छू पाया।

तेल की मांग और तेल की कीमतों में अभूतपूर्व गिरावट 2020 की एक और महत्त्वपूर्ण घटना रही। इस महामारी और इसे फैलने से रोकने के उपायों के चलते तेल की मांग और कीमतों में अप्रत्याशित गिरावट आई। मांग और

Global Economy

The world has changed dramatically in the last one year. The COVID-19 pandemic swiftly engulfed the world and has caused an unprecedented challenge to the global economy. The health crisis has spilled over to become an economic crisis with large-scale economic repercussions. In an effort to contain the spread of the COVID-19 virus, nations across the world implemented social distancing practices, quarantines, and necessary lockdown measures during most part of 2020. According to the estimates by the International Monetary Fund (IMF)'s World Economic Outlook in April 2021, the global economy contracted by 3.3 per cent in 2020, as compared to a growth rate of 2.8 per cent witnessed in 2019. This is considered to be the worst economic recession since the Great Depression of the 1930s.

Nevertheless, in the last few months of 2020 most nations had set out on a path to economic recovery, with easing of lockdowns, expansionary fiscal and monetary policies, and the prospect of vaccinations. Accordingly, business and consumer confidence had largely improved across the world in the latter part of 2020.

The pandemic plunged most countries into a recession in 2020. Economic recovery has varied across regions as well as countries, based on degree of the pandemic-induced disruptions and the extent of policy support. Among advanced economies, the weakening has been broad-based, affecting major economies notably the United States (-3.5 per cent in 2020, as against 2.2 per cent in 2019), Euro area (-6.6 per cent in 2020, as against 1.3 per cent in 2019), and the United Kingdom (-9.9 per cent in 2020, as against 1.4 per cent in 2019). Growth in the emerging and developing economies, which was at 3.6 per cent in 2019, contracted by 2.2 per cent in 2020. Among all the large economies in the world, China was the only country to show a positive GDP growth (2.3 per cent in 2020).

Another important feature of 2020 has been the historic collapse in oil demand and oil prices. The pandemic and efforts to contain it triggered

कीमतों में आई इस गिरावट का ऊर्जा और औद्योगिक वस्तुओं के निर्यातकों पर खास तौर पर विपरीत प्रभाव पड़ा।

विश्व व्यापार

इस महामारी और इसके परिणामस्वरूप लगाए गए यात्रा और परिवहन प्रतिबंधों से 2020 में विश्व व्यापार बुरी तरह प्रभावित हुआ। मात्रा की दृष्टि से 2020 में, वस्तुओं और सेवाओं के वैश्विक व्यापार में 8.5 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई, जबकि 2019 में इसमें 0.9 प्रतिशत की मामूली वृद्धि देखी गई थी। यह गिरावट 2009 के वैश्विक वित्तीय संकट के समान है।

वैश्विक मर्चेंडाइज व्यापार में मात्रा की दृष्टि से गिरावट दर्ज की गई। वर्ष 2019 में 0.3 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी के बाद वर्ष 2020 में 5.1 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। तदनुसार, वर्ष 2020 में विश्व मर्चेंडाइज निर्यात 17.2 ट्रिलियन यूएस डॉलर का रहा। इसमें 7.4 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। परिवहन, लॉजिस्टिक्स, आतिथ्य और उड्डयन जैसे संपर्क-गहन क्षेत्रों में तीव्र गिरावट देखी गई।

विश्व वाणिज्यिक सेवा निर्यात वर्ष 2020 में 4.9 ट्रिलियन यूएस डॉलर का रहा, जिसमें 19.5 प्रतिशत की गिरावट आई। सेवा व्यापार विशेष रूप से अंतरराष्ट्रीय यात्रा प्रतिबंधों के कारण गिरा। यात्रा प्रतिबंधों के कारण भौतिक उपस्थिति की अनिवार्यता वाली सेवाओं की डिलीवरी बाधित हुई।

भारतीय अर्थव्यवस्था

वित्तीय वर्ष 2020-21 भारत के लिए भी असाधारण रहा। मार्च 2020 से सबसे सख्त तालाबंदी लागू करने वाले देशों में से एक रहे भारत को पिछले कई दशकों में पहली बार मंदी का सामना करना पड़ रहा है। वित्तीय वर्ष 2020-21 की पहली तिमाही में ही दोहरे अंकों में गिरावट दर्ज की गई। हालांकि, दूसरी तिमाही में सुधारात्मक उपायों के साथ-साथ तालाबंदी को चरणबद्ध तरीके से खोलने और बाधित हुई मांग के धीरे-धीरे बढ़ने से भारत वित्तीय वर्ष 2020-21 की तीसरी तिमाही में 'तकनीकी मंदी' से बाहर आ गया। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय, भारत सरकार के आंकड़ों के अनुसार वित्तीय वर्ष 2020-21 की पूर्ण अवधि के दौरान भारत की अर्थव्यवस्था में 7.3 प्रतिशत की गिरावट आंकी गई।

जीडीपी के घटकों में सबसे अधिक प्रभाव सेवाओं और उद्योग (मुख्यतः विनिर्माण) क्षेत्रों पर पड़ा। सकल मूल्य

an unprecedented collapse in oil demand and a crash in oil prices. Exporters of energy or industrial commodities were particularly hard hit due to a severe terms-of-trade shock.

World Trade

The slump in activity due to the pandemic and the resultant restrictions imposed on travel and movement severly affected global trade in 2020. In volume terms, global trade in goods and services contracted by 8.5 per cent in 2020, down from a modest 0.9 per cent growth in 2019, a drop similar to that witnessed during the global financial crisis in 2009.

Global merchandise trade in volume terms registered a decline of 5.1 per cent in 2020, after rising by 0.3 per cent in 2019. Accordingly, the dollar value of world merchandise exports in 2020 fell by 7.4 per cent to US$ 17.2 trillion. Contact-intensive sectors such as transportation, logistics, hospitality and aviation, especially witnessed a sharp contraction.

Services exports declined by 19.5 per cent in 2020 to US$ 4.9 trillion. Services trade was especially weighed down by international travel restrictions, which prevented the delivery of services requiring physical presence or face-to-face interaction.

Indian Economy

The financial year 2020-21 has been an unusual year for India as well. India, which had one of the strictest nationwide lockdowns since March 2020, moved into recession for the first time in several decades, with a double-digit contraction in the first quarter of FY 2020-21. However, with the phased easing of lockdowns from the second quarter, and the gradual release of pent-up demand, alongside reform measures, India rebounded out of a 'technical recession' in Q3 of FY 2020-21. India's economy is estimated to have contracted by 7.3 per cent for the full year FY 2020-21, as per data from the Ministry of Statistics and Programme Implementation, Government of India.

Among the components of GDP, services and industry (mainly manufacturing) sectors were the most affected, registering a contraction of around

वर्धन की दृष्टि से दोनों क्षेत्रों में क्रमशः 8.4 प्रतिशत और 1.0 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। व्यापार, आतिथ्य, परिवहन, संचार और प्रसारण संबंधी सेवाएं और निर्माण क्षेत्र सबसे अधिक प्रभावित हुए, जिनमें दोहरे अंकों में गिरावट दर्ज की गई। निर्माण, खनन एवं उत्खनन और विनिर्माण क्षेत्र में 7.0 से 9.0 प्रतिशत तक की गिरावट आई।

कृषि एकमात्र क्षेत्र रहा, जिसमें 3.6 प्रतिशत की धनात्मक वृद्धि दर्ज की गई। इस महामारी के दौरान कृषि क्षेत्र न केवल भारतीय अर्थव्यवस्था की गति को बरकरार रखने में सहायक रहा, बल्कि कोविड-19 तालाबंदी के बाद शहरों से गांवों को भारी संख्या में पलायन कर गए मजदूरों को रोजगार देने में भी मददगार रहा।

विदेश व्यापार के मामले में, वित्तीय वर्ष 2020-21 में भारत का समग्र मर्चेंडाइज निर्यात 7.1 प्रतिशत की गिरावट के साथ 291.1 बिलियन यूएस डॉलर का रहा। वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान निर्यातों को बनाए रखने में सहायक रहे क्षेत्रों में अन्य के साथ-साथ अयस्क और खनिज (41.1 प्रतिशत की वृद्धि), कृषि और संबद्ध उत्पाद (23.7 प्रतिशत), मूल धातुएं (15.7 प्रतिशत), रसायन और संबद्ध उत्पाद (7.2 प्रतिशत) और पत्थर, प्लास्टर, सीमेंट की वस्तुएं (7.2 प्रतिशत) जैसे क्षेत्र शामिल रहे। वहीं दूसरी ओर, ऐसे क्षेत्र जिनमें उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई, उनमें पेट्रोलियम उत्पाद (37.6 प्रतिशत), रत्न एवं आभूषण (27.5 प्रतिशत), परिवहन उपकरण (14.6 प्रतिशत), टेक्सटाइल उत्पाद (10.0 प्रतिशत), मशीनरी (7.4 प्रतिशत) और इलेक्ट्रॉनिक वस्तु (5.2 प्रतिशत) जैसे क्षेत्र शामिल रहे, जिनका भारत के निर्यातों में प्रमुख हिस्सा रहता है।

वर्ष के दौरान, न्यून घरेलू मांग के चलते, विशेष रूप से मध्यवर्ती और पूँजी-गहन वस्तुओं के मामले में आयातों में निर्यातों से अधिक गिरावट आई। भारत के आयात वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान गत वर्ष की तुलना में 17.1 प्रतिशत की गिरावट के साथ 393.6 बिलियन यूएस डॉलर के रहे। वनस्पति तेलों के आयातों में वृद्धि के चलते वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान केवल कृषि और संबद्ध क्षेत्र के आयातों में 2.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। ऐसे क्षेत्र जिनका भारत के आयातों में प्रमुख हिस्सा है और जिनमें गिरावट दर्ज की गई, उनमें-पेट्रोलियम उत्पादों (मुख्य रूप से क्रूड) में 37.6 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। इसके बाद क्रमशः अयस्क और खनिज (23.8 प्रतिशत), मशीनरी (20.2 प्रतिशत), मूल धातुएं

8.4 per cent and 7.0 per cent, respectively, in terms of gross value added. Trade, hospitality, transport, communication and broadcasting related services were the most impacted, registering a double-digit contraction. Construction, mining and quarrying and manufacturing witnessed a contraction in the range of 7.0 to 9.0 per cent.

Agriculture was the only sector to maintain positive growth at 3.6 per cent. The healthy performance of the agricultural sector has not only helped in sustaining the Indian economy during the pandemic, but also accommodated the excess labour from urban areas after the COVID-19 lockdown.

On the external front, India's overall merchandise exports declined by 7.1 per cent to US$ 291.1 billion in FY 2020-21. Sectors which drove exports during FY 2020-21 were ores and minerals (record a growth of 41.1 per cent), agriculture and allied products (23.7 per cent), base metals (15.7 per cent), chemicals and related products (7.2 per cent) and articles of stone, plaster, cement (7.2 per cent), among others. On the other hand, sectors like petroleum products (recorded a contraction of 37.6 per cent), gems and jewellery (27.5 per cent), transport equipment (14.6 per cent), textile products (10.0 per cent), machinery (7.4 per cent) and electronic items (5.2 per cent each), which account for a major share in India's export basket, have registered significant contraction.

Imports contracted more than exports due to weaker domestic demand during the year, especially for the intermediate and capital-intensive goods. India's imports declined by 17.1 per cent over the previous year to US$ 393.6 billion during 2020-21. Import growth during 2020-21 was positive only for the agriculture and allied sector at 2.9 per cent, on account of the increase in import of vegetable oils. Other sectors, which account for a major share in India's import basket, have contracted – petroleum products (mainly crude) by 36.7 per cent, followed by ores and mineral (23.8 per cent), machinery (20.2 per cent), base metals (16.6 per cent), plastic and its

(16.6 प्रतिशत), प्लास्टिक और प्लास्टिक की वस्तुएं (7.3 प्रतिशत) और परिवहन उपकरण (32.9 प्रतिशत) जैसे क्षेत्र शामिल रहे। कुल मिलाकर वर्ष 2020-21 के दौरान भारत का व्यापार घाटा पिछले वर्ष के 161.3 बिलियन यूएस डॉलर से घटकर 102.5 बिलियन यूएस डॉलर का रहा।

यात्रा और परिवहन सेवा निर्यातों के बुरी तरह प्रभावित होने से भारत के सेवा निर्यातों में वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान 3.3 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई और ये 206.1 बिलियन यूएस डॉलर के रहे। तथापि, डिजिटल काम बढ़ने से सॉफ्टवेयर सेवा निर्यात वित्तीय वर्ष 2020-21 में 4.1 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 100.0 बिलियन यूएस डॉलर के रहे।

भारत के व्यापार परिदृश्य में आए इस असाधारण परिवर्तन से वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान चालू खाता अधिशेष रहा। यह 24.0 बिलियन यूएस डॉलर या दूसरे शब्दों में कहें तो जीडीपी का 0.9 प्रतिशत रहा।

कोविड–19 महामारी के बीच विदेश व्यापार की दृष्टि से भारत का मैक्रो–इकनॉमिक लचीलापन वित्तीय जोखिमों को कुछ हद तक कम करने में सहायक रहा है। वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान 81.7 बिलियन यूएस डॉलर की प्रत्यक्ष विदेश निवेश आवक हुई, जो भारत की दीर्घकालिक वृद्धि में निवेशकों के विश्वास को दर्शाती है। इसमें महामारी के बावजूद पिछले वर्ष की तुलना में 9.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। तथापि, अधिकांश बढ़ोत्तरी ग्रीनफील्ड निवेश की तुलना में विलय एवं अधिग्रहण के चलते रही। दुनियाभर में प्रोत्साहन पैकेजों के चलते आई अतिरिक्त वैश्विक तरलता से विदेशी पोर्टफोलियो निवेश भी बढ़ा। यह वित्तीय वर्ष 2019-20 के 0.6 बिलियन यूएस डॉलर की तुलना में वित्तीय वर्ष 2020-21 में 38.1 बिलियन यूएस डॉलर का रहा।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर यथा 31 मार्च, 2021 को 579.3 बिलियन यूएस डॉलर का हो गया, जो लगभग 17 महीनों के आयातों के अनुरूप है। वहीं, यथा 31 मार्च, 2021 को सरकार का विदेशी ऋण, जीडीपी का 4.0 प्रतिशत रहा और भारत का विदेशी ऋण वैसे ही बना रहा। भारत का विदेशी ऋण मार्च 2020 में 558.4 बिलियन यूएस डॉलर का था, जो मार्च 2021 के अंत में बढ़कर 570.0 बिलियन यूएस डॉलर का हो गया।

वित्तीय वर्ष 2020-21 की अंतिम तिमाही (जनवरी से मार्च) में भारतीय अर्थव्यवस्था का मुख्य फोकस

articles (7.3 per cent), and transport equipment (32.9 per cent). Overall, India's trade deficit during 2020-21 stood at US$ 102.5 billion, narrowing from US$ 161.3 billion in the previous year.

India's services exports contracted by 3.3 per cent to US$ 206.1 billion during 2020-21 as travel and transport services exports were severely affected. However, due to the increased digital modes of work, software services exports in FY 2020-21 have grown by 4.1 per cent to US$ 100.0 billion.

This unusual shift in India's trade dynamics resulted in India registering a current account surplus of US$ 24.0 billion or 0.9 per cent of GDP during FY 2020-21.

India's macroeconomic resilience on the external front has helped mitigate its financial risks to some extent, amidst the COVID-19 pandemic. Investor confidence in India's long-term growth was reflected by the robust foreign direct investment (FDI) inflows of US$ 81.7 billion during FY 2020-21, registering an increase of 9.8 per cent over the previous year, notwithstanding the pandemic. However, much of the increase was due to mergers and acquisitions, as compared to greenfield investment. Surplus global liquidity triggered by the stimulus packages across the world, resulted in foreign portfolio investment (FPI) increasing from US$ 0.6 billion in FY 2019-20 to US$ 38.1 billion in FY 2020-21.

India's foreign exchange reserves increased to US$ 579.3 billion as on March 31, 2021, corresponding to approximately 17 months of imports. At the same time, India's external debt continues to remain sustainable with the government external debt at 4.0 per cent of GDP as of March 31, 2021. India's external debt rose to US$ 570.0 billion as at end March 2021, from US$ 558.4 billion in March 2020.

The prime focus of the Indian economy in the last quarter (January to March) of FY 2020-21 was to contain the spread of the virus along with consolidation of economic revival. Going forward, the fiscal stimulus under the Atmanirbhar Bharat

आर्थिक बहाली के साथ वायरस को फैलने से रोकने पर रहा। आने वाले समय में, भारतीय रिज़र्व बैंक के मौद्रिक प्रोत्साहन के साथ आत्मनिर्भर भारत अभियान के अंतर्गत वित्तीय प्रोत्साहन से वृद्धि को गति मिलने की संभावना है। हालांकि न्यून-क्षमता उपयोगिता के चलते निजी निवेश मंद ही बने रहने की आशंका है। केंद्रीय बजट 2021-22 में अन्य के साथ-साथ घरेलू विनिर्माण, स्वास्थ्य सेवा, बुनियादी ढांचा और नवाचार पर जोर के साथ-साथ वृहत्तर पूँजीगत व्यय पर ध्यान केंद्रित किया गया। तथापि, हाल ही में संक्रमण की नई लहरों के साथ-साथ वायरस के नए वैरिएंट सामने आने तथा इसके परिणामस्वरूप तालाबंदी होने एवं वित्तीय जोखिमों के बने रहने के चलते संपोषी सुधार के लिए चुनौतियां जस की तस बनी हुई हैं।

वित्तीय वर्ष 2020-21 की समाप्ति भारत के चरणबद्ध टीकाकरण अभियान की शुरुआत तथा संक्रमण की दूसरी लहर और वायरस के नए वैरिएंट सामने आने के साथ हुई। तथापि, आर्थिक गतिविधि धीरे-धीरे सामान्य होने की ओर बढ़ रही है। हालांकि वृद्धि में गिरावट का जोखिम बने रहने के बावजूद टीकाकरण में उत्तरोत्तर वृद्धि से सुधार की अधिक संभावना है। आईएमएफ वर्ल्ड इकनॉमिक आउटलुक (अप्रैल 2021) के नवीनतम आकलन के अनुसार 2021 में भारत के 12.5 प्रतिशत की अच्छी दर से सुधार करने का संकेत है।

Abhiyan, along with the Reserve Bank of India's monetary stimulus, is likely to accelerate growth, although private investments may continue to remain sluggish amidst the low-capacity utilization. The Union Budget 2021-22, with its thrust on domestic manufacturing, healthcare, infrastructure, innovation, among others, focuses on investment-led measures along with increased capital expenditure. However, the recent emergence of variants of the virus along with new waves of infections and resultant lockdowns, coupled with materialisation of the financial risks continue to pose challenges for sustained recovery.

The fiscal year 2020-21 ended with the onset of India’s phased vaccination drive, as well as the second wave of infections coupled with newer variants of the virus. Nevertheless, economic activity is normalising with the progressive increase in vaccinations and prospects for recovery appear much brighter, in spite of the persistence of downside risks. The IMF World Economic Outlook (April 2021) indicates, a stronger recovery for India at 12.5 per cent in 2021.

निदेशकों की रिपोर्ट
Directors' Report

परिचालनों तथा वित्तीय निष्पादन की समीक्षा

ऋण आस्तियां

बैंक ने विभिन्न ऋण कार्यक्रमों के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2019-20 के ₹ 402.55 बिलियन के ऋण के मुकाबले वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान ₹ 365.21 बिलियन का ऋण अनुमोदित किया। वित्तीय वर्ष 2019-20 के ₹ 337.35 बिलियन की तुलना में वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान बैंक ने ₹ 341.22 बिलियन का ऋण संवितरण किया। वित्तीय वर्ष 2019-20 के दौरान ऋण चुकौती की राशि जहां ₹ 334.87 बिलियन थी, वहीं वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान ₹ 248.54 बिलियन रही। यथा 31 मार्च, 2021 को निवल ऋण-आस्तियां ₹ 1038.51 बिलियन की रहीं, जिनमें गत वर्ष की तुलना में 4.43 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी दर्ज की गई। यथा 31 मार्च, 2021 को रुपया राशि के ऋण और अग्रिम, निवल ऋण आस्तियों के 20 प्रतिशत रहे, वहीं शेष 80 प्रतिशत विदेशी मुद्रा में रहे। यथा 31 मार्च, 2021 को अल्पावधि ऋण, निवल ऋणों तथा अग्रिमों के 14 प्रतिशत रहे।

गैर-निधिक सुविधाएं

बैंक द्वारा वित्तीय वर्ष 2019-20 की ₹ 71.39 बिलियन राशि की तुलना में वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान ₹ 64.22 बिलियन की गैर-निधिक ऋण सुविधाएं मंजूर की गईं। इनमें परियोजना गारंटियां, वित्तीय गारंटियां और साख-पत्र शामिल रहे। यथा 31 मार्च, 2021 को बैंक का कुल गैर-निधिक पोर्टफोलियो, यथा 31 मार्च, 2020 के ₹ 158.70 बिलियन की तुलना में ₹ 142.29 बिलियन

REVIEW OF OPERATIONS AND FINANCIAL PERFORMANCE

Loan Assets

The Bank approved loans aggregating ₹ 365.21 billion under various lending programmes during FY 2020-21, as against ₹ 402.55 billion during FY 2019-20. Loan disbursements during FY 2020-21 were ₹ 341.22 billion, as against ₹ 337.35 billion during FY 2019-20, while loan repayments during FY 2020-21 amounted to ₹ 248.54 billion, as against ₹ 334.87 billion in FY 2019-20. Net loan assets as of March 31, 2021, were ₹ 1038.51 billion, registering an increase of 4.43 per cent vis-à-vis the previous year. Rupee loans and advances accounted for 20 per cent of the net loan assets as of March 31, 2021, while the balance 80 per cent were in foreign currency. Short-term loans accounted for 14 per cent of the net loans and advances as of March 31, 2021.

Non-Funded Facilities

During FY 2020-21, the Bank sanctioned non-funded facilities aggregating ₹ 64.22 billion as against ₹ 71.39 billion in FY 2019-20, comprising project guarantees, financial guarantees, and letters of credit. The Bank's aggregate non-funded portfolio, comprising guarantees, letters of credit and standby letters of credit, as of March 31, 2021, stood at ₹ 142.29 billion as against ₹ 158.70 billion as of March 31, 2020, representing a decline of 10.34 per cent.

रूपपुर नाभिकीय ऊर्जा संयंत्र की विद्युत वितरण इकाइयों का वर्चुअल आधारशिला समारोह। इसकी आधारशिला भारत और बांग्लादेश के माननीय प्रधानमंत्रियों द्वारा वर्चुअल रूप से रखी गई। ये इकाइयां बांग्लादेश सरकार को प्रदत्त ऋण-व्यवस्था के अंतर्गत वित्तपोषित हैं।

Virtual foundation stone laying ceremony by Hon'ble Prime Ministers of India and Bangladesh of the nuclear power evacuation facilities of Rooppur Nuclear Power Plant . These facilities have been financed under an LOC to the Government of Bangladesh.

का रहा, जिसमें गारंटियां, साख-पत्र एवं आपाती साख-पत्र शामिल रहे। इसमें गत वर्ष की तुलना में 10.34 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। वित्तीय वर्ष 2019-20 में ₹ 50.30 बिलियन की तुलना में वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान ₹ 30.71 बिलियन की गारंटियां जारी की गईं। वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान गत वर्ष के ₹ 17.64 बिलियन की तुलना में ₹ 3.70 बिलियन के साख-पत्र जारी किए गए। बैंक की बहियों में गारंटियां यथा 31 मार्च, 2020 को ₹ 150.40 बिलियन की तुलना में, यथा 31 मार्च, 2021 को ₹ 139.67 बिलियन की रहीं। वहीं, साख पत्र, यथा 31 मार्च, 2020 के ₹ 8.30 बिलियन की तुलना में यथा 31 मार्च, 2021 को ₹ 2.62 बिलियन के रहे।

आय/व्यय

बैंक ने सामान्य निधि लेखे में वित्तीय वर्ष 2019-20 के दौरान ₹ 2.44 बिलियन के मुकाबले वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान ₹ 3.56 बिलियन का कर पूर्व लाभ दर्ज किया। आयकर के लिए ₹ 1.02 बिलियन के प्रावधान के बाद, वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान कर पश्चात लाभ ₹ 2.54 बिलियन का रहा, जबकि वित्तीय वर्ष 2019-20 में यह ₹ 1.24 बिलियन का रहा था। इस लाभ में से ₹ 1.75 बिलियन की राशि निवेश उतार-चढ़ाव आरक्षित निधियों में अंतरित कर दी गई और ₹ 0.54 बिलियन की राशि आरक्षित निधि में अंतरित की गई। शेष ₹ 0.25 बिलियन की राशि भारतीय निर्यात-आयात बैंक अधिनियम, 1981 के प्रावधान के अनुसार भारत सरकार को अंतरित की गई।

वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान निर्यात विकास कोष का कर पूर्व और कर पश्चात लाभ दोनों, वर्ष 2019-20 के क्रमशः ₹ 108.79 मिलियन और ₹ 70.98 मिलियन की तुलना में ₹ 93.65 मिलियन के रहे। ₹ 93.65 मिलियन का लाभ अगले वर्ष के लिए ले जाया गया।

ऋणों पर ब्याज, विनिमय कमीशन, ब्रोकरेज और शुल्क आदि को मिलाकर कारोबारी आय वित्तीय वर्ष 2019-20 की ₹ 56.35 बिलियन की तुलना में वित्तीय वर्ष 2020-21 में ₹ 46.09 बिलियन की रही। निवेश आय, बैंक जमा राशियों पर ब्याज सहित वित्तीय वर्ष 2019-20 की ₹ 30.18 बिलियन की तुलना में वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान ₹ 39.68 बिलियन की रही। उधारियां बढ़ने के बावजूद वित्तीय वर्ष 2020-21 में ब्याज व्यय वित्तीय वर्ष 2019-20 से ₹ 8.18 बिलियन कम होकर ₹ 54.92 बिलियन का रहा। प्रशासनिक खर्च

Guarantees issued during FY 2020-21 amounted to ₹ 30.71 billion as against ₹ 50.30 billion in FY 2019-20. Letters of Credit issued during FY 2020-21 amounted to ₹ 3.70 billion as against ₹ 17.64 billion in FY 2019-20. Guarantees in the books of the Bank as of March 31, 2021, were ₹ 139.67 billion as against ₹ 150.40 billion as of March 31, 2020, and Letters of Credit as of March 31, 2021, amounted to ₹ 2.62 billion as against ₹ 8.30 billion as of March 31, 2020.

Income/Expenditure

The Bank registered Profit Before Tax of ₹ 3.56 billion on account of the General Fund during FY 2020-21, as against ₹ 2.44 billion for the FY 2019-20. After providing for income tax of ₹ 1.02 billion, Profit After Tax amounted to ₹ 2.54 billion during FY 2020-21, as against ₹ 1.24 billion during FY 2019-20. Out of this profit, an amount of ₹ 1.75 billion is transferred to Investment Fluctuation Reserve and an amount of ₹ 0.54 billion is transferred to the Reserve Fund. The balance of ₹ 0.25 billion was transferred to the Government of India (GOI), as provided in the Export-Import Bank of India Act, 1981.

Profit before and after Tax of the Export Development Fund were both at ₹ 93.65 million during FY 2020-21, as against ₹ 108.79 million and

मलावी सरकार को प्रदान की गई 23.50 मिलियन यूएस डॉलर की ऋण-व्यवस्था के अंतर्गत मलावी में लिखुबुला नदी से नई जल आपूर्ति प्रणाली का निर्माण किया गया।
A new water supply system from Likhubula River in Malawi was constructed under the LOC of US$ 23.50 million to the Government of Malawi.

वित्तीय वर्ष 2019-20 के 4.72 प्रतिशत की तुलना में वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान कुल व्यय के प्रतिशत के रूप में (आकस्मिकताओं के लिए प्रावधान को छोड़कर) 4.54 प्रतिशत रहा।

उधारियां

यथा 31 मार्च, 2021 को बैंक की कुल उधार राशियां ₹ 1,096.17 बिलियन की रहीं, जो यथा 31 मार्च, 2020 की ₹ 1,051.66 बिलियन की तुलना में 4.23 प्रतिशत अधिक रहीं।

संसाधन

वर्ष के दौरान, बैंक को बजटीय आवंटन के जरिए भारत सरकार से ₹ 13 बिलियन की पूँजी प्राप्त हुई। यथा 31 मार्च, 2021 को ₹ 151.59 बिलियन की चुकता पूँजी तथा ₹ 24.26 बिलियन की आरक्षित निधियों सहित बैंक के कुल संसाधन ₹ 1,272.02 बिलियन के रहे।

बैंक के संसाधन आधार में अन्य के साथ-साथ रुपया बॉन्ड, जमा प्रमाण-पत्र, वाणिज्यिक पत्र, सावधि जमा राशियां, विदेशी मुद्रा बॉन्ड, विदेशी मुद्रा ऋण तथा दीर्घावधि स्वॉप आदि शामिल हैं। वर्ष के दौरान, बैंक ने विभिन्न परिपक्वता अवधियों के कुल ₹ 343.08 बिलियन (वर्ष के दौरान जुटाई गई तथा चुकाई गई राशि को छोड़कर) के संसाधन जुटाए। इसमें ₹ 194.45 बिलियन के रुपया संसाधन तथा 2.03 बिलियन यूएस डॉलर के समतुल्य विदेशी मुद्रा संसाधन शामिल हैं। 1 बिलियन यूएस डॉलर के विदेशी मुद्रा संसाधन बॉन्डों के जरिए, 643 मिलियन यूएस डॉलर द्विपक्षीय/ क्लब/ सिंडिकेटेड ऋणों के जरिए और 386.91 मिलियन यूएस डॉलर के समतुल्य स्वॉप ऋणों के लिए जुटाए गए। यथा 31 मार्च, 2021 को बैंक के पास कुल 12.08 बिलियन यूएस डॉलर के समतुल्य विदेशी मुद्रा संसाधन और ₹ 450.17 बिलियन के बकाया रुपया संसाधन रहे। यथा 31 मार्च, 2021 को बाजार उधारियां, कुल उधारियों की 100 प्रतिशत तथा बैंक के कुल संसाधनों की 86 प्रतिशत रहीं।

विदेशी मुद्रा संसाधन

वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान बैंक ने विभिन्न लिखतों (इंस्ट्रूमेंट्स) के जरिए 2.03 बिलियन यूएस डॉलर की समतुल्य राशि के विदेशी मुद्रा संसाधन जुटाए। बैंक ने जनवरी 2021 में 2.25 प्रतिशत प्रतिवर्ष की कूपन दर पर 144ए/रेग-एस फॉर्मेट में 10 वर्ष के लिए 1 बिलियन यूएस डॉलर जुटाए। ये 10 वर्षीय यूएस डॉलर निर्गम के लिए किसी भी भारतीय संस्था द्वारा सबसे कम दर पर जुटाए गए संसाधन रहे। इस निर्गम को 3.50 बिलियन

एक्ज़िम बैंक ने सूर्य रोशनी लिमिटेड को इसके पूँजीगत खर्च के आंशिक वित्तपोषण के लिए मीयादी ऋण प्रदान किया।
Exim Bank extended a term loan to Surya Roshni Ltd. for part financing its capital expenditure.

₹ 70.98 million, respectively, during FY 2019-20. The profit of ₹ 93.65 million is carried forward to the next year.

Business income, including interest on loans, exchange commission, brokerage and fees, etc. during FY 2020-21 was ₹ 46.09 billion, as compared to ₹ 56.35 billion in FY 2019-20. Investment income during FY 2020-21, including interest on bank deposits, was ₹ 39.68 billion, as compared to ₹ 30.18 billion in FY 2019-20. Interest expenses in FY 2020-21 at ₹ 54.92 billion, were lower by ₹ 8.18 billion, from that recorded in FY 2019-20, despite an increase in borrowings. Administrative expenses as a per cent of total expenses (excluding provisions for contingencies) worked out to 4.54 per cent during FY 2020-21, as against 4.72 per cent during 2019-20.

Borrowings

Total borrowings of the Bank were at ₹ 1,096.17 billion as of March 31, 2021, higher by 4.23 per cent than the total borrowings of ₹ 1,051.66 billion as of March 31, 2020.

Resources

During the year, the Bank received capital of ₹ 13 billion from the GOI by way of budgetary allocation. As of March 31, 2021, the Bank's total resources including paid-up capital of ₹ 151.59 billion and reserves of ₹ 24.26 billion aggregated to ₹ 1,272.02 billion.

The Bank's resource base interalia includes rupee bonds, certificates of deposit, commercial papers,

यूएस डॉलर से अधिक के ऑर्डर मिले और उच्च गुणवत्ता वाले निवेशकों से 3.5 गुना से अधिक का सब्स्क्रिप्शन मिला। यह संव्यवहार CT10+145 बीपीएस के उचित मूल्य पर रखा गया जो CT10+185 बीपीएस के प्रारंभिक मूल्य के अंदर था। यह 40 बीपीएस की उल्लेखनीय मूल्य टाइटनिंग और नए शून्य निर्गम प्रीमियम को प्रदर्शित करता है। भौगोलिक दृष्टि से इसका वितरण एशिया में 55 प्रतिशत, यूएसए में 29 प्रतिशत तथा यूरोप, मध्य पूर्व एवं अफ्रीका क्षेत्र में 16 प्रतिशत रहा।

वर्ष के दौरान, बैंक ने बैंकों/वित्तीय संस्थाओं से द्विपक्षीय ऋणों के जरिए भी निधियां जुटाई। बैंक द्वारा अब तक ऑस्ट्रेलियाई डॉलर, यूरो, ग्रेट ब्रिटिश पाउंड, जापानी येन, मैक्सिकन पीसो, ऑफशोर रेनमिन्बी, सिंगापुर डॉलर, दक्षिण अफ्रीकी रैंड, स्विस फ्रैंक, तुर्किश लीरा तथा यूएस डॉलर जैसी विभिन्न विदेशी मुद्राओं में संसाधन जुटाए गए हैं।

अंतरराष्ट्रीय और घरेलू रेटिंग

बैंक को मूडीज द्वारा बीएए 3 (ऋणात्मक), एस एंड पी ग्लोबल रेटिंग्स द्वारा बीबीबी–(स्थिर), फिच द्वारा बीबीबी–(ऋणात्मक) तथा जापान क्रेडिट रेटिंग एजेंसी द्वारा बीबीबी+(स्थिर) रेटिंग प्रदान की गई है। उपरोक्त सभी रेटिंग निवेश ग्रेड या उससे ऊपर की रेटिंग हैं, जो भारत की संप्रभु रेटिंग के समान हैं। बैंक के घरेलू ऋण लिखतों को क्रिसिल और इक्रा रेटिंग एजेंसियों से दीर्घावधि ऋण लिखतों के लिए उच्चतम रेटिंग अर्थात 'एएए (स्थिर)' और अल्पावधि ऋण लिखतों के लिए ए1+ रेटिंग प्रदान की गई है। बैंक द्वारा जारी अतिरिक्त

term deposits, foreign currency bonds, foreign currency loans and long-term swaps. During the year, the Bank raised borrowings of varying maturities [excluding raised and repaid during the year aggregating ₹ 343.08 billion], comprising rupee resources of ₹ 194.45 billion and foreign currency (FC) resources of US$ 2.03 billion equivalent. FC resources of US$ 1 billion were raised through bonds, US$ 643 million through bilateral/ club/ syndicated loans and US$ 386.91 million equivalent through swaps. As on March 31, 2021, the Bank had a pool of foreign currency resources equivalent to US$ 12.08 billion and outstanding rupee resources of ₹ 450.17 billion. Market borrowings as of March 31, 2021, constituted 100 per cent of the total borrowings and 86 per cent of the total resources of the Bank.

Foreign Currency Resources

During FY 2020-21, the Bank raised FC resources aggregating US$ 2.03 billion equivalent, through a variety of instruments. The Bank, in January 2021, raised US$ 1 billion for a 10-year tenor at a coupon of 2.25 per cent p.a. in the 144A/Reg-S format. The transaction marked the lowest coupon from any Indian issuer for a 10-year US Dollor issuance. The issue attracted a total order book in excess of US$ 3.50 billion at close, thereby achieving more than 3.5 times subscription from high-quality

भारत से बाहर आज तक जारी बॉन्डों में बैंक ने 2.25% की न्यूनतम कूपन दर पर 1 बिलियन यूएस डॉलर का 10 वर्षीय बॉन्ड सफलतापूर्वक जारी किया।
Exim Bank successfully launched a US$ 1 billion 10-year Bond at a coupon of 2.25%, lowest for any 10-year bond issuance out of India.

टियर 1 बॉन्डों को क्रिसिल द्वारा एए+/स्थिर और इक्रा द्वारा एए+(हाइब्रिड) (स्थिर) रेट किया गया है।

आस्ति गुणवत्ता

वित्तीय संस्थाओं के लिए भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा निर्धारित विवेकपूर्ण मानदंडों के अनुसार उस ऋण/कर्ज को अनर्जक आस्ति (एनपीए) के रूप में परिभाषित किया जाता है, जिसके संबंध में देय ब्याज और / या मूलधन 90 दिनों से अधिक समय से बकाया हो। यथा 31 मार्च, 2021 को बैंक की सकल अनर्जक आस्तियां ₹ 74.13 बिलियन की रहीं, जो बैंक के कुल ऋणों तथा अग्रिमों का 6.69 प्रतिशत है। यथा 31 मार्च, 2021 को (प्रावधान घटाकर) बैंक की अनर्जक आस्तियां ₹ 5.33 बिलियन की रहीं, जो यथा 31 मार्च, 2021 को निवल ऋणों तथा अग्रिमों (प्रावधान घटाकर) की 0.51 प्रतिशत रहीं। यथा 31 मार्च, 2021 को प्रावधान कवरेज अनुपात 96.74 प्रतिशत रहा।

आस्ति वर्गीकरण

'अवमानक आस्तियां' वे होती हैं, जिनका ब्याज और/अथवा मूलधन 90 दिनों से अधिक समय से बकाया होता है। ऐसी अवमानक आस्तियां यदि 12 माह से अधिक अवधि तक अनर्जक आस्ति के रूप में बनी रहती हैं, तो उन्हें 'संदिग्ध आस्तियों' के रूप में

क्यूबा के 'बैंको एक्सटीरियर दे क्यूबा' को बल्क-ब्लेंडिंग उर्वरक संयंत्र की स्थापना के लिए 2.71 मिलियन यूएस डॉलर की ऋण-व्यवस्था प्रदान की गई। इससे क्यूबा को उर्वरकों के आयात पर निर्भरता कम करने और खाद्य सुरक्षा के लिए आत्म-निर्भरता हासिल करने में मदद मिल रही है।

A bulk-blending fertiliser plant set up under an LOC of US$ 2.71 million to Banco Exterior De Cuba is helping Cuba to reduce its dependence on imported fertilizers and attain food self-sufficiency.

investors. The transaction was priced at the fair value of CT10+145 bps, well inside the initial price guidance of CT10+185 bps area, representing significant price tightening of 40 bps, implying nil new issue premium. The bonds were distributed 55 per cent in Asia, 29 per cent in USA and 16 per cent in the Europe, the Middle East and Africa regions.

During the year, the Bank has also raised funds through bilateral loans from Banks/Financial Institutions. So far, the Bank has raised FC resources in diverse currencies including Australian Dollars, Euros, Great Britain Pounds, Japanese Yen, Mexican Peso, Offshore Renminbi, Singapore Dollars, South African Rands, Swiss Francs, Turkish Lira and United States Dollars.

International and Domestic Rating

The Bank is rated Baa3 (Negative) by Moody's, BBB-(Stable) by S&P Global Ratings, BBB-(Negative) by Fitch Ratings and BBB+ (Stable) by Japan Credit Rating Agency. All the above ratings are of investment grade or above and are on par with the sovereign rating. The Bank's domestic debt instruments have the highest rating viz., 'AAA (Stable)' for long-term instruments and A1+ for short-term instruments from the rating agencies CRISIL and ICRA. The Additional Tier 1 Bonds, issued by the Bank have been rated as AA+(Stable) by CRISIL and AA+(Hyb) (Stable) by ICRA.

Asset Quality

As per the Reserve Bank of India (RBI)'s prudential norms for Financial Institutions, a credit / loan facility in respect of which interest and / or principal has remained overdue for more than 90 days, is defined as a Non-Performing Asset (NPA). The Bank's gross NPAs at ₹ 74.13 billion worked out to 6.69 per cent of the total loans and advances as of March 31, 2021. The Bank's NPAs (net of provisions) of ₹ 5.33 billion as of March 31, 2021, were at 0.51 per cent of the net loans and advances (net of provisions) as of March 31, 2021. The Provision Coverage Ratio (PCR) as of March 31, 2021 was 96.74 per cent.

Asset Classification

'Sub-standard assets' are those where interest and / or principal remains overdue for more than 90 days.

वर्गीकृत किया जाता है। 'हानि आस्तियां' वे होती हैं जो वसूली योग्य नहीं समझी जातीं। यथा 31 मार्च, 2021 को सकल अनर्जक आस्तियों में 1.00 प्रतिशत की अवमानक आस्तियां और 5.70 प्रतिशत की संदिग्ध आस्तियां रहीं। यथा 31 मार्च, 2021 को निवल अनर्जक आस्तियों में केवल 0.51 प्रतिशत की अवमानक आस्तियां रहीं। वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान संदिग्ध आस्तियों के लिए पूर्ण प्रावधान किया गया। यथा 31 मार्च, 2021 को बैंक की कोई हानि आस्तियां नहीं रहीं।

पूँजी पर्याप्तता

जोखिम आस्तियों की तुलना में पूँजी का अनुपात भारतीय रिजर्व़ बैंक द्वारा निर्धारित न्यूनतम 9 प्रतिशत के मुकाबले यथा 31 मार्च, 2021 को 25.89 प्रतिशत रहा। यथा 31 मार्च, 2020 को यह 20.13 प्रतिशत था। ऋण–इक्विटी अनुपात यथा 31 मार्च, 2020 के 6.46 प्रतिशत की तुलना में यथा 31 मार्च, 2021 को 6.15 प्रतिशत रहा।

अधिकतम ऋण सीमा (एक्सपोज़र) मानदंड

आरबीआई ने अखिल भारतीय मीयादी ऋणदात्री संस्थाओं के लिए 31 मार्च, 2002 से एकल उधारकर्ताओं के लिए अधिकतम ऋण सीमा वित्तीय संस्था की कुल पूँजी निधियों (टीसीएफ) की 15 प्रतिशत और उधारकर्ता समूहों के लिए टीसीएफ की 40 प्रतिशत निर्धारित की है। बोर्ड के पूर्व अनुमोदन से विशेष मामलों में यह सीमा टीसीएफ की 5 प्रतिशत तक और बढ़ाई जा सकती है अर्थात एकल उधारकर्ताओं के लिए यह सीमा टीसीएफ की 20 प्रतिशत तक और उधारकर्ता समूहों के लिए टीसीएफ की 45 प्रतिशत तक हो सकती है। एकल उधारकर्ताओं और उधारकर्ता समूहों के लिए इस अधिकतम ऋण सीमा (क्रमशः 20 प्रतिशत और 45 प्रतिशत) को क्रमशः

Sub-standard assets that have remained as NPAs for a period exceeding 12 months are classified as 'doubtful assets.' 'Loss assets' are those considered uncollectable. The gross NPAs as of March 31, 2021, comprised sub standard assets of 1.00 per cent, and doubtful assets of 5.70 per cent. The net NPAs as of March 31, 2021, comprised only sub-standard assets of 0.51 per cent. Doubtful assets have been fully provided during FY 2020-21. The Bank did not have any loss assets as of March 31, 2021.

Capital Adequacy

The Capital to Risk Assets Ratio (CRAR) was 25.89 per cent as of March 31, 2021, as compared to 20.13 per cent as of March 31, 2020, as against a minimum 9 per cent norm stipulated by the RBI. The Debt-Equity Ratio as of March 31, 2021 was 6.15, as compared to 6.46 as of March 31, 2020.

Exposure Norms

The RBI has prescribed credit exposure limits for all-India term lending institutions, at 15 per cent of the financial institutions' Total Capital Funds (TCF), effective from March 31, 2002, for exposure to individual borrowers and at 40 per cent of TCF for borrower groups. An additional exposure up to 5 per cent of TCF (i.e. a total exposure up to 20 per cent of TCF for single borrowers and 45 per cent of TCF for borrower groups) can be taken in exceptional circumstances, with the prior approval of the Board. The exposure ceilings for individual borrowers and group borrowers can be

एक्ज़िम बैंक ने तेलंगाना में वेलस्पन फ्लोरिंग लिमिटेड को टफ्टेड कार्पेट टाइल और वॉल–टू–वॉल कार्पेट के विनिर्माण के लिए परियोजना के दूसरे चरण के लिए सहायता प्रदान की।

Exim Bank supported the phase II project of Welspun Flooring Ltd. for manufacturing of tufted carpet tiles and wall-to-wall carpets in Telangana.

अतिरिक्त 5 प्रतिशत बिंदुओं (अर्थात टीसीएफ की 5 प्रतिशत) और 10 प्रतिशत बिंदुओं (अर्थात टीसीएफ की 10 प्रतिशत) तक और बढ़ाया जा सकता है (अधिकतम सीमा क्रमशः 20 प्रतिशत और 45 प्रतिशत के अतिरिक्त), बशर्ते कि बढ़ाई गई सीमा भारत में बुनियादी क्षेत्र की परियोजनाओं के लिए हो। यथा 31 मार्च, 2021 को एकल उधारकर्ताओं तथा उधारकर्ता समूहों पर बैंक का ऋण एक्सपोजर आरबीआई द्वारा निर्धारित सीमा के भीतर रहा। यथा 31 मार्च, 2021 को एक उधारकर्ता पर कुल पूँजी निधि के 15 प्रतिशत से अधिक का एक्सपोजर रहा, जिसके लिए निदेशक मंडल से अनुमोदन ले लिया गया था।

आरबीआई ने वित्तीय संस्थाओं को सूचित किया है कि वे विशिष्ट उद्योग क्षेत्रों को ऋण सहायता के लिए अपनी आंतरिक सीमाएं निर्धारित करें, ताकि विभिन्न क्षेत्रों को ऋण का समान रूप से वितरण हो सके। बैंक द्वारा प्रत्येक उद्योग क्षेत्र के लिए अधिकतम ऋण सीमा, सभी उद्योग क्षेत्रों को बैंक के ऋण एक्सपोजर की 15 प्रतिशत निर्धारित की गई है। यथा 31 मार्च, 2021 को किसी भी एकल उद्योग पर बैंक का एक्सपोजर सभी उद्योग क्षेत्रों पर बैंक के कुल एक्सपोजर के 15 प्रतिशत से अधिक नहीं रहा।

exceeded by an additional 5 percentage points (i.e. 5 per cent of TCF) and 10 percentage points (i.e.10 per cent of TCF), respectively (over and above the maximum limits of 20 per cent and 45 per cent, respectively), provided the additional credit exposure is on account of infrastructure projects in India. The Bank's credit exposures to single borrowers and borrower groups as of March 31, 2021, were within the limits stipulated by the RBI. There was one borrower as of March 31, 2021, for whom exposure over 15 per cent of capital funds was assumed with the approval of the Board.

RBI has advised financial institutions to adopt internal limits on exposures to specific industry sectors to ensure that the exposures are more evenly spread over various sectors. The exposure limit adopted by the Bank for each industry sector is 15 per cent of the Bank's aggregate credit exposure to all industry sectors. None of the Bank's exposures to individual industry sectors was more than 15 per cent of its total industry exposure as of March 31, 2021.

एक्ज़िम बैंक ने मालदीव में ग्रेटर माले संपर्क परियोजना के लिए 400 मिलियन यूएस डॉलर की ऋण-व्यवस्था प्रदान की।
Exim Bank extended an LOC of US$ 400 million for undertaking Greater Malé Connectivity Project in Maldives.

व्यवसाय परिचालन
Business Operations

निर्यात वित्तपोषक एक्ज़िम बैंक
Exim Bank as a Financier of Exports

परियोजनाओं, उत्पादों और सेवाओं का निर्यात

एक्ज़िम बैंक परियोजनाओं एवं परामर्शी सेवाओं के निर्यात के लिए वित्त, पूँजीगत उपकरण वित्त, परियोजना निर्यात नकदी प्रवाह घाटा वित्त और गारंटियों जैसे विभिन्न निर्यात ऋण प्रदान करता है। बैंक भारतीय परियोजना निर्यातकों को निधिक सहायता और परियोजना संबंधी गारंटियों सहित व्यापक वित्तपोषण पैकेज प्रदान करता है।

निर्यात कॉन्ट्रैक्ट

वर्ष के दौरान, बैंक द्वारा एशिया प्रशांत, अफ्रीका और सीआईएस क्षेत्र के 29 देशों में 25 भारतीय कंपनियों द्वारा हासिल किए गए 3.60 बिलियन यूएस डॉलर मूल्य के 38 परियोजना निर्यात कॉन्ट्रैक्टों के लिए सहायता प्रदान की गई। वर्ष के दौरान बैंक द्वारा सहायता प्राप्त कुछ प्रमुख परियोजना निर्यात कॉन्ट्रैक्टों में निम्नलिखित शामिल रहेः

PROJECTS, PRODUCTS AND SERVICES EXPORTS

The Bank provides a range of export credit products like finance for export of projects and consultancy services, capital equipment finance, export project cash-flow deficit finance and guarantees. The Bank is equipped to offer a comprehensive financing package to Indian project exporters which includes funded as well as non-funded support.

Export Contracts

During the year, the Bank supported 38 project export contracts valued at US$ 3.60 billion, secured by more than 25 Indian companies in 29 countries across Asia-Pacific, Africa, and CIS. Some major project exports contracts supported by the Bank during the year include:

एक्ज़िम बैंक ने फ्रांस के कैडैरैश में 500 मेगावाट के नाभिकीय ऊर्जा संयंत्र के विकास के लिए क्रायोस्टैट और संबंधित पुर्जों के निर्माण के लिए 'एल एंड टी' को सहायता प्रदान की।

Exim Bank supported L&T Ltd. for construction of Cryostat and related parts for developing a 500 MW Nuclear Power Plant at Cadarache, France.

- बांग्लादेश में टर्नकी आधार पर 1320 मेगावाट के एक विद्युत संयंत्र के लिए केईसी इंटरनेशनल लि. द्वारा निष्पादित 400 केवी की ट्रांसमिशन लाइन के डिजाइन, आपूर्ति, इंस्टॉलेशन, टेस्टिंग और कमीशनिंग संबंधी कॉन्ट्रैक्ट।
- केप लैम्बर्ट व्हार्फ, ऑस्ट्रेलिया में स्टर्लिंग एंड विल्सन प्रा. लि. की एक विदेशी सहायक कंपनी द्वारा निष्पादित परियोजना में 20 डॉल्फिन डेक्स, दो शिप एक्सेस प्लेटफॉर्म, लॉन्गिट्यूड और ट्रांसवर्स वॉकवेज़ और सीढ़ियों के इंस्टॉलेशन संबंधी कॉन्ट्रैक्ट।
- क्वींसलैंड, ऑस्ट्रेलिया में 460 मेगावाट सौर ईपीसी परियोजना हेतु वेस्टर्न डाउन्स ग्रीन पावर हब पीटीवाय लि., ऑस्ट्रेलिया से हासिल, स्टर्लिंग एंड विल्सन सोलर लि. द्वारा निष्पादित कॉन्ट्रैक्ट।
- थाइलैंड में केईसी इंटरनेशनल लि. द्वारा निष्पादित 230/115 केवी के सबसस्टेशन तथा तीन सबस्टेशनों के विस्तार हेतु आपूर्ति और निर्माण संबंधी कॉन्ट्रैक्ट।

निर्यात ऋण और गारंटियां

वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान, बैंक ने परियोजना निर्यातों के लिए भारतीय निर्यातकों को क्रेता ऋण और निधिक / गैर–निधिक सहायता के जरिए कुल ₹ 77.05 बिलियन के निर्यात ऋणों और गारंटियों का अनुमोदन किया। वर्ष के दौरान ₹ 45.97 बिलियन के संवितरण किए गए और कुल ₹ 30.71 बिलियन की गारंटियां जारी की गईं। ये गारंटियां विदेशों में मुख्य रूप से ईपीसी सेवाओं, इंजीनियरिंग माल, पूँजीगत वस्तुओं, कृषि और खाद्य उत्पादों, निर्माण, विद्युत, खनन और खनिजों जैसे क्षेत्रों की परियोजनाओं से संबंधित रहीं। वाणिज्यिक क्रेता ऋण कार्यक्रम के अंतर्गत उज़्बेकिस्तान, नीदरलैंड, यूएई, कतर, थाइलैंड, मिस्र आदि देशों को निर्यातों के लिए ₹ 4.08 बिलियन के संवितरण किए गए। वर्ष के दौरान, बैंक ने भारत से वस्तुओं और सेवाओं के निर्यातों को सुगम बनाने के लिए एशिया और अफ्रीका में बैंकों को लगभग 300 मिलियन यूएस डॉलर की क्रेडिट लाइनें भी प्रदान कीं।

राष्ट्रीय निर्यात बीमा खाते के अंतर्गत क्रेता ऋण

बैंक द्वारा राष्ट्रीय निर्यात बीमा खाते के अंतर्गत क्रेता ऋण के तहत यथा 31 मार्च, 2021 को 3.15 बिलियन यूएस डॉलर मूल्य की 32 परियोजनाओं के लिए 2.88 बिलियन यूएस डॉलर की राशि को मंजूरी प्रदान की गई। बैंक द्वारा सहायता प्राप्त परियोजनाओं में प्रमुख

- Design, supply, installation, testing and commissioning of 400 kV transmission line for a 1320 MW Power Plant on turnkey basis in Bangladesh, executed by KEC International Ltd.
- Supply and installations for 20 dolphin decks, two ship access platforms, longitude and transverse walkways, and access stairs at the Cape Lambert Wharf, Australia, executed by an overseas subsidiary of Sterling & Wilson Pvt. Ltd.
- A 460 MW solar EPC project in Queensland, Australia, secured from Western Downs Green Power Hub Pty Ltd., Australia, executed by Sterling & Wilson Solar Ltd.
- Supply and construction of a 230/115kV substation and expansion of three substations in Thailand, executed by KEC International Ltd.

Export Credits and Guarantees

During FY 2020-21, the Bank approved Export Credits and Guarantees aggregating ₹ 77.05 billion by way of buyer’s credit and funded/non-funded support to Indian exporters for Project Exports. Disbursements amounted to ₹ 45.97 billion and guarantees aggregating to ₹ 30.71 billion were issued during the year. These guarantees mainly pertain to overseas projects in sectors such as EPC services, engineering goods, capital goods, agro and food products, construction, power, mining and minerals etc. Disbursements under the commercial Buyer's Credit programme aggregated to ₹ 4.08 billion for exports to countries that include Uzbekistan, Netherlands, UAE, Qatar, Thailand, Egypt, etc. During the year, the Bank has also extended credit lines aggregating to around US$ 300 million to banks in Asia and Africa to facilitate export of goods and services from India.

Buyer's Credit under the National Export Insurance Account

As on March 31, 2021, the Bank has sanctioned an aggregate amount of US$ 2.88 billion, for thirty-two projects, valued at US$ 3.15 billion under Buyer's Credit under the National Export Insurance

एक्ज़िम बैंक ने श्रीलंका के राष्ट्रीय जल आपूर्ति और ड्रेनेज बोर्ड को एकीकृत जल आपूर्ति परियोजना के लिए राष्ट्रीय निर्यात बीमा खाते के अंतर्गत 91.80 मिलियन यूएस डॉलर की क्रेता ऋण सुविधा को मंजूरी दी।

Exim Bank sanctioned a buyer's credit facility under NEIA of US$ 91.80 million to the National Water Supply & Drainage Board of Sri Lanka for an integrated water supply project.

परियोजनाएं हैं: श्रीलंका, यूगांडा और कैमरून में जल; कोत दि'वार, सेनेगल और तंज़ानिया में वाहनों की आपूर्ति; कैमरून, मॉरिटानिया, सेनेगल, ज़ाम्बिया और केन्या में ट्रांसमिशन लाइन परियोजनाएं; सूरीनाम में सिंचाई परियोजना; और मालदीव, ज़ाम्बिया तथा घाना में कनेक्टिविटी परियोजनाएं शामिल हैं।

विभिन्न अग्रणी भारतीय परियोजना निर्यातकों के अनुरोध पर बीसी-एनईआईए के अंतर्गत बैंक ने 1.78 बिलियन यूएस डॉलर मूल्य की 16 परियोजनाओं को सहयोग के लिए 1.58 बिलियन यूएस डॉलर की राशि के लिए सिद्धांततः सहमति भी दी है।

ऋण-व्यवस्थाएं

बैंक, साझेदार देशों में विकास को बढ़ावा देने के लिए भारत सरकार की ओर से तथा सरकार के सहयोग से, संप्रभु सरकारों, क्षेत्रीय विकास बैंकों और विदेशी संस्थाओं को सहयोग प्रदान करता है। वर्ष के दौरान, बैंक ने भारत से परियोजनाओं, वस्तुओं और सेवाओं के निर्यातों को सहयोग के उद्देश्य से 2.23 बिलियन यूएस डॉलर की 20 ऋण-व्यवस्थाएं प्रदान कीं। वर्ष के दौरान, अंगोला, एस्वाटीनी (स्वाज़ीलैंड), गिनी, केन्या, मालदीव, मॉरीशस, नाइजीरिया, निकारागुआ, सिएरा लिओन, सूरीनाम, श्रीलंका, सीरिया, उज़्बेकिस्तान और वियतनाम की सरकारों को ऋण-व्यवस्थाएं प्रदान की गईं। इन ऋण-व्यवस्थाओं से रक्षा, सौर विद्युत और पवन ऊर्जा जैसी अक्षय ऊर्जा, आवास और सामाजिक बुनियादी ढांचा, ट्रांसमिशन लाइनों एवं सब-स्टेशनों, पुनरुद्धार और स्वास्थ्य प्रणाली के सुधार तथा जल आपूर्ति योजना संबंधी परियोजनाओं के वित्तपोषण के माध्यम से भारतीय निर्यातों को बढ़ावा मिलेगा। बैंक द्वारा

Account (BC-NEIA). The projects supported by the Bank include water projects in Sri Lanka, Uganda and Cameroon; supply of vehicles to Côte d'Ivoire, Senegal and Tanzania; transmission line projects in Cameroon, Mauritania, Senegal, Zambia and Kenya; an irrigation project in Suriname; and connectivity projects in Maldives, Zambia and Ghana.

The Bank has also given in-principle commitments for an aggregate amount of US$ 1.58 billion for supporting 16 projects valued at US$ 1.78 billion, under BC-NEIA, at the request of several leading Indian project exporters.

Lines of Credit

The Bank, on behalf and with the support of the Government of India, extends Lines of Credit to sovereign governments, regional development banks and overseas entities to promote development in partner countries. During the year, the Bank extended 20 LOCs, aggregating US$ 2.23 billion, to support the export of projects, goods and services from India. During the year, LOCs were extended to the Governments of Angola, Eswatini (Swaziland), Guinea, Kenya, Maldives, Mauritius, Nigeria, Nicaragua, Sierra Leone, Suriname, Sri Lanka, Syria, Uzbekistan and Vietnam. These LOCs will catalyze exports by way of financing projects in defence, renewable energy like solar power and wind energy, road, housing and social infrastructure, transmission lines and substation, rehabilitation and improvement of healthcare system, and setting up of water supply scheme. The Bank has a portfolio of 272 GOI-LOCs with credit commitments aggregating US$ 26.76 billion which are at various stages of implementation. With ever expanding reach, the LOCs have gained momentum in stimulating economic growth across 64 countries in Africa, Asia, Latin America, Oceania and the CIS region.

Concessional Financing Scheme

The Bank has extended a term loan of US$ 1.60 billion to the Bangladesh-India Friendship Power Company Pvt. Ltd. (a 50:50 joint venture between the Bangladesh Power Development Board, Bangladesh and NTPC Ltd., India) for financing the strategic 1320 MW (2*660 MW)

26.76 बिलियन यूएस डॉलर की ऋण प्रतिबद्धताओं के साथ भारत सरकार की ओर से 272 ऋण-व्यवस्थाएं प्रदान की जा चुकी हैं, जिनके अंतर्गत परियोजनाएं क्रियान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं। ये ऋण-व्यवस्थाएं बढ़ती पहुंच के दृष्टिकोण के साथ अफ्रीका, एशिया, लैटिन अमेरिका, ओशिआनिया और सीआईएस क्षेत्रों में 64 देशों के आर्थिक विकास में योगदान दे रही हैं।

रियायती वित्तपोषण योजना

बैंक ने बांग्लादेश के बागरहाट जिले के रामपाल में टर्नकी आधार पर 1320 मेगावाट (2*660 मेगावाट) की रणनीतिक अल्ट्रा सुपर-क्रिटिकल मैत्री सुपर थर्मल पावर परियोजना के वित्तपोषण के लिए 1.60 बिलियन यूएस डॉलर का मीयादी ऋण प्रदान किया है। यह ऋण बांग्लादेश पावर डेवलपमेंट बोर्ड, बांग्लादेश और एनटीपीसी लिमिटेड, भारत की 50:50 की हिस्सेदारी वाली संयुक्त उद्यम कंपनी 'बांग्लादेश-इंडिया फ्रेंडशिप पावर कंपनी प्राइवेट लिमिटेड' को प्रदान किया गया है। इस टर्नकी परियोजना का कार्य अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धी बोली के जरिए भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड को मिला था। इस परियोजना को पर्यावरण अनुकूल बनाने के लिए आधुनिकतम प्रौद्योगिकी का चयन किया गया है। तैयार होने के बाद मैत्री सुपर थर्मल पावर परियोजना बांग्लादेश की सबसे बड़ी विद्युत परियोजनाओं में से एक होगी। यह विद्युत संयंत्र बांग्लादेश सरकार की बुनियादी ढांचागत विकास, विशेष रूप से विद्युत क्षेत्र के लिए तैयार की गई योजना का हिस्सा है। इस परियोजना से बांग्लादेश में ऊर्जा उत्पादन क्षमता को बढ़ाकर देश में बिजली की कमी को दूर किया जाएगा। यथा 31 मार्च, 2021 को 1.09 बिलियन यूएस डॉलर की राशि का संवितरण किया जा चुका है।

निर्यात स्पर्धात्मकता का सृजन

बैंक भारतीय कंपनियों की निर्यात स्पर्धात्मकता बढ़ाने के लिए कई वित्तपोषण कार्यक्रमों के जरिए सहयोग प्रदान करता है। एक्ज़िम बैंक द्वारा वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान, निर्यात स्पर्धात्मकता बढ़ाने के अपने कार्यक्रमों के अंतर्गत कुल ₹ 76.34 बिलियन के ऋणों को मंजूरी प्रदान की गई। इन कार्यक्रमों के अंतर्गत ₹ 56.34 बिलियन की राशि का संवितरण किया गया।

निर्यात उन्मुख इकाइयों (ईओयू) को ऋण

वर्ष के दौरान, बैंक ने निर्यातोन्मुखी इकाइयों को ₹ 7.04 बिलियन के मीयादी ऋणों को अनुमोदन प्रदान किया। ₹ 9.80 बिलियन का संवितरण किया गया। उत्पादन उपकरण वित्त कार्यक्रम के अंतर्गत, नौ निर्यातक कंपनियों को उत्पादन उपकरण के अधिग्रहण

एक्ज़िम बैंक ने विशाखापट्टनम बंदरगाह पर स्थित कंटेनर टर्मिनल के विस्तार के लिए ₹ 2.31 बिलियन की सुविधा प्रदान की।
Exim Bank extended a facility of ₹ 2.31 billion for the expansion of container terminal at Visakhapatnam Port.

ultra-super-critical Maitree Super Thermal Power Project on a turnkey basis at Rampal, District-Bagerhat, Bangladesh. The contract was awarded to Bharat Heavy Electricals Ltd., following an International Competitive Bidding process. State-of-the-art technologies have been selected for this project to make it an environment friendly project. Once commissioned, the Maitree Super Thermal Power Project is expected to be one of the largest power plants in Bangladesh. The power plant is a part of the Government of Bangladesh's plan for infrastructure development in the country, which includes augmenting the power generation capacity and reducing the current power deficit. An amount of US$ 1.09 billion has been disbursed as of March 31, 2021 under the scheme.

BUILDING EXPORT COMPETITIVENESS

The Bank operates a range of financing programmes aimed at enhancing the export competitiveness of Indian companies. During FY 2020-21, India Exim Bank sanctioned loans aggregating ₹ 76.34 billion under programmes for enhancing export competitiveness. Disbursements amounted to ₹ 56.34 billion under these programmes.

Loans to Export Oriented Units (EOUs)

During the year, the Bank approved term loans of ₹ 7.04 billion to EOUs, with disbursements amounting to ₹ 9.80 billion. Under the Production Equipment Finance Programme, nine exporting companies were sanctioned ₹ 8.28 billion for financing acquisition of production equipment, and disbursements under the programmme amounted to

एक्ज़िम बैंक ने न्यूजर्सी में टीसीजी ग्रीनकेम इंक. की एक इकाई की स्थापना के लिए टीसीजी लि. को 5.50 मिलियन यूएस डॉलर की ऋण सुविधा प्रदान की।
Exim Bank extended a facility of US$ 5.50 million to TCG Ltd. for setting up a unit in New Jersey for TCG GreenChem Inc.

के वित्तपोषण के लिए ₹ 8.28 बिलियन की राशि मंजूर की गई और इस कार्यक्रम के अंतर्गत ₹ 5.77 बिलियन की राशि का संवितरण किया गया। 22 कंपनियों को ₹ 13.88 बिलियन की राशि के दीर्घावधि कार्यशील पूँजी ऋणों को मंजूरी प्रदान की गई और ₹ 2.21 बिलियन की राशि का संवितरण किया गया।

प्रौद्योगिकी उन्नयन निधि योजना (टीयूएफएस)

बैंक, प्रौद्योगिकी उन्नयन निधि योजना (टीयूएफएस) के तहत परियोजनाओं की पात्रता निर्धारण को अनुमोदित करने तथा अनुमोदित परियोजनाओं को सीधे सब्सिडी जारी करने के लिए वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा नियुक्त नोडल एजेंसियों में से एक है। अब तक बैंक ने ₹ 185.77 बिलियन की लागत वाली कुल 233 परियोजनाओं को अनुमोदन प्रदान किया है। टीयूएफएस के अंतर्गत अनुमोदित ऋणों और संवितरणों की राशि क्रमशः ₹ 67.89 बिलियन और ₹ 50.77 बिलियन रही। टीयूएफएस के अंतर्गत बैंक द्वारा वस्त्र उद्योग को प्रदान किया गया सहयोग वस्त्र विनिर्माण के विभिन्न खंडों और भारत के कई राज्यों में फैला हुआ है।

विदेशी निवेश वित्त कार्यक्रम

भारत के जावक निवेश को सहायता प्रदान करने के लिए बैंक का एक व्यापक कार्यक्रम है, जिसमें इक्विटी वित्त, ऋण, गारंटियां और सलाहकारी सेवाएं शामिल हैं। वर्ष के दौरान, 5 कंपनियों को 3 देशों में उनके विदेशी निवेशों के आंशिक वित्तपोषण के लिए कुल ₹ 7.42 बिलियन की निधिक और गैर-निधिक सहायता मंजूर की गई। बैंक द्वारा अब तक 78 देशों में 476 कंपनियों द्वारा स्थापित 640 उद्यमों को वित्त प्रदान किया जा चुका है। वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान सहयोग प्रदान किए गए

₹ 5.77 billion. Long-term working capital loans aggregating ₹ 13.88 billion were sanctioned to 22 companies with disbursements amounting to ₹ 2.21 billion.

Technology Upgradation Fund Scheme (TUFS)

The Bank is one of the nodal agencies appointed by the Ministry of Textiles, GOI, to establish and approve the eligibility of projects under TUFS, and release subsidy directly to the approved projects. So far, the Bank has accorded approval for 233 projects with aggregate cost of ₹ 185.77 billion. Loans approved and disbursed under TUFS aggregate to ₹ 67.89 billion and ₹ 50.77 billion, respectively. The Bank's assistance to the textile industry under TUFS is spread across various segments of textile manufacturing and covers several states in India.

Overseas Investment Finance Programme

The Bank has a comprehensive programme covering equity finance, loans, guarantees and advisory services, to support Indian outward investment. During the year, 5 corporates were sanctioned funded and non-funded assistance aggregating ₹ 7.42 billion for part financing their overseas investments in 3 countries. So far, the Bank has provided finance to 640 ventures set up by 476 companies in 78 countries. Overseas investments supported during FY 2020-21 include, short-term working capital funding for a pipe manufacturing facility in the USA, funding to an

विदेशी निवेशों में यूएसए में पाइप विनिर्माण इकाई के लिए अल्पावधि कार्यशील पूँजी निधीयन, एक भारतीय टेक्सटाइल कंपनी को यूएसए में उसकी स्टेप डाउन सब्सिडियरी में इक्विटी निवेश के आंशिक वित्तपोषण के लिए निधीयन, एक भारतीय फार्मासूटिकल कंपनी को अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली सब्सिडियरी के जरिए यूएसए में नई इकाई की स्थापना के लिए निवेश का आंशिक वित्तपोषण, एक सॉफ्टवेयर कंपनी का यूएसए में अपनी सब्सिडियरी में निवेश का आंशिक वित्तपोषण आदि शामिल रहे। बैंक द्वारा विदेशी निवेश वित्त कार्यक्रम के अंतर्गत कुल ₹ 620.36 बिलियन की सहायता प्रदान की गई, जिसमें फार्मासूटिकल्स, घरेलू साज–सज्जा, सिले–सिलाए कपड़े, निर्माण, कागज, कागज के उत्पाद, टेक्सटाइल, गारमेंट, रसायन, रंजक (डाई), कंप्यूटर सॉफ्टवेयर और सूचना प्रौद्योगिकी, इंजीनियरी सामान, स्वास्थ्य सेवा, प्राकृतिक संसाधन (कोयला एवं वन), धातु तथा धातु प्रसंस्करण, खनन और खनिज, कृषि तथा कृषि आधारित उत्पाद, इस्पात, तेल और गैस आदि क्षेत्र शामिल हैं।

आपाती साख–पत्र (एसबीएलसी)/साख–पत्र (एलसी)

निर्यातोन्मुखी इकाइयों के व्यापार को सुगम बनाने के लिए बैंक, मुख्यतः बैंक द्वारा वित्तपोषित आयातों के लिए साख–पत्र (एलसी) जारी करता है। बैंक निर्यातोन्मुखी इकाइयों को उनके विदेशी उद्यमों के लिए प्रतिस्पर्धी दरों पर निधियां जुटाने के लिए गारंटियों/आपाती साख पत्रों के जरिए वित्तीय गारंटियां भी प्रदान करता है। वर्ष के दौरान, बैंक ने ₹ 0.23 बिलियन की वित्तीय गारंटियां जारी कीं। बैंक का वित्तीय गारंटी पोर्टफोलियो यथा 31 मार्च, 2020 के ₹ 17.31 बिलियन की तुलना में यथा 31 मार्च, 2021 को ₹ 13.62 बिलियन का रहा। वर्ष 2020-21 के दौरान बैंक ने ₹ 3.70 बिलियन के 17 साख पत्र जारी किए। बैंक निर्यात दस्तावेजों के निगोशिएशन/कलेक्शन संबंधी कार्य भी संभालता है। बैंक ने ₹ 66.17 बिलियन के 1,083 निर्यात दस्तावेज संभाले।

उभरते सितारे कार्यक्रम

उभरते सितारे कार्यक्रम (यूएसपी) का उद्देश्य ऐसी भारतीय कंपनियों को चिह्नित करना है, जो प्रौद्योगिकी, उत्पाद या प्रोसेस की दृष्टि से बेहतर स्थिति में हैं, किन्तु अभी अंडर–परफॉर्मिंग हैं या अपनी क्षमताओं का पूरा दोहन नहीं कर पा रही हैं, किन्तु उनमें निर्यात संभाव्यता है। यूएसपी के अंतर्गत वित्तीय और सलाहकारी दोनों प्रकार की सहायता प्रदान की जाती है। भारतीय कंपनियों को यह सहायता (क) इक्विटी/इक्विटी जैसे इंस्ट्रूमेंट्स

Indian textile company towards part financing its equity investment in its 100% step down subsidiary in the USA, part financing the investment of an Indian pharmaceutical company for setting up of a new facility in the USA, through its wholly owned subsidiary, part financing the investment of a software company in its subsidiary in the USA, among others. Aggregate assistance extended towards overseas investment amounts to ₹ 620.36 billion covering various sectors including pharmaceuticals, home furnishings, readymade garments, construction, paper, paper products, textiles, garments, chemicals, dyes, computer software and IT, engineering goods, healthcare, natural resources (coal and forests), metal and metal processing, mining and minerals, agriculture, agro-based products, steel, oil and gas, among others.

Standby Letters of Credit (SBLC) / Letters of Credit (LC)

To facilitate the transactions of Export-Oriented Units, the Bank issues LCs mainly for imports financed by the Bank. The Bank also extends financial guarantees by way of guarantees / SBLCs to enable Export Oriented Units raise funds for their overseas ventures at competitive rates. During the year, the Bank issued financial guarantees amounting to ₹ 0.23 billion. The Bank's financial guarantee portfolio stood at ₹ 13.62 billion as of March 31, 2021, as against ₹ 17.31 billion as of March 31, 2020. During FY 2020-21, the Bank opened 17 LCs aggregating ₹ 3.70 billion. The Bank also handles negotiation/ collection of export documents. The Bank handled 1,083 export documents worth ₹ 66.17 billion.

Ubharte Sitaare Programme

The Ubharte Sitaare Programme is aimed at identifying Indian enterprises with potential advantages by way of technology, products, or processes along with export potential, but currently underperforming or are unable to tap their latent potential to grow. The nature of assistance under the USP includes a mix of structured support, both financial and advisory services through investments in equity / equity like instruments; debt (funded and

में निवेश; (ख) ऋण (निधिक और गैर-निधिक सुविधाएं); और (ग) तकनीकी सहायता (सलाहकारी सेवाओं, अनुदानों और सॉफ्ट लोन सहित) के जरिए प्रदान की जाती है।

बैंक ने अपनी नवगठित क्रॉस-फंक्शनल 'संपोषी उद्यम और निर्यात विकास' टीम के जरिए इस पहल का परिचालन शुरू किया है। बैंक ने बैंकों, विभिन्न उद्योग संघों और कंपनियों के साथ स्टेकहोल्डर परिचर्चाओं का आयोजन कर बाजार में अपनी पहुंच बढ़ाने के गहन प्रयास किए हैं। गहन डेस्क अनुसंधान और आउटरीच गतिविधियों के आधार पर विभिन्न क्षेत्रों में 100 से अधिक संभावित कंपनियों की पाइपलाइन विकसित की गई है। ये कंपनियां फार्मा, ऑटो पुर्जे, इंजीनियरिंग सॉल्यूशन, कृषि, सॉफ्टवेयर आदि जैसे विभिन्न क्षेत्रों में हैं। इनमें से चुनिंदा कंपनियों के साथ गहन चर्चा की जा रही है, ताकि यूएसपी के अंतर्गत उनकी पात्रता का निर्धारण किया जा सके। बैंक इन कंपनियों को ऋण, इक्विटी, या कासी इक्विटी के जरिए संभावित सहायता की संरचना की प्रक्रिया में है। इनमें से 5 कंपनियों को बैंक द्वारा इस कार्यक्रम के अंतर्गत यथा 31 मार्च, 2021 को लगभग ₹ 0.96 बिलियन की निधिक और गैर-निधिक सुविधाओं को मंजूरी दी गई है। बैंक ने यूएसपी के अंतर्गत आवश्यक मार्गदर्शन के लिए आंतरिक और बाहरी विशेषज्ञों वाली एक सलाहकारी समिति का गठन किया है। यह समिति पात्र उद्यमों का चयन करने तथा विभिन्न गतिविधियों के क्रियान्वयन की समीक्षा और निगरानी भी करेगी। बैंक ने 'उभरते सितारे' की एक ब्रांड के रूप में भी अलग पहचान बनाई है और आउटरीच गतिविधियों के प्रसार में इसका प्रयोग किया जा रहा है।

non-funded facilities); and technical assistance (including advisory services, grants and soft loans) to Indian companies.

The Bank, through the newly formed cross-functional team called Sustainable Enterprise and Export Development, has operationalised this initiative. The Bank has undertaken extensive market outreach by way of organising stakeholder consultations with banks, industry associations, academia and companies. Based on extensive desk research and the outreach activities, a pipeline of over a 100 potential companies has been developed across various sectors such as pharma, auto components, engineering solutions, agriculture, software, etc. Focussed discussion with select companies is being conducted to determine their fit under USP and the Bank is in the process of structuring possible support to these companies by way of debt, equity or quasi equity. The Bank has sanctioned fund and non-fund based facilities to five companies aggregating ₹ 0.96 billion as of March 31, 2021. The Bank has set up an Advisory Committee comprising internal and external experts to provide the necessary guidance on activities under the programme, including selection of eligible enterprises, review and monitoring of the implementation activities. The Bank has also created a distinct brand identity of 'Ubharte Sitaare' that is being used in promoting its outreach activities.

उभरते सितारे कार्यक्रम का परिचालन शुरू किया गया और विभिन्न क्षेत्रों की कंपनियों को सहायता प्रदान की गई। 'बनयान सस्टेनेबल वेस्ट मैनेजमेंट प्रा. लि.'(दाएं) उपभोक्ता उत्पाद पैकेजिंग के लिए 'नियर वर्जिन क्वालिटी' के रिसाइकल्ड प्लास्टिक दानों की विनिर्माता है और आयडियाफोर्ज टेक्नोलॉजी (बाएं) सुरक्षा, निगरानी और औद्योगिक उपयोग के ड्रोनों के सबसे बड़े विनिर्माताओं में से एक है। दोनों कंपनियों को यूएसपी के अंतर्गत सहायता प्रदान की गई।
The Ubharte Sitaare Programme (USP) was operationalised and companies across various sectors were supported. Banyan Sustainable Waste Management Pvt. Ltd. (right) is a manufacturer of 'near virgin quality' recycled plastic granules for consumer product packaging and ideaForge Technology (left) is one of India's largest manufacturer of drones for security, surveillance and industrial applications. Both companies were supported under USP.

निर्यात सुगमकर्ता एक्ज़िम बैंक

Exim Bank as a Facilitator of Exports

पूर्वोत्तर क्षेत्र में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों में क्षमता विकास के लिए एक्ज़िम बैंक-यूएनडीपी सहयोग

बैंक और संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) मिलकर पूर्वोत्तर भारत में निर्यात स्पर्धात्मकता के लिए सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों में क्षमता विकास संबंधी एक परियोजना का क्रियान्वयन कर रहे हैं। इस पहल का उद्देश्य निर्यातों को बढ़ाने के लिए पूर्वोत्तर क्षेत्र के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों को सुदृढ़ करना है। इस कार्यक्रम की प्रमुख रणनीति भारत सरकार की 'एक्ट ईस्ट' नीति के अंतर्गत उभरते अवसरों को चिह्नित करना है। परियोजना में असम और मिजोरम राज्यों पर फोकस किया गया है।

वर्ष 2020-21 के दौरान इस परियोजना के अंतर्गत कुछ प्रमुख पहलों में कोविड-19 के चलते सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के सामने आने वाली चुनौतियों को चिह्नित करना, क्रेता-विक्रेता बैठकें आयोजित करना, क्षमता सृजन और ऑर्गेनिक खेती, टेक्सटाइल्स, हथकरघा और हस्तशिल्प क्षेत्रों में तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करना और विभिन्न सरकारी विभागों द्वारा दिए जाने वाले लाभों की जानकारी उद्यमियों तक पहुंचाने के लिए 'एग्रोलूमक्राफ्ट' डेटाबेस के अंतर्गत प्लैटफॉर्म विकसित करने जैसी पहलें शामिल रहीं। इस परियोजना के अंतर्गत विशेष रूप से पीपीई किट उत्पादन के लिए आइज़ोल के बुनकरों के लिए उत्पाद विशाखन हेतु आयोजित कौशल विकास कार्यक्रम, क्षमता निर्माण कार्यक्रमों का उल्लेखनीय उदाहरण है। ये पीपीई किट आज इस क्षेत्र के विभिन्न सरकारी संगठनों को प्रदान की जा रही हैं। इसके अतिरिक्त, एक्ज़िम बैंक-यूएनडीपी सहयोग तंत्र के अंतर्गत 'पूर्वोत्तर भारत में एमएसएमई क्षेत्र पर कोविड-19 का प्रभाव' विषय पर अक्टूबर 2020

एक्ज़िम बैंक ने असम की 100 महिला किसानों के लिए यूएनडीपी के साथ मिलकर जैविक खेती पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया।
Exim Bank, in partnership with UNDP, organised a training programme on organic farming for 100 women farmers in Assam.

Exim Bank - UNDP Co-operation on Capacity Building of MSMEs in the North East Region

The Bank and the United Nations Development Programme (UNDP) are jointly implementing a project on 'Capacity Building of MSMEs in North East India for Export Competitiveness'. The initiative aims at creating stronger MSMEs in the North East region to boost exports. The key strategy of this programme is to identify emerging opportunities under the Government of India's 'Act East Policy'. The project focuses on the states of Assam and Mizoram.

Some of the key initiatives under this project during 2020-21 include conducting scoping studies to identify the issues faced by MSMEs due to COVID-19, organizing buyer-seller meetings, capacity building and technical training programmes in organic farming, textiles, handloom, and handicraft sectors, and setting up knowledge platform under "AgroLoomCraft" database for entrepreneurs to understand the benefits offered by various government departments. A notable example of the capacity building programmes under this project is the skill upgradation training programme organised for product diversification for weavers of Aizawl, especially for producing PPE kits, which are being supplied to various government organizations in the region. Additionally, a webinar on the 'Impact of COVID-19 in MSME Sector in the North East India: Challenges and Opportunities' was also organised in October 2020 under the aegis of Exim Bank

एक्ज़िम बैंक ने निकारागुआ सरकार को ट्रांसमिशन लाइनों और सब-स्टेशन के निर्माण के लिए 26.24 मिलियन यूएस डॉलर की ऋण-व्यवस्था प्रदान की।
Exim Bank extended an LOC of US$ 26.24 milion to the Government of Nicaragua for construction of transmission lines and substation.

एक्ज़िम बैंक ने मॉरीशस सरकार को भारत से रक्षा संबंधी वस्तुओं की खरीद के वित्तपोषण के लिए 100 मिलियन यूएस डॉलर की ऋण-व्यवस्था प्रदान की।
Exim Bank extended an LOC of US$ 100 million to the Government of Mauritius for the purpose of financing procurement of defence items from India.

में वेबिनार भी किया गया, ताकि उन उद्यमों के सामने आई चुनौतियों और अनुभवों को साझा किया जा सके और अवसरों का पता लगाया जा सके। इस परियोजना के अंतर्गत असम, मिज़ोरम और नगालैंड के चुनिंदा उद्यमियों की प्रभावोत्पादक कहानियों की कॉफी टेबल बुक बनाई गई और वेबिनार के दौरान इसका विमोचन किया गया।

एक्ज़िम मित्र

बैंक का एक्ज़िम मित्र पोर्टल निर्यातकों और आयातकों को विभिन्न व्यापार सूचना सेवाएं प्रदान करता है। यह पोर्टल सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के उद्यमियों के बीच व्यापार वित्त और ऋण बीमा की उपलब्धता तथा सूचनाओं की विषमता को कम करने की दिशा में किया गया प्रयास है। इस पोर्टल पर व्यापार से संबंधित व्यापक डाटा और जानकारी उपलब्ध कराई जाती है, ताकि उपयोक्ता अपने व्यवसायों के अंतरराष्ट्रीयकरण प्रयासों के लिए एक सूझबूझ भरा निर्णय ले सकें। इस पोर्टल पर उपलब्ध कराई जाने वाली इन जानकारियों में अन्य के साथ-साथ विभिन्न उत्पादों की मांग और उनके बाजारों; बाजार मानकों, सैनिटरी/फाइटोसैनिटरी अपेक्षाओं; यूएसए और यूरोपीय संघ जैसे प्रमुख बाजारों में नियमों और विनियमों; विभिन्न क्षेत्रों में सरकारी प्रोत्साहनों; हैंडहोल्डिंग एजेंसियों के लिए संपर्क सूत्रों; दुनियाभर से शिपमेंट की लागत और उसमें लगने वाले समय की जानकारी तथा देशों की रेटिंग की जानकारियां शामिल होती हैं।

बैंक निर्यातकों को सूचनाएं और जानकारियां प्रदान करने के लिए भारत में वाणिज्यिक बैंकों, वित्तीय संस्थाओं और ऋण बीमा एजेंसियों के साथ भी मिलकर काम

डॉ. सौमित्रो चटर्जी (बाएं), अर्थशास्त्र के सहायक प्रोफेसर, अर्थशास्त्र विभाग (पेन्सिल्वेनिया स्टेट यूनिवर्सिटी) और डॉ. एडम याओ लिउ (दाएं), ली कुआन यू स्कूल ऑफ पब्लिक पॉलिसी (नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर) को एक्ज़िम बैंक के क्रमशः अंतरराष्ट्रीय आर्थिक शोध वार्षिक पुरस्कार 2019 और ब्रिक्स आर्थिक शोध पुरस्कार 2020 का विजेता चुना गया।
Dr. Shoumitro Chatterjee (left), Assistant Professor of Economics, Department of Economics (Pennsylvania State University) and Dr. Adam Yao Liu (right), Assistant Professor at Lee Kuan Yew School of Public Policy (National University of Singapore) were adjudged the winners of Exim Bank's International Economic Research Award 2019 and BRICS Economic Research Award 2020, respectively.

UNDP co-operation mechanism, for exchanging knowledge and experiences on the challenges faced by MSMEs and exploring opportunities. A coffee table book compiling impact stories of selected entrepreneurs from Assam, Mizoram and Nagaland under the project was launched during the webinar.

Exim Mitra

The Bank's Exim Mitra portal provides exporters and importers a wide range of trade information services. The portal contributes towards reducing the asymmetry in information and availability of trade finance and credit insurance facilities amongst MSME entrepreneurs. The platform also provides exhaustive trade-related data and information, allowing users to make informed decisions for their internationalization efforts. This, inter alia, includes assessment of demand across products and markets; information pertaining to market standards, sanitary/ phytosanitary requirements; rules and regulations in key markets, like the USA and the EU; government incentives across various sectors; relevant contact information of handholding agencies; cost and duration of shipments from across the globe, and country ratings.

एक्ज़िम बैंक के व्यापार सुगमीकरण पोर्टल 'एक्ज़िम मित्र' को विकास वित्त संस्थाओं के लैटिन अमेरिकी संघ द्वारा गैर-क्षेत्रीय श्रेणी में विकास वित्त संस्थाओं में सर्वश्रेष्ठ पद्धतियों के लिए पुरस्कृत किया गया।
Exim Bank's trade facilitation portal, Exim Mitra, was conferred an award for best practices in development finance institutions in the extra-regional category by the Latin American Association of Development Financing Institutions.

करता है। बैंक ने इस पोर्टल के जरिए वित्तीय सेवाओं को सुगम बनाने के लिए 16 बैंकों/वित्तीय संस्थाओं के साथ साझेदारी की है।

31 मार्च, 2021 तक एक्ज़िम मित्र के जरिए विभिन्न उद्योग खंडों के निर्यातकों के 1050 से अधिक सवालों के जवाब दिए जा चुके हैं। इनमें से अधिकांश सवाल कृषि और खाद्य उत्पादों तथा टेक्सटाइल और गारमेंट जैसे श्रम गहन क्षेत्रों में एमएसएमई निर्यातकों की ओर से रहे हैं।

वर्ष 2020-21 के दौरान बैंक ने मासिक ई-न्यूज़लेटर 'एक्ज़िम कनेक्ट' के जरिए निर्यात संबंधी सूचनाओं के प्रसार की पहल की है। इसमें किसी क्षेत्र पर फोकस के साथ, व्यापार संबंधी नवीनतम अधिसूचनाएं, विदेश व्यापार के मुख्य समाचार, एफएक्यू, आगामी कार्यक्रमों और एसपीएस तथा टीबीटी अलर्ट की जानकारियां होती हैं।

व्यवसाय उत्कृष्टता पुरस्कार

1994 में बैंक और भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई), किसी भारतीय कंपनी द्वारा अपनाई गई उत्कृष्ट गुणवत्ता प्रबंधन पद्धतियों (टीक्यूएम) के लिए सीआईआई-एक्ज़िम बैंक व्यवसाय उत्कृष्टता पुरस्कार के जरिए भारतीय कंपनियों में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए साथ आए। यह पुरस्कार यूरोपियन फाउंडेशन फॉर क्वालिटी मैनेजमेंट (ईएफक्यूएम) मॉडल पर आधारित है। 2020 में 8 कंपनियों को अलग-अलग स्तरों पर पुरस्कृत किया गया। गोदरेज एंड बॉइस मैन्युफैक्चरिंग कंपनी लिमिटेड के गोदरेज प्रिसिज़न इंजीनियरिंग डिविज़न को व्यवसाय

लूम्स ऑफ लद्दाख वीमेन्स कॉपरेटिव को एक्ज़िम बैंक द्वारा प्रदत्त सहायता के लिए बैंक को एशिया और प्रशांत में विकास वित्त संस्थाओं के संघ (एडफिएप) द्वारा 'स्थानीय आर्थिक विकास' के लिए 'उत्कृष्ट विकास परियोजना पुरस्कार' के अंतर्गत मेरिट पुरस्कार प्रदान किया गया।
Exim Bank's support to Looms of Ladakh Women's Cooperative was conferred a merit award under the Outstanding Development Project Awards for 'Local Economic Development' by Association of Development Financing Institutions in Asia and the Pacific.

The Bank also works closely with the commercial banks and credit insurance agencies to provide information and guidance to exporters. The Bank has partnered with 16 banks/financial institutions for facilitating financial services through the portal.

The portal also has a helpline section to cater to specific queries of exporters and importers. As of March 31, 2021, Exim Mitra has addressed more than 1050 queries of exporters from various industrial segments. A majority of the queries have been from MSME exporters in labour intensive sectors such as agro and food products, and textile and garments.

During 2020-21, the Bank started dissemination of export-related information through a monthly e-newsletter, 'Exim Connect'. The e-newsletter comprises information pertaining to a focus sector, latest trade notifications, foreign trade news highlights, FAQs, forthcoming events, and SPS and TBT alerts.

Award for Business Excellence

The Bank and the Confederation of Indian Industry (CII) joined hands in 1994, to promote 'excellence' among Indian companies through the 'CII-Exim Bank Award for Business Excellence' for best Total Quality Management practices adopted by an Indian company. The Award is based on the European Foundation for Quality Management model. In 2020, there were eight companies which received varying

उत्कृष्टता के लिए सीआईआई–एक्ज़िम बैंक पुरस्कार के लिए चुना गया।

अंतरराष्ट्रीय आर्थिक शोध वार्षिक पुरस्कार

बैंक द्वारा अंतरराष्ट्रीय आर्थिक शोध वार्षिक (ईरा) पुरस्कार की स्थापना 1989 में की गई थी। इसका उद्देश्य भारतीय और विदेशी विश्वविद्यालयों तथा शिक्षण संस्थाओं में भारतीय नागरिकों द्वारा अंतरराष्ट्रीय अर्थशास्त्र, व्यापार, विकास और संबद्ध वित्तपोषण के क्षेत्र में शोध और डॉक्टरेट की डिग्री को बढ़ावा देना है। इस पुरस्कार के अंतर्गत ₹ 350,000 की राशि तथा प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाता है। वर्ष 2019 के पुरस्कार विजेता डॉ. सौमित्रो चटर्जी रहे। उन्हें यह पुरस्कार 'व्यापार और विकास अर्थशास्त्र पर आलेख' शीर्षक वाली उनकी डॉक्टोरल थीसिस के लिए प्रदान किया गया। डॉ. चटर्जी ने प्रिंसटन विश्वविद्यालय, यूएसए से 2018 में अपनी डिग्री हासिल की थी।

भारतीय एक्ज़िम बैंक ब्रिक्स आर्थिक शोध वार्षिक पुरस्कार

वर्ष 2016 में ब्रिक्स अंतरबैंक सहयोग तंत्र के अंतर्गत भारत की अध्यक्षता के दौरान बैंक ने 'ब्रिक्स आर्थिक शोध वार्षिक पुरस्कार' (ब्रिक्स पुरस्कार) की स्थापना की। इसका उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय अर्थशास्त्र, व्यापार, विकास और संबद्ध वित्तपोषण के क्षेत्र में ब्रिक्स सदस्य

levels of recognition. Godrej Precision Engineering Division of Godrej & Boyce Mfg. Co. Ltd. was adjudged the winner of the CII-Exim Bank Award for business excellence.

International Economic Research Annual Award

The International Economic Research Annual (IERA) Award was instituted by the Bank in 1989. The objective of the Award is to promote research in international economics, trade, development, and related financing, by Indian nationals at universities and academic institutions in India and abroad, leading to a doctorate degree. The Award consists of a sum of ₹ 350,000 and a citation. The winner for the year 2019 was Dr. Shoumitro Chatterjee, for his doctoral thesis titled 'Essays in Trade and Development Economics'. Dr. Chatterjee received his degree in 2018 from Princeton University, USA.

Exim Bank of India BRICS Economic Research Annual Award

During India's Presidency under the BRICS Interbank Co-operation Mechanism in 2016, the Bank instituted the BRICS Economic Research Annual Award (BRICS Award), with an objective to encourage and stimulate advanced doctoral

बैंक ने अंगूरों की देसी किस्मों को बढ़ावा देने के लिए नासिक और निकटवर्ती गांवों के 250 से अधिक किसानों के लिए श्रृंखलाबद्ध प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए सहायता प्रदान की।

The Bank supported a series of training programmes for over 250 farmers in Nashik and nearby villages, to promote and support indigenous grapes varieties.

देशों के लिए प्रासंगिक समसामयिक विषयों पर केंद्रित उन्नत डॉक्टोरल शोध को प्रोत्साहित करना है। पुरस्कारस्वरूप एक प्रशस्ति पत्र और बैंक द्वारा प्रायोजित ₹ 1.50 मिलियन की सम्मान राशि प्रदान की जाती है। यह पुरस्कार ब्रिक्स के पांचों देशों के नागरिकों द्वारा किए गए उनके उत्कृष्ट शोध कार्य के लिए प्रदान किया जाता है। वर्ष 2020 के लिए यह पुरस्कार डॉ. एडम याओ लिउ को 'नियंत्रित संस्थाओं में बाजार निर्माणः चीन में बैंकिंग विकास की राजनीतिक अर्थव्यवस्था' शीर्षक वाली उनकी डॉक्टोरल थीसिस के लिए दिया गया। डॉ. लिउ ने यूएसए स्थित स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय से 2018 में अपनी डिग्री हासिल की थी।

research on topics of contemporary relevance to the member nations of BRICS, in the field of international economics, trade, development and related financing. The Award, comprising a citation and prize money of ₹ 1.50 million is sponsored by the Bank. The Award is open to nationals of any of the five member nations of BRICS, for exemplary doctoral research work. The winner of the Award for the year 2020 was Dr. Adam Yao Liu, for his doctoral thesis titled 'Building Markets within Authoritarian Institutions: The Political Economy of Banking Development in China'. Dr. Liu received his degree in 2018 from Stanford University, USA.

निर्यात संवर्धक एक्ज़िम बैंक

Exim Bank as a Promoter of Exports

शोध एवं विश्लेषण

बैंक का शोध एवं विश्लेषण समूह अंतरराष्ट्रीय अर्थशास्त्र, व्यापार और निवेश के विभिन्न पहलुओं पर क्वालिटेटिव और क्वांटिटेटिव शोध तकनीकों के जरिए शोध अध्ययन करता है। इस समूह द्वारा ये शोध अध्ययन मुख्य रूप से क्षेत्रीय, उद्योग खंड और नीति संबंधी श्रेणियों के अंतर्गत किए जाते हैं और इन्हें प्रासंगिक आलेखों तथा कार्यकारी आलेखों, पुस्तकों आदि के रूप में प्रकाशित किया जाता है। वर्ष के दौरान, उन्नीस शोध अध्ययन प्रकाशित किए गए, जो निम्नलिखित हैं:

1. सीएलएमवी में इन्फ्रास्ट्रक्चर विकासः भारत के लिए अवसर
2. भारत-जापान व्यापार संबंधों को बढ़ाने के लिए संभावनाएं
3. ब्रिक्सः व्यापार, निवेश और व्यवसाय सहयोग को बढ़ाना
4. भारत-बांग्लादेश साझेदारी को मजबूत करनाः क्षेत्रीय विकास की राह प्रशस्त करना
5. मूल्य श्रृंखला का सृजनः भारत और आसियान के लिए अवसर
6. भारत-अफ्रीका स्वास्थ्य सेवाएं: संभावनाएं और अवसर
7. दुर्लभ मृदा तत्वों का संरक्षण करता भारत
8. भारत में डिजिटल विनिर्माण
9. भारतीय वस्त्र क्षेत्रः परिचय और आगामी रणनीति
10. भारत से कृषि निर्यातों का संवर्धन
11. विश्व व्यापार संगठनः विश्व व्यापार और भारत
12. चीन में बैंक के विस्तार का राजनीतिक उद्भव और फर्म-स्तर के प्रभाव
13. काउंटर-व्यापार रणनीतिः अंतरराष्ट्रीय तुलनात्मक अध्ययन और भारतीय परिप्रेक्ष्य

Research and Analysis

The Bank's Research and Analysis Group offers a range of insights on aspects of international economics, trade and investments through qualitative and quantitative research techniques. The research work carried out by the Group under the broad classification of regional, sectoral and policy related studies, are published in the form of Occasional Papers, Working Papers, special publications and books, among others. Nineteen research studies were published during the year. These include the following:

1. Building Infrastructure in CLMV: Opportunities for India
2. Prospects for Enhancing India-Japan Trade Relations
3. BRICS: Promoting Trade, Investment and Business Cooperation
4. Strengthening India-Bangladesh Partnership: Paving the Way for Regional Development
5. Building Value Chain: Opportunities for India and ASEAN
6. India-Africa Healthcare: Prospects and Opportunities
7. India Securing Rare Earth Elements
8. Digital Manufacturing in India
9. Indian Apparel Sector - Overview and Way Forward
10. Promoting Agriculture Exports from India
11. WTO: World Trade and India

एक्ज़िम बैंक ने 'भारत-जीसीसी संबंधों को बढ़ानाः परियोजना निर्यात और अन्य संभावनाएं' विषय पर आयोजित वेबिनार के दौरान 'जीसीसी देशों के साथ भारत के द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करना' शीर्षक से शोध अध्ययन का विमोचन किया।
Exim Bank released a study titled 'Enhancing India's Bilateral Relations with the GCC Countries: Trends in Trade, Migration and Remittances' during a webinar on 'Enhancing India-GCC Relations: Prospects in Project Exports and Beyond'.

14. भारत के अंतरराष्ट्रीय व्यापार पर कोविड-19 का प्रभावः रणनीतियां और नीतिगत परिप्रेक्ष्य
15. आत्मनिर्भर भारतः दृष्टिकोण और रणनीतिक क्षेत्र
16. भारत में मंडियां, प्रतिस्पर्धा और किसानों की आय
17. केरल से निर्यातों का संवर्धनः विश्लेषण और नीतिगत परिप्रेक्ष्य
18. पूर्वोत्तर भारत में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमः निर्यात स्पर्धात्मकता के लिए क्षमता सृजन
19. कर्नाटक से निर्यातों को बढ़ाना

एक्सपोर्ट लीडिंग इंडेक्स

बैंक ने भारत के निर्यातों में आने वाले उतार–चढ़ावों का पूर्वानुमान लगाने और उनका ट्रैक रखने के उद्देश्य से एक्सपोर्ट लीडिंग इंडेक्स (ईएलआई) तैयार करने के लिए एक आंतरिक मॉडल विकसित किया है। ईएलआई देश के निर्यातों का आकलन करता है। इस मॉडल को देश के निर्यातों पर प्रभाव डालने वाले विभिन्न बाह्य एवं घरेलू कारकों को ध्यान में रखते हुए देश के वस्तु निर्यातों और गैर–तेल निर्यातों में तिमाही आधार पर वृद्धि का पूर्वानुमान लगाने के लिए विकसित किया गया है।

बैंक के ये पूर्वानुमान हर तिमाही में पूर्ववर्ती तिमाही के लिए जून, सितंबर, दिसंबर और मार्च के पहले सप्ताह में जारी किए जाते हैं। इस मॉडल में निरंतर सुधार किया जाता है। इस मॉडल से प्राप्त परिणाम अन्य के साथ–साथ नीति निर्माताओं, शोधार्थियों और निर्यातकों के लिए उपयोगी हो सकते हैं।

सूचना और सलाहकारी सेवाएं

बैंक कई प्रकार की सूचना, सलाहकारी और सहायता सेवाएं प्रदान करता है। ये सेवाएं जहां बैंक के वित्तपोषण कार्यक्रमों की पूरक हैं, वहीं पॉलिसी बैंक के रूप में बैंक की भूमिका को भी रेखांकित करती हैं। ये सेवाएं बैंक के हितधारकों को प्रदान की जाती हैं, जिनमें राज्य सरकारें, भारतीय सार्वजनिक और निजी क्षेत्र तथा विदेशी संस्थाएं शामिल हैं। इन सेवाओं में राज्य सरकारों के लिए नीतिगत सुझाव और शोध अध्ययन, बाजार संबंधी सूचनाएं, क्षेत्र और व्यवहार्यता अध्ययन, प्रौद्योगिकी आपूर्तिकर्ताओं को चिह्नित करना, साझेदार तलाशना, क्षमता निर्माण, निवेश सुगमीकरण तथा भारत और विदेश में संयुक्त उद्यमों का विकास शामिल है। बैंक विकासशील देशों की कई संस्थाओं को भी अपनी विशिष्ट सलाहकारी और परामर्शी सेवाओं के जरिए सहायता प्रदान करता है। वर्ष के दौरान, सऊदी एक्ज़िम बैंक ने अपने एक पूर्ववर्ती असाइनमेंट के अगले चरण के रूप में अपने उत्पादों के

12. The Political Origin and Firm-Level Consequences of Bank Proliferation in China
13. Countertrade Strategy: International Comparison and Indian Perspective
14. Impact of Covid-19 on India's International Trade: Strategies and Policy Perspectives
15. Self-Reliant India: Approach and Strategic Sectors to Focus
16. Mandis, Competition and Farmer Incomes in India
17. Promoting Exports from Kerala: Insights and Policy Perspectives
18. MSMEs in North East India: Capacity Building for Export Competitiveness
19. Strengthening Exports from Karnataka

Export Leading Index

The Bank had developed an in-house model to generate an Export Leading Index (ELI) for India to track and forecast the movement in India's exports. The ELI, gauges the outlook for the country's exports and forecasts growth in total merchandise and non-oil exports of the country, on a quarterly basis, based on several external and domestic factors that could impact exports of the country.

The Bank's forecasts are released during the first week of the months of June, September, December, and March, for the corresponding quarters, with continuous improvisation to the model. The results presented therefrom could be of interest to policy makers, researchers, and exporters, among others.

Information and Advisory Services

The Bank provides a wide range of information, advisory and support services, which complements its financing programmes, whilst also underlining its role as a policy Bank. These services are provided to the Bank's stakeholders including state governments, Indian public and private sector, and overseas entities. The scope of services includes policy inputs and papers for the state governments, market-related information, sector and feasibility studies, technology supplier identification, partner search, capacity building exercises, investment

भारत-अफ्रीका परियोजना भागीदारी पर 15वें सीआईआई-एक्ज़िम बैंक कॉन्क्लेव के दौरान माननीय विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर द्वारा एक्ज़िम बैंक के अध्ययन 'एएफसीएफटीए: अफ्रीका के आर्थिक एकीकरण में भारत के लिए अवसर' का विमोचन किया गया।
Exim Bank's study titled 'AfCFTA: Opportunities for India in Africa's Economic Integration' was released by Dr. S. Jaishankar, Hon'ble Minister for External Affairs at the 15th CII-Exim Bank Conclave on India-Africa Project Partnership, organised on a virtual platfrom.

मैनुअल और मूल्यांकन नीतियों की समीक्षा के लिए बैंक की सहायता ली। इस असाइनमेंट में पूर्ववर्ती असाइनमेंट के हिस्से के रूप में बैंक द्वारा सऊदी एक्ज़िम बैंक के लिए विकसित किए गए उत्पादों सहित अन्य एजेंसियों द्वारा विकसित किए गए उत्पादों की समीक्षा जैसे कार्य शामिल थे। सऊदी एक्ज़िम बैंक ने बैंक की अधिकांश संस्तुतियां स्वीकार कर लीं और अपने उत्पाद मैनुअल में समुचित संशोधन किए गए।

निर्यातों को बढ़ावा देने के लिए राज्यों को सहयोग

बैंक राज्य स्तर पर निर्यात निष्पादन और संभावनाओं का मूल्यांकन करने के लिए राज्य सरकारों के साथ मिलकर काम करता रहा है और उन राज्यों की व्यापार स्पर्धात्मकता बढ़ाने के लिए रणनीतियां बनाता रहा है।

बैंक ने वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान दो राज्य स्तरीय शोध अध्ययन किए। इनमें नवीनतम शोध 'कर्नाटक से निर्यातों का संवर्धन' है। 'केरल से निर्यातों का संवर्धनः विश्लेषण और नीतिगत परिप्रेक्ष्य' शीर्षक से एक और शोध अध्ययन किया गया। इसका विमोचन उद्योग एवं वाणिज्य विभाग एवं नोरका, केरल सरकार के प्रमुख सचिव डॉ. के. एलंगोवन (आईएएस) द्वारा किया गया। एक्ज़िम बैंक ने निर्यात तैयारी सूचकांक (ईपीआई) के लिए नीति आयोग को भी इनपुट प्रदान किए, जो अगस्त 2020 में जारी किया गया। ईपीआई में भारतीय

facilitation and development of joint ventures both in India and abroad. The Bank also provides assistance to a number of institutions in the developing world through its well knitted advisory and consultancy services. During the year, Saudi Exim Bank sought India Exim Bank's support to review its Product Manuals and Assessment Policies, as a follow on to an earlier assignment. The scope of the assignment included review of products developed by the Bank for Saudi Exim Bank as part of the earlier assignment, and of products developed by other agencies. Saudi Exim Bank has accepted most of the recommendations made by the Bank and suitable modifications have been made in its product manuals.

Support to States for Promotion of Exports

The Bank has been engaging with state governments to evaluate their state-level export performance and potential, and outline strategies for development of their trade competitiveness.

The Bank, during FY 2020-21, undertook two State level export studies, the latest one being 'Strengthening Exports from Karnataka'. The

राज्यों की निर्यातों के संबंध में तैयारी और उनके निर्यात निष्पादन की पड़ताल की गई है। साथ ही चुनौतियों और अवसरों को चिह्नित किया गया है। इसके अतिरिक्त, सरकारी नीतियों की प्रभावशीलता बढ़ाने और राज्य स्तर पर सुगम विनियामकीय फ्रेमवर्क बनाने पर जोर दिया गया है।

एक्ज़िमिअस शिक्षण केंद्र

भारत के अंतरराष्ट्रीय व्यापार और निवेश को सुगम बनाने के क्रम में भारतीय निर्यातकों और आयातकों की जागरूकता बढ़ाने के लिए आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों, सेमिनारों और कार्यशालाओं के समन्वय और उनके क्रियान्वयन का उत्तरदायित्व बैंक के एक्ज़िमिअस शिक्षण केंद्र (ईसीएल) पर है।

ईसीएल ने वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान निर्यातकों के लिए 22 सेमिनारों का आयोजन किया। ये सेमिनार निर्यात क्षमता का सृजन, व्यवसाय अवसर, उद्योग, देश और क्षेत्र पर फोकस तथा भारतीय राज्यों से निर्यात संभावनाओं जैसे विषयों से संबंधित रहे। महामारी के चलते अधिकतर सेमिनार वर्चुअल प्लैटफॉर्म पर आयोजित किए गए।

बैंक ने 'चुनिंदा क्षेत्रों में निर्यातों के लिए नीतिगत बाधाओं को दूर करना' विषय पर वेबिनार किया। इस वेबिनार की अध्यक्षता माननीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल द्वारा की गई। उन्होंने निर्यातों में आई हालिया मंदी को दूर करने और वैश्विक बाजारों में भारतीय निर्यातकों की स्पर्धात्मकता बढ़ाने के लिए भारत सरकार द्वारा किए गए प्रयासों को रेखांकित किया। साथ ही, भारत सरकार के 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान पर फोकस के अनुरूप बैंक ने 'आत्मनिर्भर भारत के लिए रणनीतियां' विषय पर वेबिनार किया। इसमें विनिर्माण उद्योग को गति प्रदान करने के लिए विभिन्न प्रस्तावित उपायों पर चर्चा की गई।

Study titled 'Promoting Exports from Kerala: Insights and Policy Perspectives' was released by Dr. K. Ellangovan (IAS), Principal Secretary, Department of Industries & Commerce and NORKA, Government of Kerala.

The Bank also provided inputs to the Niti Aayog for preparation of the Export Preparedness Index (EPI), which was released in August 2020. The EPI examines export preparedness and performance of Indian states; and intends to identify challenges and opportunities; enhance the effectiveness of government policies; and encourage a facilitative regulatory framework at the state level.

Eximius Centre for Learning

The Eximius Centre for Learning (ECL) is responsible for the overall conduct, coordination and implementation of programmes, seminars and workshops for Indian exporters and importers to enhance their awareness, and thereby facilitate India's international trade and investment.

During the financial year 2020-21, ECL conducted 22 seminars for exporters, with themes broadly classified into export capability creation, business opportunities, industry, country and region focus, and export potential of Indian states. Due to the pandemic, most of these seminars were conducted on virtual platforms.

The Bank organised a webinar on 'Strategies for Alleviating Policy Constraints for Exports in Select Sectors'. The webinar was chaired by the Hon'ble Minister of Commerce and Industry, Shri Piyush

एक्ज़िम बैंक ने हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद के साथ मिलकर वायनाड, धारवाड और हैदराबाद में हस्तशिल्प क्लस्टरों के लिए निर्यात क्षमता सृजन कार्यशालाओं का आयोजन किया।

Exim Bank partnered with the Export Promotion Council for Handicrafts to organise export capability creation workshops for the handicraft clusters in Wayanad, Dharwad and Hyderabad.

बैंक ने पैकेजिंग, सोलर पीवी विनिर्माण और खेल वस्तु उद्योगों पर केंद्रित सेमिनारों का आयोजन किया। इन वर्चुअल सत्रों में भारतीय निर्यातकों और निर्यात संवर्धन परिषदों सहित विभिन्न स्टेकहोल्डरों ने हिस्सा लिया। निर्यातों को बढ़ावा देने के लिए राज्य केंद्रित रणनीतियों की जरूरत को ध्यान में रखते हुए बैंक ने केरल और राजस्थान सरकार के साथ मिलकर वर्ष के दौरान दो वेबिनार किए, जिनमें इन राज्यों में विद्यमान संभावनाओं और निर्यातों में सुधार के क्षेत्रों को रेखांकित किया गया।

अफ्रीका में व्यापार और निवेश में भारत के योगदान और विभिन्न कार्यक्रमों के अंतर्गत बैंक के समन्वय को रेखांकित करते हुए विभिन्न वेबिनारों का आयोजन किया गया। ये वेबिनार 'पश्चिम अफ्रीका में भारतीय कंपनियों द्वारा परियोजना निष्पादन का मूल्यांकन', 'भारत-अफ्रीका संवादः स्वास्थ्य सेवाओं में संभावनाएं', 'रवांडा में बुनियादी ढांचागत विकास के लिए अवसर', और 'भारत-मोरक्को बिजनेस फोरम' जैसे विषयों पर आयोजित किए गए। इन सेमिनारों में अफ्रीकी मिशनों, भारत सरकार और अफ्रीका में मौजूदगी रखने वाले भारतीय कॉर्पोरेट जगत के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया और विशाखन के क्षेत्रों के साथ-साथ बेहतर सहयोग के लिए रणनीतियों पर चर्चा की। बैंक ने 'भारत-जीसीसी संबंधों को बढ़ानाः परियोजना निर्यात और अन्य संभावनाएं' और 'यूएई में भारत के निवेशों को बढ़ाना' जैसे विषयों पर देश केंद्रित सेमिनारों का भी आयोजन किया।

ईसीएल, बहुपक्षीय विकास बैंकों द्वारा निधिक परियोजनाओं में व्यवसाय अवसरों पर उनके साथ मिलकर संयुक्त रूप से सेमिनारों का आयोजन करता है। वर्ष के दौरान बैंक ने विश्व बैंक के साथ मिलकर विदेशी सहायता प्राप्त परियोजनाओं में व्यवसाय अवसरों पर एक ऑनलाइन चर्चापरक कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला के दौरान एशियाई विकास बैंक, एशियन इन्फ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट बैंक और न्यू डेवलपमेंट बैंक जैसे अन्य बहुपक्षीय विकास बैंकों के विशेषज्ञों के सत्र भी रखे गए।

ग्रामीण और ग्रासरूट उद्यमों में विशेष रूप से महामारी के बाद निर्यात क्षमता बढ़ाने के लिए एक्ज़िम बैंक ने हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद के साथ मिलकर तीन कार्यशालाओं का आयोजन किया। ये कार्यशालाएं वायनाड, धारवाड़ और हैदराबाद क्लस्टरों में निर्यात प्रलेखीकरण, निर्यात मार्केटिंग, ई-कॉमर्स, डिजाइन ट्रेंड्स जैसे विषयों पर की गईं। इन कार्यशालाओं से करीब

Goyal, who highlighted the efforts taken by the GOI to reverse the recent slowdown in exports and enhance competitiveness of Indian exporters in the global market. Further, in line with the GOI's focus on 'Aatmanirbhar Bharat', the Bank organised a webinar on 'Strategies for a Self-Reliant India' that discussed several proposed measures to give an impetus to the manufacturing sector.

The Bank organised sector-focused seminars for the packaging, solar PV manufacturing and sports goods industries. Stakeholders, including Indian exporters and export promotion councils, participated in these virtual sessions. Recognizing the need for state-focused strategies for export promotion, the Bank partnered with the State Governments of Kerala and Rajasthan to organize two webinars during the year.

Highlighting the contribution of India's trade and investment in Africa and the Bank's ongoing engagements under various programmes, several webinars were organised, covering the themes of 'Assessment of Project Implementation by Indian Companies in West Africa', 'India-Africa Dialogue: Prospects in Healthcare', 'Opportunities for Infrastructure Development in Rwanda' and 'India-Morocco Business Forum'. These seminars brought together representatives from African missions, the GOI and the Indian corporate sector having presence in Africa, who shared insights into

एक्ज़िम बैंक ने सेनेगल सरकार को 225 केवी की हाई वोल्टेज ट्रांसमिशन लाइनों के निर्माण के लिए राष्ट्रीय निर्यात बीमा खाते के अंतर्गत 200 मिलियन यूएस डॉलर की क्रेता ऋण सुविधा को मंजूरी दी।

Exim Bank sanctioned a buyer's credit facility under NEIA of US$ 200 million to the Government of Senegal for construction of the 225 KV high-voltage transmission lines.

एक्ज़िम बैंक का 36वां स्थापना दिवस वार्षिक व्याख्यान 'भारत की व्यापार नीतिः कल, आज और कल' विषय पर प्रो. अरविंद पनगड़िया द्वारा दिया गया, जो कोलंबिया विश्वविद्यालय में भारतीय राजनीतिक अर्थव्यवस्था के जगदीश भगवती प्रोफेसर हैं।

Prof. Arvind Panagariya, Professor of Economics and the Jagdish Bhagwati Professor of Indian Political Economy at Columbia University, delivered Exim Bank's 36th Commencement Day Annual Lecture on the topic 'India's Trade Policy: Past, Present and Future.'

250 दस्तकार लाभान्वित हुए। बैंक ने 'महिला उद्यमियों का सशक्तीकरण' विषय पर भी एक ऑनलाइन सत्र आयोजित किया, जिसमें व्यापार और अर्थव्यवस्था में विशेष रूप से ग्रासरूट उद्यमों की महिलाओं के योगदान को रेखांकित किया गया। इन सत्रों का आयोजन हिन्दी और क्षेत्रीय भाषाओं में किया गया, ताकि ग्रासरूट स्तर के उद्यमियों को बेहतर तरीके से जोड़ा जा सके।

अंतरराष्ट्रीय व्यापार, अर्थव्यवस्था, व्यापार संबंधी नीतियों आदि से जुड़े मामलों की जानकारी वैश्विक स्तर पर पहुंचाने के क्रम में बैंक निर्यातकों के लिए ऑनलाइन सत्रों का आयोजन करता है, जिन्हें 'एक्ज़िम बैंक की मास्टर क्लास' नाम दिया गया है। ये सत्र 'निर्यात बाजारों तक पहुंचने के लिए जरूरी माध्यम', 'कोविड-19 के बाद कैसे बढ़ाएं कृषि व्यवसाय' 'चुनिंदा क्षेत्रों पर केंद्रीय बजट का प्रभाव' और 'निर्यातकों और आयातकों के लिए नवीनतम अधिसूचनाओं की जानकारी' जैसे विषयों पर आयोजित किए गए। इन सत्रों के लिए वक्ता के रूप में बैंक के अर्थशास्त्रियों के साथ-साथ बाहरी विशेषज्ञों को भी आमंत्रित किया गया।

संस्थागत संबद्धताएं

देश के व्यापार एवं निवेश हेतु अनुकूल परिवेश तैयार करने में मदद के लिए बैंक ने बहुपक्षीय एजेंसियों, निर्यात ऋण एजेंसियों, बैंकों तथा वित्तीय संस्थाओं, व्यापार संवर्धन निकायों और निवेश संवर्धन बोर्डों के साथ अपने संस्थागत संबंधों का एक नेटवर्क विकसित किया है।

ब्रिक्स अंतरबैंक सहयोग तंत्र

ब्रिक्स अंतरबैंक सहयोग तंत्र के अंतर्गत बैंक, भारत की ओर से एक नामित सदस्य विकास बैंक है। बैंक ने

areas for diversification and strategies for achieving greater collaboration. The Bank also organised country-focused seminars such as 'Enhancing India-GCC Relations: Prospects in Project Exports and Beyond' and 'Stepping up India's Investments in the UAE'.

ECL partners with Multilateral Development Banks (MDBs) to jointly organize seminars on business opportunities in projects funded by them. During the year, the Bank partnered with the World Bank to organize an online interactive workshop on business opportunities in externally aided projects. Experts from other MDBs such as the Asian Development Bank, Asian Infrastructure Investment Bank and New Development Bank, also conducted sessions during the workshop.

To enhance export capability of the rural and grassroots enterprises, especially after the pandemic, Exim Bank partnered with Export Promotion Council for Handicrafts to organize three workshops on themes related to export documentation, export marketing, e-commerce, design trends, etc. in the handicraft clusters in Wayanad, Dharwad and Hyderabad. Nearly 250 artisans benefitted from these workshops. The Bank also conducted an online session on 'Empowering Women Entrepreneurs' that highlighted the role and contribution of women, specially from the grassroots enterprises, in trade and economy. These sessions were conducted in Hindi and regional languages for better connect with the grassroots entrepreneurs.

To reach out to a global audience on matters pertaining to international trade, economy and trade-related policies, among others, the Bank conducts online educative sessions for exporters. The sessions, called 'Exim Bank's Masterclass', were held on topics such as 'Essential Tools for Accessing Export Markets', 'How to Sustain your Agribusiness post COVID-19?', 'Impact of Union Budget on Select Sectors', and 'Overview of Latest Notifications for Exporters and Importers'. Economists from the Bank as well as external experts were invited as speakers for these masterclasses.

एक्ज़िम बैंक ने दुबई विद्युत एवं जल प्राधिकरण के लिए 400 केवी की ओवरहेड लाइन और सबस्टेशनों की स्थापना के लिए केईसी इंटरनैशनल लिमिटेड को सहायता प्रदान की।
Exim Bank supported KEC International Ltd. for setting up of a 400 KV overhead line and substations for Dubai Electricity & Water Authority.

उत्तरदायी वित्तपोषण के सिद्धांतों पर ब्रिक्स राष्ट्रों के विकास बैंकों के साथ एक सहमति ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस एमओयू के फ्रेमवर्क के अंतर्गत, सदस्य विकास बैंकों ने उत्तरदायी वित्तपोषण के समान सिद्धांतों को अपनाने की संभावनाओं का पता लगाने पर सहमति जताई है। बैंक ने ब्रिक्स अंतरबैंक सहयोग तंत्र की वार्षिक बैठक और वित्तीय फोरम के साथ-साथ 16 नवंबर, 2020 को रूस के स्टेट डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन द्वारा ऑनलाइन आयोजित की गई संबंधित बैठकों में भी हिस्सा लिया।

एशियाई एक्ज़िम बैंक फोरम

इंडिया एक्ज़िम बैंक ने 1996 में एशियाई एक्ज़िम बैंक फोरम (एईबीएफ) के गठन की पहल की। एईबीएफ का उद्देश्य अपनी सदस्य संस्थाओं के बीच आर्थिक सहयोग बढ़ाना और मजबूत संस्थागत संबंध स्थापित करना है, ताकि एशियाई एक्ज़िम बैंक समुदाय में दीर्घकालिक संबंध स्थापित किए जा सकें।

वित्तीय वर्ष के दौरान, महामारी के चलते एईबीएफ की छब्बीसवीं वार्षिक बैठक आयोजित नहीं की जा सकी। तथापि, तुर्क एक्ज़िम बैंक ने जून 2020 में तकनीकी कार्य समूह की वर्चुअल बैठक की मेजबानी की, जिसमें सभी सदस्य संस्थाओं ने हिस्सा लिया।

एईबीएफ फोरम प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से ज्ञान साझा करने के लिए एक अच्छा मंच प्रदान करता है, जिनसे सदस्य संस्थाओं के स्टाफ सदस्यों को परियोजना वित्तपोषण, पूँजी बाजारों, पोत वित्तपोषण, एसएमई वित्तपोषण, कमोडिटी वित्तपोषण, देश जोखिम, विदेशों में निवेश जैसे विविध क्षेत्रों में सर्वश्रेष्ठ कार्यप्रणालियां सीखने में मदद मिली है। महामारी के चलते लगाए गए यात्रा प्रतिबंधों के कारण एईबीएफ के संरक्षण में ऑनलाइन

INSTITUTIONAL LINKAGES

The Bank has fostered a network of alliances and institutional linkages with multilateral agencies, export credit agencies, banks and financial institutions, trade promotion bodies, and investment promotion boards to help create an enabling environment for supporting trade and investment.

BRICS Interbank Co-operation Mechanism

Exim Bank is the nominated member development bank from India under the BRICS Interbank Co-operation Mechanism. The Bank entered into a Memorandum of Understanding (MoU) with the development banks of the BRICS nations on the Principles of Responsible Financing. Under the framework of the MoU, member development banks have agreed to explore the possibilities of adopting the common principles of responsible financing. The Bank also participated in the Annual Meeting and the Financial Forum of the BRICS Interbank Co-operation Mechanism, and associated meetings organised online by Russia's State Development Corporation (VEB.RF), on November 16, 2020.

Asian Exim Banks Forum

In 1996, India Exim Bank took the initiative of forming the Asian Exim Banks Forum (AEBF). The Forum seeks to enhance economic co-operation and forge stronger linkages among its member institutions, thereby fostering a long-term relationship within the Asian Exim Banks' community.

The twenty-sixth Annual Meeting of the AEBF could not be organised during the financial year due to the pandemic. However, Türk Eximbank hosted a virtual Technical Working Group Meeting in June 2020 which was attended by all member institutions.

AEBF provides a sound platform for knowledge sharing by way of training programmes that have helped the staff of the member institutions learn the best practices in areas as diverse as project financing, capital markets, ship financing, SME financing, commodity financing, country risk and cross border investment, among others. Due to the

प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। पहला ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम जुलाई 2020 में कोरियाई एक्ज़िम बैंक द्वारा किया गया। इसका विषय था– 'पर्यावरणीय और सामाजिक चिंताएं तथा इस संबंध में की जाने वाली जरूरी कार्रवाई'।

एक्ज़िम बैंकों तथा विकास वित्त संस्थाओं का वैश्विक नेटवर्क

एक्ज़िम बैंकों तथा विकास वित्त संस्थाओं के वैश्विक नेटवर्क (जी–नेक्सिड) की स्थापना बैंक तथा अन्य सार्वजनिक विकास बैंकों की पहल पर अंकटाड के तत्त्वावधान में 2006 में जेनेवा में की गई थी। विभिन्न विकासशील देशों के एक्ज़िम बैंकों तथा विकास वित्त संस्थाओं के सक्रिय सहयोग से इसकी स्थापना की गई। इस नेटवर्क के जरिए दक्षिण–दक्षिण व्यापार और निवेश तथा सहयोग को बढ़ाने के प्रयास किए गए।

इस नेटवर्क की पिछली वार्षिक आम बैठक जून 2019 में यूएन–एमएसएमई दिवस के साथ जेनेवा में हुई थी। इसके बाद अक्टूबर 2019 में चौथे एक्सचेंज कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसकी मेजबानी अफ्रीकी निर्यात–आयात बैंक (अफ्रेक्ज़िम बैंक) द्वारा की गई। तथापि, महामारी को देखते हुए 2020 में वार्षिक आम सभा 23 सितंबर, 2020 को वर्चुअल रूप में आयोजित की गई। घाना में पिछले साल होने वाला पांचवां एक्सचेंज कार्यक्रम भी स्थगित कर दिया गया।

travel restrictions imposed by the pandemic, the training programs under the tutelage of AEBF are being organised, through the online mode. The first online training programme was organised by the Export-Import Bank of Korea in July 2020 on the theme 'Environmental and Social Considerations and Actions That Need to Be Taken'.

Global Network of Exim Banks and Development Finance Institutions

The Global Network of Exim Banks and Development Finance Institutions (G-NEXID) was set up in Geneva in 2006 through the Bank's initiative and that of other public development banks, under the auspices of the United Nations Conference on Trade and Development. The Network has endeavored to foster enhanced South-South trade, and investment, and co-operation.

The Network held its last physical Annual General Meeting in Geneva in June 2019 in conjunction with the UN-MSME Day, and consequently the fourth Exchange Programme was hosted by the African Export-Import Bank (Afreximbank) in Cairo in October 2019. However, due to the ongoing pandemic the Annual General Assembly was held

एक्ज़िम बैंक ने भुवनेश्वर में 'अन्वेषा ट्राइबल आर्ट्स एंड क्राफ्ट्स' की 20 महिला बुनकरों के लिए ऑनलाइन डिजाइन विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए सहायता प्रदान की।
Exim Bank supported an online design development training programme for 20 women tribal weavers of 'Anwesha Tribal Arts & Crafts' in Bhubaneshwar.

तथापि, नेटवर्क ने इस मौके पर सितंबर से नवंबर 2020 तक 'ब्लॉकचेन तकनीक' पर परिचयात्मक ऑनलाइन कार्यक्रम का प्रस्ताव रखा, जिसमें जी-नेक्सिड के दुनियाभर के सदस्य देशों की 13 संस्थाओं से 44 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

स्थापना दिवस वार्षिक व्याख्यान

एक्ज़िम बैंक की स्थापना दिवस वार्षिक व्याख्यान माला की शुरुआत 1986 में की गई थी। यह व्याख्यान माला वैश्विक अर्थव्यवस्था पर प्रभाव डालने वाले समसामयिक वित्त, व्यापार और विकास के विषयों पर विचार-विमर्श तथा चर्चा में योगदान देती है। वित्तीय वर्ष 2021 का यह व्याख्यान प्रोफेसर अरविंद पनगड़िया द्वारा दिया गया, जो कोलंबिया विश्वविद्यालय, यूएसए में भारतीय राजनीतिक अर्थव्यवस्था के जगदीश एन. भगवती प्रोफेसर और नीति आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष हैं। उनके व्याख्यान का विषय 'भारत की व्यापार नीतिः कल, आज और कल' था।

virtually on 23 September 2020. The fifth Exchange Programme, which was due to be held in Ghana last year, was also postponed.

Nevertheless, the Network used the opportunity to offer an introductory online programme on 'Blockchain Technology' from September to November 2020, which was attended by 13 institutions and 44 participants from among the G-NEXID cohort across the globe.

Commencement Day Annual Lecture

Exim Bank's Commencement Day Annual Lecture series, instituted in 1986, contributes to the debate and discussions on contemporary finance, trade and development issues impacting the global economy. The 2021 lecture was delivered by Professor Arvind Panagariya, Jagdish N. Bhagwati Professor of Indian Political Economy, Columbia University, USA and former Vice Chairman, Niti Aayog. Prof. Panagariya spoke on the topic 'India's Trade Policy: The Past, Present and Future.'

एक्ज़िम बैंक का संस्थागत ढांचा
Exim Banks' Institutional Infrastructure

मानव संसाधन प्रबंधन

यथा 31 मार्च, 2021 को बैंक के कुल कार्मिकों की संख्या 345 रही, जिनमें प्रबंधन स्नातक, सनदी लेखाकार, बैंकर, अर्थशास्त्री, विधि, पुस्तकालय एवं प्रलेखीकरण विशेषज्ञ, इंजीनियर, भाषाविद, मानव संसाधन, मार्केटिंग तथा सूचना प्रौद्योगिकी विशेषज्ञ शामिल हैं। बैंक अपने स्टाफ के कौशल का निरंतर उन्नयन करने के लिए विभिन्न सामूहिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता रहता है। अधिकारियों को विशिष्ट पोर्टफोलियो संभालने के लिए उनके कौशल विकास के उद्देश्य से उन्हें ई-लर्निंग सहित विशिष्ट समूह प्रशिक्षण कार्यक्रमों और सेमिनारों के लिए नामित किया जाता है।

वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान बैंक के 224 अधिकारियों ने विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों और सेमिनारों में हिस्सा लिया। ये कार्यक्रम क्रेडिट रेटिंग, भारतीय ट्रेजरी बाजार, डिस्ट्रेस्ड आस्तियों का समाधान, प्रापण नीति फ्रेमवर्क, परिचालनात्मक जोखिम प्रबंधन, बॉन्ड गणित, क्लाउड सिक्योरिटी और धनशोधन निवारण जैसे बैंक के परिचालनों से संबंधित विषयों पर थे। स्टाफ को तनाव प्रबंधन, वर्क-लाइफ बैलेंस, समय प्रबंधन और व्यक्तिगत प्रभाविता पर भी प्रशिक्षण प्रदान किया गया। वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान बैंक के 65 प्रतिशत अधिकारियों को प्रतिष्ठित संस्थानों और आंतरिक प्रशिक्षकों द्वारा आयोजित 58 प्रशिक्षण कार्यक्रमों में नामित किया गया।

अनुसूचित जातियों, जनजातियों तथा अन्य पिछड़े वर्गों का प्रतिनिधित्व

यथा 31 मार्च, 2021 को बैंक की सेवा में कुल 345 स्टाफ सदस्यों में 38 अनुसूचित जाति (एससी), 24 अनुसूचित जनजाति (एसटी) और 58 अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) श्रेणी से रहे। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के इन स्टाफ सदस्यों को बैंक द्वारा समान अवसर और प्रशिक्षण प्रदान किए जाते हैं।

''कार्यस्थल पर महिलाओं का लैंगिक उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध और प्रतितोष) अधिनियम, 2013'' के अंतर्गत आंतरिक शिकायत समिति

बैंक में कार्यस्थल पर महिलाओं के लैंगिक उत्पीड़न के मामले में जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई गई है। बैंक में उक्त अधिनियम और इसके अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुरूप, कार्यस्थल पर महिलाओं के लैंगिक उत्पीड़न के निवारण, प्रतिषेध और प्रतितोष के संबंध में नीति लागू है। बैंक के सभी कर्मचारियों ने बैंक द्वारा कार्यान्वित इस नीति को पढ़ लिया है, स्वीकार किया है तथा वे इससे अवगत हैं।

Human Resources Management

The Bank's staff, comprising management graduates, chartered accountants, bankers, economists, legal, library and documentation experts, engineers, linguists, human resources, marketing and IT specialists, numbered 345 as of March 31, 2021. The Bank organizes various group training programmes, facilitating continuous upgradation of skills of its staff. Officers are also nominated for customised training programmes and seminars including e-learning, aimed at enhancing skill sets for handling highly specialised portfolios.

During FY 2020-21, 224 officers attended training programmes and seminars on various subjects relevant to the Bank's operations, which include credit rating, Indian treasury market, resolution of distressed assets, procurement policy framework, operational risk management, bond mathematics, cloud security and audit and anti-money laundering. Training was also imparted in stress management, work-life balance, time management and personal effectiveness. During FY 2020-21, 65 per cent of the Bank's officers were nominated for 58 training programmes conducted by reputed institutes, and by internal trainers.

Representation of Scheduled Castes, Scheduled Tribes and Other Backward Classes

Of the total staff of 345 in the Bank's service as of March 31, 2021, there were 38 Scheduled Caste (SC), 24 Scheduled Tribe (ST) and 58 Other Backward Class (OBC) staff members. Equal opportunities and trainings are provided by the Bank to staff members belonging to SCs, STs and OBCs.

Internal Committee Under "The Sexual Harassment of Women at Workplace (Prevention, Prohibition and Redressal) Act, 2013"

The Bank has zero tolerance for sexual harassment at the workplace and has adopted the 'Policy on Prevention, Prohibition and Redressal of Sexual Harassment of Women at the Workplace', in line with the Act and the Rules made thereunder. All employees of the Bank have read, acknowledged and are aware of the Policy implemented by the Bank.

इस अधिनियम के अनुपालन में, बैंक ने कार्यस्थल पर महिलाओं के लैंगिक उत्पीड़न संबंधी घटनाओं की शिकायतों पर विचार करने के लिए अधिनियम में परिभाषित अनुसार आंतरिक समितियों का गठन किया है। इन समितियों की नियमित बैठकें हुई हैं और बैंक के सभी कार्यालयों के कर्मचारियों के लिए इस संबंध में ऑनलाइन जागरूकता सत्रों का आयोजन भी किया गया। वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान, आंतरिक शिकायत समितियों को कोई शिकायत नहीं मिली।

ट्रेजरी

बैंक की एकीकृत ट्रेजरी सरप्लस निधियों के निवेश, मुद्रा बाजार, फॉरेक्स परिचालनों तथा प्रतिभूतियों की खरीद-बिक्री सहित निधि प्रबंधन का कार्य देखती है। बैंक ने फ्रंट / मिडल/ बैक ऑफिस कार्यों को अलग-अलग किया है और आधुनिकतम डीलिंग रूम बनाया हुआ है। बैंक की ट्रेजरी अपने ग्राहकों को विदेशी मुद्रा विनिमय सौदे, निर्यात दस्तावेजों की वसूली/ परक्रामण, अंतरदेशीय / विदेशी साख-पत्र/ गारंटियां, संरचित ऋण आदि विभिन्न प्रकार के उत्पाद प्रदान करती है। बैंक अपने बाजार जोखिमों को कम करने के उद्देश्य से न्यून लागत पर निधियां जुटाने और बैलेंस शीट एक्सपोज़र की हेजिंग के लिए फायनैंशल डेरिवेटिव संव्यवहारों का भी उपयोग करता है। बैंक भारतीय वित्तीय नेटवर्क का सदस्य है और बैंक को इंस्टीट्यूट फॉर डेवलपमेंट रिसर्च इन बैंकिंग टेक्नोलॉजी, प्रमाणीकरण प्राधिकरण से रजिस्ट्रेशन प्राधिकारी का दर्जा प्राप्त है।

बैंक को आरबीआई के निगोशिएटेड डीलिंग सिस्टम ऑर्डर मैचिंग सेगमेंट के जरिए सौदा करने के लिए डिजिटल प्रमाण पत्र प्राप्त है। यह भारत सरकार की प्रतिभूतियों के क्रय-विक्रय के लिए इलेक्ट्रॉनिक लेनदेन का मंच प्रदान करता है। बैंक की प्रतिभूतियां तथा विदेशी मुद्रा लेनदेन मुख्यतः भारतीय समाशोधन निगम लिमिटेड (सीसीआईएल) द्वारा प्रदान की गई गारंटित निपटान सुविधा के जरिए किए जाते हैं। बैंक ट्राय-पार्टी रेपो डीलिंग सिस्टम (ट्रेप्स) और सीसीआईएल के रेपो डीलिंग सिस्टम्स क्लियर कॉर्प ऑर्डर मैचिंग सिस्टम (क्रोम्स) का सदस्य है। ट्रेप्स और क्रोम्स सीसीआईएल द्वारा शुरू किए गए स्ट्रेट थ्रू प्रोसेसिंग इनेबल्ड एनोनिमस ऑर्डर मैचिंग प्लेटफॉर्म हैं, जो सभी प्रकार की सरकारी प्रतिभूतियों की T+0/T+1 आधार पर बाजार रेपो दरों में खरीद-बिक्री को सुगम बनाते हैं। सीसीआईएल सभी ट्रेप्स / क्रोम्स लेनदेनों के लिए केंद्रीय काउंटरपार्टी के रूप में काम करती है। सभी निपटान सीसीआईएल द्वारा

बैंक के प्रधान कार्यालय में टाटा मेमोरियल अस्पताल के साथ मिलकर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।
A blood donation drive was organised at the Bank's head office in partnership with Tata Memorial Hospital.

In compliance with the Act, the Bank has constituted Internal Complaints Committees for considering complaints of sexual harassment of women at the workplace as defined under the Act. The committees have held regular meetings and organised an online awareness session for employees at all offices of the Bank. No complaint was received by the Internal Complaints Committees during the FY 2020-21.

Treasury

The Bank's integrated treasury handles fund management functions including investment of surplus funds, money market and forex operations and securities trading. The Bank has segregated front/middle/back-office functions and has set up a state-of-the-art dealing room. The range of products offered by the Bank's treasury to its borrowers include foreign exchange deals, collection/negotiation of export documents, issuance of inland/foreign letters of credit/guarantees, structured loans, etc. The Bank uses financial derivative transactions for raising cost-effective funds and hedging its balance sheet exposures, with an objective of reducing market risks. The Bank is a member of the Indian Financial Network and has registration authority status from Institute for Development Research in Banking Technology, the certifying authority.

The Bank holds a digital certificate to deal through the Negotiated Dealing System-Order Matching segment of the RBI, which provides the electronic dealing platform for trading in GOI securities. The securities/foreign exchange transactions of the Bank are routed through the

गारंटित होते हैं। बैंक सीसीआईएल के फॉरेक्स डीलिंग सिस्टम एफएक्स-क्लीयर सेग्मेंट का सदस्य भी है। बैंक में लंदन शाखा से कनेक्टिविटी के साथ केन्द्रीकृत स्विफ्ट सुविधा भी है, जो 'मल्टिपल बैंक आइडेंटिफायर कोड्स' को संभालने में सक्षम है।

पर्यावरणीय, सामाजिक और गवर्नेंस (ईएसजी) फ्रेमवर्क

बैंक में संपोषी विकास / उत्तरदायी वित्तपोषण के लिए बोर्ड द्वारा अनुमोदित ईएसजी नीति लागू है। यह नीति संबंधित मेजबान देश के विनियमों का अनुपालन सुनिश्चित करती है और कंसोर्शियम के सभी ऋणदाताओं के लिए समान नीतिगत दृष्टिकोण की परिकल्पना करती है। बैंक, बैंकों के लिए संपोषी फ्रेमवर्क संबंधी भारतीय बैंक संघ (आईबीए) की अगुआई वाले मंच का भी सदस्य है।

हरित वित्तपोषण

बैंक अपने विभिन्न वित्तपोषण कार्यक्रमों के जरिए भारत और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संपोषी बैंकिंग को बढ़ावा दे रहा है। बैंक अक्षय ऊर्जा, ऊर्जा क्षमता, कचरा प्रबंधन, जल प्रबंधन, जन परिवहन और कम ऊर्जा की खपत करने वाले परिवहन के साधनों जैसे क्षेत्रों में परियोजनाओं का वित्तपोषण कर रहा है।

प्रक्रिया केंद्रित पहलें

बैंक ईएसजी से संबंधित मानदंडों के लिए अपने आंतरिक परिचालनों की समीक्षा करता रहा है। बैंक ने ऊर्जा की न्यूनतम खपत सुनिश्चित करने के लिए ऊर्जा ऑडिट और इससे जुड़े अन्य उपाय किए हैं। मुंबई में बैंक के स्टाफ क्वार्टरों में सोलर पैनल और सौर ऊर्जा संचालित स्ट्रीटलाइट लगाई गई हैं। बैंक ने अपने प्रधान कार्यालय में एलईडी लाइट और शौचालयों में मोशन सेंसर लाइट लगवाई हैं, जिससे ऊर्जा की खपत को उल्लेखनीय रूप से कम करने में मदद मिली है। इसके अतिरिक्त, मोशन सेंसर नल भी लगवाए हैं, जिससे पानी को व्यर्थ बहने से रोकने में मदद मिली है।

बैंक कार्यालयीन कार्यों का डिजिटलीकरण करते हुए कागज के प्रयोग को घटा रहा है। इस दिशा में विभिन्न बैठकों की कार्यसूची ऑनलाइन भेजने के साथ-साथ विभिन्न अवसरों एवं समारोहों पर ई-ग्रीटिंग और ई-आमंत्रण पत्रों का उपयोग किया जाता है। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के प्रयोग से कार्बन फुटप्रिंट कम करने में मदद मिली है। बैंक ने विभिन्न कार्यक्रमों में पुष्पगुच्छ प्रदान करने के बजाय किसी

Guaranteed Settlement Facility provided by the Clearing Corporation of India Ltd. (CCIL). The Bank is a member of Tri-Party Repo Dealing System (TREPS) and Clearcorp Order Matching System (CROMS), the Repo Dealing Systems of CCIL. TREPS and CROMS are Straight Through Processing enabled anonymous Order Matching Platforms launched by CCIL for facilitating dealing in market repos in all kinds of Government Securities, on T+0/ T+1 basis. CCIL acts as a central counterparty to all TREPS/CROMS trades and settlements are guaranteed by CCIL. Also, the Bank is a member of FX-Clear segment, the forex dealing system of CCIL. The Bank has a centralised SWIFT facility (with connectivity to the London Branch), which is capable of handling multiple Bank Identifier Codes.

ENVIRONMENTAL, SOCIAL AND GOVERNANCE [ESG] FRAMEWORK

The Bank has in place a Board-approved ESG Policy for Sustainable Development / Responsible Financing. The Policy seeks to ensure compliance with the respective host country regulations and envisages evolution of a common policy approach for all lenders in the consortium. The Bank is also a part of the deliberations led by the Indian Banks' Association (IBA) on a sustainability framework for banks.

Green Financing

The Bank has been promoting sustainable financing, both in India as well as internationally, through its various programmes. The Bank has been funding projects in areas such as renewable energy, energy efficiency, waste management, water management, mass transportation and energy efficient transport.

Process Focused Initiatives

The Bank has been reviewing its internal operations for ESG-related parameters. The Bank has taken up energy audit and associated measures for optimising energy consumption. Solar panels and solar-powered streetlights have been installed at the Bank’s staff quarters in Mumbai. The Bank has installed LED lights in the work areas and motion sensor lights in washrooms at its Head Office, which has considerably reduced energy consumption.

सामाजिक कार्य (जैसे एसओएस चिल्ड्रन्स विलेज) के लिए अपने अतिथि के नाम से योगदान प्रमाण पत्र देना शुरू किया है। बैंक अपने कॉर्पोरेट उपहारों के रूप में हस्तशिल्प उत्पाद खरीदकर दस्तकार समुदायों को भी सहायता प्रदान करता है और इस प्रकार ऐसे उत्पादों को अपने वैश्विक संस्थागत नेटवर्क में बढ़ावा देता है।

बैंक की सभी इकाइयों में कागज के कपों और प्लास्टिक की बोतलों के स्थान पर कांच के कपों और कांच की बोतलों का प्रयोग किया जाता है। अधिकारियों को रीसाइकल की जा सकने वाली सामग्री से बनी पेंसिलें वितरित की गईं, ताकि वे अपने दैनिक कामकाज में प्लास्टिक के बॉल पेन का उपयोग घटा सकें। बैंक के प्रधान कार्यालय में कृत्रिम पौधों के स्थान पर न्यून रखरखाव वाले प्राकृतिक पौधे लगाए गए हैं।

जन आधारित पहलें

बैंक ने वृक्षारोपण अभियान चलाकर अपने 'गो ग्रीन' प्रयासों को भी बढ़ावा दिया है। यह वृक्षारोपण बैंक के अधिकारियों द्वारा पुणे के बाहरी इलाके में किया गया। बैंक के अधिकारियों ने टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल, मुंबई के साथ मिलकर कार्यालय परिसर में लगाए गए रक्तदान शिविर में भी हिस्सा लिया।

बैंक ने अपने अधिकारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कोविड-19 महामारी के दौरान घर से काम करने की नीति क्रियान्वित की। बैंक द्वारा ऑनलाइन मेडिकल परामर्श, विटामिन सप्लीमेंट, सैनिटाइजर, मास्क आदि का वितरण, मानसिक स्वास्थ्य और एहतियाती उपायों के संबंध में व्याख्यानों का आयोजन जैसी विभिन्न पहलें की गईं। बैंक ने महामारी के चलते की गई तालाबंदी के दौरान अपने सभी कॉन्ट्रैक्टरों, वेंडरों और आपूर्तिकर्ताओं को सहायता प्रदान की। कोविड-19 के प्रभाव को कम करने के लिए बैंक के सोशल मीडिया प्लैटफॉर्मों के जरिए जागरूकता अभियान भी चलाए गए।

ग्रासरूट पहलें और विकास

बैंक अपने ग्रासरूट पहलें एवं विकास (ग्रिड) कार्यक्रम के जरिए सामान्य तौर पर ग्रामीण भारत के सूक्ष्म और लघु उद्यमों के वैश्वीकरण के प्रयासों में सहायता करता है। बैंक इन शिल्पकारों और दस्तकारों के उद्यमों के लिए अनुदान के जरिए और विभिन्न क्षमता निर्माण कार्यक्रमों का आयोजन कर सहायता प्रदान करता है।

बैंक ने भुवनेश्वर में अन्वेषा ट्राइबल आर्ट्स एंड क्राफ्ट्स की 20 महिला जनजातीय बुनकरों के लिए डिजाइन

Further, motion-sensor faucets are being used, which help in reducing water wastage.

The Bank aims to minimise the use of paper through digitisation of workflows, including circulation of agenda papers for meetings, e-Greetings and e-Invites for various occasions and functions. Use of video conferencing has helped reduce the carbon footprint. As an alternative to presenting bouquets at events, donation certificates in the name of the recipient for a social cause (such as SOS Children's Village) have been introduced by the Bank. The Bank also supports artisan communities and clusters by procuring handicraft items as corporate gifts, thereby promoting such artisanal products to its global institutional network.

Paper cups and single-use plastic water bottles have been replaced with reusable glass mugs and glass bottles across all facilities of the Bank. Pencils made of recyclable material and with seeds at the tip have been distributed to employees to reduce usage of plastic ball pens in their daily work. Artificial plants in the Bank's head office have been replaced with natural low-maintenance plants.

People Focused Initiatives

The Bank showcased its 'Go Green' initiative by organising a sapling plantation drive. Saplings were planted by the Bank's officials on the outskirts of Pune. The Bank's staff also participated in a blood donation camp organised at the office premises, in partnership with Tata Memorial Hospital, Mumbai.

एक्ज़िम बैंक ने राजस्थान के फलौदी में उर्मुल मरुस्थली बुनकर विकास समिति के 10 अनुभवी दस्तकारों को उत्पाद और डिजाइन विकास में प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए सहायता प्रदान की।

Exim Bank supported a training programme in 'Product and Design Development' for Urmul Marusthali Bunkar Vikas Samiti for 10 experienced artisans in Phalodi, Rajasthan.

विकास पर एक महीने के ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए सहायता प्रदान की। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य बाजार के रुझानों के अनुसार जनजातीय आभूषणों में नए डिजाइन और प्रोटोटाइप तैयार करना था। इस दौरान तैयार किए गए 200 प्रोटोटाइप 'दस्तकार दिल्ली' द्वारा आयोजित शिल्प प्रदर्शनी 'बसंत 2021' में प्रदर्शित किए गए। बैंक ने राजस्थान के फलौदी में उर्मुल मरुस्थली बुनकर विकास समिति के 10 मास्टर बुनकरों के लिए उत्पाद और डिजाइन विकास में 45 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया, ताकि गुणवत्ता, बुनाई तकनीकों, फैब्रिक आदि की उनकी समझ बढ़े और आय बेहतर हो सके।

बैंक ने स्वदेशी अंगूर की किस्मों को बढ़ावा देने के लिए प्रीमियम ताजा फलों के निर्यातक कामधेनु फूड्स के साथ मिलकर नासिक और आसपास के गांवों के 250 से ज्यादा किसानों के लिए श्रृंखलाबद्ध तरीके से 14 प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए सहायता प्रदान की। इसका उद्देश्य सीमांत किसानों को अंगूरों की बर्बादी किए बिना फलोत्पादन के साथ-साथ उर्वरकों के सही इस्तेमाल और मृदा रखरखाव की जानकारी प्रदान करना था, ताकि वे अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप निर्यात गुणवत्ता वाले अंगूरों का उत्पादन कर सकें। इस प्रशिक्षण से किसानों को नए निर्यात बाजार तलाशने में मदद मिली। इस तरह कामधेनु फूड्स का निर्यात 40 प्रतिशत तक बढ़ गया। फलतः छोटे किसानों को बेहतर आय और आजीविका मिली।

बैंक द्वारा दुर्गा पूजा के दौरान होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रम 'शारदोत्सव' में अपने उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए 15 दस्तकारों को स्पॉन्सर किया गया। महामारी के चलते आयोजकों द्वारा ऑनलाइन प्लैटफॉर्म बनाया गया, ताकि शिल्पकार अपने उत्पाद वैश्विक स्तर पर पहुंचा सकें। विश्व व्यापार केंद्र, मुंबई द्वारा आयोजित वचुर्अल हथकरघा महोत्सव में हिस्सा लेने के लिए बैंक ने 40 दस्तकारों को सहायता प्रदान की। बैंक ने वचुर्अल आयोजित हुए काला घोड़ा कला महोत्सव 2021 में 45 दस्तकारों को अपने उत्पादों को प्रदर्शित करने के लिए सहायता प्रदान की।

बैंक ने तेल उत्खनन, मोल्डेड प्लास्टिक पुर्जों, फैब्रिक्स और ऑटो पुर्जे आदि में लगी 4 कंपनियों के साथ करारों पर हस्ताक्षर किए, जिन्होंने विदेश में संभावित ग्राहक चिह्नित करने के लिए बैंक से सहायता मांगी थी।

एक्ज़िम बैंक को लूम्स ऑफ लद्दाख वूमन्स कॉपरेटिव को

The Bank implemented its 'Work from Home' policy during the COVID-19 pandemic to ensure safety of its employees. Several initiatives such as online medical consultancy, distribution of vitamin supplements, sanitizers, masks, etc., talks on mental wellness and precautionary measures were undertaken by the Bank. The Bank supported all its contractors, vendors and suppliers during the lockdown imposed during the pandemic. Steps were taken to create awareness through the Bank's Social media platfroms to mitigate the impact of COVID-19.

Grassroots Initiatives and Development

The Bank, through its Grassroots Initiatives and Development (GRID) programme, helps in supporting globalisation efforts of small and micro enterprises, generally based out of rural India. The Bank assists by way of providing grants and organizing various capacity building programmes.

The Bank supported a month-long online design development training programme for 20 tribal women weavers of Anwesha Tribal Arts & Crafts in Bhubaneshwar. The training programme aimed at developing new designs and prototypes in tribal jewellery, in line with the market trends. The 200 prototypes developed were exhibited at 'Basant 2021', a craft exhibition organised by Dastkar, Delhi. The Bank also organised a 45-day training programme in product and design development for Urmul Marusthali Bunkar Vikas Samiti, in Phalodi (Rajasthan), for 10 master weavers, to enhance their understanding of quality, weaving techniques and fabrics, among others, thereby enhancing the scope for income generation.

The Bank supported a series of 14 training programmes for over 250 farmers in Nashik and nearby villages, to promote and support indigenous grapes varieties, in association with Kamdhenu Foods, an exporter of premium fresh table fruits. The training aimed at providing knowledge to marginal farmers about cultivation of residue-free grapes, right blend of fertilizers, and soil maintenance, to yield export quality grapes conforming to international standards. The training helped the

सहायता प्रदान करने के लिए एशिया प्रशांत में विकास वित्तीय संस्थाओं के संघ (एडफिएप) द्वारा 'स्थानीय आर्थिक विकास' मेरिट पुरस्कार से नवाजा गया। बैंक की इस सहायता से लेह के पिछड़े इलाके की महिलाओं को स्थानीय स्तर पर उपलब्ध कच्चे माल के इस्तेमाल के जरिए संपोषी रोजगार प्रदान करने में मदद मिली।

कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व

निदेशक मंडल ने जून 2020 में बैंक के लिए कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) नीति को अनुमोदन प्रदान किया। वर्ष के दौरान, बैंक की सीएसआर समिति ने कोविड-19 से राहत, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और कौशल विकास एवं आजीविका संबंधी गतिविधियों के लिए छह राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में 12 परियोजनाओं / कार्यक्रमों को अनुमोदन दिया। इनमें से कई गतिविधियां भारत के विकासशील जिलों में लक्षित रहीं।

शिक्षा संबंधी पहलों के अंतर्गत बैंक ने तमिलनाडु के कांचीपुरम जिले में कैदियों, गंभीर अपराधों के पीड़ितों, निराश्रित लोगों और सुनामी प्रभावित लोगों के बच्चों के लिए आवासीय हाई स्कूल में एक स्कूल ब्लॉक के निर्माण के लिए वित्त प्रदान किया। यह भवन लगभग 100 छात्रों की जरूरतों को पूरा करेगा, जो इसी परिसर में रहेंगे और यहां रहते हुए व्यावसायिक प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। बैंक ने केंद्रीय सैनिक बोर्ड, नई दिल्ली के जरिए भूतपूर्व सैनिकों की 41 बेटियों की शिक्षा के लिए भी वित्तीय सहायता प्रदान की है।

स्वास्थ्य सेवा और स्वच्छता पहलों के अंतर्गत बैंक ने कोविड-19 महामारी से राहत के लिए महाराष्ट्र के सांगली जिले में एक अस्पताल को चिकित्सा उपकरण (वेंटिलेटर) की खरीद के लिए सहयोग दिया और मुंबई नगरपालिका तथा सरकारी अस्पतालों के स्वास्थ्यकर्मियों को सुरक्षा संबंधी उपकरण प्रदान किए। महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले में 100 परिवारों को 3 महीनों तक स्वच्छता संबंधी सामग्री और मूलभूत हाइजीन किट प्रदान की गई।

बैंक ने सिरोही जिला अस्पताल, राजस्थान में क्रिटिकल केयर के लिए चिकित्सा उपकरणों की खरीद के लिए वित्त प्रदान किया। इन उपकरणों से चिकित्सा संबंधी आपातकालीन स्थितियों में सालाना करीब 2500 मरीजों को राहत मिलेगी। स्वास्थ्य सेवा पहलों के अंतर्गत असम के बारपेटा जिले और झारखंड के रांची में कैंसर केयर अस्पतालों में रेडियोग्राफी उपकरण की खरीद के लिए वित्त प्रदान किया गया। इससे ये दो अस्पताल सालाना करीब 3000 कैंसर मरीजों की जरूरतों को पूरा करने

एक्ज़िम बैंक ने पीपीई किट उत्पादन के लिए यूएनडीपी और मिज़ोरम सरकार के साथ मिलकर 20 महिला बुनकरों के लिए कौशल विकास और उत्पाद विविधीकरण कार्यशाला का आयोजन किया।
Exim Bank in association with UNDP and the Government of Mizoram conducted a skill upgradation and product diversification workshop for 20 women weavers for producing PPE kits.

farmers in finding new export markets, thereby increasing exports of Kamdhenu Foods by 40 per cent, resulting in better incomes and livelihood for the small farmers.

Fifteen artisans were sponsored by the Bank for promoting their products in the Saradotsav festival, a cultural event held during the festival of Durga Puja. Due to the pandemic, an online platform was created by the organisers for crafts persons to market their products to a global audience. More than 40 artisans were supported by the Bank for participation in the virtual Handloom Festival, organised by the World Trade Centre, Mumbai. The Bank also partnered with Kala Ghoda Arts Festival 2021 for sponsoring stall space for 45 artisans to display their products at the virtual festival.

The Bank signed mandates with four small enterprises engaged in oil extraction, moulded plastic parts, fabrics and auto components, seeking the Bank's support in identifying potential customers overseas.

The Bank was conferred with the 'local economic development' merit award by the Association of Development Financial Institutions in Asia and the Pacific (ADFIAP), for its support to Looms of Ladakh Women's Cooperative that has helped in providing sustainable employment to the women from backward areas of Leh by using locally available raw materials.

में सक्षम होंगे और इस प्रकार मेट्रो शहरों के अस्पतालों पर दबाव घटेगा। सीएसआर पहलों के अंतर्गत महाराष्ट्र के पालघर जिले में एक अस्पताल में वार्ड कक्ष को नवजात शिशुओं के इंटेंसिव केयर यूनिट (एनआईसीयू) में परिवर्तित करने के लिए वित्त प्रदान किया गया। इस एनआईसीयू से दहानु और तलासरी क्षेत्रों में सालाना जनजातीय समुदायों के करीब 200 नवजात शिशुओं को मेडिकल केयर मिलेगी और इस प्रकार नवजातों में मृत्यु दर को कम करने में मदद मिलेगी। बैंक ने लद्दाख के लेह जिले में सभी मौसमों के अनुकूल शौचालयों के निर्माण और महिला सहकारी समिति के लिए प्रशिक्षण हॉल की मरम्मत के लिए भी सहयोग दिया।

बैंक ने महाराष्ट्र में मुंह और पैरों से चित्रकारी करने वाले कलाकारों के कौशल विकास और बेहतर आजीविका के लिए सहयोग प्रदान किया। मुंबई की महिला पुलिसकर्मियों के सम्मान में 'प्रोटेक्ट द प्रोटेक्टर्स' पहल की गई, जो मुंबई के दैनिक जीवन की चुनौतियों के बावजूद कोरोना योद्धाओं के रूप में अनथक और निःस्वार्थ भाव से काम करती रहीं। इन महिला पुलिसकर्मियों को ऑर्गेनिक शहद भेंट किया गया, जिसे प्राचीन आयुर्वेद में रोगप्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाला माना गया है। यह शहद एक सामाजिक उद्यम से खरीदा गया था, जो जनजातीय समुदायों में छोटे किसानों (जिनमें से अधिकतर महिलाएं हैं) को स्थानीय स्तर पर मधुमक्खी पालन में प्रशिक्षित करते हुए गरीबी को कम करने पर फोकस करता है और उस ऑर्गेनिक शहद को बाजार तक पहुंचाता है।

केंद्रीकृत सार्वजनिक शिकायत निवारण एवं निगरानी प्रणाली (सीपीग्राम्स)

केंद्रीकृत सार्वजनिक शिकायत निवारण एवं निगरानी प्रणाली (सीपीग्राम्स) वेब आधारित ऑनलाइन सिस्टम

एक्ज़िम बैंक ने महामारी के दौरान 'एसओएस चिल्ड्रन्स विलेज' के साथ मिलकर अलीबाग में 100 परिवारों को हाइजीन किट वितरित की।
Exim Bank partnered with SOS Children's Village to distribute hygiene kits to 100 families in Alibaug during the pandemic.

Corporate Social Responsibility

In June 2020, the .Board of Directors approved a Corporate Social Responsibility (CSR) policy for the Bank. During the year, the Bank's CSR Committee approved 12 projects / programs in six states and one union territory for Covid-19 relief, education, healthcare, and skill development and livelihood activities. Several of these interventions were targeted in aspirational districts of India.

Under education initiatives, the Bank financed construction of a school block in a residential high school for children of prisoners, victims of serious crimes, destitute people, and tsunami victims in Kanchipuram district, Tamil Nadu. The building will cater to the needs of about 100 students who will reside in the premises and receive vocational training. The Bank also provided financial assistance for the education of 41 girl children of ex-servicemen through the Kendriya Sainik Board, New Delhi.

Under healthcare and sanitisation initiatives, the Bank supported a hospital in Sangli district, Maharashtra, for procurement of medical equipment (ventilator) towards Covid-19 pandemic relief and provided protective equipment to healthcare workers of the Mumbai Municipal Corporation and government hospitals. Sanitisation material and basic hygiene kits were provided to 100 families for three months in Maharashtra's Raigad district.

The Bank financed the procurement of medical devices for critical care in Sirohi district hospital, Rajasthan. The devices will be able to provide relief to about 2,500 patients annually during medical emergencies. Procurement of radiography equipment for cancer care hospitals in the aspirational districts of Barpeta, Assam, and Ranchi, Jharkhand, was financed under healthcare initiatives. The two hospitals will be able to cater to the needs of nearly 3000 cancer patients annually, thereby reducing the pressure on the hospitals in metro cities. Conversion of a wardroom to a neo-natal intensive care unit (NICU) in a hospital at Palghar district, Maharashtra, was also financed under CSR initiatives. The NICU will be able to

है। इसे मंत्रालयों/विभागों/भारत सरकार की संस्थाओं द्वारा शिकायतों के शीघ्र निपटान और प्रभावी निगरानी के लिए विकसित किया गया है। बैंक में एक समुचित शिकायत निवारण व्यवस्था है और उधारकर्ताओं की शिकायतों के निवारण के लिए शिकायत निवारण अधिकारी तथा अपीलीय प्राधिकारी का विवरण बैंक की वेबसाइट पर दिया गया है। वित्तीय वर्ष के दौरान, बैंक को सीपीग्राम्स पोर्टल पर 2 शिकायतें प्राप्त हुईं। इनका जवाब निर्धारित 30 दिन की अवधि के भीतर दे दिया गया था।

राजभाषा नीति के कार्यान्वयन में प्रगति

वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान, बैंक ने भारत सरकार की राजभाषा नीति के कार्यान्वयन को सुदृढ़ बनाने के अपने प्रयासों को जारी रखा। राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार से प्राप्त वित्तीय वर्ष 2020-21 के वार्षिक कार्यक्रम को लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए बनाई गई कार्य–योजना के जरिए कार्यान्वित किया गया। इस संबंध में बैंक के प्रधान कार्यालय और क्षेत्रीय कार्यालयों में गठित राजभाषा कार्यान्वयन समितियों ने राजभाषा कार्यान्वयन में प्रगति की तिमाही आधार पर समीक्षा की।

अधिकारियों को अपने दैनिक कार्यालयीन कार्यों में हिन्दी का प्रयोग करने हेतु प्रोत्साहित करने के लिए हिन्दी कार्यशालाओं तथा ओरिएंटेशन कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। साथ ही, प्रख्यात वक्ताओं के व्याख्यानों के आयोजन, शब्दों की मेल, आज का शब्द/विचार, सप्ताह के हिन्दी शब्द, चाय पे चर्चा, तीन सवाल प्रतियोगिता, राजभाषा संवाद, ऑनलाइन प्रतियोगिताओं के जरिए अधिकारियों को हिन्दी का प्रयोग बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

अधिकारियों की हिन्दी प्रशिक्षण संबंधी आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए उन्हें कार्यसाधक ज्ञान तथा प्रवीणता प्राप्त कराने हेतु प्रशिक्षण के लिए नामित किया गया। अधिकारियों को हिन्दी सीखने और बैंक के कार्यों में हिन्दी के प्रयोग को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से बैंक में एक प्रोत्साहन योजना लागू है। बैंक ने नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियों की बैठकों, कार्यक्रमों तथा प्रतियोगिताओं में सक्रियता से हिस्सा लिया तथा अंतर बैंक हिन्दी प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया।

बैंक की कॉर्पोरेट वेबसाइट और एक्ज़िम मित्र पोर्टल दोनों हिन्दी और अंग्रेजी में हैं। राजभाषा हिन्दी से संबंधित संपूर्ण सामग्री को एक स्थान पर उपलब्ध कराने के लिए बैंक में एक राजभाषा पोर्टल भी है।

एक्ज़िम बैंक ने मुंबई की महिला पुलिसकर्मियों को अपनी ग्रासरूट पहलों के अंतर्गत सहायता प्राप्त सामाजिक उद्यम 'अंडर द मैंगो ट्री नैचरल्स एंड ऑर्गेनिक्स प्रा. लि.' के ऑर्गेनिक शहद सहित रोग–प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाली किट प्रदान कर सम्मानित किया।

Exim Bank felicitated the policewomen of Mumbai Police by distributing immunity booster kits, including organic honey from the social enterprise 'Under The Mango Tree Naturals and Organics Pvt. Ltd.', supported by the Bank under its grassroots initiatives.

provide medical care to 200 neonates from the tribal communities of Dahanu and Talasari areas annually, and thus reduce the Infant Mortality Rate. The Bank supported construction of all-weather toilets and renovation of a training hall for a women's cooperative in Leh district, Ladakh.

The Bank contributed towards skill development and livelihood support through a training programme for mouth and foot artists in Maharashtra. Another initiative titled 'Protect the Protectors' was taken to felicitate the policewomen of Mumbai, who despite the challenges of daily life in the metropolis of Mumbai, continue to work as Corona warriors tirelessly and selflessly. Organic honey, which according to ancient Ayurveda is considered as an immunity booster, was gifted to these policewomen. The honey was procured from a social enterprise, which focuses on poverty reduction by training small farmers (many amongst whom are women) in tribal communities in beekeeping with indigenous bees, and markets organic honey.

Centralised Public Grievance Redress and Monitoring System (CPGRAMS)

CPGRAMS is an online web-enabled system developed with the objective of speedy redressal and effective monitoring of grievances by Ministries/Departments/Organizations of the Government of India. The Bank has implemented the Grievance Redressal mechanism and details of the Grievance Redressal Officer for Borrowers and the Appellate

एक्ज़िम बैंक के प्रधान कार्यालय और नई दिल्ली कार्यालय को राजभाषा हिन्दी के उत्कृष्ट कार्यान्वयन के लिए संबंधित नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियों द्वारा प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया।
Exim Bank's Head Office and New Delhi Office were awarded the first prize by respective Town Official Language Implementation Committees for commendable performance in use of Hindi language.

बैंक के परिचालनों एवं प्रक्रियाओं से संबंधित साहित्य के अलावा, बैंक के न्यूज़लेटर 'एक्ज़िमिअसः निर्यात लाभ' तथा द्विमासिक प्रकाशन 'कृषि निर्यात लाभ' के सभी अंकों को हिन्दी में भी प्रकाशित किया गया। बैंक की गृह पत्रिका 'एक्ज़िमिअस' में हिन्दी खंड भी है। हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में एक्ज़िमिअस का एक अंक 'राजभाषा विशेषांक' के रूप में प्रकाशित किया गया। बैंक के नई दिल्ली कार्यालय से छमाही हिन्दी ई-पत्रिका 'एक्ज़िम स्पर्श' का प्रकाशन भी शुरू किया गया है। वार्षिक कार्यक्रम में दिए गए लक्ष्यों के अनुसार बैंक के ज्ञान केंद्र तथा क्षेत्रीय कार्यालयों के पुस्तकालयों के लिए हिन्दी पुस्तकों की खरीद की गई। बैंक में हिन्दी के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए अनुकूल परिवेश के निर्माण तथा देश के भाषाई सौहार्द के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए बैंक में हिन्दी दिवस, विश्व हिन्दी दिवस तथा अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस का आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों के आयोजन के दौरान हिन्दी प्रतियोगिताओं, व्याख्यानों, स्टाफ सदस्यों के बच्चों के लिए विशिष्ट कार्यक्रम बालवाटिका और चर्चापरक वेबिनारों का आयोजन किया गया।

वर्ष के दौरान बैंक के प्रधान कार्यालय, नई दिल्ली कार्यालय, बेंगलूरु क्षेत्रीय कार्यालय एवं कोलकाता क्षेत्रीय कार्यालय को राजभाषा हिन्दी के प्रयोग में सराहनीय कार्य हेतु नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियों द्वारा पुरस्कृत किया गया। बॉलीवुड गानों के जरिए हिन्दी शब्दों को लोकप्रिय बनाने हेतु बैंक की पहल 'शब्दों की मेल' को असोसिएशन ऑफ बिजनेस कम्यूनिकेटर्स ऑफ इंडिया द्वारा विशेष कॉलम श्रेणी के अंतर्गत पुरस्कृत किया गया।

सूचना प्रौद्योगिकी

बैंक ने व्यवसाय की बढ़ती जरूरतों के अनुसार, सूचना प्रौद्योगिकी के ढांचे में निवेश करना जारी रखा और अपने सभी कार्यालयों में नेटवर्क, डाटा सेंटर, कंप्यूटिंग

Authority for Redressal of Grievances of Borrowers are provided on the Bank's website. During the financial year, the Bank received 2 grievances on the CPGRAMS portal which were responded within the stipulated 30 days for response.

Progress in Implementation of the Official Language Policy

During FY 2020-21, the Bank continued its efforts to strengthen the implementation of the Official Language Policy of the Government of India. The Annual Programme for FY 2020-21, received from the Department of Official Language, Ministry of Home Affairs, Government of India, was implemented through an Action Plan to achieve the targets. The Official Language Implementation Committees constituted at the Bank's Head Office and Regional Offices reviewed the progress on quarterly basis.

Hindi workshops and orientation programmes were organised to motivate the staff to use Hindi in their day-to-day official work. In addition, various activities such as lectures by eminent speakers, Shabdon ki Mail, Aaj-ka-Shabd/ Vichaar, Saptah Ke Hindi Shabd, Chai pe Charcha, Teen Sawal Pratiyogita, Rajbhasha Samvad, online competitions were organised, to promote the use of Hindi.

Considering the Hindi training needs, officers were nominated for suitable training programmes to attain working knowledge/ proficiency. A scheme offering incentives, aimed at encouraging officers to learn and use Hindi in the Bank's business, is in place in the Bank. The Bank has actively participated in the meetings, programmes and competitions organised by the Town Official Language Implementation

तथा अन्य महत्त्वपूर्ण उपकरणों का उन्नयन करना जारी रखा। बैंक के कोर बैंकिंग सिस्टम और भुगतान चैनलों (आरटीजीएस/ एनईएफटी और स्विफ्ट) के बीच एकीकरण से बेहतर निधि प्रबंधन और निधियों का रियल टाइम में बेहतर विनियोजन होता है। बैंक, भारतीय बैंकिंग उद्योग में ब्लॉक चेन आधारित प्रौद्योगिकी के कार्यान्वयन की व्यवहार्यता परखने के लिए गठित भारतीय बैंकों के फोरम, 'बैंकचेन' के प्राथमिक सदस्यों में से एक बन गया है।

बैंक ने मुंबई में अपने प्राथमिक डेटा सेंटर के लिए आधुनिकतम प्रौद्योगिकी प्लैटफॉर्म और सॉल्यूशन क्रियान्वित किए हैं। बेंगलूरु में बैंक की पूरी तरह ऑटोमैटिक और रिमोट निगरानी क्षमता वाली डिजास्टर रिकवरी साइट है, जिसमें डीआर मेनटेनैंस के लिए मैनुअल काम की न्यूनतम जरूरत है। प्राथमिक और डीआर डेटा सेंटर दोनों ही आईएसओ 27001 से प्रमाणित हैं।

कोविड-19 महामारी के दौरान सुरक्षित रिमोट एक्सेस प्रौद्योगिकी इन्फ्रास्ट्रक्चर को क्रियान्वित किया गया, जिससे अधिकारी घर से काम करने में सक्षम हुए। वर्ष के दौरान क्लाउड और डिवाइस आधारित ऑडियो–वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सुविधा से विभिन्न पक्षों के बीच अबाधित व्यवसाय संप्रेषण संभव हो पाता है।

ई–गवर्नेंस और ई–भुगतान

व्यवसाय परिचालनों, एमआईएस, व्यवसाय आसूचना, दस्तावेज प्रबंधन, वर्कफ्लो, नेटवर्क और सुरक्षा के लिए बैंक में सिस्टम्स लागू हैं। बैंक ने कागजी काम को न्यूनतम बनाने और न्यूनतम मैनुअल काम के साथ सुचारू प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए प्रौद्योगिकी आधारित प्रक्रियाएं विकसित की हैं। बैंक नेशनल ई–गवर्नेंस सर्विसेज लिमिटेड (एनईएसएल) का सदस्य बन गया है। एनईएसएल एक क्रेडिट रिपोज़िटरी है, जो ऋणदाताओं द्वारा प्रस्तुत की गई विश्वसनीय वित्तीय सूचनाओं का भंडारण करती है और उन्हें आवश्यकतानुसार सुलभ कराती है। बैंक ने निगेटिव लिस्ट और केंद्रीय आर्थिक आसूचना ब्यूरो से प्राप्त सूचनाओं का आंतरिक ऑनलाइन डेटाबेस तैयार किया है। ऋण मूल्यांकन प्रक्रिया के दौरान इन सूचनाओं का उपयोग किया जाता है। बैंक विभिन्न देशों के बीच वित्तीय और गैर–वित्तीय संदेशों के सुरक्षित ट्रांसमिशन के लिए स्विफ्ट अलायंस एक्सेस सॉफ्टवेयर प्लैटफॉर्म का इस्तेमाल करता है। ये संदेश फिनैकल ऐप्लिकेशन (कोर और ट्रेजरी) में बनाए जाते हैं और स्ट्रेट थ्रू प्रोसेस के जरिए स्विफ्ट ऐप्लिकेशन को भेजे जाते हैं।

गयाना सरकार को 4 मिलियन यूएस डॉलर की ऋण–व्यवस्था के अंतर्गत अपोलो इंटरनेशनल लिमिटेड ने जॉर्जटाउन और निकटवर्ती इलाकों में जलनिकासी के लिए ड्रेनेज पंप लगाए हैं। इससे बरसात के दिनों में जलभराव को कम करने में मदद मिली है।

Under the LOC of US$ 4 million to the Government of Guyana, Apollo International Ltd. installed heavy-duty pumps for drainage in Georgetown and nearby areas, thereby helping in reduction of flooding during rains.

Committees (TOLICs) and has also hosted interbank Hindi competitions.

The Bank maintains its corporate website and the Exim Mitra portal, both in Hindi and English. The Bank also has a Rajbhasha Portal, for providing all the material related to Rajbhasha Hindi, at one place.

Apart from literature on the Bank's operations and procedures, Hindi versions of all the issues of 'Export Advantage' and 'Agri Export Advantage' were also published in Hindi. The Bank's in-house magazine 'Eximius' also includes a Hindi section. A special issue of 'Eximius' was published as 'Rajbhasha Visheshank' on Hindi Day. 'Exim Sparsh'- a half-yearly Hindi e-magazine was published by the Bank's office at New Delhi. Hindi books were added in the Bank's Knowledge Centre, as also the libraries at the Regional Offices, as per the targets given in the Annual Programme. For creating an enabling environment for the use of Hindi and spreading awareness about the harmonious linguistic culture of the nation, Hindi Divas, World Hindi Day, and International Mother Language Day were celebrated in the Bank. Various Hindi competitions, lectures, 'Balvatika'-a dedicated programme for the children of staff members, and interactive webinars were organised during these events.

During the year, the Bank's Head Office, New Delhi Office, Bengaluru Regional Office, and Kolkata Regional Office were awarded by their respective

कॉर्पोरेट अभिशासन

बैंक कॉर्पोरेट अभिशासन की उत्कृष्ट पद्धतियों के अनुपालन के लिए प्रतिबद्ध है और बैंक से संबंधित उत्कृष्ट पद्धतियों के अनुपालन के लिए सदैव तत्पर रहता है। बैंक ने इस पर रणनीतिक नियंत्रण के लिए एक फ्रेमवर्क बनाया है और इसकी प्रभावशीलता की निरंतर समीक्षा करता रहता है। व्यवसाय/वित्तीय निष्पादन से संबंधित मामलों, विश्लेषणात्मक आंकड़ों/सूचना आदि को निदेशक मंडल/निदेशक मंडल की प्रबंधन समिति को समीक्षा के लिए आवधिक आधार पर रिपोर्ट किया जाता है। सभी कानूनों, विनियमों और अन्य प्रक्रियाओं तथा भारत सरकार/भारतीय रिज़र्व बैंक, अन्य विनियामकों, निदेशक मंडल द्वारा निर्धारित विनियमों के अनुपालन के संबंध में एक वरिष्ठ अधिकारी को अनुपालन अधिकारी के रूप में उत्तरदायी बनाया गया है, जो किसी भी प्रकार के विचलन को निदेशक मंडल की लेखा परीक्षा समिति को रिपोर्ट करते हैं। वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान बैंक के निदेशक मंडल की पांच बैठकें तथा प्रबंधन समिति की छह बैठकें हुई।

लेखा परीक्षा समिति

बैंक के निदेशक मंडल की लेखा परीक्षा समिति (एसी) बैंक के संपूर्ण लेखा परीक्षा कार्यों के लिए मार्गदर्शन देती है, ताकि एक प्रबंधन माध्यम के रूप में इसकी प्रभावशीलता में वृद्धि हो और वह सांविधिक/बाहरी/आंतरिक/संगामी लेखा परीक्षा रिपोर्टों तथा भारतीय रिज़र्व बैंक की निरीक्षण रिपोर्टों में उठाए गए सभी मुद्दों के संबंध में अनुवर्ती कार्रवाई करे। यह समिति प्रत्येक वर्ष बैंक के वार्षिक वित्तीय विवरणों को निदेशक मंडल के समक्ष प्रस्तुत करने से पहले उनकी जांच करती है। वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान लेखा परीक्षा समिति की छह बैठकें हुई।

आस्ति देयता प्रबंधन (एएलएम)

बैंक की आस्ति देयता प्रबंधन समिति (एल्को) बैंक के जोखिम प्रबंधन समूह के सहयोग से बाजार जोखिम की निगरानी और प्रबंधन का कार्य देखती है। एल्को द्वारा लिक्विडिटी/ब्याज दर जोखिमों का प्रबंधन निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित व्यापक एएलएम/लिक्विडिटी नीतियों के अनुसार किया जाता है। एल्को की भूमिका में अन्य बातों के साथ-साथ, आरबीआई/बोर्ड द्वारा निर्धारित विवेकपूर्ण सीमाओं की तुलना में बैंक की मुद्रा-वार संरचनात्मक लिक्विडिटी तथा ब्याज दर संवेदनशीलता की स्थितियों की समीक्षा करना, नकदी प्रवाहों के आवधिक दबाव परीक्षणों के परिणामों की निगरानी करना

TOLICs for commendable performance in implementing the Official Language. The Association of Business Communicators of India (ABCI) awarded a prize to 'Shabdon ki Mail'- an initiative to popularise Hindi words through Bollywood songs, under the Special Column category.

Information Technology

The Bank continue to invest on IT infrastructure to support the growing need of business, and to upgrade networks across its offices, data centre, computing, and other crucial equipment. Seamless integration between the Bank's core banking system and payment channels (RTGS/NEFT and SWIFT) supports better fund management and real time appropriation of funds. The Bank became one of the early members of 'BankChain', a forum of Indian banks to explore the feasibility of implementation of Blockchain-based technology in the Indian banking industry.

The Bank has implemented state-of-the-art technology platforms and solutions for its primary Data Centre (DC) located at Mumbai. The Bank has a Disaster Recovery (DR) Site at Bengaluru with fully automatic and remote monitoring capabilities, which enabled lesser manual intervention for DR maintenance. Both the Primary and DR Data centres are ISO 27001 certified.

Secured remote access technology infrastructure was implemented during the COVID-19 pandemic, which enabled employees to work from home. Cloud and device-based audio-video conferencing facility enabled seamless business communication among stakeholders during the year.

E-Governance and E-Payment

Systems are in place for business operations, MIS, business intelligence, document management, workflow, networks and security. The Bank has developed technology-enabled processes that minimize paperwork and ensure seamless processing with minimal manual intervention. The Bank is a member of the National e-Governance Services Ltd. (NeSL). The NeSL is a credit repository, which accepts, stores, and makes readily available authenticated financial information submitted by creditors. The Bank has created an internal online database on negative lists

एक्ज़िम बैंक ने लुसाका शहर को भीड़भाड़ मुक्त करने संबंधी परियोजना के डिजाइन और निर्माण के लिए ज़ाम्बिया सरकार को राष्ट्रीय निर्यात बीमा खाते के अंतर्गत 245.74 मिलियन यूएस डॉलर की क्रेता ऋण सुविधा मंजूर की है।

Exim Bank extended a buyer's credit facility under NEIA of US$ 245.74 milion to the Government of Zambia for design and construction of Lusaka City Decongestion Project.

और ब्याज दर जोखिम के आधार पर एक उपयुक्त एएलएम रणनीति तैयार करना शामिल है। ब्याज दर जोखिम को ब्याज दर में उतार-चढ़ाव की तुलना में अवधि अंतराल विश्लेषण के जरिए (क) निवल ब्याज आय की संवेदनशीलता के विश्लेषण और (ख) आर्थिक मूल्य की संवेदनशीलता से मापा जाता है। मुद्रा-वार लिक्विडिटी स्थिति के दबाव परीक्षण नियमित रूप से किए जाते हैं और प्रत्येक मुद्रा की उपलब्धता में कमी की स्थिति का आकलन करने के लिए समय-समय पर आकस्मिक फंडिंग योजना बनाई जाती है। भारत सरकार की प्रतिभूतियों के 'हेल्ड फॉर ट्रेडिंग' तथा 'अवेलेबेल फॉर सेल' पोर्टफोलियो के लिए जोखिम मूल्य की गणना की जाती है। निधि प्रबंधन समिति प्रत्येक वित्तीय वर्ष के प्रारंभ में निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित और वर्ष के दौरान समीक्षित निधि प्रबंधन / संसाधन योजना के अनुसार निवेशों / विनिवेशों तथा संसाधन जुटाने के संबंध में निर्णय लेती है।

जोखिम प्रबंधन

निदेशक मंडल की जोखिम प्रबंधन समिति (आरएमसी) बैंक के लिए विभिन्न जोखिमों की निगरानी और उनका प्रबंधन करने के साथ-साथ ऋण जोखिम, बाजार जोखिम और परिचालनगत जोखिमों के संबंध में एकीकृत जोखिम प्रबंधन हेतु नीति और रणनीति संबंधी कार्य देखती है।

जोखिम प्रबंधन समिति विभिन्न जोखिमों (पोर्टफोलियो, नकदी, ब्याज दर, तुलन-पत्र से इतर और परिचालनगत जोखिमों) के संबंध में बैंक की स्थिति की समीक्षा करती है। साथ ही एल्को, एफएमसी, ऋण जोखिम प्रबंधन समिति (सीआरएमसी) और परिचालन जोखिम प्रबंधन

and on information received from the Central Economic Intelligence Bureau, which are being referred during loan appraisal cycles. The Bank is using the SWIFT Alliance Access software platform to securely transmit financial and non-financial messages across countries. The messages are created in the Finacle Application (Core and Treasury) and transmitted to the SWIFT application by a Straight Through Process.

Corporate Governance

The Bank is committed to and is continuously striving to ensure compliance with the best practices of corporate governance as relevant to the Bank. The Bank has established a framework of strategic control and is continuously reviewing its efficacy. Business / financial performance related matters and analytical data / information are reported to the Board / Management Committee of the Board (MC) periodically for review. The Bank has put in place a Board approved Compliance Policy and a senior officer has been made responsible in respect of compliance issues with all the applicable statutes, regulations and other procedures / policies as laid down by the GOI/RBI and other regulators and the Board, and for reporting deviation, if any, to the Audit Committee (AC) of the Board. The Bank's Board held five meetings during the FY 2020-21 and the MC held six meetings.

Audit Committee

The Bank's Audit Committee (AC) of the Board provides direction to the total audit function of the

समिति (ओआरएमसी) के परिचालनों की देखरेख भी करती है, जिनमें से सभी का क्रॉस-फंक्शनल प्रतिनिधित्व होता है। एल्को जहां बैंक में एएलएम नीति और प्रक्रियाओं से संबधित विषयों को देखती है और बैंक के समग्र बाजार जोखिम (लिक्विडिटी, ब्याज दर जोखिम और मुद्रा जोखिम) का विश्लेषण करती है, वहीं सीआरएमसी, बैंक के ऋण जोखिमों का विश्लेषण, प्रबंधन तथा नियंत्रण करती है।

बैंक में एक उन्नत ऋण जोखिम प्रबंधन मॉडल (सीआरएम) है, जिससे (क्वालिटेटिव और क्वांटिटेटिव पैरामीटरों के जरिए) बैंक को बेहतर ऋण मूल्यांकन संबंधी निर्णय लेने और ऋण जोखिमों के आधार पर उधारकर्ताओं की आंतरिक ऋण ग्रेडिंग करने में मदद मिलती है। यह मॉडल किसी उधारकर्ता के उद्यम स्तर पर तथा इकाई की प्रतिभूति के आधार पर इकाई स्तर पर जोखिम का मूल्यांकन करने में मदद करता है। संबंधित प्रस्तावों के लिए ऋण अधिकारियों द्वारा दी गई रेटिंग की समीक्षा एक रेटिंग समिति द्वारा स्वतंत्र रूप से की जाती है। ओआरएमसी बैंक में परिचालन संबंधी जोखिमों की समीक्षा करती है और पुनः ऐसा होने से रोकने के लिए सुधारात्मक कार्रवाई की संस्तुति करती है। साथ ही यह बैंक की आईटी आस्तियों से संबंधित/उत्पन्न होने वाले परिचालन जोखिमों को चिह्नित करने, उनका मूल्यांकन करने और/अथवा मापने, निगरानी करने और नियंत्रित करने/जोखिमों को कम करने का काम भी करती है। बैंक व्यवसाय निरंतरता और अपने सभी कार्यालयों की डिजास्टर रिकवरी योजनाओं की भी

एक्ज़िम बैंक को 59वें एसोसिएशन ऑफ बिज़नेस कम्युनिकेटर्स ऑफ इंडिया अवॉर्ड्स में बैंक की वार्षिक रिपोर्ट, फिल्म, ऑनलाइन अभियान, विशेष स्तम्भ और जर्नल के लिए पांच ट्रॉफी प्रदान की गईं।

Exim Bank won five trophies at the 59th Association of Business Communicators of India Awards, for its annual report, film, online campaign, special column and journal.

Bank to enhance its effectiveness as a management tool and to follow-up on all the issues raised in the statutory/external/internal/concurrent audit reports and RBI inspection reports. The AC reviews the quarterly and annual financial statements before submission of the same to the Board. The Audit Committee met six times during the FY 2020-21.

Asset-Liability Management (ALM)

The Asset-Liability Management Committee (ALCO) of the Bank oversees the monitoring and management of market risk with support from the Bank's Risk Management Group. Liquidity/interest rate risks are managed by the ALCO as per the comprehensive ALM/ liquidity policies approved by the Board. The role of the ALCO includes, inter alia, reviewing the Bank's currency-wise structural liquidity and interest rate sensitivity positions vis-à-vis prudential limits prescribed by the RBI/Board, monitoring results of periodical stress testing of cash flows and identifying a suitable ALM strategy based on the quantum of interest rate risk as measured through (a) assessment of sensitivity of net interest income, and (b) sensitivity of economic value, using duration-gap analysis, to interest rate movement. Regular stress testing of the currency-wise liquidity position is carried out and a Contingency Funding Plan is drawn up periodically to estimate the worst-case fund shortfall in each currency. Value-at-risk is computed for the Bank's held for-trading and available-for-sale investment portfolio of GOI securities. The Funds Management Committee decides on the investments/disinvestments and raising of resources as per the Fund Management/Resources Plan approved by the Board at the beginning of each financial year and reviewed during the year.

Risk Management

The Risk Management Committee of the Board (RMC) is responsible for monitoring and managing Bank-wide risks and overseeing the policy and strategy for integrated risk management, relating to credit risk, market risk and operational risk.

The RMC reviews the Bank's position with regards to various risks (portfolio, liquidity, interest rate, off-balance sheet, and operational risks) and oversees the operations of the ALCO, the FMC, the

वार्षिक समीक्षा करता है। जोखिमों के प्रभाव से बचने के लिए प्रत्येक योजना की भली–भांति जांच की जाती है कि ये योजनाएं संकट की स्थिति में व्यवसाय निरंतरता बनाए रखने के लिए कितनी कारगर हैं और जोखिम से सुरक्षा के उपाय कैसे हैं।

विशेष परिस्थिति समूह

दबाग्रस्त ऋण खातों की निगरानी और अनर्जक आस्तियों (एनपीए) के वसूली उपायों पर विशेष रूप से ध्यान केंद्रित करने के लिए बैंक में अलग से एक विशेष परिस्थिति समूह (एसएसजी) है। यह समूह बोर्ड द्वारा अनुमोदित ऋण निगरानी एवं वसूली नीति के अनुसार वसूली के लिए सक्रियता से कदम उठाता है। साथ ही ऐसी अनर्जक आस्तियां, जिन्हें अर्जक बनाना व्यवहार्य हो, उन्हें अर्जक बनाने के उपाय करता है और उन अनर्जक खातों से वसूली पर फोकस करता है, जहां कानूनी कार्रवाई की जानी हो। एसएसजी में एक आंतरिक समिति द्वारा अनर्जक आस्तियों की मासिक समीक्षा की जाती है। अनर्जक आस्तियों की वसूली के लिए बैंक बहुआयामी रणनीति के जरिए अनर्जक आस्तियों की वसूली को सर्वोच्च प्राथमिकता देता है। इस रणनीति में रीस्ट्रक्चरिंग, कानूनी कार्रवाई, कोर्ट रिसीवर के जरिए आस्तियों की बिक्री, निगोशिएशन, एकबारगी निपटान, अनर्जक आस्तियों का अंतरण/समनुदेशन, वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्रचना एवं प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम (सरफेसी अधिनियम) के अंतर्गत आस्तियों पर कब्जा लेना और उनकी बिक्री करना तथा उधारकर्ता कंपनी के मामले को शोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) के अंतर्गत राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) में ले जाना शामिल है।

बैंक में केवाईसी, एएमएल एवं सीएफटी उपाय

बैंक में आरबीआई के दिशानिर्देशों के अनुरूप 'अपने ग्राहक को जानिए' (केवाईसी) मानदंडों, 'धनशोधन निवारण' (एएमएल) मानकों और 'आतंकवाद के वित्तपोषण का प्रतिरोध' (सीएफटी) पर निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित नीति है। केवाईसी, एएमएल तथा सीएफटी नीतियों में निम्नलिखित शामिल हैं:

(क) ग्राहक स्वीकार्यता नीति

(ख) जोखिम प्रबंधन

(ग) ग्राहक पहचान प्रक्रिया

(घ) संव्यवहारों की निगरानी

बैंक द्वारा बैंकरों के एक्युटी डेटाबेस का उपयोग किया जाता है, जो विश्व के प्रमुख व्यवसाय प्रकाशकों में से

Credit Risk Management Committee (CRMC) and the Operational Risk Management Committee (ORMC), all of which have cross-functional representations. While ALCO deals with issues relating to ALM policy and processes and analyses the overall market risk (liquidity, interest rate risk and currency risk) of the Bank, CRMC is tasked with management and control of credit risks on a Bank-wide basis.

The Bank has in place an advanced Credit Risk Model (CRM) that enables a broad-based credit decision support (by incorporating a range of qualitative as well as quantitative parameters/ measures) and internal credit grading of borrowers depending on credit risks. The model helps in evaluation of risk of a borrower at an enterprise level as well as at a facility level depending on underlying security of the facility. A Rating Committee is in place to independently review the credit ratings assigned by sponsor officers to the respective proposals. The ORMC reviews the occurrence of operational risk events in the Bank and recommends corrective action(s) to prevent recurrence, as also includes identification, assessment, and / or measurement, monitoring and control / mitigation of operational risks related to/ emanating from IT-assets of the Bank. The Bank also undertakes an annual review of the Business Continuity and Disaster Recovery plans of its offices. Each of the plan is vetted for completeness with regard to critical Business Continuity Risk Events, and the safeguards in place for mitigating the impact thereof.

Special Situations Group

To provide focused attention to monitoring of loan accounts which are under stress and also strengthening of recovery measures for NPAs, the Bank has a dedicated Special Situations Group (SSG). The SSG takes proactive steps towards loan recovery as per the Board-approved Loan Monitoring and Recovery Policy, rehabilitation of NPAs which are viable, and also focuses on recovery from NPA accounts where legal action is to be pursued. Monthly reviews of NPAs are undertaken by a Committee within the SSG. The Bank accords highest priority to the recovery of NPAs through a multi-pronged strategy comprising restructuring, legal action, sale of assets through court receiver, negotiations, one-time settlements, transfer /

एक 'रीड एल्सीवियर' समूह की इकाई 'रीड बिजनेस इन्फॉर्मेशन' की ऑनलाइन डेटाबेस सेवा है। एक्युटी की ग्लोबल वॉचलिस्ट काफी व्यापक है और यह प्रतिबंध लगाने वाले विश्व के सभी प्रमुख निकायों, कानून प्रवर्तन एजेंसियों और वित्तीय नियामकों की चेतावनी सूचियों का संग्रह है। बैंक के सभी ग्राहकों को केवाईसी मानकों के अधीन लाया जाता है। इससे स्वाभाविक/ कानूनी व्यक्ति और 'हितकारी स्वामित्व' की पहचान में मदद मिलती है।

केवाईसी नीतियों तथा प्रक्रियाओं के कार्यान्वयन में कॉर्पोरेट उधारकर्ताओं, सावधि जमा खाताधारकों, प्रतिनिधि बैंकों और भर्ती हुए नए स्टाफ सदस्यों की पहचान करना शामिल है। बैंक अपने काउंटर पार्टी बैंकों द्वारा केवाईसी मानदंडों के संबंध में अनुपालन सुनिश्चित कराने के लिए अंतरराष्ट्रीय बाजार पद्धति के अनुरूप वुल्फ्सबर्ग ग्रुप एएमएल प्रश्नावली के माध्यम से अपेक्षित डाटा प्राप्त करता है। बैंक, आरबीआई और सेबी द्वारा समय-समय पर विनिर्दिष्ट प्रक्रियाओं तथा तरीकों के अनुसार, कतिपय संव्यवहारों के संबंध में जानकारियों का रिकॉर्ड भी रखता है। ये रिकॉर्ड, संव्यवहार की प्रकृति के अनुसार व्यवसाय संबंध समाप्त होने की तारीख से न्यूनतम पांच वर्ष की अवधि के लिए सुरक्षित रखे जाते हैं। बैंक में मुख्य महाप्रबंधक स्तर के एक अधिकारी को मुख्य अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया है, जो बैंक के केवाईसी, एएमएल तथा सीएफटी उपायों के लिए उत्तरदायी हैं। केवाईसी, एएमएल और सीएफटी नीति को बैंक की वेबसाइट पर भी उपलब्ध कराया गया है।

ऋणदाताओं के लिए आचार संहिता

बैंक में आरबीआई के दिशानिर्देशों के अनुरूप ऋणदाताओं के लिए आचार संहिता के संबंध में नीति विद्यमान है, जो निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित है। यह संहिता बैंक की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

सूचना का अधिकार

सूचना का अधिकार (आरटीआई) अधिनियम, 2005 में परिभाषित अनुसार, एक्ज़िम बैंक एक लोक प्राधिकरण है और इस अधिनियम का अनुपालन करता है। भारतीय नागरिक, इस अधिनियम के प्रावधानों के अंतर्गत सूचना प्राप्त करने के लिए बैंक के मुंबई स्थित प्रधान कार्यालय में केंद्रीय लोक सूचना अधिकारी अथवा बैंक के भारत स्थित क्षेत्रीय कार्यालयों में सहायक लोक सूचना अधिकारियों को अपने आवेदन भेज सकते हैं। इनका विवरण बैंक की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

एक्ज़िम बैंक ने मालदीव के हुलहुमाले में 2000 सामाजिक आवासीय इकाइयों के डिजाइन और निर्माण के लिए राष्ट्रीय निर्यात बीमा खाते के अंतर्गत 110.50 मिलियन यूएस डॉलर की क्रेता ऋण सुविधा प्रदान करने संबंधी आशय पत्र पर हस्ताक्षर किए गए।

A letter of intent was signed for extending a buyer's credit facility under NEIA of US$ 110.50 milion for design and construction of 2000 social housing units in Hulhumale, Maldives.

assignment of NPAs, possession and subsequent sale of assets under provisions of the Securitisation and Reconstruction of Financial Assets and Enforcement of Security Interest Act (SARFAESI Act), and referring the company to the National Company Law Tribunal (NCLT) under the Insolvency and Bankruptcy Code (IBC).

KYC, AML and CFT Measures

The Bank has a policy approved by the Board on 'Know Your Customer (KYC)' norms, 'Anti-Money Laundering (AML)' standards, and 'Combating Financing of Terrorism (CFT)'. The Policy conforms to the RBI guidelines in the matter. The KYC, AML and CFT policy covers:

(a) Customer Acceptance Policy
(b) Risk Management
(c) Customer Identification Procedure
(d) Monitoring of transactions

The Bank has access to the Bankers Accuity Database, an online database service, a product of one of the world's leading business publishers, Reed Business Information, part of the Reed Elsevier Group. Accuity's enhanced Global Watch List is a comprehensive collection of caution lists from all major sanctioning bodies, law enforcement agencies and financial regulators worldwide. All the customers of the Bank are subjected to KYC standards, which establish the identity of the natural / legal person and those of the beneficial owners.

The implementation of KYC policies and procedures covers identification of corporate borrowers,

बैंक ने सरकारी प्राधिकारियों द्वारा समय-समय पर जारी दिशानिर्देशों का अनुपालन किया है। वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान, बैंक को कुल 166 आरटीआई आवेदन (ऑनलाइन और हार्डकॉपी) प्राप्त हुए (अन्य सार्वजनिक प्राधिकारियों द्वारा एक्ज़िम बैंक को हस्तांतरित मामलों सहित) और आरटीआई अधिनियम के अंतर्गत निर्दिष्ट अनुसार, 30 दिनों की समयसीमा के भीतर इनके जवाब दिए गए। इसके साथ ही बैंक ने वर्ष के दौरान www.dsscic.nic.in पोर्टल पर त्रैमासिक आरटीआई रिटर्न भी दाखिल किए।

संयुक्त उद्यम

वर्ष 1996 में निजी क्षेत्र की संस्था के रूप में स्थापित और प्रवर्तित जीपीसीएल कंसल्टिंग सर्विसेज लिमिटेड, एक्ज़िम बैंक तथा निजी और सार्वजनिक क्षेत्र की अन्य 9 प्रतिष्ठित कंपनियों का एक संयुक्त उद्यम है। जीपीसीएल एक अग्रणी अवधारणा थी, जिसकी स्थापना कृषि, ऊर्जा, उद्योगों, खनन, परिवहन, जल संसाधन जैसे क्षेत्रों से जुड़ी अग्रणी कंपनियों की भागीदारी में की गई थी। जीपीसीएल लि. ने गत वर्ष अपनी प्रोक्योरमेंट सेवाओं के दायरे को बढ़ाया है, जिनमें बिड परामर्श, प्रोक्योरमेंट प्रशिक्षण, ई-प्रोक्योरमेंट सॉल्यूशन, परियोजना को चिह्नित करना, पूर्व व्यवहार्यता अध्ययन करना, विभिन्न रिपोर्टें तैयार करना और उनकी समीक्षा करना, ऋणदाता के इंजीनियर के रूप में काम करना, परियोजना की सम्यक जांच करना, परियोजना की निगरानी करना, मूल्यांकन, क्षमता निर्माण तथा द्विपक्षीय एवं बहुपक्षीय ऋण एजेंसियों को विभिन्न

एक्ज़िम बैंक ने सांगली, बारपेटा और रांची में कोविड-19 और कैंसर का उपचार करने वाले अस्पतालों को चिकित्सा संबंधी बुनियादी ढांचे के उन्नयन के लिए चिकित्सा उपकरण प्रदान किए।
Medial equipment was donated by Exim Bank to upgrade the medical infrastructure of hospitals providing COVID-19 and cancer treatment in Sangli, Barpeta and Ranchi.

term deposit holders, correspondent banks and recruitment of new staff members. The Bank obtains data required for ensuring compliance by its counterparty banks with regard to KYC norms through the Wolfsburg Group AML Questionnaire, in line with international market practice. The Bank also maintains information in respect of certain transactions in accordance with the procedure and manner as may be specified by the RBI and SEBI, as the case may be, from time to time. Records are maintained for minimum period of five years from the end of the business relationship, depending on the nature of transactions. An officer of the rank of Chief General Manager has been appointed as the Principal Officer, who is responsible for the Bank's KYC, AML and CFT measures. An extract of the KYC-AML-CFT Policy is posted on the Bank's website.

Fair Practices Code for Lenders

The Bank has in place a Board-approved policy on Fair Practices Code for Lenders, framed in line with RBI guidelines. The Code is hosted on the Bank's website.

Right to Information

The Bank, as a public authority as defined in the Right to Information (RTI) Act, 2005, is compliant with the Act. Citizens of India may apply for information under the provisions of the Act by communicating the same to the Central Public Information Officer of the Bank at its head office in Mumbai, or to the Assistant Public Information Officers at the Bank's regional offices in India, as mentioned on the Bank's website. The Bank has complied with the guidelines of the government authorities, issued from time to time. During FY 2020-21, the Bank had received a total of 166 RTI applications including cases transferred by other Public Authorities to the Bank and were responded within the 30 days permitted for response, as specified under the RTI Act. The Bank has filed RTI quarterly returns on the portal www.dsscic.nic.in during the year.

Joint Ventures

GPCL Ltd., conceived and promoted by the Bank as a private sector outfit in the year 1996, is a joint venture between the Bank and nine other reputed private and public sector companies. GPCL Ltd. was a pioneering concept, brought to reality through

एक्ज़िम बैंक ने मालदीव सरकार को रक्षा परियोजनाओं के वित्तपोषण के लिए 50 मिलियन यूएस डॉलर की ऋण-व्यवस्था प्रदान की।
Exim Bank extended an LOC of US$ 50 million to the Government of Maldives for the purpose of financing for defence projects.

सेवाएं प्रदान करना शामिल है। वित्तीय वर्ष 2020-21 में ₹ 47.71 मिलियन की आय के साथ कंपनी का कर पूर्व लाभ ₹ 11.26 मिलियन दर्ज किया गया।

कुकुज़ा परियोजना विकास कंपनी (केपीडीसी), मॉरीशस, अफ्रीकी विकास बैंक (एएफडीबी), एसबीआई और इन्फ्रास्ट्रक्चर लीज़िंग एंड फायनेंशल सर्विसेज (आईएल एंड एफएस) समूह के साथ मिलकर बैंक द्वारा सह-प्रायोजित एक अन्य संयुक्त उद्यम कंपनी है। इसकी स्थापना अफ्रीका में बुनियादी ढांचागत परियोजनाओं में भारतीय भागीदारी को बढ़ाने के उद्देश्य से की गई थी। केपीडीसी की कुल प्राधिकृत पूँजी 25 मिलियन यूएस डॉलर है। इसमें आईएल एंड एफएस का 41 प्रतिशत, एएफडीबी का 20 प्रतिशत, एसबीआई का 19.5 प्रतिशत, और एक्ज़िम बैंक का 19.5 प्रतिशत योगदान है। आईएल एंड एफएस की पूँजी के अंशदान में अक्षमता को देखते हुए बैंक ने बोर्ड के अनुमोदन से आईएल एंड एफएस के हिस्से का अंशदान करने का निर्णय लिया। इससे यथा 31 मार्च, 2021 को बैंक का हिस्सा बढ़कर 40.0 प्रतिशत हो गया। वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान केपीडीसी को 0.98 मिलियन यूएस डॉलर की हानि हुई। इसने वित्तीय वर्ष 2022-23 से लाभ का अनुमान लगाया है।

a synergetic partnership among industry leaders in sectors such as agriculture, energy, industries, mining, transportation, water resources and others. GPCL Ltd., in the past year, has broadened its range of services built around the procurement function to cover areas such as bid advisory, procurement training, e-procurement solutions, project identification, pre-feasibility studies, preparation and review of reports, functioning as a lender's engineer, undertaking due diligence of projects, project monitoring, evaluation, capacity building and a variety of support services to the bilateral and multilateral lending agencies. The company recorded a total income of ₹ 47.71 million in FY 2020-21 with a pre-tax profit of ₹ 11.26 million.

Kukuza Project Development Company (KPDC), Mauritius is another Joint venture company co-promoted by Exim Bank along with the African Development Bank (AfDB), SBI and the Infrastructure Leasing & Financial Services (IL&FS) group to facilitate Indian participation in infrastructure projects in Africa. The total authorised capital of KPDC was US$ 25 million with contributions from IL&FS (41 per cent), AfDB (20 per cent), SBI (19.5 per cent) and Exim Bank (19.5 per cent). Owing to the inability of IL&FS to subscribe to the capital, Exim Bank picked up part of the share of IL&FS with the approval of its Board, increasing its share to 40.0 per cent as of March 31, 2021. While KPDC incurred a loss of USD 0.98 million during FY 2020-21, it has projected profit from FY 2022-23 onwards.

वित्तीय विवरण
Financial Statements

स्वतंत्र लेखा परीक्षक की रिपोर्ट

सेवा में
भारत के राष्ट्रपति
वित्तीय विवरणों संबंधी रिपोर्ट

अभिमत

हमने भारतीय निर्यात–आयात बैंक ('बैंक') की सामान्य निधि के वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा कर ली है, जिसमें यथा 31 मार्च, 2021 को तुलन–पत्र एवं लाभ और हानि लेखे तथा उक्त तिथि को समाप्त वर्ष के लिए नकदी प्रवाह विवरण और वित्तीय विवरणों पर टिप्पणियां तथा महत्त्वपूर्ण लेखांकन नीतियों का सारांश एवं अन्य विवरणात्मक सूचना शामिल है।

हमारी राय में और सर्वोत्तम जानकारी तथा हमें दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार, उक्त लेखा विवरण भारतीय निर्यात–आयात बैंक सामान्य विनियमावली, 2020 के विनियम 14 (i) तथा भारत में सामान्यतः स्वीकृत लेखा सिद्धांतों के अनुरूप हैं और यथा 31 मार्च, 2021 को बैंक की वित्तीय स्थिति, उक्त तिथि को समाप्त वर्ष के लिए बैंक की वित्तीय निष्पादन स्थिति तथा नकदी प्रवाह स्थिति की सत्य एवं सही स्थिति प्रकट करते हैं।

अभिमत का आधार

हमने आईसीएआई द्वारा जारी लेखा परीक्षा मानकों (एसए) के अनुसार लेखा परीक्षा की हैं। इन मानकों के अंतर्गत हमारे उत्तरदायित्वों का विवरण, हमारी रिपोर्ट के 'वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा' खंड में आगे 'लेखा परीक्षक के उत्तरदायित्व' में दिया गया है। हम आईसीएआई द्वारा जारी नैतिक संहिता (कोड ऑफ एथिक्स) के अनुरूप बैंक से स्वतंत्र हैं। हमारा मत है कि हमें मिले लेखा परीक्षा संबंधी साक्ष्य पर्याप्त हैं और हमारे अभिमत को आधार प्रदान करने के लिए समुचित हैं।

विषयवस्तु पर बल

हम कोविड-19 महामारी के प्रभाव के संबंध में वित्तीय विवरण के नोट संख्या 29 की ओर ध्यान आकर्षित करते हैं। हालात अब भी अनिश्चित हैं और बैंक सामने आई तमाम चुनौतियों के संबंध में मौजूदा हालात का निरंतर विश्लेषण कर रहा है। इन अनिश्चितताओं को देखते हुए, बैंक के वित्तीय विवरण पर प्रभाव आगामी समय के घटनाक्रम पर निर्भर करता है।

इस मामले के संबंध में हमारी राय इससे भिन्न नहीं है।

लेखा परीक्षा संबंधी प्रमुख मामले

लेखा परीक्षा संबंधी प्रमुख मामले वे मामले हैं, जो हमारे प्रोफेशनल निर्णय में, वर्तमान अवधि के वित्तीय विवरणों की हमारी लेखा परीक्षा में सबसे अधिक महत्त्व के रहे। इन मामलों को वित्तीय विवरणों की हमारी लेखा परीक्षा के संदर्भ में, संपूर्णता पर हमारा अभिमत बनाने के रूप में देखा गया और हम उन मामलों के संबंध में अलग से अभिमत प्रदान नहीं करते हैं।

हमने अपनी रिपोर्ट में नीचे दिए गए मामलों को लेखा परीक्षा संबंधी प्रमुख मामलों के रूप में वर्णित करने का निर्णय लिया हैः

INDEPENDENT AUDITOR'S REPORT

To,
The President of India
Report on the Financial Statements

Opinion

We have audited the accompanying Financial Statements of General Fund of "Export-Import Bank of India" ("the Bank"), which comprise the Balance Sheet as at March 31, 2021, the Profit and Loss account, Statement of Cash flows for the year then ended and notes to the financial statements, including a summary of significant accounting policies and other explanatory information.

In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, the accompanying financial statements give a true and fair view of the financial position of the Bank as at March 31, 2021, of its financial performance and its cash flows for the year then ended in accordance with the Regulation 14 (i) of Exim Bank of India General Regulations, 2020 and the accounting principles generally accepted in India.

Basis for Opinion

We conducted our audit in accordance with the Standards on Auditing (SAs) issued by the ICAI. Our responsibilities under those standards are further described in the Auditor's Responsibilities for the Audit of the Financial Statements section of our report. We are independent of the Bank in accordance with the Code of Ethics issued by the ICAI. We believe that the audit evidence we have obtained is sufficient and appropriate to provide a basis for our opinion.

Emphasis of Matter

We draw attention to Note No. 29 of the Financial Statements regarding impact of COVID-19 pandemic. The situation continues to be uncertain and the Bank is evaluating the situation on an ongoing basis with respect to the challenges faced. In view of these uncertainties, the impact on the Bank's financial statements is significantly dependent on future developments.

Our opinion is not modified in respect of this matter.

Key Audit Matter

Key audit matters are those matters that, in our professional judgment, were of most significance in our audit of the financial statements of the current period. These matters were addressed in the context of our audit of the financial statements as a whole, and in forming our opinion thereon, and we do not provide a separate opinion on these matters.

We have determined the matters described below to be the Key Audit Matters to be communicated in our report:

क्रमांक	लेखा परीक्षा संबंधी प्रमुख मामले	प्रमुख लेखा परीक्षा मामलों पर प्रतिक्रिया
1	**अनर्जक अग्रिमों का निर्धारण और अग्रिमों का प्रावधानीकरणः** अग्रिम, बैंक की आस्तियों का महत्त्वपूर्ण हिस्सा होते हैं और इन अग्रिमों की गुणवत्ता को, बैंक के सकल अग्रिमों की तुलना में अनर्जक अग्रिमों (''एनपीए'') के अनुपात के रूप में मापा जाता है। यथा 31 मार्च, 2021 को, बैंक के ऋणों और अग्रिमों का हिस्सा, कुल आस्तियों का 77 प्रतिशत रहा और सकल एनपीए अनुपात 6.69 प्रतिशत है। भारतीय रिज़र्व बैंक (''आरबीआई'') के आय निर्धारण और आस्ति वर्गीकरण दिशानिर्देशों में एनपीए तथा ऐसी आस्तियों के लिए न्यूनतम प्रावधान का निर्धारण और वर्गीकरण करने के लिए विवेकसम्मत मानदंड निर्धारित किए गए हैं। ये मानदंड, क्वांटिटेटिव और क्वालिटेटिव कारकों का प्रयोग करते हुए एनपीए का निर्धारण करने और उनके लिए अपेक्षित प्रावधान करने के संबंध में बैंक पर भी लागू होते हैं। एनपीए का निर्धारण कुछ निश्चित क्षेत्रों में स्ट्रेस और लिक्विडिटी जैसे कारकों से प्रभावित होता है। निर्धारित एनपीए के लिए प्रावधानीकरण, उन एनपीए के कालिक क्षय और वर्गीकरण, वसूली अनुमान, सिक्योरिटी के मूल्य और अन्य क्वालिटेटिव कारकों के आधार पर आकलित किया जाता है तथा यह प्रावधान आरबीआई द्वारा निर्धारित न्यूनतम प्रावधानीकरण मानदंडों के अध्यधीन है। इसके अतिरिक्त, बैंक, कुछ निश्चित क्षेत्रों में अग्रिमों और एनपीए हो जाने की आशंका वाले चिह्नित अग्रिमों अथवा समूह अग्रिमों सहित उन एक्सपोज़रों के लिए भी प्रावधान करता है, जो एनपीए के रूप में वर्गीकृत नहीं किए गए हैं। इन्हें आकस्मिक प्रावधानों के रूप में वर्गीकृत किया गया है। बैंक ने इस संबंध में अपनी लेखा नीति में, नोट I (iii) आस्ति वर्गीकरण और प्रावधानीकरण के अंतर्गत ''महत्त्वपूर्ण लेखा नीतियां और लेखों पर टिप्पणियां'' में विवरण दिया है। चूंकि एनपीए का निर्धारण और अग्रिमों के लिए प्रावधानीकरण में महत्त्वपूर्ण आकलन अपेक्षित होता है और समग्र लेखा परीक्षा में इसके महत्त्व को देखते हुए, हमने एनपीए के निर्धारण और प्रावधानीकरण को लेखा परीक्षा संबंधी प्रमुख मामला माना है।	**हमने अन्य के साथ-साथ निम्नलिखित लेखा परीक्षा प्रक्रियाएं अपनाई हैं:** – एनपीए निर्धारण और प्रावधानीकरण के लिए बैंक की नीतियों को ध्यान में रखना तथा आईआरएसी मानदंडों के साथ अनुपालन का मूल्यांकन करना। – मौजूदा आईआरएसी दिशानिर्देशों के आधार पर ह्रासित खातों का निर्धारण करने के संबंध में प्रमुख नियंत्रणों (एप्लिकेशन नियंत्रणों सहित) को समझना और उनकी परिचालन प्रभावशीलता का मूल्यांकन तथा परीक्षण करना। – यथोचित प्रक्रियाओं की प्रकृति, समय और सीमा का निर्धारण करने के लिए अग्रिमों पर विभिन्न आंतरिक नियंत्रणों की प्रभावशीलता की जांच की गई और बैंक की निगरानी प्रक्रिया के अनुसार की गई विभिन्न लेखा परीक्षाओं तथा आरबीआई निरीक्षण की टिप्पणियों के संबंध में अनुपालन की जांच की गई। – चिह्नित उधारकर्ताओं के लेखा विवरणों और अन्य संबंधित जानकारियों की क्वांटिटेटिव और क्वालिटेटिव जोखिम कारकों के आधार पर समीक्षा करना। – बैंक द्वारा दबावग्रस्त ऋण खातों को चिह्नित करने के लिए बनाई गई पूर्व चेतावनी रिपोर्टों की जांच करना। – जहां कहीं भी ऋण जोखिम माना गया, उन मामलों में बैंक के प्रबंधन के साथ विशिष्ट चर्चा करना और जोखिमों को कम करने के उपाय करना। **अग्रिमों के प्रावधानीकरण के संबंध में हमने निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाईः** – अग्रिमों के प्रावधानीकरण के लिए बैंक की प्रक्रिया के संबंध में एक समझ बनाई। – आरबीआई विनियमों के अनुपालन के लिए प्रबंधन द्वारा की गई गणना की जांच तथा प्रावधानीकरण के लिए आंतरिक स्तर पर निर्धारित की गई नीतियों की जांच की गई। – ऐसे ऋण खातों के लिए, जो एनपीए के रूप में वर्गीकृत नहीं किए गए हैं और बैंक ने उनके लिए प्रावधान किए हैं, हमने उन प्रावधानों के लिए बैंक के मूल्यांकन की समीक्षा की।
2	**आयकर के लिए आकस्मिक देयताः** बैंक में कुछ महत्त्वपूर्ण कर मामले चल रहे हैं, जिनमें ऐसे मामले भी शामिल हैं, जो विवादित हैं और उन विवादों में संभावित परिणाम के लिए निर्णय महत्त्वपूर्ण होगा। चूंकि इन कर मामलों के मूल्यांकन में महत्त्वपूर्ण स्तर का निर्णय अपेक्षित है, इसलिए हमने इसे लेखा संबंधी प्रमुख मामलों में शामिल किया।	– कर देयताएं और कर प्रावधान निर्धारित करने के लिए बैंक की प्रक्रिया के संबंध में समझ बनाना। – रिपोर्टिंग की तारीख को कर मामलों के संबंध में कानूनी वरीयता, अन्य निर्णयों और नई जानकारी पर विचार करने के बाद महत्त्वपूर्ण कर जोखिमों के लिए देयता की संभावना और उसके स्तर के मूल्यांकन को समझने के लिए बाहरी कर विशेषज्ञों को शामिल किया। – कर प्राधिकारों के साथ हुए पत्राचार सहित संबंधित दस्तावेजीकरण का संदर्भ लेते हुए कर मांग की समीक्षा की गई। – इस संबंध में वित्तीय विवरणों में किए गए प्रकटीकरणों का मूल्यांकन किया गया।

Sr. No.	Key Audit Matter	Response to Key Audit Matter
1	**Identification of Non-performing advances and provisioning of advances:** Advances constitute a significant portion of the Bank's assets and the quality of these advances is measured in terms of ratio of Non-Performing Advances ("NPA") to the gross advances of the Bank. The loans & advances constitute 77 per cent of the total assets and the gross NPA ratio of the Bank is 6.69 per cent as at March 31, 2021. The Reserve Bank of India's ("RBI") guidelines on Income recognition and asset classification ("IRAC") prescribe the prudential norms for identification and classification of NPAs and the minimum provision required for such assets. The Bank is also required to apply its judgement to determine the identification and provision required against NPAs by applying quantitative as well as qualitative factors. The identification of NPAs is affected by factors like stress and liquidity concerns in certain sectors. The provisioning for identified NPAs is estimated based on ageing and classification of NPAs, recovery estimates, value of security and other qualitative factors and is subject to the minimum provisioning norms specified by RBI. Additionally, the Bank makes provisions on exposures that are not classified as NPAs including advances in certain sectors and identified advances or group advances that can potentially slip into NPA. These are classified as contingency provisions. The Bank has detailed its accounting policy in this regard in Significant accounting policies and notes to accounts under note I (iii) Asset Classification and Provisioning. Since the identification of NPAs and provisioning for advances require significant level of estimation and given its significance to the overall audit, we have ascertained identification and provisioning for NPAs as a key audit matter.	**We performed the following audit procedures, among others, including:** - Considering the Bank's policies for NPA identification and provisioning and assessing compliance with the IRAC norms. - Understanding, evaluating and testing the design and operating effectiveness of key controls (including application controls) around identification of impaired accounts based on the extant guidelines on IRAC. - Examined the efficacy of various internal controls over advances to determine the nature, timing and extent of the substantive procedures and compliance with the observations of the various audits conducted as per the monitoring mechanism of the Bank and RBI Inspection. - Reviewing account statements and other related information of the borrowers selected based on quantitative and qualitative risk factors. - Examining the early warning reports generated by the Bank to identify stressed loan accounts. - Holding specific discussions with the management of the Bank where there is perceived credit risk and the steps taken to mitigate the risks. **With respect to provisioning of advances, we performed the following procedures:** - Gained an understanding of the Bank's process for provisioning of advances. - Tested the calculation performed by the management for compliance with RBI regulations and internally laid down policies for provisioning. - For loan accounts, where the Bank made provisions which were not classified as NPA, we reviewed the Bank's assessment for these provisions.
2	**Contingent Liability for Income Tax:** The Bank has material open tax litigations including matters under dispute which involve significant judgement to determine the possible outcome of these disputes. Since the assessment of these open tax litigations requires significant level of judgement, we have included this as a key audit matter.	- Gained an understanding of the Bank's process for determining tax liabilities and the tax provisions. - Involved external Tax experts to understand the evaluation of likelihood and level of liability for significant tax risks after considering legal precedence, other rulings and new information in respect of open tax positions as at reporting date. - Reviewed the tax demand by referring to supporting documentation, including correspondence with tax authorities. - Assessed the disclosures within the financial statements in this regard.

3	**कोविड-19 महामारी के आलोक में की गई संशोधित लेखा परीक्षा प्रक्रियाएं** हमारी लेखा परीक्षा अवधि के दौरान कोविड-19 महामारी, केंद्र/ राज्य सरकार/स्थानीय प्राधिकारियों द्वारा की गई राष्ट्रव्यापी तालाबंदी और यात्रा संबंधी प्रतिबंधों के चलते तथा बैंक को आरबीआई द्वारा दिए गए दिशानिर्देशों के अनुसार जहां भौतिक रूप से लेखा परीक्षा संभव नहीं थी, वहां दूरस्थ रूप से ही लेखा परीक्षा की गई। बैंक के प्रधान कार्यालय तथा कतिपय क्षेत्रीय कार्यालयों के परिसर जाकर लेखा परीक्षा नहीं की जा सकी। चूंकि हम व्यक्तिगत रूप से / भौतिक रूप से प्रमाण प्राप्त नहीं कर पाए, इसलिए क्षेत्रीय कार्यालयों / प्रशासनिक / कॉर्पोरेट कार्यालयों के अधिकारियों से चर्चा कर हमने प्रमुख लेखा परीक्षा मामले के रूप में इस प्रकार संशोधित लेखा परीक्षा प्रक्रिया चिह्नित की है। तदनुसार, दूरस्थ तरीके से लेखा परीक्षा करने के लिए हमारी लेखा परीक्षा प्रक्रियाएं संशोधित की गईं।	चूंकि यात्रा संबंधी प्रतिबंधों के चलते जरूरी रिकॉर्डों/ रिपोर्टों/ दस्तावेजों / प्रमाण पत्रों को भौतिक रूप से एक्सेस करना संभव नहीं था, इसलिए बैंक द्वारा ये दस्तावेज डिजिटल माध्यम, ईमेल अथवा अन्य ऐप्लिकेशन, सॉफ्टवेयर के जरिए उपलब्ध कराए गए तथा इन्हें वर्तमान अवधि के लिए लेखा परीक्षा करने और रिपोर्टिंग के लिए ऑडिट प्रमाण के रूप में लिया गया। तदनुसार, हमने लेखा परीक्षा प्रक्रियाएं निम्नलिखित अनुसार संशोधित कीं: क. जहां भौतिक रूप से सत्यापन संभव नहीं था, वहां जरूरी रिकॉर्ड / दस्तावेजों का सत्यापन रिमोट एक्सेस / ईमेल के जरिए किया गया। ख. दस्तावेजों, हक विलेखों, प्रमाण पत्रों और संबंधित रिकॉर्ड की स्कैन्ड प्रतियां हमें ईमेल अथवा बैंक के सुरक्षित नेटवर्क के जरिए रिमोट से एक्सेस कराए गए। ग. वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग, संवाद और फोन पर चर्चा, ईमेल तथा अन्य संचार माध्यमों के जरिए पूछताछ की गई और लेखा परीक्षा के लिए जरूरी प्रमाण जुटाए गए। घ. हमारी लेखा परीक्षा टिप्पणियों का समाधान निर्धारित अधिकारियों के साथ आमने-सामने बैठकर चर्चा के बजाय फोन / ई-मेल के जरिए किया गया।

अन्य जानकारी

अन्य जानकारियों के लिए बैंक का निदेशक मंडल उत्तरदायी है। अन्य जानकारियों में निदेशकों की रिपोर्ट, समग्र व्यवसाय परिचालन, प्रबंधन और कॉर्पोरेट अभिशासन (गवर्नेंस) शामिल हैं, किन्तु इनमें वित्तीय विवरण और हमारे लेखा परीक्षक की रिपोर्ट शामिल नहीं है।

वित्तीय विवरणों पर हमारे अभिमत में अन्य जानकारी को कवर नहीं किया गया है और इस संबंध में हम किसी भी रूप में कोई आश्वासन / निष्कर्ष अभिव्यक्त नहीं करते हैं। वित्तीय विवरणों की हमारी लेखा परीक्षा के संबंध में, हमारा उत्तरदायित्व ऊपर चिह्नित की गई अन्य जानकारी को पढ़ना है, और इसे पढ़ते हुए इस पर विचार करना है कि यह अन्य जानकारी वित्तीय विवरणों में दी गई जानकारी से वस्तुतः असंगत तो नहीं है, या लेखा परीक्षा में ली गई हमारी जानकारी या अन्यथा कोई जानकारी गलत तो नहीं है।

यदि, इस लेखा परीक्षक की रिपोर्ट की तारीख से पूर्व में हमें मिली अन्य जानकारी पर हमारे द्वारा किए गए काम के आधार पर, हम इस निष्कर्ष पर पहुंचते हैं कि यह अन्य जानकारी गलत है तो हमें उस तथ्य को रिपोर्ट करना आवश्यक है। इस संबंध में रिपोर्ट करने के लिए कुछ भी नहीं है।

जब हम वार्षिक रिपोर्ट पढ़ते हैं, यदि हम इस निष्कर्ष पर पहुंचते हैं कि इसमें कहीं कुछ गलत बयानी है तो हम उन मामलों को गवर्नेंस संबंधी प्राधिकारियों को रिपोर्ट करेंगे।

अन्य मामले

बैंक के भारत में नौ क्षेत्रीय कार्यालय हैं तथा एक शाखा और आठ कार्यालय विदेश में स्थित हैं। भारत और विदेश स्थित कार्यालयों के लिए बैंक की वित्तीय लेखा प्रणालियां केंद्रीकृत हैं। हमारी लेखा परीक्षा के क्रम में, हमने देश में स्थित केवल 4 घरेलू कार्यालयों का दौरा किया है। हम कोविड-19 महामारी के चलते अन्य घरेलू क्षेत्रीय कार्यालयों और विदेश स्थित शाखा का दौरा करने में असमर्थ रहे और लेखा विवरणों और इस शाखा / क्षेत्रीय कार्यालयों से मिले जवाबों (रिटर्न्स) पर निर्भर रहे। इन्हें इन वित्तीय विवरणों में शामिल किया गया है।

इस मामले के संबध में हमारी राय इससे भिन्न नहीं है।

3.	**Modified Audit Procedures carried out in light of COVID-19 outbreak:** Due to COVID-19 pandemic, Nation-wide lockdown and travel restrictions imposed by Central / State Government / Local Authorities during the period of our audit period and the RBI directions to Bank to facilitate carrying out audit remotely wherever physical access was not possible, audit could not be conducted by visiting the HO and premises of certain RO's of the FI. As we could not gather audit evidence in person / physically / through discussions and personal interactions with the officials at the ROs / Administrative / Corporate Offices, we have identified such modified audit procedures as a Key Audit Matter. Accordingly, our audit procedures were modified to carry out the audit remotely.	Since physical access was not possible due to travelling restriction, necessary records / reports / documents / certificates were made available to us by the Bank through digital medium, emails or remote access to other relevant application software and relied upon as audit evidence for conducting the audit and reporting for the current period. Accordingly, we modified our audit procedures as follows: a. Conducted verification of necessary records / documents and other Application software electronically through remote access / emails wherever physical access was not possible. b. Carried out verification of scanned copies of the documents, deeds, certificates and the related records made available to us through emails or remote access over secure network of the Bank. c. Making enquiries and gathering necessary audit evidence through Video Conferencing, dialogues and discussions over phone calls / conference calls, emails and similar communication channels. d. Resolution of our audit observations telephonically through e-mail instead of a face to face interaction with the designated officials.

Other Information

The Bank's Board of Directors is responsible for the other information. The other information comprises the information included in the Directors' Report, Overall Business Operations, Management and Corporate Governance but does not include the financial statements and our auditor's report thereon.

Our opinion on the financial statements does not cover the other information and we do not express any form of assurance / conclusion thereon. In connection with our audit of the financial statements, our responsibility is to read the other information identified above and, in doing so, consider whether the other Information is materially inconsistent with the financial statements or our knowledge obtained in the audit or otherwise appears to be materially misstated.

If, based on the work we have performed on the other information that we obtained prior to the date of this auditors' report, we conclude that there is a material misstatement of this other information, we are required to report that fact. We have nothing to report in this regard.

When we read the Annual Report, if we conclude that there is a material misstatement therein, then we will communicate the matter to those charged with governance.

Other Matters

The Bank has nine domestic Representative offices (ROs), eight overseas offices and one foreign branch. The financial accounting systems of the Bank are centralised for the Domestic and Overseas Offices. We could visit only 4 domestic ROs and have not been able to visit the other domestic ROs and foreign branch because of Covid-19 Pandemic and have relied on the accounting statements and returns received from the branch/ROs, which are included in these Financial Statements.

Our opinion is not modified in respect of this matter.

वित्तीय विवरणों के लिए प्रबंधन का उत्तरदायित्व

बैंक का प्रबंधन इन वित्तीय विवरणों को, उक्त अधिनियम तथा उसके अधीन विरचित विनियमों के प्रावधानों के अनुरूप तैयार करने और उन्हें प्रस्तुत करने तथा प्रबंधन द्वारा निर्धारित अनुसार, धोखाधड़ी अथवा त्रुटि के चलते किसी भी तरह के मिथ्या कथन से रहित वित्तीय विवरणों को तैयार करने के लिए आवश्यक ऐसे आंतरिक नियंत्रणों के लिए उत्तरदायी है।

वित्तीय विवरणों को तैयार करने में, प्रबंधन, बैंक के परिचालन को जारी रखने के लिए बैंक की क्षमता का मूल्यांकन करने, परिचालन जारी रखने संबंधी मामलों के यथा लागू अनुसार प्रकटीकरण, और जब तक कि प्रबंधन बैंक को लिक्विडेट न करना चाहे या परिचालन बंद न करना चाहे, या ऐसा करने के अलावा कोई उचित विकल्प न हो, तब तक लेखांकन के आधार पर परिचालन जारी रखने के लिए उत्तरदायी है। गवर्नेंस से जुड़ा प्रबंधन बैंक की वित्तीय रिपोर्टिंग प्रक्रिया की निगरानी के लिए उत्तरदायी है।

वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा के लिए लेखा परीक्षक के उत्तरदायित्व

हमारा उत्तरदायित्व इस बारे में तर्कसंगत आश्वासन हासिल करना है कि ये वित्तीय विवरण, पूर्ण रूप में धोखाधड़ी अथवा त्रुटि के चलते किसी भी तरह के मिथ्या कथन से रहित हैं, और अपने अभिमत को शामिल करते हुए लेखा परीक्षक की रिपोर्ट जारी करना है। तर्कसंगत आश्वासन, उच्च स्तरीय आश्वासन है, किन्तु गारंटी नहीं है कि लेखा परीक्षा मानकों के अनुरूप की गई लेखा परीक्षा, यदि कोई महत्त्वपूर्ण मिथ्या कथन है तो सदैव उसका पता लगा लेगी। मिथ्या कथन धोखाधड़ी या त्रुटि के चलते आ सकते हैं और उन्हें तब महत्त्वपूर्ण माना जाता है, जब अलग-अलग या सकल रूप से, इन वित्तीय विवरणों के आधार पर लिए गए प्रयोक्ताओं के आर्थिक निर्णयों को प्रभावित करने की संभावना रखते हों। लेखा परीक्षा मानकों के अनुरूप लेखा परीक्षा के क्रम में, हम प्रोफेशनल निर्णय लेते हैं और पूरी लेखा परीक्षा के दौरान प्रोफेशनल संशयात्मकता रखते हैं। हमारे उत्तरदायित्वों में निम्नलिखित भी शामिल हैं:

- धोखाधड़ी या त्रुटि के चलते, वित्तीय विवरणों के महत्त्वपूर्ण मिथ्या कथन के जोखिमों का निर्धारण और मूल्यांकन, उन जोखिमों की प्रतिक्रियास्वरूप लेखा परीक्षा प्रक्रियाएं डिजाइन करना और उनका निष्पादन करना, तथा हमारे अभिमत को आधार प्रदान करने के लिए पर्याप्त और समुचित लेखा परीक्षा साक्ष्य हासिल करना। किसी धोखाधड़ी के चलते बनने वाले महत्त्वपूर्ण मिथ्या कथन का जोखिम, किसी त्रुटि के चलते होने वाले मिथ्या कथनों की तुलना में अधिक होता है, क्योंकि धोखाधड़ी में मिलीभगत, जालसाजी, इरादतन चूक, मिथ्या प्रस्तुति, अथवा आंतरिक नियंत्रण की अवहेलना करना शामिल हो सकता है।
- परिस्थितियों के अनुसार यथोचित लेखा प्रक्रियाएं डिजाइन करने के लिए लेखा परीक्षा से संबंधित आंतरिक नियंत्रण की समझ विकसित करना।
- प्रयोग की गई लेखांकन नीतियों की उपयुक्तता और लेखांकन आकलन की तर्कसंगतता तथा प्रबंधन द्वारा किए गए संबंधित प्रकटीकरणों का मूल्यांकन करना।
- परिचालन जारी रखने के लेखांकन आधार और हासिल किए गए लेखा परीक्षा साक्ष्य के आधार पर, इसकी उपयुक्तता पर निष्कर्ष देना, कि घटनाओं या स्थितियों से संबंधित कोई महत्त्वपूर्ण अनिश्चितता तो नहीं है, जो बैंक के परिचालन जारी रखने के संबंध में कोई शंका पैदा करती हो। यदि हम इस निष्कर्ष पर पहुंचते हैं कि ऐसी कोई आशंका है तो हमें अपनी लेखा परीक्षा रिपोर्ट में, वित्तीय विवरणों में संबंधित प्रकटीकरणों में इस ओर ध्यान आकर्षित करना आवश्यक होता है अथवा यदि ऐसे प्रकटीकरण अपर्याप्त होते हैं, तो अपना अभिमत बदलना पड़ता है। हमारे निष्कर्ष, हमारी लेखा परीक्षा की रिपोर्ट की तारीख तक हासिल किए गए लेखा परीक्षा साक्ष्य पर आधारित हैं। तथापि, भविष्य में ऐसी कोई घटनाएं या स्थितियां हो सकती हैं, जो बैंक के लिए अपना परिचालन बंद करने का कारण बनें।
- प्रकटीकरण सहित वित्तीय विवरणों की समग्र प्रस्तुति, ढांचे और सामग्री का मूल्यांकन करना, और देखना कि वित्तीय विवरण निहित संव्यवहरों को प्रदर्शित करते हैं और घटनाएं इस रूप में हैं कि उचित प्रस्तुति प्रदर्शित करती हैं।

हम अपनी लेखा परीक्षा के दौरान चिह्नित किए गए किसी महत्त्वपूर्ण विचलन सहित अन्य मामलों में, गवर्नेंस से जुड़े व्यक्तियों को लेखा परीक्षा के नियोजित स्कोप और समय तथा महत्त्वपूर्ण लेखा परीक्षा निष्कर्ष सूचित करते हैं।

हम गवर्नेंस से जुड़े व्यक्तियों को यह कथन भी प्रदान करते हैं कि हमने स्वतंत्रता से संबंधित सभी नैतिक अपेक्षाओं का अनुपालन किया है, और उन्हें सभी संबंधों तथा अन्य मामलों और जहां कहीं लागू हो, संबंधित सेफगार्ड के बारे में सूचित करते हैं, जिन्हें हमारी स्वतंत्रता के लिए जरूरी माना जा सकता है।

Responsibilities of Management for the Financial Statements

Management of Bank is responsible for the preparation and fair presentation of the financial statements in accordance with the provisions of the Act and the Regulations framed thereunder and for such internal controls as management determines is necessary to enable the preparation of financial statements that are free from material misstatement, whether due to fraud or error.

In preparing the financial statements, management is responsible for assessing the Bank's ability to continue as a going concern, disclosing, as applicable, matters related to going concern and using the going concern basis of accounting unless management either intends to liquidate the Bank or to cease operations, or has no realistic alternative but to do so. Those charged with governance are responsible for overseeing the Bank's financial reporting process.

Auditor's Responsibilities for the Audit of the Financial Statements

Our objectives are to obtain reasonable assurance about whether the financial statements as a whole are free from material misstatement, whether due to fraud or error, and to issue an auditor's report that includes our opinion. Reasonable assurance is a high level of assurance, but is not a guarantee that an audit conducted in accordance with SAs will always detect a material misstatement when it exists. Misstatements can arise from fraud or error and are considered material if, individually or in the aggregate, they could reasonably be expected to influence the economic decisions of users taken on the basis of these financial statements. As part of an audit in accordance with SAs, we exercise professional judgment and maintain Professional Skepticism throughout the audit. We also:

- Identify and assess the risks of material misstatement of the financial statements, whether due to fraud or error, design and perform audit procedures responsive to those risks, and obtain audit evidence that is sufficient and appropriate to provide a basis for our opinion. The risk of not detecting a material misstatement resulting from fraud is higher than for one resulting from error, as fraud may involve collusion, forgery, intentional omissions, misrepresentations, or the override of internal control.

- Obtain an understanding of internal control relevant to the audit in order to design audit procedures that are appropriate in the circumstances.

- Evaluate the appropriateness of accounting policies used and the reasonableness of accounting estimates and related disclosures made by management.

- Conclude on the appropriateness of management's use of the going concern basis of accounting and, based on the audit evidence obtained, whether a material uncertainty exists related to events or conditions that may cast significant doubt on the Bank's ability to continue as a going concern. If we conclude that a material uncertainty exists, we are required to draw attention in our auditor's report to the related disclosures in the financial statements or, if such disclosures are inadequate, to modify our opinion. Our conclusions are based on the audit evidence obtained up to the date of our auditor's report. However, future events or conditions may cause the Bank to cease to continue as a going concern.

- Evaluate the overall presentation, structure and content of the financial statements, including the disclosures, and whether the financial statements represent the underlying transactions and events in a manner that achieves fair presentation.

We communicate with those charged with governance regarding, among other matters, the planned scope and timing of the audit and significant audit findings, including any significant deficiencies in internal control that we identify during our audit.

We also provide those charged with governance with a statement that we have complied with relevant ethical requirements regarding independence, and to communicate with them all relationships and other matters that may reasonably be thought to bear on our independence, and where applicable, related safeguards.

अन्य कानूनी और विनियामकीय अपेक्षाओं संबंधी रिपोर्ट

तुलन–पत्र, लाभ और हानि खाता तथा नकदी प्रवाह विवरण, भारतीय निर्यात–आयात बैंक सामान्य विनियमावली, 2020 की अनुसूचियों I, II और III के अनुरूप तैयार किए गए हैं।

हम यह भी रिपोर्ट करते हैं किः

i. लेखा परीक्षा के लिए हमारी अधिकतम जानकारी और विश्वास के अनुसार जो तथ्य और स्पष्टीकरण आवश्यक थे, वे सब हमने प्राप्त किए हैं और वे संतोषजनक हैं।

ii. इस रिपोर्ट में लिए गए तुलन–पत्र, लाभ और हानि लेखा विवरण तथा नकदी प्रवाह विवरण लेखों की बहियों के अनुरूप हैं।

iii. बैंक के संव्यवहार, जो हमारे संज्ञान में लाए गए हैं, बैंक की शक्तियों के अन्दर हैं।

iv. बैंक के कार्यालयों और विदेश स्थित शाखा से प्राप्त लेखांकन विवरण, जानकारी और रिटर्न हमारी लेखा परीक्षा के लिए पर्याप्त पाए गए हैं।

v. हमारी राय में, इस रिपोर्ट में लिए गए उक्त वित्तीय विवरण, लेखांकन मानकों के अनुरूप हैं।

कृते **जेसीआर एंड कं.**
सनदी लेखाकार
फर्म रजिस्ट्रेशन संख्या 105270W

सीए मितेश छेड़ा
पार्टनर
सदस्यता सं. 160688
यूडीआईएन: 21160688AAAAEU2953
मुंबई, 18 मई, 2021

Report on Other Legal and Regulatory Requirements

The Balance Sheet, the Profit and Loss Account and Cash Flow Statement have been drawn up as per Schedules I, II and III of the Exim Bank of India General Regulations, 2020.

We further report that:

i. We have sought and obtained all the information and explanations, which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purpose of our audit and have found them to be satisfactory.

ii. The Balance Sheet, the Statement of Profit and Loss Account and Cash Flow Statement dealt with by this Report are in agreement with Books of Account.

iii. The transactions of the Bank, which have come to our notice, have been within the powers of the Bank.

iv. The accounting statements, information and returns received from the offices and a foreign branch of the Bank have been found adequate for the purposes of our audit.

v. In our opinion, the aforesaid financial statements dealt with by this report comply with the applicable Accounting Standards.

For **JCR & CO.**
Chartered Accountants
Firm Registration No.105270W

CA Mitesh Chheda
PARTNER
Membership No.160688
UDIN: 21160688AAAAEU2953
Mumbai, 18th May, 2021

यथा 31 मार्च, 2021 को तुलन-पत्र

सामान्य निधि

		अनुसूचियां	इस वर्ष (यथा 31.03.2021 को) ₹	गत वर्ष (यथा 31.03.2020 को) ₹
	देयताएं			
1.	पूँजी	I	151,593,663,881	138,593,663,881
2.	आरक्षित निधियां	II	26,543,243,671	24,257,259,181
3.	लाभ और हानि खाता	III	253,900,000	123,900,000
4.	नोट, बॉन्ड एवं डिबेंचर		965,345,341,400	906,280,902,600
5.	देय बिल		-	-
6.	जमा राशियां	IV	2,051,739,943	2,348,776,136
7.	उधार राशियां	V	128,772,977,903	143,067,005,089
8.	चालू देयताएं एवं आकस्मिकताओं हेतु प्रावधान		33,014,055,544	31,337,589,965
9.	अन्य देयताएं		40,441,231,470	62,398,347,751
	योग		**1,348,016,153,812**	**1,308,407,444,603**
	आस्तियां			
1.	नकदी एवं बैंक शेष	VI	144,922,665,318	128,790,544,979
2.	निवेश	VII	100,172,242,817	108,370,660,101
3.	ऋण एवं अग्रिम	VIII	1,024,413,455,089	980,515,012,545
4.	भुनाये गये/पुनः भुनाये गये विनिमय बिल और वचन पत्र	IX	14,100,000,000	13,950,000,000
5.	अचल आस्तियां	X	3,959,149,600	3,729,129,019
6.	अन्य आस्तियां	XI	60,448,640,988	73,052,097,959
	योग		**1,348,016,153,812**	**1,308,407,444,603**
	आकस्मिक देयताएं			
i)	स्वीकृतियां, गारंटियां, परांकन तथा अन्य दायित्व		136,925,745,884	145,486,078,032
ii)	वायदा विनिमय संविदाओं की बकाया राशियों पर		1,504,006,991	4,925,978,657
iii)	हामीदारी वचनबद्धताओं पर		-	-
iv)	अंशतः प्रदत्त निवेशों पर अनाहूत देयताएं		180,035,910	178,542,365
v)	बैंक पर दावे जिन्हें ऋण के रूप में स्वीकार नहीं किया गया है		7,752,500,000	9,408,600,000
vi)	संग्रहण के लिए बिल		-	-
vii)	सहभागिता प्रमाण-पत्रों पर		-	-
viii)	भुनाए गए/पुनः भुनाए गए बिल		-	-
ix)	अन्य राशियां जिनके लिए बैंक आकस्मिक रूप से जिम्मेदार है		5,580,808,626	11,049,905,466
	योग		**151,943,097,411**	**171,049,104,520**

'लेखों पर टिप्पणियां' संलग्न हैं।

बोर्ड के लिए और उनकी ओर से

श्री एन. रमेश
उप प्रबंध निदेशक

सुश्री हर्षा बंगारी
उप प्रबंध निदेशक

श्री डेविड रस्कीना
प्रबंध निदेशक

श्री रजत सच्चर | **श्री के. राजारमन** | **श्री पंकज जैन** | **श्री अमिताभ कुमार**

श्री आर. सुब्रमणियन | **श्री दिनेश कुमार खारा** | **श्री एम. सेंथिलनाथन** | **श्री राजकिरन राय जी.**

श्री ए. एस. राजीव

हमारी सम दिनांक की संलग्न रिपोर्ट के अनुसार
कृते **जेसीआर एंड कंपनी**
सनदी लेखाकार
फर्म रजि. नं. 105270 डब्ल्यू

(सीए मितेश छेड़ा)
पार्टनर
एम. सं. 160688

मुंबई, दिनांकः 18 मई, 2021

BALANCE SHEET AS AT 31ST MARCH, 2021

GENERAL FUND

		Schedules	This year (As at 31.03.2021) ₹	Pervious year (As at 31.03.2020) ₹
	LIABILITIES	**SCHEDULES**		
1.	Capital	I	151,593,663,881	138,593,663,881
2.	Reserves	II	26,543,243,671	24,257,259,181
3.	Profit and Loss Account	III	253,900,000	123,900,000
4.	Notes, Bonds and Debentures		965,345,341,400	906,280,902,600
5.	Bills Payable		-	-
6.	Deposits	IV	2,051,739,943	2,348,776,136
7.	Borrowings	V	128,772,977,903	143,067,005,089
8.	Current Liabilities and Provisions for Contingencies		33,014,055,544	31,337,589,965
9.	Other Liabilities		40,441,231,470	62,398,347,751
	Total		**1,348,016,153,812**	**1,308,407,444,603**
	ASSETS			
1.	Cash and Bank Balances	VI	144,922,665,318	128,790,544,979
2.	Investments	VII	100,172,242,817	108,370,660,101
3.	Loans and Advances	VIII	1,024,413,455,089	980,515,012,545
4.	Bills of Exchange and Promissory Notes Discounted/Rediscounted	IX	14,100,000,000	13,950,000,000
5.	Fixed Assets	X	3,959,149,600	3,729,129,019
6.	Other Assets	XI	60,448,640,988	73,052,097,959
	Total		**1,348,016,153,812**	**1,308,407,444,603**
	CONTINGENT LIABILITIES			
i)	Acceptances, Guarantees, Endorsements and other obligations		136,925,745,884	145,486,078,032
ii)	On outstanding forward exchange contracts		1,504,006,991	4,925,978,657
iii)	On underwriting commitments		-	-
iv)	Uncalled Liability on partly paid investments		180,035,910	178,542,365
v)	Claims on the Bank not acknowledged as debts		7,752,500,000	9,408,600,000
vi)	Bills for collection		-	-
vii)	On participation certificates		-	-
viii)	Bills Discounted/Rediscounted		-	-
ix)	Other monies for which the Bank is contingently liable		5,580,808,626	11,049,905,466
	Total		**151,943,097,411**	**171,049,104,520**

'Notes to Accounts' attached.

For and on behalf of the Board

Shri N. Ramesh
Deputy Managing Director

Ms. Harsha Bangari
Deputy Managing Director

Shri David Rasquinha
Managing Director

Shri Rajat Sachar **Shri K. Rajaraman** **Shri Pankaj Jain** **Shri Amitabh Kumar**

Shri R. Subramanian **Shri Dinesh Kumar Khara** **Shri M. Senthilnathan** **Shri Rajkiran Rai G.**

Shri A. S. Rajeev

As per our attached report of even date
For **JCR & Co.**
Chartered Accountants
Firm Regn. No. 105270W

(CA Mitesh Chheda)
Partner
M. No. 160688

Mumbai, Date : May 18, 2021

31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष के लिए लाभ और हानि लेखा

सामान्य निधि

व्यय	अनुसूचियां	इस वर्ष ₹	गत वर्ष ₹
1. ब्याज		54,181,896,186	62,519,630,086
2. ऋण बीमा, शुल्क एवं प्रभार		736,601,198	573,869,341
3. स्टाफ़ के वेतन, भत्ते आदि और सेवांत लाभ		946,231,917	855,494,692
4. निदेशकों एवं समिति के सदस्यों की फीस तथा व्यय		-	-
5. लेखा परीक्षा की फीस		1,198,100	1,198,100
6. भाड़ा, कर, बिजली और बीमा प्रीमिया		233,717,376	224,564,022
7. संचार विषयक व्यय		50,891,039	51,215,211
8. विधि विषयक व्यय		50,210,455	77,237,262
9. अन्य व्यय	XII	926,601,821	1,563,917,056
10. मूल्यह्रास		401,966,573	350,003,968
11. ऋण हानियों/आकस्मिकताओं, निवेशों पर मूल्यह्रास के लिए प्रावधान		24,671,675,118	17,875,849,648
12. नीचे ले जाया गया लाभ		3,563,241,717	2,437,432,706
योग		**85,764,231,500**	**86,530,412,092**
आयकर के लिए प्रावधान [आस्थगित कर राशि का निवल] ₹ 776,148,307 सहित (गत वर्ष आस्थगित कर राशि ₹ 1,429,270,589 सहित)		1,023,357,227	1,198,945,128
तुलन-पत्र में अंतरित शेष लाभ		2,539,884,490	1,238,487,578
		3,563,241,717	**2,437,432,706**
आय			
1. ब्याज और बट्टा	XIII	79,798,063,740	82,463,660,553
2. विनिमय, कमीशन, ब्रोकरेज और फीस		2,501,882,725	2,321,411,488
3. अन्य आय	XIV	3,464,285,035	1,745,340,051
योग		**85,764,231,500**	**86,530,412,092**
नीचे लाया गया लाभ		3,563,241,717	2,437,432,706
पूर्ववर्ती वर्षों की आधिक्य आय/ब्याज-कर प्रावधान का प्रतिलेखन		-	-
		3,563,241,717	**2,437,432,706**

'लेखों पर टिप्पणियां' संलग्न हैं।

बोर्ड के लिए और उनकी ओर से

श्री एन. रमेश
उप प्रबंध निदेशक

सुश्री हर्षा बंगारी
उप प्रबंध निदेशक

श्री डेविड रस्कीना
प्रबंध निदेशक

श्री रजत सच्चर | **श्री के. राजारमन** | **श्री पंकज जैन** | **श्री अमिताभ कुमार**

श्री आर. सुब्रमणियन | **श्री दिनेश कुमार खारा** | **श्री एम. सेंथिलनाथन** | **श्री राजकिरन राय जी.**

श्री ए. एस. राजीव

हमारी सम दिनांक की संलग्न रिपोर्ट के अनुसार
कृते **जेसीआर एंड कंपनी**
सनदी लेखाकार
फर्म रजि. नं. 105270 डब्ल्यू

(सीए मितेश छेड़ा)
पार्टनर
एम. सं. 160688

मुंबई, दिनांकः 18 मई, 2021

PROFIT AND LOSS ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31ST MARCH, 2021

GENERAL FUND

EXPENDITURE	SCHEDULES	This year ₹	Previous year ₹
1. Interest		54,181,896,186	62,519,630,086
2. Credit Insurance, Fees and Charges		736,601,198	573,869,341
3. Staff Salaries, Allowances, etc. and Terminal Benefits		946,231,917	855,494,692
4. Directors' and Committee Members' Fees and Expenses		-	-
5. Audit Fees		1,198,100	1,198,100
6. Rent, Taxes, Electricity and Insurance Premia		233,717,376	224,564,022
7. Communication Expenses		50,891,039	51,215,211
8. Legal Expenses		50,210,455	77,237,262
9. Other Expenses	XII	926,601,821	1,563,917,056
10. Depreciation		401,966,573	350,003,968
11. Provision for loan losses/contingencies, depreciation on investments		24,671,675,118	17,875,849,648
12. Profit carried down		3,563,241,717	2,437,432,706
Total		**85,764,231,500**	**86,530,412,092**
Provision for Income Tax [Net of Deferred tax] ₹ 776,148,307 (previous year - including deferred tax of ₹ 1,429,270,589)		1,023,357,227	1,198,945,128
Balance of Profit transferred to Balance Sheet		2,539,884,490	1,238,487,578
		3,563,241,717	**2,437,432,706**
INCOME			
1. Interest and Discount	XIII	79,798,063,740	82,463,660,553
2. Exchange, Commission, Brokerage and Fees		2,501,882,725	2,321,411,488
3. Other Income	XIV	3,464,285,035	1,745,340,051
Total		**85,764,231,500**	**86,530,412,092**
Profit brought down		3,563,241,717	2,437,432,706
Excess Income/Interest tax provision of earlier years written back		-	-
		3,563,241,717	**2,437,432,706**

'Notes to Accounts' attached.

For and on behalf of the Board

Shri N. Ramesh
Deputy Managing Director

Ms. Harsha Bangari
Deputy Managing Director

Shri David Rasquinha
Managing Director

Shri Rajat Sachar

Shri K. Rajaraman

Shri Pankaj Jain

Shri Amitabh Kumar

Shri R. Subramanian

Shri Dinesh Kumar Khara

Shri M. Senthilnathan

Shri Rajkiran Rai G.

Shri A. S. Rajeev

As per our attached report of even date
For **JCR & Co.**
Chartered Accountants
Firm Regn. No. 105270W

(CA Mitesh Chheda)
Partner
M. No. 160688

Mumbai, Date : May 18, 2021

तुलन-पत्र की अनुसूचियां

सामान्य निधि

	इस वर्ष (यथा 31.03.2021 को) ₹	गत वर्ष (यथा 31.03.2020 को) ₹
अनुसूची I: पूँजी:		
1. प्राधिकृत	200,000,000,000	200,000,000,000
2. निर्गमित एवं प्रदत्तः (केंद्र सरकार द्वारा पूर्णतः अभिदत्त)	151,593,663,881	138,593,663,881
अनुसूची II: आरक्षित निधियां:		
1. आरक्षित निधि	9,008,628,207	8,470,943,717
2. सामान्य आरक्षित राशियां	-	-
3. अन्य आरक्षित राशियां:		
निवेश उतार-चढ़ाव आरक्षित निधि	1,939,296,400	190,996,400
ऋण शोधन निधि (ऋण-व्यवस्थाएं)	1,955,319,064	1,955,319,064
4. आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 36(1) (viii) के अधीन विशेष आरक्षित राशि	13,640,000,000	13,640,000,000
	26,543,243,671	**24,257,259,181**
अनुसूची III: लाभ और हानि लेखा:		
1. परिशिष्ट में उल्लिखित लेखों के अनुसार शेष	2,539,884,490	1,238,487,578
2. घटाएं: विनियोजनः		
- आरक्षित निधि को अंतरित	537,684,490	923,591,178
- निवेश उतार-चढ़ाव आरक्षित निधि को अंतरित	1,748,300,000	190,996,400
- ऋण शोधन निधि को अंतरित	-	-
- आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 36(1) (viii) के अधीन विशेष आरक्षित निधि को अंतरित	-	-
3. निवल लाभ का शेष (एक्ज़िम बैंक अधिनियम, 1981 की धारा 23 (2) के अनुसार केंद्र सरकार को अंतरणीय)	-	-
	253,900,000	**123,900,000**
अनुसूची IV: जमा राशियां:		
(क) भारत में	2,051,739,943	2,348,776,136
(ख) भारत के बाहर	-	-
	2,051,739,943	**2,348,776,136**

SCHEDULES TO THE BALANCE SHEET

GENERAL FUND

	This year (As at 31.03.2021) ₹	Previous year (As at 31.03.2020) ₹
Schedule I: Capital:		
1. Authorised	200,000,000,000	200,000,000,000
2. Issued and Paid-up: (Wholly subscribed by the Central Government)	151,593,663,881	138,593,663,881
Schedule II: Reserves:		
1. Reserve Fund	9,008,628,207	8,470,943,717
2. General Reserve	-	-
3. Other Reserves:		
Investment Fluctuation Reserve	1,939,296,400	190,996,400
Sinking Fund (Lines of Credit)	1,955,319,064	1,955,319,064
4. Special Reserve u/s 36(1)(viii) of the Income Tax Act,1961	13,640,000,000	13,640,000,000
	26,543,243,671	**24,257,259,181**
Schedule III: Profit and Loss Account:		
1. Balance as per annexed accounts	2,539,884,490	1,238,487,578
2. Less: Appropriations:		
- Transferred to Reserve Fund	537,684,490	923,591,178
- Transferred to Investment Fluctuation Reserve	1,748,300,000	190,996,400
- Transferred to Sinking Fund	-	-
- Transferred to Special Reserve u/s 36(1)(viii) of the Income Tax Act,1961	-	-
3. Balance of the net profits (Transferable to the Central Government in terms of Section 23(2) of the Exim Bank Act,1981)	-	-
	253,900,000	**123,900,000**
Schedule IV: Deposits:		
(a) In India	2,051,739,943	2,348,776,136
(b) Outside India	-	-
	2,051,739,943	**2,348,776,136**

	इस वर्ष (यथा 31.03.2021 को) ₹	गत वर्ष (यथा 31.03.2020 को) ₹
अनुसूची V: उधार राशियां:		
1. भारतीय रिज़र्व बैंक से:		
(क) न्यासी प्रतिभूतियों पर	-	-
(ख) विनिमय बिलों पर	-	-
(ग) राष्ट्रीय औद्योगिक ऋण (दीर्घावधि परिचालन) निधि से	-	-
2. भारत सरकार से	-	-
3. अन्य स्रोतों से:		
(क) भारत में	-	33,499,037,358
(ख) भारत के बाहर	128,772,977,903	109,567,967,731
	128,772,977,903	**143,067,005,089**
अनुसूची VI: नकदी एवं बैंक में शेष:		
1. हाथ में नकदी	1,482,382	609,591
2. भारतीय रिज़र्व बैंक में शेष	191,813,444	3,008,861,307
3. अन्य बैंकों में शेष:		
(क) भारत में		
i) चालू खातों में	6,743,703,578	4,916,751,451
ii) अन्य जमा खातों में	21,000,000,000	30,000,000,000
(ख) भारत के बाहर	111,088,386,576	90,864,322,630
4. मांग और अल्प सूचना पर प्रतिदेय राशि/ सीबीएलओ/ट्रेप्स के अंतर्गत ऋण	5,897,279,338	-
	144,922,665,318	**128,790,544,979**

	This year (As at 31.03.2021) ₹	Previous year (As at 31.03.2020) ₹
Schedule V: Borrowings:		
1. From Reserve Bank of India:		
a) Against Trustee Securities	-	-
b) Against Bills of Exchange	-	-
c) Out of the National Industrial Credit (Long Term Operations) Fund	-	-
2. From Government of India	-	-
3. From Other Sources:		
a) In India	-	33,499,037,358
b) Outside India	128,772,977,903	109,567,967,731
	128,772,977,903	**143,067,005,089**

	This year (As at 31.03.2021) ₹	Previous year (As at 31.03.2020) ₹
Schedule VI: Cash and Bank Balances:		
1. Cash in Hand	1,482,382	609,591
2. Balance with Reserve Bank of India	191,813,444	3,008,861,307
3. Balances with other Banks:		
a) In India		
i) In current accounts	6,743,703,578	4,916,751,451
ii) In other deposit accounts	21,000,000,000	30,000,000,000
b) Outside India	111,088,386,576	90,864,322,630
4. Money at call and short notice/ ending under CBLO/TREPS	5,897,279,338	-
	144,922,665,318	**128,790,544,979**

	इस वर्ष (यथा 31.03.2021 को) ₹	गत वर्ष (यथा 31.03.2020 को) ₹
अनुसूची VII: निवेश:		
(मूल्य में ह्रास का निवल, यदि कोई है)		
1. केन्द्र और राज्य सरकारों की प्रतिभूतियां	93,573,740,000	88,161,170,750
2. इक्विटी शेयर और स्टॉक	1,734,555,661	1,395,373,789
3. अधिमानी शेयर एवं स्टॉक	-	-
4. नोट, डिबेंचर एवं बॉन्ड	4,863,947,156	6,284,092,933
5. अन्य	-	12,530,022,629
	100,172,242,817	**108,370,660,101**
अनुसूची VIII: ऋण एवं अग्रिम:		
1. विदेशी सरकारें	478,222,803,060	466,728,007,276
2. बैंक:		
(क) भारत में	93,159,800,000	33,844,251,000
(ख) भारत के बाहर	1,090,304,683	907,980,000
3. वित्तीय संस्थाएं:		
(क) भारत में	-	-
(ख) भारत के बाहर	50,921,812,932	50,754,924,226
4. अन्य	401,018,734,414	428,279,850,043
	1,024,413,455,089	**980,515,012,545**
अनुसूची IX: भुनाये गये/पुनः भुनाये गये विनिमय बिल और वचन-पत्र:		
(क) भारत में	14,100,000,000	13,950,000,000
(ख) भारत के बाहर	-	-
	14,100,000,000	**13,950,000,000**

	This year (As at 31.03.2021) ₹	Previous year (As at 31.03.2020) ₹
Schedule VII: Investments: (net of diminution in value, if any)		
1. Securities of Central and State Governments	93,573,740,000	88,161,170,750
2. Equity Shares and Stocks	1,734,555,661	1,395,373,789
3. Preference Shares and Stocks	-	-
4. Notes, Debentures and Bonds	4,863,947,156	6,284,092,933
5. Others	-	12,530,022,629
	100,172,242,817	**108,370,660,101**
Schedule VIII: Loans and Advances:		
1. Foreign Governments	478,222,803,060	466,728,007,276
2. Banks:		
a) In India	93,159,800,000	33,844,251,000
b) Outside India	1,090,304,683	907,980,000
3. Financial Institutions:		
a) In India	-	-
b) Outside India	50,921,812,932	50,754,924,226
4. Others	401,018,734,414	428,279,850,043
	1,024,413,455,089	**980,515,012,545**
Schedule IX: Bills of Exchange and Promissory Notes Discounted/ Rediscounted:		
a) In India	14,100,000,000	13,950,000,000
b) Outside India	-	-
	14,100,000,000	**13,950,000,000**

	इस वर्ष (यथा 31.03.2021 को) ₹	गत वर्ष (यथा 31.03.2020 को) ₹
अनुसूची X: अचल आस्तियां:		
(लागत पर मूल्यह्रास घटाकर)		
1. परिसर		
सकल राशि (आगे लाई गई)	4,767,405,894	3,115,385,721
वर्ष के दौरान परिवर्द्धन	352,677,924	1,652,020,173
वर्ष के दौरान निपटान	-	-
वर्ष के अंत में सकल राशि	5,120,083,818	4,767,405,894
संचित ह्रास	1,477,013,450	1,245,139,947
निवल राशि	3,643,070,368	3,522,265,947
2. अन्य		
सकल राशि (आगे लाई गई)	1,185,896,824	1,051,414,176
वर्ष के दौरान परिवर्द्धन	281,394,653	151,634,962
वर्ष के दौरान निपटान	34,830,444	17,152,408
वर्ष के अंत में सकल राशि	1,432,461,033	1,185,896,730
संचित ह्रास	1,116,381,801	979,033,658
निवल राशि	316,079,232	206,863,072
	3,959,149,600	**3,729,129,019**

	इस वर्ष (यथा 31.03.2021 को) ₹	गत वर्ष (यथा 31.03.2020 को) ₹
अनुसूची XI: अन्य आस्तियां:		
1. निम्नलिखित पर उपचित ब्याज:		
(क) निवेशों/बैंक जमाओं पर	11,377,940,070	8,654,668,858
(ख) ऋण एवं अग्रिम	6,026,583,840	21,960,025,806
2. विविध पक्षों के पास जमा राशियां	57,572,733	57,806,538
3. प्रदत्त अग्रिम आयकर (निवल)	4,588,507,286	7,200,365,035
4. अन्य [आस्थगित कर आस्तियों सहित ₹ 30,557,999,846 (गत वर्ष ₹ 31,334,148,153)]	38,398,037,059	35,179,231,722
	60,448,640,988	**73,052,097,959**

	इस वर्ष (यथा 31.03.2021 को) ₹	गत वर्ष (यथा 31.03.2020 को) ₹
अनुसूची XII: अन्य व्यय:		
1. निर्यात संवर्धन व्यय	4,885,349	19,712,035
2. डाटा प्रोसेसिंग पर और संबद्ध व्यय	4,967,419	1,282,721
3. मरम्मत और रखरखाव	300,311,862	239,923,903
4. मुद्रण और लेखन सामग्री	6,612,095	10,105,161
5. अन्य	609,825,096	1,292,893,236
	926,601,821	**1,563,917,056**

	This year (As at 31.03.2021) ₹	Previous year (As at 31.03.2020) ₹
Schedule X: Fixed Assets:		
(At cost less depreciation)		
1. Premises		
Gross Block b/f	4,767,405,894	3,115,385,721
Additions during the year	352,677,924	1,652,020,173
Disposals during the year	-	-
Gross Block as at the end of the year	5,120,083,818	4,767,405,894
Accumulated Depreciation	1,477,013,450	1,245,139,947
Net Block	3,643,070,368	3,522,265,947
2. Others		
Gross Block b/f	1,185,896,824	1,051,414,176
Additions during the year	281,394,653	151,634,962
Disposals during the year	34,830,444	17,152,408
Gross Block as at the end of the year	1,432,461,033	1,185,896,730
Accumulated Depreciation	1,116,381,801	979,033,658
Net Block	316,079,232	206,863,072
	3,959,149,600	**3,729,129,019**
Schedule XI: Other Assets:		
1. Accrued interest on:		
a) investments/bank balances	11,377,940,070	8,654,668,858
b) loans and advances	6,026,583,840	21,960,025,806
2. Deposits with sundry parties	57,572,733	57,806,538
3. Advance Income Tax paid (net)	4,588,507,286	7,200,365,035
4. Others [including Deferred tax asset of ₹ 30,557,999,846 (previous year ₹ 31,334,148,153)]	38,398,037,059	35,179,231,722
	60,448,640,988	**73,052,097,959**
Schedule XII: Other Expenses:		
1. Export Promotion Expenses	4,885,349	19,712,035
2. Expenses on and related to Data Processing	4,967,419	1,282,721
3. Repairs and Maintenance	300,311,862	239,923,903
4. Printing and Stationery	6,612,095	10,105,161
5. Others	609,825,096	1,292,893,236
	926,601,821	**1,563,917,056**

	इस वर्ष (यथा 31.03.2021 को) ₹	गत वर्ष (यथा 31.03.2020 को) ₹
अनुसूची XIII: ब्याज एवं बट्टाः		
1. ऋणों और अग्रिमों/बिलों की भुनाई/पुनर्भुनाई पर ब्याज और बट्टा	43,788,660,137	54,506,029,521
2. निवेशों/बैंक शेष राशियों पर आय	36,009,403,603	27,957,631,032
	79,798,063,740	**82,463,660,553**
अनुसूची XIV: अन्य आय:		
1. निवेशों की बिक्री/पुनर्मूल्यांकन पर निवल लाभ	2,715,922,640	1,364,165,845
2. भूमि, भवन और अन्य आस्तियों की बिक्री पर निवल लाभ	(81,867)	1,425,973
3. अन्य	748,444,262	379,748,233
	3,464,285,035	**1,745,340,051**

टिप्पणीः

'देयताओं' [अनुसूची IV (क) देखिए] के अंतर्गत 18.76 मिलियन यूएस डॉलर की 'ऑन शोर' विदेशी मुद्रा जमा राशियां (गत वर्ष 24.50 मिलियन यूएस डॉलर) शामिल हैं जो प्रतिपक्षी पार्टी बैंकों/संस्थाओं द्वारा एक्ज़िम बैंक के पास रेसीप्रोकल रुपया जमा/बॉन्डों के पेटे रखी गई हैं। 'आस्तियों' के अंतर्गत निवेश में [अनुसूची VII 4. देखिए] कुल ₹ 0.86 बिलियन (गत वर्ष ₹ 1.12 बिलियन) की बॉन्ड राशि शामिल है, जो स्वॉप्स के चलते है।

	This year (As at 31.03.2021) ₹	Previous year (As at 31.03.2020 ₹
Schedule XIII: Interest and Discount:		
1. Interest and Discount on loans and advances/bills discounted/ rediscounted	43,788,660,137	54,506,029,521
2. Income on Investments/bank balances	36,009,403,603	27,957,631,032
	79,798,063,740	**82,463,660,553**
Schedule XIV: Other Income:		
1. Net Profit on sale/revaluation of investments	2,715,922,640	1,364,165,845
2. Net Profit on sale of land, buildings and other assets	(81,867)	1,425,973
3. Others	748,444,262	379,748,233
	3,464,285,035	**1,745,340,051**

Note:

Deposits under 'Liabilities' [ref. Schedule IV (a)] include `on shore' foreign currency deposits aggregating US$ 18.76 million (Previous year US$ 24.50 million) kept by counter party banks / institutions with Exim Bank against reciprocal rupee deposits/ bonds. Investments under `Assets' [ref. Schedule VII 4.] include bonds aggregating ₹ 0.86 billion (Previous year ₹ 1.12 billion) on account of swaps.

31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष के लिए नकदी प्रवाह विवरणी

राशि (₹ मिलियन में)

विवरण	वर्ष समाप्ति 31 मार्च, 2021 (लेखा परीक्षित)	वर्ष समाप्ति 31 मार्च, 2020 (लेखा परीक्षित)
परिचालनगत कार्यकलापों से नकदी प्रवाह		
कर पूर्व निवल लाभ/(हानि) और असाधारण मदें	3,563.2	2,437.4
निम्नलिखित के लिए समायोजन:		
- अचल आस्तियों की बिक्री से (लाभ)/हानि (निवल)	0.1	(1.4)
- निवेशों की बिक्री से (लाभ)/हानि (निवल)	(2,715.9)	(1,364.2)
- मूल्यह्रास	402.0	350.0
- बट्टे में डाले गए बॉन्ड निर्गमों पर छूट/व्यय	224.0	180.9
- निवेश उतार-चढ़ाव आरक्षित लेखे से अंतर	-	-
- ऋणों/निवेशों एवं अन्य प्रावधानों के लिए प्रावधान/बट्टे खाते डालना	24,671.7	17,875.8
- अन्य उल्लेख करें	-	-
	26,145.1	**19,478.6**
निम्नलिखित के लिए समायोजन:		
- अन्य आस्तियां	(41,656.5)	(587.4)
- चालू देयताएं	(45,233.8)	(2,677.3)
परिचालनों से नकदी निर्माण	**(60,745.3)**	**16,213.9**
आय कर/ब्याज कर का भुगतान	53,991.7	1,089.8
परिचालनगत कार्यकलापों से निवल नकदी प्रवाह (क)	**(6,753.6)**	**17,303.6**
निवेशगत कार्यकलापों से नकदी प्रवाह		
- अचल आस्तियों की निवल खरीद	(632.1)	(1,800.3)
- निवेशों में निवल परिवर्तन	10,914.3	(13,732.6)
निवेशगत कार्यकलापों में उपयोग की गयी/से अर्जित निवल नकदी (ख)	**10,282.3**	**(15,532.9)**
वित्तपोषण कार्यकलापों से नकदी प्रवाह		
- प्राप्त इक्विटी पूँजी	13,000.0	15,000.0
- लिए गए ऋण (चुकौती घटाकर)	43,775.8	128,275.5
- दिए गए ऋण, बिलों की भुनाई और पुनर्भुनाई (प्राप्त चुकौती घटाकर)	(44,048.4)	(58,293.5)
- इक्विटी शेयरों पर लाभांश तथा लाभांश पर कर (केन्द्र सरकार को अंतरित निवल लाभ अधिशेष)	(123.9)	(81.7)
वित्तीय कार्यकलापों में प्रयुक्त/से अर्जित निवल नकदी प्रवाह (ग)	**12,603.5**	**84,900.3**
नकदी और नकद समतुल्य में निवल वृद्धि/(गिरावट) (क+ख+ग)	**16,132.1**	**86,671.0**
प्रारंभिक नकदी एवं समतुल्य	128,790.5	42,119.5
अंतिम नकदी एवं समतुल्य	144,922.7	128,790.5

बोर्ड के लिए और उनकी ओर से

श्री एन. रमेश
उप प्रबंध निदेशक

सुश्री हर्षा बंगारी
उप प्रबंध निदेशक

श्री डेविड रस्कीना
प्रबंध निदेशक

श्री रजत सच्चर **श्री के. राजारमन** **श्री पंकज जैन** **श्री अमिताभ कुमार**

श्री आर. सुब्रमणियन **श्री दिनेश कुमार खारा** **श्री एम. सेंथिलनाथन** **श्री राजकिरन राय जी.**

श्री ए. एस. राजीव

हमारी सम दिनांक की संलग्न रिपोर्ट के अनुसार
कृते **जेसीआर एंड कंपनी**
सनदी लेखाकार
फर्म रजि. नं. 105270 डब्ल्यू

(सीए मितेश छेड़ा)
पार्टनर
एम. सं. 160688

मुंबई, दिनांकः 18 मई, 2021

CASH FLOW STATEMENT FOR THE YEAR ENDED MARCH 31, 2021

Amount (₹ million)

Particulars	Year ended March 31, 2021 (Audited)	Year ended March 31, 2020 (Audited)
CASH FLOW FROM OPERATING ACTIVITIES		
Net Profit/(Loss) before tax and extra-ordinary items	3,563.2	2,437.4
Adjustments for:		
- (Profit)/Loss on sale of Fixed Assets (Net)	0.1	(1.4)
- (Profit)/Loss on sale of Investments (Net)	(2,715.9)	(1,364.2)
- Depreciation	402.0	350.0
- Discount/Expenses on bond issues written off	224.0	180.9
- Transfer from Investment Fluctuation Reserve	-	-
- Provisions/Write Off of Loans/Investments and other provisions	24,671.7	17,875.8
- Others - to specify	-	-
	26,145.1	**19,478.6**
Adjustments for:		
- Other Assets	(41,656.5)	(587.4)
- Current Liabilities	(45,233.8)	(2,677.3)
CASH GENERATED FROM OPERATIONS	**(60,745.3)**	**16,213.9**
Payment of income tax/interest tax	53,991.7	1,089.8
NET CASH FLOW FROM OPERATING ACTIVITIES (A)	**(6,753.6)**	**17,303.6**
CASH FLOW FROM INVESTING ACTIVITIES		
- Net purchase of fixed assets	(632.1)	(1,800.3)
- Net change in investments	10,914.3	(13,732.6)
NET CASH USED IN/RAISED FROM INVESTING ACTIVITIES (B)	**10,282.3**	**(15,532.9)**
CASH FLOW FROM FINANCING ACTIVITIES		
- Equity capital infusion	13,000.0	15,000.0
- Loans borrowed (net of repayments made)	43,775.8	128,275.5
- Loans lent, bills discounted and rediscounted (net of repayments received)	(44,048.4)	(58,293.5)
- Dividend on equity shares and tax on dividend (Balance of Net profits transferred to Central Government)	(123.9)	(81.7)
NET CASH USED IN/RAISED FROM FINANCING ACTIVITIES (C)	**12,603.5**	**84,900.3**
NET INCREASE/(DECREASE) IN CASH AND CASH EQUIVALENTS (A+B+C)	**16,132.1**	**86,671.0**
OPENING CASH AND CASH EQUIVALENTS	128,790.5	42,119.5
CLOSING CASH AND CASH EQUIVALENTS	144,922.7	128,790.5

For and on behalf of the Board

Shri N. Ramesh
Deputy Managing Director

Ms. Harsha Bangari
Deputy Managing Director

Shri David Rasquinha
Managing Director

Shri Rajat Sachar | **Shri K. Rajaraman** | **Shri Pankaj Jain** | **Shri Amitabh Kumar**

Shri R. Subramanian | **Shri Dinesh Kumar Khara** | **Shri M. Senthilnathan** | **Shri Rajkiran Rai G.**

Shri A. S. Rajeev

As per our attached report of even date
For **JCR & Co.**
Chartered Accountants
Firm Regn. No. 105270W

(CA Mitesh Chheda)
Partner
M. No. 160688

Mumbai, Date : May 18, 2021

महत्त्वपूर्ण लेखा नीतियां एवं लेखों पर टिप्पणियां

I. महत्त्वपूर्ण लेखा नीतियां

i) वित्तीय विवरण

क) तैयारी का आधार

भारतीय निर्यात–आयात बैंक (एक्ज़िम बैंक) का तुलन–पत्र तथा लाभ और हानि लेखा (सामान्य निधि एवं निर्यात विकास कोष), भारत में प्रचलित लेखा सिद्धांतों के अनुसार तैयार किए गए हैं। वित्तीय विवरण जब तक अन्यथा उल्लिखित न हो ऐतिहासिक लागत पद्धति के तहत तैयार किए गए हैं। बैंक द्वारा अपनाई गई लेखा नीतियां गत वर्ष प्रयोग की गई लेखा नीतियों के अनुरूप हैं। एक्ज़िम बैंक का तुलन–पत्र तथा लाभ और हानि लेखा भारतीय निर्यात–आयात बैंक सामान्य विनियमावली, 2020 में दिए गए अनुसार तैयार किए गए हैं, जिसे भारतीय निर्यात–आयात बैंक अधिनियम, 1981 (1981 का 28) की धारा 39(2) के अधीन भारत सरकार के पूर्व अनुमोदन से निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित किया गया है। भारतीय रिज़र्व बैंक के मास्टर निर्देश डीबीआर.एफआईडी. सं. 108/01.02.000/2015-16, दिनांकित 23 जून, 2016 में अपेक्षित अनुसार कतिपय महत्त्वपूर्ण वित्तीय अनुपात/आंकड़े, ''लेखों पर टिप्पणियां'' के खंड के रूप में दर्शाए गए हैं।

ख) आकलन का प्रयोग

वित्तीय विवरणों को स्वीकृत मानक लेखा सिद्धांतों के अनुसार तैयार किया गया है और इन्हें तैयार करने के लिए प्रबंधन को वित्तीय विवरणों और रिपोर्ट की जाने वाली अवधि तक के लिए आय एवं व्यय की तारीख को आस्तियों, देयताओं और प्रावधानों (आकस्मिक देयताओं सहित) की रिपोर्ट की गई राशि में कुछ आकलन और पूर्वानुमान करने पड़ते हैं। वित्तीय विवरणों को तैयार करने के लिए प्रयोग किए गए ये आकलन प्रबंधन की राय में विवेकसम्मत और तार्किक हैं।

ii) राजस्व की गणना

अनर्जक आस्तियों/अनर्जक निवेशों और ''दबावग्रस्त आस्तियों'' पर ब्याज, एसडीआर के अंतर्गत ऋणों पर ब्याज शुल्क आय, कमीशन, वचनबद्धता प्रभार और लाभांश जिन्हें नकदी आधार पर हिसाब में लिया जाता है, को छोड़कर आय/व्यय का निर्धारण उपचय आधार पर किया गया है। अनर्जक आस्तियों का निर्धारण अखिल भारतीय वित्तीय संस्थाओं हेतु भारतीय रिज़र्व बैंक के दिशानिर्देशों के अनुरूप किया गया है। एक्ज़िम बैंक के बॉन्डों पर दिया जाने वाला बट्टा/मोचन प्रीमियम बॉन्ड की अवधि के दौरान परिशोधित किया गया है और ब्याज व्यय में शामिल किया गया है।

iii) आस्ति वर्गीकरण और प्रावधानीकरण

तुलन–पत्र में दर्शायी गई ऋण और अग्रिम राशियों में अनर्जक आस्तियों हेतु प्रावधानों को घटाकर सिर्फ मूलधन बकाया राशियां शामिल हैं। प्राप्य ब्याज को ''अन्य आस्तियों'' में समूहित किया गया है।

ऋण चुकौती और वसूली हेतु कोलैटरल सिक्योरिटी पर निर्भरता के अनुसार ऋण आस्तियों को निम्नलिखित समूहों में वर्गीकृत किया गया है: मानक आस्तियां, अवमानक आस्तियां, संदिग्ध आस्तियां और हानि आस्तियां। ऋण आस्तियों का वर्गीकरण एवं प्रावधानीकरण भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा अखिल भारतीय वित्तीय संस्थाओं को जारी किए गए मार्गदर्शी सिद्धांतों के अनुरूप किया गया है।

SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES AND NOTES TO ACCOUNTS

I. SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES

i) Financial Statements

a) Basis of preparation

The Balance Sheet and Profit and Loss account of Export-Import Bank of India (Exim Bank) (General Fund and Export Development Fund) have been prepared in accordance with the accounting principles followed in India. The financial statements have been prepared under the historical cost convention on an accrual basis unless otherwise stated. The accounting policies that are applied by the Bank are consistent with those used in the previous year. The form and manner in which the Balance Sheet and the Profit and Loss Account of Exim Bank are prepared have been provided in the Export-Import Bank of India, General Regulations, 2020 approved by the Board of Directors with the previous approval of Government of India under Section 39 (2) of Export-Import Bank of India Act, 1981 (28 of 1981). Certain important financial ratios / data are disclosed as part of the "Notes to Accounts" in terms of Reserve Bank of India (RBI) Master Direction DBR.FID.No.108/ 01.02.000/2015-16 dated June 23, 2016.

b) Use of estimates

The preparation of financial statements in conformity with accepted accounting principles requires the management to make estimates and assumptions considered in the reported amount of assets and liabilities and provisions (including contingent liabilities) as of the date of the financial statements and the reported income and expenses for the reporting period. The management believes that the estimates used in the preparation of the financial statements are prudent and reasonable.

ii) Revenue Recognition

Income/Expenditure is recognised on accrual basis except in respect of interest on Non–performing Assets (NPA) / Non-performing Investments and "Stressed Assets", interest on loans under Strategic Debt Restructuring, fee income, commission, commitment charges and dividend which are accounted on cash basis. NPAs are determined as per RBI guidelines issued to All-India Financial Institutions. Discount/ redemption premium offered on Exim Bank Bonds has been amortised over the tenure of the bond and included in interest expenses.

iii) Asset Classification and Provisioning

Loans and Advances shown in Balance Sheet comprise only principal outstanding net of provisions for Non-Performing Assets (NPA). Interest receivables are grouped under "Other Assets".

Loan Assets are classified into the following groups: Standard Assets, Sub-standard Assets, Doubtful Assets and Loss Assets, taking into consideration the degree of credit weaknesses and extent of dependence on collateral security for realisation of dues. Classification of loan assets and provisioning are as per RBI guidelines issued to All-India Financial Institutions.

iv) निवेश

संपूर्ण निवेश-पोर्टफोलियो को तीन श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है:

क) ''परिपक्वता तक धारित''(परिपक्वता तक रखने के इरादे से अर्जित प्रतिभूतियां),

ख) ''क्रय-विक्रय के लिए धारित'' (प्रतिभूतियां इस इरादे से अर्जित की जाती हैं कि अल्पावधि मूल्य/ब्याज दर में होने वाले उतार-चढ़ावों आदि का लाभ उठाकर उनका क्रय-विक्रय किया जाए) और

ग) ''बिक्री के लिए उपलब्ध'' (शेष निवेश)।

निवेशों को निम्नलिखित रूप में पुनः वर्गीकृत किया गया है:

i) सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश

ii) अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियों में निवेश

iii) शेयरों में निवेश

iv) डिबेंचर और बॉन्ड में निवेश

v) सहायक कंपनियों/संयुक्त उपक्रमों में निवेश

vi) अन्य (वाणिज्यिक-पत्र, म्युचुअल फंड इकाइयों आदि में) निवेश

निवेशों के विभिन्न लिखतों का वर्गीकरण, श्रेणीकरण, श्रेणियों के बीच परिवर्तन, मूल्य निर्धारण और निवेशों का प्रावधान भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा अखिल भारतीय वित्तीय संस्थाओं के लिए निर्धारित किए गए मानदंडों के अनुसार किया गया है।

v) अचल आस्तियां तथा मूल्यह्रास

क) अचल आस्तियों को संचित मूल्यह्रास घटाकर परंपरागत लागत अर्जन के समय मूल लागत पर दर्शाया गया है।

ख) मूल्यह्रास का प्रावधान सीधी रेखा पद्धति के आधार पर निम्नलिखित दरों पर किया गया है:

आस्ति	मूल्यह्रास दर
स्वामित्व वाले भवन	5%
फर्नीचर एवं फिक्सचर	25%
कार्यालय उपकरण	25%
अन्य इलेक्ट्रिकल उपकरण	25%
कम्प्यूटर व कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर	25%
मोटर वाहन	25%
मोबाइल फोन व अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों पर मूल्यह्रास प्रौद्योगिकी के पुराने होने के आधार पर लिया गया है	33.33%

ग) वर्ष के दौरान अर्जित आस्तियों के संबंध में, मूल्यह्रास खरीद वर्ष में समूचे वर्ष के लिए प्रदान किया गया है तथा वर्ष के दौरान बेची गई आस्तियों के संबंध में बिक्री वर्ष में कोई मूल्यह्रास नहीं किया गया है।

घ) जहां किसी अवक्षयी आस्ति को बेच दिया गया है, त्याग दिया गया है, ढहा दिया गया है अथवा नष्ट कर दिया गया है, ऐसी स्थिति में निवल अधिशेष या कमी को लाभ और हानि लेखे में समायोजित किया गया है।

iv) Investments

The entire investment portfolio is classified under three categories:

a) "Held to Maturity" (the securities acquired with the intention to hold them to maturity),

b) "Held for Trading" (the securities acquired with the intention to trade by taking advantage of the short term price/interest rate movements, etc.) and

c) "Available for Sale" (the balance investments).

The investments are further classified as:

i) Government securities

ii) Other approved securities

iii) Shares

iv) Debentures and Bonds

v) Subsidiaries/Joint Ventures

vi) Others (Commercial Papers, Mutual Fund Units, etc.)

The classification of various instruments of investments, categorisation, shifting among categories, valuation and provisioning of investments are done in accordance with the norms laid down by RBI for All-India Financial Institutions.

v) Fixed Assets and Depreciation

a) Fixed Assets are stated at historical cost less accumulated depreciation.

b) Depreciation is provided for on straight-line method basis at the following rates:

Asset	Depreciation Rate
Owned Buildings	5%
Furniture and Fixtures	25%
Office Equipments	25%
Other Electrical Equipments	25%
Computers and Computer Software	25%
Motor Vehicles	25%
Mobile Phones and other electronic items subject to rapid technological obsolescence	33.33%

c) In respect of assets acquired during the year, depreciation is provided for the entire year in the year of purchase and in respect of assets sold during the year, no depreciation is provided in the year of sale.

d) When a depreciable asset is disposed off, discarded, demolished or destroyed, the net surplus or deficit is adjusted in the Profit and Loss Account.

vi) ह्रास

आस्तियों के रख-रखाव की राशि को हर तुलन-पत्र की तारीख को आंतरिक अथवा बाह्य कारणों से आस्ति के मूल्य में हुए ह्रास के लिए प्रावधान अथवा गत अवधियों में हुई ह्रास हानियों यथा लागू के प्रावधानों को रिवर्स करने के लिए पुनरीक्षित किया गया है। ह्रास हानि तब होती है जब किसी आस्ति की वहन राशि वसूली योग्य राशि से अधिक होती है।

vii) विदेशी मुद्रा लेन-देनों के लिए लेखांकन

क) विदेशी मुद्रा में मूल्यांकित आस्तियों तथा देयताओं को वर्ष के अंत में भारतीय विदेशी मुद्रा व्यापार संघ (फेडाई) द्वारा अधिसूचित विनिमय दर पर अंतरित किया गया है।

ख) आय तथा व्यय मदों को वर्ष के दौरान विनिमय की औसत दरों पर अंतरित किया गया है।

ग) बकाया विदेशी मुद्रा विनिमय संविदाओं को निर्दिष्ट परिपक्वता अवधियों के लिए फेडाई द्वारा अधिसूचित विनिमय दरों पर पुनर्मूल्यांकित किया गया है तथा इससे होने वाले लाभ/हानि को लाभ और हानि लेखे में शामिल किया गया है।

घ) गारंटियों, स्वीकृतियों, परांकनों तथा अन्य दायित्वों के संबंध में आकस्मिक देयताओं को वर्ष के अंत में फेडाई द्वारा अधिसूचित विनिमय दरों पर दर्शाया गया है।

viii) गारंटियां

ईसीजीसी पॉलिसियों के अधीन अरक्षित खण्ड के लिए गारंटियों का प्रावधान परियोजनाओं के पूरे होने तक संभावित हानियों को ध्यान में रखकर किया गया है।

ix) डेरिवेटिव

बैंक अपनी आस्तियों और देयताओं की हेजिंग के लिए डेरिवेटिव संविदाएं जैसे ब्याज दर स्वाप, करंसी स्वाप, अंतर करंसी ब्याज दर स्वाप तथा वायदा दर करार करता है। भारतीय रिज़र्व बैंक के दिशानिर्देशों के अनुसार ये संव्यवहार हेजिंग के उद्देश्य से किए जाते हैं तथा उपचित आधार पर हिसाब में लिए जाते हैं। तुलन-पत्र की तारीख को बकाया डेरिवेटिव संविदाओं के बारे में क्वालिटेटिव और क्वांटिटेटिव प्रकटन, आरबीआई के मास्टर निदेश- 'अखिल भारतीय वित्तीय संस्थाओं के वित्तीय विवरण - प्रस्तुति, प्रकटीकरण और रिपोर्टिंग' के अनुसार रिपोर्ट किए जाते हैं।

x) कर्मचारी लाभ हेतु प्रावधान

क) बैंक में भविष्य निधि, ग्रेच्युटी निधि और पेंशन निधि बैंक द्वारा चलाई जा रही परिभाषित कर्मचारी लाभ योजनाएं हैं। इन निधियों में बैंक के अंशदान को संबंधित वर्ष के लिए लाभ-हानि खाते में हिसाब में लिया जाता है।

ख) ग्रेच्युटी तथा पेंशन परिभाषित कर्मचारी लाभ देयताएं हैं। इन देयताओं के लिए प्रावधान बीमांकिक मूल्यांकन आधार पर प्रत्येक वित्तीय वर्ष की समाप्ति पर अनुमानित यूनिट क्रेडिट पद्धति के आधार पर किया जाता है।

ग) छुट्टी नकदीकरण के प्रति देयता के लिए वर्ष के अंत में बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर प्रावधान किया जाता है।

vi) Impairment

The carrying amounts of assets are reviewed at each Balance Sheet date based on internal/external factors to provide for impairment in the value of the assets or reverse impairment losses recognised in previous periods, as applicable. Impairment loss is recognised when the carrying amount of an asset exceeds recoverable amount.

vii) Accounting for Foreign Currency Transactions

a) Assets and liabilities denominated in foreign currency are translated at the exchange rate notified by the Foreign Exchange Dealers' Association of India (FEDAI) at year end.

b) Income and expenditure items are translated at the average rates of exchange during the year.

c) Outstanding foreign exchange contracts are revalued at rates of exchange notified by the FEDAI for specified maturities and the resulting profits/losses are included in the Profit and Loss account.

d) Contingent liabilities in respect of guarantees, acceptances, endorsements and other obligations are stated at the rates of exchange notified by FEDAI at year end.

viii) Guarantees

Provisioning for guarantees is made taking into account the likely losses on projects till their completion, for uncovered portion under ECGC policies.

ix) Derivatives

The Bank presently deals in derivative contracts such as Interest Rate Swaps, Currency Swaps, Cross-Currency Interest Rate Swaps and Forward Rate Agreements, for hedging its assets and liabilities. Based on RBI Guidelines, the above derivatives undertaken for hedging purposes are accounted on accrual basis. Qualitative and Quantitative disclosures pertaining to outstanding derivative contracts are reported in the "Notes to Accounts" in accordance with RBI's Master Direction on Presentation, Disclosure and Reporting norms for All India Financial Institutions on the Balance Sheet date.

x) Provision for Employee Benefits

a) Provident Fund, Gratuity Fund and Pension Fund are defined benefit schemes administered by the Bank and the Bank's contributions to these funds are charged to the Profit and Loss Account for the year.

b) Gratuity and Pension are defined benefit obligations. Liabilities towards these obligations are provided for on the basis of actuarial valuation at the end of each financial year based on the projected unit credit method.

c) Liability towards leave encashment is provided for on the basis of actuarial valuation at year end.

xi) आय पर करों का लेखांकन

क) संबंधित संविधि के अधीन भुगतान योग्य कर के अनुसार वर्तमान कर के लिए प्रावधान किया गया है।

ख) कर योग्य आय और लेखांकन आय के बीच समय अंतर की दृष्टि से आस्थगित कर की गणना विद्यमान कर दरों पर तथा अधिनियमित विधि अथवा तुलन-पत्र की सम दिनांक को प्रमुखतः अधिनियमित विधि के अनुसार की गई है। आस्थगित कर आस्तियों को केवल उसी सीमा तक हिसाब में लिया गया है जिस सीमा तक उनकी वसूली की समुचित निश्चितता है।

xii) प्रावधान, आकस्मिक देयताएं तथा आकस्मिक आस्तियां

भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान (आईसीएआई) द्वारा जारी लेखा मानक 29 – 'प्रावधान, आकस्मिक देयताएं और आकस्मिक आस्तियां' के अनुसार, बैंक प्रावधानों को केवल तभी हिसाब में लेता है, जब वर्तमान दायित्व किसी विगत घटना का परिणाम हो। हालांकि यह संभव है कि इस दायित्व से उपजे आर्थिक भार संबंधी राशि का भुगतान दायित्व की राशि के सही आकलन के निर्धारण के बाद किया जाए।

आकस्मिक देयताएं तभी प्रकट की जाती हैं, जब आर्थिक लाभ संबंधी राशि का भुगतान किए जाने की कुछ न कुछ संभावना अवश्य हो।

आकस्मिक आस्तियों को न ही हिसाब में लिया जाता है तथा न ही उन्हें वित्तीय विवरणों में प्रकट किया जाता है।

xiii) भारतीय लेखा मानकों (इंड एएस) के क्रियान्वयन का स्थगन

भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) के परिपत्र दिनांकित 04 अगस्त, 2016 के अनुसार, भारतीय लेखा मानक (इंड एएस) सभी बैंकों, गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों और अखिल भारतीय वित्तीय संस्थाओं पर 01 अप्रैल, 2018 से शुरू होने वाली लेखांकन अवधि के लिए और 31 मार्च, 2018 को समाप्त होने वाली अवधि के तुलनात्मक आंकड़ों के साथ लागू थे। आरबीआई ने एक्ज़िम बैंक को संबोधित 15 मई, 2019 के अपने पत्र के जरिए अखिल भारतीय वित्तीय संस्थाओं के लिए इन मानकों का क्रियान्वयन अगली सूचना तक स्थगित करने के संबंध में सूचित किया है।

xi) Accounting for Taxes on Income

a) Provision for current tax is made, based on the tax payable under the relevant statute.

b) Deferred tax on timing difference between taxable income and accounting income is accounted for, using the tax rates and the tax law enacted or substantially enacted as on the Balance Sheet date. Deferred tax assets are recognised only to the extent that there is a virtual certainty of realisation.

xii) Provisions, Contingent Liabilities and Contingent Assets

As per AS 29 – "Provisions, Contingent Liabilities and Contingent Assets" issued by the Institute of Chartered Accountants of India (ICAI), the Bank recognises provisions only when it has a present obligation as a result of a past event, it is probable that an outflow of resources embodying economic benefits will be required to settle the obligation and when a reliable estimate of the amount of the obligation can be made.

Contingent liabilities are disclosed unless the possibility of an outflow of resources embodying economic benefit is remote.

Contingent assets are neither recognised nor disclosed in the financial statements.

xiii) Deferment of Implementation of Indian Accounting Standards (Ind AS)

In terms of Reserve Bank of India's (RBI) circular dated August 04, 2016, Indian Accounting Standards (Ind AS) was applicable to all Banks, NBFCs and AIFIs for the accounting periods beginning from April 01, 2018 onwards with comparatives for the period ending March 31, 2018. RBI vide its letter dated May 15, 2019 addressed to Exim Bank has conveyed deferment of implementation of Ind AS by the AIFIs until further notice.

II. लेखों पर टिप्पणियां - सामान्य निधि

1. एजेंसी लेखा

चूंकि एक्ज़िम बैंक इराक में भारतीय संविदाकारों से संबंधित कतिपय सौदों को सुगम बनाने के लिए एक एजेंसी के रूप में कार्य कर रहा है, अतएव भारत सरकार को समनुदेशित ₹ 50.25 बिलियन (पिछले वर्ष ₹ 52.00 बिलियन) की राशि सहित बैंक को सूचित की गई एजेंसी खाते में धारित ₹ 45.40 बिलियन (पिछले वर्ष ₹ 46.99 बिलियन) की समतुल्य राशि की विदेशी मुद्रा की प्राप्य राशियां उपर्युक्त तुलन-पत्र में शामिल नहीं की गई हैं।

2. आयकर

बैंक की पूँजी संपूर्ण रूप से भारत सरकार द्वारा धारित है तथा बैंक में कोई अन्य शेयर पूँजी नहीं है। अतः भारतीय निर्यात-आयात बैंक अधिनियम, 1981 की धारा 23 (2) के अनुसार केन्द्र सरकार को अंतरणीय लाभ अधिशेष को लाभांश नहीं कहा जा सकता। परिणामस्वरूप वाद सं. आईटीए सं. 2025/मुंबई/2000 में 18 दिसंबर, 2006 को आयकर अपीलीय अधिकरण द्वारा पारित निर्णय के आलोक में लाभांश वितरण पर कोई कर देय नहीं है, अतः इसके लिए कोई प्रावधान नहीं किया गया है।

3. क) आकस्मिक देयताएं

गारंटियों में ₹ 0.67 बिलियन की समाप्त हो चुकी गारंटियां (गत वर्ष ₹ 1.20 बिलियन) शामिल हैं, जिन्हें बहियों में निरस्त करना शेष है।

ख) दावे जिन्हें ऋण के रूप में स्वीकार नहीं किया गया है

आकस्मिक देयताओं के अंतर्गत ''बैंक पर दावे जिन्हें ऋण के रूप में स्वीकार नहीं किया गया है'' के रूप में दिखाई गई ₹ 7.75 बिलियन (पिछले वर्ष ₹ 9.41 बिलियन) की राशि अधिकांशत: बैंक के चूककर्ता उधारकर्ताओं के विरुद्ध बैंक द्वारा शुरू की गई कानूनी कार्रवाई के जवाब में उन उधारकर्ताओं द्वारा बैंक के विरुद्ध दायर किए गए दावों/प्रतिदावों से संबंधित है। बैंक के सॉलिसिटरों की राय में कोई भी दावा/प्रतिदावा अभिमत में रखने योग्य नहीं है तथा कोई भी मामला अभी तक अंतिम सुनवाई तक नहीं पहुंचा है; अतः विशेषज्ञों की सलाह के आधार पर इस संबंध में कोई प्रावधान आवश्यक नहीं समझा गया है।

ग) वायदा विनिमय संविदाएं, मुद्रा/ब्याज दर स्वाप

i) यथा 31 मार्च, 2021 को बकाया वायदा विनिमय संविदाओं की पूर्ण हेजिंग की गई है। बैंक, भारतीय रिज़र्व बैंक के 7 जुलाई, 1999 के परिपत्र संदर्भ सं. एमपीडी.बीसी.187/07.01.279/1999-2000 एवं उसके बाद जारी दिशानिर्देशों के अनुसार आस्ति-देयता प्रबंधन के प्रयोजनार्थ डेरिवेटिव सौदे (ब्याज दर स्वॉप, वायदा दर करार तथा मुद्रा-सह-ब्याज दर स्वॉप) करता है। बैंक अपनी आवश्यकताओं तथा बाजार स्थितियों के आधार पर ऐसे सौदे करता है और आवश्यकता पड़ने पर उनका निपटान भी करता है। ऐसे बकाया डेरिवेटिव संव्यवहारों को हिसाब में लिया जाता है, जिन पर ब्याज दर में उतार-चढ़ाव का अत्यधिक प्रभाव पड़ता है। आस्ति देयता प्रबंधन समिति (एल्को) द्वारा इस स्थिति की निगरानी की जाती है और निदेशक मंडल द्वारा समीक्षा की जाती है। डेरिवेटिव के ऋण समतुल्य की गणना भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा निर्धारित 'वर्तमान एक्सपोज़र' पद्धति के अनुसार की जाती है। डेरिवेटिव के आधार बिंदु (पीवी 01) के फेयर वैल्यू तथा प्राइस वैल्यू को भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा निर्धारित अनुसार 'लेखों पर टिप्पणियों' में अलग से प्रकट किया गया है। वायदा दर संविदाओं से होने वाले लाभ या हानि को संविदा की पूरी अवधि के लिए परिशोधित किया गया है। वायदा विनिमय संविदाओं के निरस्तीकरण से उत्पन्न होने वाले लाभ या हानि को वर्ष के लिए आय/व्यय के रूप में हिसाब में लिया जाता है।

ii) बैंक को ग्राहकों/गैर-ग्राहकों के लिए 'लॉन्ग डेटेड फॉरेन करंसी - रुपी स्वॉप' संव्यवहारों के लिए 'मार्केट मेकर' की भूमिका निभाने की अनुमति प्राप्त है।

II. NOTES TO ACCOUNTS – GENERAL FUND

1. Agency Account

As Exim Bank is acting only in the capacity of an agency to facilitate certain transactions in Iraq relating to Indian contractors, foreign currency receivables advised to the Bank equivalent to ₹ 50.25 billion (previous year ₹ 52.00 billion) held on agency account including a sum of ₹ 45.40 billion (previous year ₹ 46.99 billion) assigned to Government of India (GOI) are not included in the above Balance Sheet.

2. Income-Tax

The capital of the Bank is wholly subscribed by the Central Government and the Bank does not have any share capital. The balance of profit transferable to the Central Government in accordance with Section 23 (2) of the Export-Import Bank of India Act, 1981 is not termed as dividend. Consequently, dividend distribution tax is considered not payable, in the light of the judgement passed by the Income Tax Appellate Tribunal in case no. ITA No. 2025 / Mum / 2000 on December 18, 2006 and hence, no provision has been made for the same.

3. a) Contingent Liabilities

Guarantees include expired guarantees amounting to ₹ 0.67 bn (previous year ₹ 1.20 bn), yet to be cancelled in the books.

b) Claims not acknowledged as debts

The amount of ₹ 7.75 billion (previous year ₹ 9.41 billion) shown under Contingent Liabilities as "Claims on the Bank not acknowledged as debts", pertains to claims/counter-claims filed against the Bank mostly by Bank's defaulting borrowers in response to legal action initiated against them by the Bank. None of the claims / counter-claims is considered as maintainable in the opinion of Bank's solicitors and none of them has reached the stage of final hearing. Based on professional advice, no provision is considered necessary.

c) Forward Exchange Contracts, Currency/Interest Rate Swaps

i) The outstanding forward exchange contracts as at March 31, 2021 have been fully hedged. The Bank undertakes derivatives transactions (Interest Rate Swaps, Forward Rate Agreements and Currency-cum-interest rate swaps), for the purpose of Asset-Liability management as per RBI guidelines issued vide circular Ref. No. MPD. BC.187/07.01.279/1999-2000 dated July 7, 1999 and thereafter. The Bank also unwinds and re-enters such transactions based on requirements/market conditions. The outstanding derivative transactions are captured in the interest rate sensitivity position, which is monitored by the Asset Liability Management Committee (ALCO) and reviewed by the Board. The credit equivalent of derivatives is arrived at as per 'Current Exposure' method prescribed by RBI. The fair value and the price value of a basis point (PV01) of derivatives are disclosed separately in the 'Notes to Accounts' as stipulated by RBI. The premium or discount arising at inception of forward exchange contracts is amortised over the life of the contracts. Any profit or loss arising on cancellation of forward exchange contracts is recognised as income/expense for the year.

ii) The Bank is permitted to be a 'market maker' for offering long-dated Foreign Currency-Rupee Swaps to clients/non-clients.

घ) **मुद्रा विनिमय दर के उतार-चढ़ाव पर लाभ/हानि**

विदेशी मुद्रा में उल्लिखित आस्तियों तथा देयताओं को वर्ष के अंत में भारतीय विदेशी मुद्रा डीलर संघ (फेडाई) द्वारा अधिसूचित दरों पर अंतरित किया जाता है। आय तथा व्यय मदों को वर्ष के दौरान औसत विनिमय दर पर अंतरित किया जाता है। चालू वर्ष के दौरान विदेशी मुद्रा परिचालनों से अर्जित एवं धारित आय के अंतरणों पर सांकेतिक लाभ ₹ 0.08 बिलियन (गत वर्ष ₹ 0.53 बिलियन का सांकेतिक हानि) है।

4. सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम अधिनियम, 2006 के अंतर्गत सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों संबंधित प्रकटीकरण: सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों को विलंबित भुगतान संबंधी कोई मामला प्रकाश में नहीं आया है।

5. **भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा अपेक्षित अनुसार अतिरिक्त सूचना**

5.1 पूँजी

(क) (₹ बिलियन)

	विवरण	**यथा 31 मार्च, 2021 को**	**यथा 31 मार्च, 2020 को**
(i)	सामान्य इक्विटी	139.58	126.86
(ii)	अतिरिक्त टियर 1 पूँजी	5.00	5.00
(iii)	कुल टियर 1 पूँजी (i+ii)	144.58	131.86
(vi)	टियर 2 पूँजी	11.42	10.10
(v)	कुल पूँजी (टियर 1+ टियर 2)	156.00	141.96
(vi)	कुल जोखिम भारित आस्तियां	602.47	705.18
(vii)	सामान्य इक्विटी अनुपात (कुल जोखिम भारित आस्तियों के प्रतिशत के रूप में कॉमन इक्विटी)	23.17%	17.99%
(viii)	टियर 1 अनुपात (कुल जोखिम भारित आस्तियों के प्रतिशत के रूप में टियर 1 पूँजी)	24.00%	18.70%
(ix)	जोखिम भारित आस्तियों की तुलना में पूँजी अनुपात (सीआरएआर) (कुल जोखिम भारित आस्तियों के प्रतिशत के रूप में कुल पूँजी)	25.89%	20.13%
(x)	बैंक में भारत सरकार की शेयरधारिता का प्रतिशत	100%	100%
(xi)	भारत सरकार द्वारा प्रदान की गई इक्विटी पूँजी राशि	13.00	15.00
(xii)	जुटाई गई टियर 1 पूँजी, जिसमें से क) बेमियादी गैर-संचयी अधिमानी शेयर ख) बेमियादी ऋण लिखत	 शून्य शून्य	 शून्य शून्य
(xiii)	जुटाई गई टियर 2 पूँजी, जिसमें से क) ऋण पूँजी लिखतें ख) बेमियादी गैर-संचयी अधिमानी शेयर ग) प्रतिदेय गैर-संचयी अधिमानी शेयर घ) प्रतिदेय संचयी अधिमानी शेयर	 शून्य शून्य शून्य शून्य	 शून्य शून्य शून्य शून्य

(ख) यथा 31 मार्च, 2021 को टियर-II पूँजी के रूप में जुटाए गए और बकाया गौण ऋण की राशि: ₹ शून्य (गत वर्ष: ₹ शून्य)

d) Profit/Loss on Exchange fluctuation

Assets and liabilities denominated in foreign currency are translated at the exchange rate notified by the Foreign Exchange Dealers' Association of India (FEDAI) at year end. Income and expenditure items are translated at the average rates of exchange during the year. The notional profit on such translation of the retained earnings on FC operations during the current year is ₹ 0.08 billion (previous year notional loss of ₹ 0.53 billion).

4. Disclosure relating to Micro, Small and Medium Enterprises under the Micro, Small and Medium Enterprises Act, 2006: There have been no reported cases of delayed payments to Micro, Small and Medium Enterprises.

5. Additional Information as required by Reserve Bank of India

5.1 Capital

(a) (₹ billion)

	Particulars	**As on March 31, 2021**	**As on March 31, 2020**
(i)	Common Equity	139.58	126.86
(ii)	Additional Tier 1 Capital	5.00	5.00
(iii)	Total Tier 1 Capital (i+ii)	144.58	131.86
(iv)	Tier 2 Capital	11.42	10.10
(v)	Total Capital (Tier 1 + Tier 2)	156.00	141.96
(vi)	Total Risk weighted assets (RWAs)	602.47	705.18
(vii)	Common Equity Ratio (Common Equity as a percentage of RWAs)	23.17%	17.99%
(viii)	Tier 1 Ratio (Tier 1 capital as a percentage of RWAs)	24.00%	18.70%
(ix)	Capital to Risk weighted Assets Ratio (CRAR) (Total Capital as a percentage of RWAs)	25.89%	20.13%
(x)	Percentage of the shareholding of the Government of India in the Bank	100%	100%
(xi)	Amount of equity capital infused by the Government of India	13.00	15.00
(xii)	Amount of Tier 1 capital raised; of which a) Perpetual Non-Cumulative Preference Shares (PNCPS); b) Perpetual Debt Instruments (PDI)	 Nil Nil	 Nil Nil
(xiii)	Amount of Tier 2 capital raised; of which a) Debt Capital Instruments b) Perpetual Non-Cumulative Preference Shares (PNCPS); c) Redeemable Non-Cumulative Preference Shares (RNCPS) d) Redeemable Cumulative Preference Shares (RCPS)	 Nil Nil Nil Nil	 Nil Nil Nil Nil

(b) The amount of subordinated debt raised and outstanding as on March 31, 2021 as Tier-II capital: ₹ Nil (previous year: ₹ Nil).

(ग) जोखिम भारित आस्तियां (₹ बिलियन)

	विवरण	यथा 31 मार्च, 2021 को	यथा 31 मार्च, 2020 को
(i)	तुलन–पत्र में 'शामिल' मदें	461.85	544.47
(ii)	तुलन–पत्र में 'शामिल नहीं की गई' मदें	140.62	160.71

(घ) तुलन–पत्र की तारीख को शेयरधारिता का स्वरूप: भारत सरकार द्वारा पूर्णतः अभिदत्त पूँजी।

- जोखिम आस्तियों की तुलना में पूँजी का अनुपात (सीआरएआर) और अन्य संबंधित मानदंडों का निर्धारण भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा वित्तीय संस्थाओं के लिए निर्धारित पूँजी पर्याप्तता मानदंडों के अनुसार किया गया है।
- बासेल III मानकों सहित भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा निर्धारित संशोधित रूपरेखा अभी मसौदा चरण में है। बैंक सीआरएआर के निर्धारण हेतु बासेल III मानकों को इनके प्रभावी होने की तारीख से लागू करेगा। भारतीय रिज़र्व बैंक से अंतिम अधिसूचना प्रतीक्षित है।

5.2 निर्बंध आरक्षित निधियां एवं प्रावधान

(क) मानक आस्तियों पर प्रावधान (₹ बिलियन)

विवरण	2020-21	2019-20
मानक आस्तियों के लिए प्रावधान	0.87	1.10

(ख) कोविड–19 विनियामकीय पैकेज पर आरबीआई के परिपत्र के अनुसार लेखों में किए गए प्रावधानों के संबंध में प्रकटीकरण

कोविड–19 विनियामकीय पैकेज – आस्ति वर्गीकरण और प्रावधानीकरण संबंधी आरबीआई के परिपत्रों डीओआर.सं.बीपी.बीसी.47/21.04.048/2019-20 दिनांकित 27 मार्च, 2020 ('विनियामकीय पैकेज'), डीओआर.सं.बीपी.बीसी.63/21.04.048/2019-20 दिनांकित 17 अप्रैल, 2020 और डीओआर.एफआईडी.सं.8140/01.02.000/2019-20 दिनांकित 08 मई, 2020 के अनुसार, ऋणदाता संस्थाओं को ऐसे खातों के संबंध में किए गए प्रावधानों का प्रकटीकरण करना आवश्यक है, जिन्हें मॉरेटोरिअम प्रदान किया गया था और आस्ति वर्गीकरण का लाभ प्रदान किया गया था। ऐसे प्रावधानों का विवरण निम्नलिखित अनुसार है:

(₹ बिलियन)

विवरण	2020-21	2019-20
उधारकर्ताओं की संख्या	3	7
यथा 31 मार्च, 2021 को ऋण बकाया	0.5	2.84
अतिदेय राशि	0.001	0.075
राशि, जिसके लिए आस्ति वर्गीकरण लाभ प्रदान किया गया	0.5	2.84
किया गया प्रावधान	0.05	0.14

(c) Risk weighted assets (₹ billion)

	Particulars	As on March 31, 2021	As on March 31, 2020
(i)	'On' balance sheet items	461.85	544.47
(ii)	'Off' balance sheet items	140.62	160.71

(d) The share holding pattern as on the date of the balance sheet: Capital wholly subscribed by the Government of India.

- The CRAR and other related parameters have been determined as per the extant capital adequacy norms prescribed by RBI for the Financial Institutions (FIs).
- The revised Framework to be prescribed by the RBI, including the Basel III norms, is still at draft stage. The Bank will implement Basel III norms for determining CRAR from the date they become effective. However, the final notification from RBI is awaited.

5.2 Free Reserves and Provisions

(a) Provisions on Standard Assets (₹ billion)

Particulars	2020-21	2019-20
Provisions towards Standard Assets	0.87	1.10

(b) Disclosure on provisions made on accounts in accordance with RBI Circular on COVID-19 Regulatory Package

In terms of the RBI circulars DOR.No.BP.BC.47/21.04.048/2019-20 dated March 27, 2020 ('Regulatory Package'), DOR.No.BP.BC.63/21.04.048/2019-20 dated April 17, 2020 and DOR.FID.No.8140/01.02.000/2019-20 dated May 08, 2020 on COVID-19 Regulatory Package - Asset Classification and Provisioning, lending institutions are required to disclose the provisions made in respect of accounts for which moratorium was granted and benefit of asset classification was extended. The details of such provisions are as under:

(₹ billion)

Particulars	2020-21	2019-20
Number of Borrowers	3	7
Loan outstanding as on March 31, 2021	0.5	2.84
Amount overdue	0.001	0.075
Amount for which asset classification benefit extended	0.5	2.84
Provision made	0.05	0.14

(ग) अस्थायी प्रावधान (₹ बिलियन)

	विवरण	2020-21	2019-20
(क)	अस्थायी प्रावधान खाते में प्रारंभिक शेष	-	-
(ख)	लेखा वर्ष में किए गए अस्थायी प्रावधानों की राशि	-	-
(ग)	लेखा वर्ष के दौरान आहरित की गई राशि	-	-
(घ)	अस्थायी प्रावधान खाते में अंतिम शेष	-	-

5.3 आस्ति गुणवत्ता और विशिष्ट प्रावधान

(क) अनर्जक अग्रिम (₹ बिलियन)

	विवरण	2020-21	2019-20
(i)	निवल अग्रिमों की तुलना में निवल अनर्जक आस्तियां (%)	0.51%	1.77%
(ii)	अनर्जक आस्तियों में घट-बढ़ (सकल)		
(क)	प्रारंभिक शेष	93.62	116.78
(ख)	वर्ष के दौरान बढ़ोत्तरी	14.92	21.06
(ग)	वर्ष के दौरान कमी	34.41	44.22
(घ)	अंतिम शेष	74.13	93.62
(iii)	निवल अनर्जक आस्तियों में घट-बढ़		
(क)	प्रारंभिक शेष	17.57	22.88
(ख)	वर्ष के दौरान बढ़ोत्तरी	5.33	9.03
(ग)	वर्ष के दौरान कमी	17.57	14.34
(घ)	अंतिम शेष	5.33	17.57
(iv)	अनर्जक आस्तियों के लिए प्रावधानों में घट-बढ़ (मानक आस्तियों पर प्रावधानों को छोड़कर)		
(क)	प्रारंभिक शेष	76.05	93.90
(ख)	वर्ष के दौरान किए गए प्रावधान	24.71	20.88
(ग)	अतिरिक्त प्रावधानों का बट्टा खाता/प्रतिलेखन	31.96	38.73
(घ)	अंतिम शेष	68.80	76.05

(c) Floating Provisions

(₹ billion)

	Particulars	2020-21	2019-20
(a)	Opening balance in the floating provisions accounts	-	-
(b)	The quantum of floating provisions made in the accounting year	-	-
(c)	Amount of draw down made during the accounting year	-	-
(d)	Closing balance in the floating provisions account	-	-

5.3 Asset Quality and Specific Provisions

(a) Non-Performing Advances

(₹ billion)

	Particulars	2020-21	2019-20
(i)	Net NPAs to Net Advances (%)	0.51%	1.77%
(ii)	Movement of NPAs (Gross)		
(a)	Opening balance	93.62	116.78
(b)	Additions during the year	14.92	21.06
(c)	Reductions during the year	34.41	44.22
(d)	Closing balance	74.13	93.62
(iii)	Movement of Net NPAs		
(a)	Opening balance	17.57	22.88
(b)	Additions during the year	5.33	9.03
(c)	Reductions during the year	17.57	14.34
(d)	Closing balance	5.33	17.57
(iv)	Movement of Provisions for NPAs (excluding provisions on standard assets)		
(a)	Opening balance	76.05	93.90
(b)	Provisions made during the year	24.71	20.88
(c)	Write off/write back of excess provisions	31.96	38.73
(d)	Closing balance	68.80	76.05

(ख) अनर्जक निवेश (₹ बिलियन)

	विवरण	2020-21	2019-20
(i)	निवल निवेशों की तुलना में निवल अनर्जक निवेश (%)	0.31%	0.15%
(ii)	अनर्जक निवेशों में घट-बढ़ (सकल)		
(क)	प्रारंभिक शेष	6.02	5.55
(ख)	वर्ष के दौरान बढ़ोत्तरी	1.69	0.67
(ग)	वर्ष के दौरान कमी	0.66	0.20
(घ)	अंतिम शेष	7.05	6.02
(iii)	निवल अनर्जक निवेशों में घट-बढ़		
(क)	प्रारंभिक शेष	0.17	0.34
(ख)	वर्ष के दौरान बढ़ोत्तरी	0.19	0.05
(ग)	वर्ष के दौरान कमी	0.05	0.22
(घ)	अंतिम शेष	0.31	0.17
(iv)	अनर्जक निवेशों के लिए प्रावधानों में घट-बढ़ (मानक आस्तियों पर प्रावधानों को छोड़कर)		
(क)	प्रारंभिक शेष	5.86	5.21
(ख)	वर्ष के दौरान किए गए प्रावधान	0.99	0.84
(ग)	अतिरिक्त प्रावधानों का बट्टा खाता/प्रतिलेखन	0.11	0.19
(घ)	अंतिम शेष	6.74	5.86

(ग) अनर्जक आस्तियां (क+ख) (₹ बिलियन)

	विवरण	2020-21	2019-20
(i)	निवल आस्तियों की तुलना में निवल अनर्जक आस्तियां (अग्रिम + निवेश) (%)	0.50%	1.61%
(ii)	अनर्जक आस्तियों में घट-बढ़ (सकल अग्रिम + सकल निवेश)		
(क)	प्रारंभिक शेष	99.64	122.33
(ख)	वर्ष के दौरान बढ़ोत्तरी	16.61	21.73
(ग)	वर्ष के दौरान कमी	35.07	44.42
(घ)	अंतिम शेष	81.18	99.64
(iii)	अनर्जक आस्तियों में घट-बढ़		
(क)	प्रारंभिक शेष	17.74	23.22
(ख)	वर्ष के दौरान बढ़ोत्तरी	5.52	9.08
(ग)	वर्ष के दौरान कमी	17.62	14.56
(घ)	अंतिम शेष	5.64	17.74
(iv)	अनर्जक आस्तियों के लिए प्रावधानों में घट-बढ़ (मानक आस्तियों पर किए गए प्रावधानों को छोड़कर)		
(क)	प्रारंभिक शेष	81.91	99.11
(ख)	वर्ष के दौरान किए गए प्रावधान	25.70	21.72
(ग)	अतिरिक्त प्रावधानों का बट्टा खाता/प्रतिलेखन	32.07	38.92
(घ)	अंतिम शेष	75.54	81.91

(b) Non-Performing Investments (₹ billion)

	Particulars	2020-21	2019-20
(i)	Net NPIs to Net Investments (%)	0.31%	0.15%
(ii)	Movement of NPIs (Gross)		
(a)	Opening balance	6.02	5.55
(b)	Additions during the year	1.69	0.67
(c)	Reductions during the year	0.66	0.20
(d)	Closing balance	7.05	6.02
(iii)	Movement of Net NPIs		
(a)	Opening balance	0.17	0.34
(b)	Additions during the year	0.19	0.05
(c)	Reductions during the year	0.05	0.22
(d)	Closing balance	0.31	0.17
(iv)	Movement of Provisions for NPIs (excluding provisions on standard assets)		
(a)	Opening balance	5.86	5.21
(b)	Provisions made during the year	0.99	0.84
(c)	Write off/write back of excess provisions	0.11	0.19
(d)	Closing balance	6.74	5.86

(c) Non-Performing Assets (a+b) (₹ billion)

	Particulars	2020-21	2019-20
(i)	Net NPAs to Net Assets (Advances + Investments) (%)	0.50%	1.61%
(ii)	Movement of NPAs (Gross Advances + Gross Investments)		
(a)	Opening balance	99.64	122.33
(b)	Additions during the year	16.61	21.73
(c)	Reductions during the year	35.07	44.42
(d)	Closing balance	81.18	99.64
(iii)	Movement of Net NPAs		
(a)	Opening balance	17.74	23.22
(b)	Additions during the year	5.52	9.08
(c)	Reductions during the year	17.62	14.56
(d)	Closing balance	5.64	17.74
(iv)	Movement of Provisions for NPAs (excluding provisions on standard assets)		
(a)	Opening balance	81.91	99.11
(b)	Provisions made during the year	25.70	21.72
(c)	Write off/write back of excess provisions	32.07	38.92
(d)	Closing Balance	75.54	81.91

5.4 पुनर्संरचित किए गए खातों का विवरण वर्तमान वर्ष

(₹ बिलियन)

क्र.सं.	पुनर्संरचना का प्रकार		कंपनी कर्ज पुनर्संरचना (सीडीआर) प्रक्रिया के अंतर्गत					एसएमई ऋण पुनर्संरचना प्रक्रिया के अंतर्गत					अन्य					कुल
	आस्ति वर्गीकरण	विवरण	मानक	अवमानक	संदिग्ध	हानि	कुल	मानक	अवमानक	संदिग्ध	हानि	कुल	मानक	अवमानक	संदिग्ध	हानि	कुल	
1	वित्तीय वर्ष की प्रारंभिक तारीख को पुनर्संरचित खाते (प्रारंभिक आंकड़े)	उधारकर्ताओं की संख्या	3	-	8	-	11.00	-	-	2.00	-	2.00	3.00	-	9.00	-	12.00	25.00
		बकाया राशि	0.14	-	2.48	-	2.62	-	-	0.01	-	0.01	2.45	-	8.60	-	11.05	13.68
		उस पर प्रावधान	0.07	-	2.48	-	2.55	-	-	0.01	-	0.01	2.18	-	7.77	-	9.95	12.51
2	वर्ष के दौरान नवीन पुनर्संरचना/बढ़त	उधारकर्ताओं की संख्या	-	-	1.00	-	1.00	-	-	-	-	-	-	-	3.00	-	3.00	4.00
		बकाया राशि	-	-	0.06	-	0.06	-	-	-	-	-	-	-	2.13	-	2.13	2.19
		उस पर प्रावधान	-	-	0.06	-	0.06	-	-	-	-	-	-	-	2.13	-	2.13	2.19
3	वित्तीय वर्ष के दौरान पुनर्संरचित मानक श्रेणी में उन्नयन	उधारकर्ताओं की संख्या	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
		बकाया राशि	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
		उस पर प्रावधान	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
4	वित्तीय वर्ष के अंत में पुनर्संरचित मानक अग्रिम, जिनमें उच्चतर प्रावधान हुए और / अथवा अतिरिक्त जोखिम भार और इस तरह उन्हें अगले वित्तीय वर्ष के आरंभ में पुनर्संरचित मानक अग्रिमों के रूप में दिखाने की आवश्यकता नहीं है	उधारकर्ताओं की संख्या	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
		बकाया राशि	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
		उस पर प्रावधान	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
5	वित्तीय वर्ष के दौरान पुनर्संरचित खातों का डाउनग्रेडेशन / घटत	उधारकर्ताओं की संख्या	1.00	-	1.00	-	2.00	-	-	-	-	-	2.00	-	-	-	2.00	4.00
		बकाया राशि	0.07	-	1.20	-	1.27	-	-	-	-	-	2.22	-	1.52	-	3.74	5.01
		उस पर प्रावधान	0.03	-	1.20	-	1.23	-	-	-	-	-	2.15	-	0.69	-	2.84	4.08
6	वित्तीय वर्ष के दौरान पुनर्संरचित खातों को बट्टे खाते डालना	उधारकर्ताओं की संख्या	-	-	3.00	-	3.00	-	-	1.00	-	1.00	-	-	2.00	-	2.00	6.00
		बकाया राशि	-		0.31	-	0.31	-	-	-	-	-	-	-	0.75	-	0.75	1.06
		उस पर प्रावधान	-	-	0.31	-	0.31	-	-	-	-	-	-	-	0.75	-	0.75	1.06
7	वित्तीय वर्ष की अंतिम तारीख को पुनर्संरचित खाते (अंतिम आंकड़े)	उधारकर्ताओं की संख्या	2.00	-	5.00	-	7.00	-	-	1.00	-	1.00	1.00	-	10.00	-	11.00	19.00
		बकाया राशि	0.08	-	1.02	-	1.10	-	-	0.01	-	0.01	0.24	-	8.45	-	8.69	9.79
		उस पर प्रावधान	0.04	-	1.02	-	1.06	-	-	0.01	-	0.01	0.03	-	8.45	-	8.49	9.55

5.4 Particulars of Accounts Restructured: Current Year

(₹ billion)

Sr. No.	Type of Restructuring / Asset Classification	Details	Under CDR Mechanism					Under SME Debt Restructuring Mechanism					Others					Total
			Standard	Sub-standard	Doubtful	Loss	Total	Standard	Sub-standard	Doubtful	Loss	Total	Standard	Sub-standard	Doubtful	Loss	Total	
1	Restructured Accounts as on date of opening of the FY (opening figures)	No. of borrowers	3	-	8	-	11.00	-	-	2.00	-	2.00	3.00	-	9.00	-	12.00	25.00
		Amount outstanding	0.14	-	2.48	-	2.62	-	-	0.01	-	0.01	2.45	-	8.60	-	11.05	13.68
		Provision thereon	0.07	-	2.48	-	2.55	-	-	0.01	-	0.01	2.18	-	7.77	-	9.95	12.51
2	Fresh restructuring/ Additions during the year	No. of borrowers	-	-	1.00	-	1.00	-	-	-	-	-	-	-	3.00	-	3.00	4.00
		Amount outstanding	-	-	0.06	-	0.06	-	-	-	-	-	-	-	2.13	-	2.13	2.19
		Provision thereon	-	-	0.06	-	0.06	-	-	-	-	-	-	-	2.13	-	2.13	2.19
3	Upgradations to restructured standard category during the FY	No. of borrowers	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
		Amount outstanding	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
		Provision there-on	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
4	Restructured standard advances which cease to attract higher provisioning and/or additional risk weight at the end of the FY and hence need not be shown as restructured standard advances at the beginning of the next FY	No. of borrowers	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
		Amount outstanding	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
		Provision thereon	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
5	Downgradations/ Reductions of restructured accounts during the FY	No. of borrowers	1.00	-	1.00	-	2.00	-	-	-	-	-	2.00	-	-	-	2.00	4.00
		Amount outstanding	0.07	-	1.20	-	1.27	-	-	-	-	-	2.22	-	1.52	-	3.74	5.01
		Provision thereon	0.03	-	1.20	-	1.23	-	-	-	-	-	2.15	-	0.69	-	2.84	4.08
6	Write-offs of restructured accounts during the FY	No. of borrowers	-	-	3.00	-	3.00	-	-	1.00	-	1.00	-	-	2.00	-	2.00	6.00
		Amount outstanding	-		0.31	-	0.31	-	-	-	-	-	-	-	0.75	-	0.75	1.06
		Provision thereon	-	-	0.31	-	0.31	-	-	-	-	-	-	-	0.75	-	0.75	1.06
7	Restructured Accounts as on date of closing of the FY (closing figures)	No. of borrowers	2.00	-	5.00	-	7.00	-	-	1.00	-	1.00	1.00	-	10.00	-	11.00	19.00
		Amount outstanding	0.08	-	1.02	-	1.10	-	-	0.01	-	0.01	0.24	-	8.45	-	8.69	9.79
		Provision thereon	0.04	-	1.02	-	1.06	-	-	0.01	-	0.01	0.03	-	8.45	-	8.49	9.55

गत वर्ष :

(₹ बिलियन)

क्र.सं.	पुनर्संरचना का प्रकार		कंपनी कर्ज पुनर्संरचना (सीडीआर) प्रक्रिया के अंतर्गत					एसएमई ऋण पुनर्संरचना प्रक्रिया के अंतर्गत					अन्य					कुल
	आस्ति वर्गीकरण	विवरण	मानक	अवमानक	संदिग्ध	हानि	कुल	मानक	अवमानक	संदिग्ध	हानि	कुल	मानक	अवमानक	संदिग्ध	हानि	कुल	
1	वित्तीय वर्ष की प्रारंभिक तारीख को पुनर्संरचित खाते (प्रारंभिक आंकड़े)	उधारकर्ताओं की संख्या	5	-	8	-	13	1	-	2	-	3	4	1	10	-	15	31
		बकाया राशि	1.41	-	2.81	-	4.22	0.01	-	0.02	-	0.03	2.55	1.14	7.87	-	11.56	15.81
		उस पर प्रावधान	0.34	-	2.74	-	3.08	0.002	-	0.02	-	0.02	0.40	0.22	5.64	-	6.26	9.36
2	वर्ष के दौरान नवीन पुनर्संरचना/बढ़त	उधारकर्ताओं की संख्या	-	-	1	-	1	-	-	-	-	-	-	-	1	-	1	2
		बकाया राशि	-	-	1.15	-	1.15	-	-	-	-	-	-	-	1.53	-	1.53	2.68
		उस पर प्रावधान	-	-	1.15	-	1.15	-	-	-	-	-	1.80	-	2.80	-	4.60	5.75
3	वित्तीय वर्ष के दौरान पुनर्संरचित मानक श्रेणी में उन्नयन	उधारकर्ताओं की संख्या	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
		बकाया राशि	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
		उस पर प्रावधान	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
4	वित्तीय वर्ष के अंत में पुनर्संरचित मानक अग्रिम, जिनमें उच्चतर प्रावधान हुए और / अथवा अतिरिक्त जोखिम भार और इस तरह उन्हें अगले वित्तीय वर्ष के आरंभ में पुनर्संरचित मानक अग्रिमों के रूप में दिखाने की आवश्यकता नहीं है	उधारकर्ताओं की संख्या	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
		बकाया राशि	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
		उस पर प्रावधान	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
5	वित्तीय वर्ष के दौरान पुनर्संरचित खातों का डाउनग्रेडेशन / घटत	उधारकर्ताओं की संख्या	2	-	1	-	3	1	-	-	-	1	1	1	2	-	4	8
		बकाया राशि	1.26	-	1.48	-	2.74	0.01	-	-	-	0.01	0.10	1.14	0.82	-	2.06	4.81
		उस पर प्रावधान	0.27	-	1.41	-	1.68	0.002	-	-	-	0.002	0.03	0.22	0.68	-	0.93	2.61
6	वित्तीय वर्ष के दौरान पुनर्संरचित खातों को बट्टे खाते डालना	उधारकर्ताओं की संख्या	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
		बकाया राशि	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
		उस पर प्रावधान	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
7	वित्तीय वर्ष की अंतिम तारीख को पुनर्संरचित खाते (अंतिम आंकड़े)	उधारकर्ताओं की संख्या	3	-	8	-	11	-	-	2	-	2	3	-	9	-	12	25
		बकाया राशि	0.15	-	2.48	-	2.63	-	-	0.02	-	0.02	2.45	-	8.58	-	11.03	13.68
		उस पर प्रावधान	0.07	-	2.48	-	2.55	-	-	0.02	-	0.02	2.17	-	7.76	-	9.93	12.50

Previous Year:

(₹ billion)

Sr. No.	Type of Restructuring / Asset Classification	Details	Under CDR Mechanism					Under SME Debt Restructuring Mechanism					Others					Total
			Standard	Sub-standard	Doubtful	Loss	Total	Standard	Sub-standard	Doubtful	Loss	Total	Standard	Sub-standard	Doubtful	Loss	Total	
1	Restructured Accounts as on date of opening of the FY (opening figures)	No. of borrowers	5	-	8	-	13	1	-	2	-	3	4	1	10	-	15	31
		Amount outstanding	1.41	-	2.81	-	4.22	0.01	-	0.02	-	0.03	2.55	1.14	7.87	-	11.56	15.81
		Provision thereon	0.34	-	2.74	-	3.08	0.002	-	0.02	-	0.02	0.40	0.22	5.64	-	6.26	9.36
2	Fresh restructuring/ Additions during the year	No. of borrowers	-	-	1	-	1	-	-	-	-	-	-	-	1	-	1	2
		Amount outstanding	-	-	1.15	-	1.15	-	-	-	-	-	-	-	1.53	-	1.53	2.68
		Provision thereon	-	-	1.15	-	1.15	-	-	-	-	-	1.80	-	2.80	-	4.60	5.75
3	Upgradations to restructured standard category during the FY	No. of borrowers	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
		Amount outstanding	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
		Provision there-on	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
4	Restructured standard advances which cease to attract higher provisioning and/or additional risk weight at the end of the FY and hence need not be shown as restructured standard advances at the beginning of the next FY	No. of borrowers	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
		Amount outstanding	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
		Provision thereon	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
5	Downgradations/ Reductions of restructured accounts during the FY	No. of borrowers	2	-	1	-	3	1	-	-	-	1	1	1	2	-	4	8
		Amount outstanding	1.26	-	1.48	-	2.74	0.01	-	-	-	0.01	0.10	1.14	0.82	-	2.06	4.81
		Provision thereon	0.27	-	1.41	-	1.68	0.002	-	-	-	0.002	0.03	0.22	0.68	-	0.93	2.61
6	Write-offs of restructured accounts during the FY	No. of borrowers	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
		Amount outstanding	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
		Provision thereon	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
7	Restructured Accounts as on date of closing of the FY (closing figures)	No. of borrowers	3	-	8	-	11	-	-	2	-	2	3	-	9	-	12	25
		Amount outstanding	0.15	-	2.48	-	2.63	-	-	0.02	-	0.02	2.45	-	8.58	-	11.03	13.68
		Provision thereon	0.07	-	2.48	-	2.55	-	-	0.02	-	0.02	2.17	-	7.76	-	9.93	12.50

5.5 अनर्जक आस्तियों में घट-बढ़

(₹ बिलियन)

विवरण	2020-21	2019-20
यथा 1 अप्रैल को सकल अनर्जक आस्तियां (प्रारंभिक शेष)	93.62	116.78
वर्ष के दौरान बढ़त (नई अनर्जक आस्तियां)	14.88	17.72
ब्याज निधीयन	0.04	0.11
विनिमय दर घट-बढ़	(1.34)	3.24
उपखंड योग (क)	107.20	137.85
घटाएं:		
(i) उन्नयन	-	1.47
(ii) वसूली (अपग्रेड किए खातों से वसूली को छोड़कर)	4.03	9.67
(iii) तकनीकी/विवेकसम्मत बट्टे खाते	28.13	28.10
(iv) बट्टे खाते, उपर्युक्त (iii) के अलावा	0.91	4.99
(v) विनिमय दर घट-बढ़	-	-
उपखंड योग (ख)	33.07	44.23
यथा आगामी वर्ष की 31 मार्च को सकल अनर्जक आस्तियां (अंतिम शेष) (क-ख)	74.13	93.62

आरबीआई के मास्टर परिपत्र संख्या डीबीआर सं. बीपी. बीसी. 2/21.04.048/2015-16 दिनांकित 1 जुलाई, 2015 के अनुलग्नक भाग सी-2 के अनुसार सकल अनर्जक आस्तियां

5.6 बट्टे खाते और वसूली

(₹ बिलियन)

विवरण	2020-21	2019-20
बट्टे खाते डाले गए खातों का यथा 1 अप्रैल को प्रारंभिक शेष तकनीकी/विवेकसम्मत बट्टे खाते	62.68	32.92
जोड़ें: वर्ष के दौरान तकनीकी/विवेकसम्मत बट्टे खाते	28.13	28.10
जोड़ें: विनिमय में उतार-चढ़ाव	0.71	1.80
उपखंड योग (क)	90.10	62.82
घटाएं: वर्ष के दौरान पुराने तकनीकी/विवेकसम्मत बट्टे खाते डाले गए खातों से की गई वसूली (ख)	0.91	0.13
यथा 31 मार्च को अंतिम शेष (क-ख)	89.19	62.69

5.7 विदेशी आस्तियां, अनर्जक आस्तियां और राजस्व

(₹ बिलियन)

विवरण	2020-21	2019-20
कुल आस्तियां	42.74	49.85
कुल अनर्जक आस्तियां	2.62	2.96
कुल राजस्व	2.08	3.34

उपर्युक्त आंकड़े बैंक की लंदन शाखा से संबंधित हैं, जिसका परिचालन अक्टूबर 2010 में शुरू हुआ।

5.5 Movement of Non-Performing Assets

(₹ billion)

Particulars	2020-21	2019-20
Gross NPAs as on 1st April (Opening balance)	93.62	116.78
Additions (Fresh NPAs) during the year	14.88	17.72
Interest funding	0.04	0.11
Exchange Fluctuation	(1.34)	3.24
Sub Total (A)	107.20	137.85
Less:		
(i) Upgradations	-	1.47
(ii) Recoveries (excluding recoveries made from upgraded accounts)	4.03	9.67
(iii) Technical/Prudential write offs	28.13	28.10
(iv) Write offs other than those under (iii) above	0.91	4.99
(v) Exchange Fluctuation	-	-
Sub Total (B)	33.07	44.23
Gross NPAs as on 31st March (closing balance) (A-B)	74.13	93.62

Gross NPAs as per Appendix Part C-2 of RBI Master Circular DBR.No.BP.BC.2/21.04.048/ 2015-16 dated July 1, 2015.

5.6 Write-offs and Recoveries

(₹ billion)

Particulars	2020-21	2019-20
Opening balance of Technical/Prudential written off accounts as at 1st April	62.68	32.92
Add: Technical/Prudential write offs during the year	28.13	28.10
Add: Exchange Fluctuation	0.71	1.80
Sub Total (A)	90.10	62.82
Less: Recoveries made from previously technical/ prudential written off accounts during the year (B)	0.91	0.13
Closing balance as on 31st March (A-B)	89.19	62.69

5.7 Overseas Assets, NPAs and Revenue

(₹ billion)

Particulars	2020-21	2019-20
Total Assets	42.74	49.85
Total NPAs	2.62	2.96
Total Revenue	2.08	3.34

The above figures pertain to Bank’s London Branch, which started operations in October, 2010.

5.8 निवेशों पर मूल्यह्रास और प्रावधान

(₹ बिलियन)

	विवरण	2020-21	2019-20
(1)	निवेश		
(i)	सकल निवेश	122.61	129.14
क)	भारत में	121.66	128.30
ख)	भारत से बाहर	0.95	0.84
(ii)	मूल्यह्रास के लिए प्रावधान	22.43	20.77
क)	भारत में	21.80	20.18
ख)	भारत से बाहर	0.63	0.59
(iii)	निवल निवेश	100.18	108.37
क)	भारत में	99.86	108.12
ख)	भारत से बाहर	0.32	0.25
(2)	निवेशों पर मूल्यह्रास के लिए किए गए प्रावधानों में घट–बढ़		
(i)	प्रारंभिक शेष	20.77	20.12
(ii)	जोड़ें: वर्ष के दौरान किए गए प्रावधान	2.94	2.57
(iii)	वर्ष के दौरान निवेश अस्थिर आरक्षित निधि खाते से विनियोजन, यदि कोई है	-	-
(iv)	घटाएं: वर्ष के दौरान अतिरिक्त प्रावधानों पर बट्टा खाता/प्रतिलेखन	1.28	1.92
(v)	घटाएं: अस्थिर आरक्षित निधि खाते में हस्तांतरण, यदि कोई है	-	-
(vi)	अंतिम शेष	22.43	20.77

5.9 प्रावधान और आकस्मिक व्यय

(₹ बिलियन)

लाभ एवं हानि लेखा शीर्ष के अंतर्गत दिखाए गए प्रावधानों और आकस्मिक व्यय का विवरण	2020-21	2019-20
निवेश पर मूल्यह्रास के लिए प्रावधान	0.24	(1.54)
अनर्जक आस्ति के लिए प्रावधान	(7.46)	(17.95)
आयकर के लिए किए गए प्रावधान	1.02	1.20
अन्य प्रावधान और आकस्मिक व्यय*	2.31	1.48

*इसमें बैंक गारंटियों के लिए ₹ 2.03 बिलियन (गत वर्ष ₹ 1.19 बिलियन) और देशगत जोखिम प्रावधानीकरण के लिए ₹ 0.01 बिलियन (गत वर्ष ₹ 0.29 बिलियन) और हेज न किए गए विदेशी मुद्रा एक्सपोज़र वाली संस्थाओं को एक्सपोज़र के चलते ₹ 0.26 बिलियन (गत वर्ष शून्य) का प्रावधानीकरण शामिल है।

5.8 Depreciation and Provision on Investments (₹ billion)

	Particulars	2020-21	2019-20
(1)	Investments		
(i)	Gross Investments	122.61	129.14
a)	In India	121.66	128.30
b)	Outside India	0.95	0.84
(ii)	Provision for Depreciation	22.43	20.77
a)	In India	21.80	20.18
b)	Outside India	0.63	0.59
(iii)	Net Investments	100.18	108.37
a)	In India	99.86	108.12
b)	Outside India	0.32	0.25
(2)	Movement of provision held towards depreciation on investments		
(i)	Opening balance	20.77	20.12
(ii)	Add: Provisions made during the year	2.94	2.57
(iii)	Appropriation, if any, from Investment Fluctuation Reserve Account during the year	-	-
(iv)	Less: Write off/write back of excess provisions during the year	1.28	1.92
(v)	Less: Transfer, if any, to Investment Fluctuation Reserve Account	-	-
(vi)	Closing balance	22.43	20.77

5.9 Provisions and Contingencies (₹ billion)

Break up of 'Provisions and Contingencies' shown under the head Expenditure in Profit and Loss Account	2020-21	2019-20
Provision for depreciation on Investment	0.24	(1.54)
Provision towards NPA	(7.46)	(17.95)
Provision made towards Income tax	1.02	1.20
Other Provisions and Contingencies*	2.31	1.48

*Includes ₹ 2.03 bn (previous year ₹ 1.19 bn) on account of provisioning towards Bank Guarantees, ₹ 0.01 bn (previous year ₹ 0.29 bn) on account of Country Risk Provisioning and ₹ 0.26 bn (previous year NIL) on account of exposure to entities with Unhedged Foreign Currency Exposure

5.10 प्रावधान कवरेज अनुपात

विवरण	2020-21	2019-20
प्रावधान कवरेज अनुपात	96.74%	88.76%

5.11 वर्ष के दौरान रिपोर्ट किए गए धोखाधड़ी मामले और उनके लिए किए गए प्रावधान

वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान धोखाधड़ी के रूप में घोषित किए गए 13 मामलों में ₹ 14.08 बिलियन (गत वर्ष 6 मामलों में ₹ 3.76 बिलियन) की राशि अग्रिमों को दर्शाती है। वर्ष के दौरान रिपोर्ट की गई धोखाधड़ियों के संबंध में यथा 31 मार्च, 2021 को बकाया शेष के लिए पूर्ण प्रावधान किए गए हैं।

6. निवेश पोर्टफोलियो: संघटक एवं परिचालन

6.1 रेपो लेन-देन

वर्तमान वर्ष: (₹ बिलियन)

विवरण	वर्ष के दौरान न्यूनतम बकाया	वर्ष के दौरान अधिकतम बकाया	वर्ष के दौरान दैनिक औसत बकाया	यथा 31 मार्च, 2021 को बकाया
रेपो के अंतर्गत बेची गई प्रतिभूतियां				
i) सरकारी प्रतिभूतियां	-	-	-	-
ii) कॉर्पोरेट ऋण प्रतिभूतियां	-	-	-	-
रिवर्स रेपो के अंतर्गत खरीदी गई प्रतिभूतियां				
i) सरकारी प्रतिभूतियां	-	-	-	-
ii) कॉर्पोरेट ऋण प्रतिभूतियां	-	-	-	-

गत वर्ष: (₹ बिलियन)

विवरण	वर्ष के दौरान न्यूनतम बकाया	वर्ष के दौरान अधिकतम बकाया	वर्ष के दौरान दैनिक औसत बकाया	यथा 31 मार्च, 2020 को बकाया
रेपो के अंतर्गत बेची गई प्रतिभूतियां				
i) सरकारी प्रतिभूतियां	-	-	-	-
ii) कॉर्पोरेट ऋण प्रतिभूतियां	-	-	-	-
रिवर्स रेपो के अंतर्गत खरीदी गई प्रतिभूतियां				
i) सरकारी प्रतिभूतियां	-	-	-	-
ii) कॉर्पोरेट ऋण प्रतिभूतियां	-	-	-	-

5.10 Provision Coverage Ratio

Particulars	2020-21	2019-20
Provision Coverage Ratio	96.74%	88.76%

5.11 Fraud Reported and provision made during the year

An amount of ₹ 14.08 bn in 13 cases (previous year ₹ 3.76 bn in 6 cases) represents advances declared as frauds during FY 2020-21. Full provision has been made for the outstanding balance as on March 31, 2021 in respect of frauds reported during the year.

6. Investment Portfolio: Constitution and Operations

6.1 Repo Transactions

Current Year: (₹ billion)

Particulars	Minimum outstanding during the year	Maximum outstanding during the year	Daily Average outstanding during the year	Outstanding as on March 31, 2021
Securities sold under repos				
i) Government Securities	-	-	-	-
ii) Corporate Debt Securities	-	-	-	-
Securities Purchased under reverse repos				
i) Government Securities	-	-	-	-
ii) Corporate Debt Securities	-	-	-	-

Previous Year: (₹ billion)

Particulars	Minimum outstanding during the year	Maximum outstanding during the year	Daily Average outstanding during the year	Outstanding as on March 31, 2020
Securities sold under repos				
i) Government Securities	-	-	-	-
ii) Corporate Debt Securities	-	-	-	-
Securities Purchased under reverse repos				
i) Government Securities	-	-	-	-
ii) Corporate Debt Securities	-	-	-	-

6.2 ऋण प्रतिभूतियों में निवेश के लिए निवेशकर्ता की जमाराशियों का प्रकटीकरण

वर्तमान वर्ष: (₹ बिलियन)

क्र.सं.	निवेशकर्ता	राशि	राशि			
			निजी प्लेसमेंट के जरिए किया गया निवेश	''निवेश ग्रेड से नीचे'' धारित प्रतिभूतियां	धारित ''अश्रेणीकृत'' प्रतिभूतियां	धारित ''असूचीबद्ध'' प्रतिभूतियां
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
1	सार्वजनिक उपक्रम	-	-	-	-	-
2	वित्तीय संस्थाएं	1.27	1.27	-	0.06	1.27
3	बैंक	0.002	0.002	-	-	-
4	निजी कॉर्पोरेट	27.45*	27.39	0.44	5.38	24.28
5	अनुषंगी संस्थाएं/ संयुक्त उपक्रम	0.003	0.003	-	0.003	0.003
6	अन्य	0.02	0.02	-	-	0.02
7	मूल्यह्रास के लिए किए गए प्रावधान#	22.43	-	-	-	-
	कुल	**28.74**	**28.69**	**0.44**	**5.44**	**25.57**

कॉलम 3 में प्रकट किए जाने वाले प्रावधान की केवल कुल राशि।

* जिसमें से ₹ 20.20 बिलियन की जमा राशियां आस्ति पुनर्संरचना कंपनियों (एआरसी) द्वारा जारी प्रतिभूति रसीदों में निवेश को दर्शाती हैं और ₹ 6.79 बिलियन का निवेश ऋण पुनर्संरचना के हिस्से के रूप में शेयरों/ऋण पत्रों (डिबेंचरों) में है।

उपर्युक्त कॉलम 4, 5, 6 और 7 के अंतर्गत उल्लिखित राशियां पारस्परिक रूप से अनन्य नहीं हैं।

गत वर्ष: (₹ बिलियन)

क्र. सं.	निवेशकर्ता	राशि	राशि			
			निजी प्लेसमेंट के जरिए किया गया निवेश	''निवेश ग्रेड से नीचे'' धारित प्रतिभूतियां	धारित ''अश्रेणीकृत'' प्रतिभूतियां	धारित ''असूचीबद्ध'' प्रतिभूतियां
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
1	सार्वजनिक उपक्रम	-	-	-	-	-
2	वित्तीय संस्थाएं	1.52	1.52	-	0.06	1.52**
3	बैंक	0.002	0.002	-	-	-
4	निजी कॉर्पोरेट	39.43	39.25	-	17.26	36.09*
5	अनुषंगी संस्थाएं/ संयुक्त उपक्रम	0.003	0.003	-	0.003	0.003
6	अन्य	0.02	0.02	-	-	0.02
7	मूल्यह्रास के लिए किए गए प्रावधान#	20.77	-	-	-	-
	कुल	**40.98**	**40.80**	**-**	**17.33**	**37.64**

6.2 Disclosure of Issuer Composition for Investment in Debt Securities

Current Year: (₹ billion)

Sr. No.	Issuer	Amount	Amount of			
			Investment made through private placement	"Below investment grade" Securities held	"Unrated" Securities held	"Unlisted" Securities held
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
1	PSUs	-	-	-	-	-
2	FIs	1.27	1.27	-	0.06	1.27
3	Banks	0.002	0.002	-	-	-
4	Private corporates	27.45*	27.39	0.44	5.38	24.28
5	Subsidiaries/ Joint ventures	0.003	0.003	-	0.003	0.003
6	Others	0.02	0.02	-	-	0.02
7	Provision held towards depreciation#	22.43	-	-	-	-
	Total	**28.74**	**28.69**	**0.44**	**5.44**	**25.57**

Only aggregate amount of provision held to be disclosed in column 3

* Out of which ₹ 20.20 billion represents investment in security receipts issued by Asset Reconstruction Companies (ARCs) and ₹ 6.79 billion of investments are in shares / debentures acquired as part of loan restructuring.

Amounts reported under columns 4, 5, 6 and 7 above are not mutually exclusive.

Previous Year: (₹ billion)

Sr. No.	Issuer	Amount	Amount of			
			Investment made through private placement	"Below investment grade" Securities held	"Unrated" Securities held	"Unlisted" Securities held
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
1	PSUs	--	--	--	--	--
2	FIs	1.52	1.52	--	0.06	1.52**
3	Banks	0.002	0.002	--	--	--
4	Private corporates	39.43	39.25	--	17.26	36.09*
5	Subsidiaries/ Joint ventures	0.003	0.003	--	0.003	0.003
6	Others	0.02	0.02	--	--	0.02
7	Provision held towards depreciation#	20.77	-	-	-	-
	Total	**40.98**	**40.80**	**-**	**17.33**	**37.64**

कॉलम 3 में प्रकट किए गए प्रावधान की कुल राशि।

* जिसमें से ₹ 20.42 बिलियन की जमा राशियां आस्ति पुनर्संरचना कंपनियों (एआरसी) द्वारा जारी प्रतिभूति रसीदों में निवेश और ₹ 2.77 बिलियन ऋण पुनर्संरचना के हिस्से के रूप में शेयरों/ऋण पत्रों (डिबेंचरों) में निवेश को दर्शाती हैं।

** जिसमें से ₹ 1.12 बिलियन राशि आरबीआई के अनुमोदन से किए गए यूएस डॉलर/भारतीय रुपए में स्वाप के जरिए थीं।

उपर्युक्त कॉलम 4, 5, 6 और 7 के अंतर्गत उल्लिखित राशियां पारस्परिक रूप से अनन्य नहीं हैं।

6.3 हेल्ड टू मैच्योरिटी (एचटीएम) श्रेणी में / से बिक्री और अंतरण

31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष के दौरान, बैंक ने हेल्ड-टू-मैच्योरिटी (एचटीएम) श्रेणी से बिक्री के लिए उपलब्ध (एएफएस) श्रेणी में कुल ₹ 9.78 बिलियन (गत वर्ष शून्य) के बही मूल्य की सरकारी प्रतिभूतियों का अंतरण किया। आरबीआई द्वारा अनुमत अनुसार, लेखा वर्ष की शुरुआत में अंतरण के लिए प्रतिभूतियां यथा 1 अप्रैल, 2020 को एचटीएम श्रेणी के अंतर्गत पोर्टफोलियो की 16% रहीं। एचटीएम श्रेणी में रखी गई सरकारी प्रतिभूतियों का बाजार मूल्य यथा 31 मार्च, 2021 को ₹ 16.23 बिलियन (गत वर्ष ₹ 10.13 बिलियन) रहा और यह यथा उस तारीख को बही मूल्य से अधिक रहा।

7. खरीदी/बेची गई वित्तीय आस्तियों का विवरण

7.1 आस्ति पुनर्संचरना के लिए प्रतिभूतिकरण / पुनर्संरचना कंपनी को बेची गई वित्तीय आस्तियों का विवरण

क. बिक्री का विवरण

(₹ बिलियन)

क्र. सं.	विवरण	2020-21	2019-20
(i)	खातों की संख्या	शून्य	3
(ii)	आस्ति प्रतिभूतिकरण/पुनर्निर्माण कंपनी को बेचे गए खातों (प्रावधानों को घटाकर) का कुल मूल्य	शून्य	0.70
(iii)	कुल प्राप्ति	शून्य	2.25
(iv)	गत वर्षों में हस्तांतरित खातों के संबंध में प्राप्त अतिरिक्त राशि	शून्य	1.97
(v)	निवल बही मूल्य पर कुल प्राप्ति/(हानि)	शून्य	3.51

- "आस्ति पुनर्निर्माण कंपनियों को बेची गई आस्तियों'' को आरबीआई के मास्टर परिपत्र डीबीओडी संख्या एफआईडी.एफआईसी.2/01.02.00/2006-07 दिनांकित 01 जुलाई, 2006 और उसके बाद परिभाषित अनुसार माना गया है।
- गत वर्ष के दौरान, उपर्युक्त तीन खातों के अतिरिक्त, ₹ 3.42 बिलियन के निवल आस्ति मूल्य वाला एक खाता मैसर्स वार्डे इन्वेस्टमेंट्स पार्टनर्स एल. पी. यूएस को ₹ 2.95 बिलियन में बेचा गया, जिसके परिणामस्वरूप ₹ 0.47 बिलियन की हानि हुई।

ख. प्रतिभूति जमाओं में निवेशों के बही मूल्य का विवरण

(₹ बिलियन)

क्र. सं.	विवरण	प्रतिभूति रसीदों में निवेशों का बही मूल्य	
		2020-21	**2019-20**
(i)	बैंक द्वारा बेची गई अनर्जक आस्तियों द्वारा गारंटित	2.72	4.09
(ii)	बैंकों/अन्य वित्तीय संस्थाओं/गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों द्वारा बेची गई अनर्जक आस्तियों द्वारा गारंटित	-	-
	कुल	**2.72**	**4.09**

Only aggregate amount of provision held disclosed in column 3
* Out of which ₹ 20.42 bn represents investment in security receipts issued by Asset Reconstruction Companies (ARCs) and ₹ 2.77 bn of investments are in shares / debentures acquired as part of loan restructuring.
** Out of which ₹ 1.12 bn were by way of USD / INR Swap undertaken with RBI approval.
Amounts reported under columns 4, 5, 6 and 7 above are not mutually exclusive.

6.3 Sale and Transfer to / from Held to Maturity (HTM) Category

During the year ended March 31, 2021, the Bank transferred Government securities with book value aggregating to ₹ 9.78 bn (PY Nil) from Held-to-Maturity (HTM) category to Available for Sale (AFS) category, being transfer of securities at the beginning of the accounting year as permitted by RBI, which was 16 % of portfolio under the HTM Category as on 1st April, 2020. The market value of investments in Government Securities held in HTM category as at March 31, 2021 was at ₹ 16.23 bn (PY ₹ 10.13 bn) and was higher than the book value thereof as of that date.

7. Details of Financial Assets Purchased/Sold

7.1 Details of Financial Assets sold to Securitisation / Reconstruction Company for Asset Reconstruction

A. Details of Sales (₹ billion)

Sr. No.	Particulars	2020-21	2019-20
(i)	No. of Accounts	Nil	3
(ii)	Aggregate value (net of provisions) of accounts sold to SC/RC	Nil	0.70
(iii)	Aggregate consideration	Nil	2.25
(iv)	Additional Consideration realised in respect of accounts transferred in earlier years	Nil	1.97
(v)	Aggregate gain/(loss) over net book value	Nil	3.51

- The "Assets sold to Reconstruction Companies" have been reckoned as defined in RBI Master Circular DBOD No. FID.FIC.2/01.02.00/2006-07 dated July 01, 2006 and thereafter.
- In the pervious year, in addition to the above three accounts, an account with net asset value of ₹ 3.42 billion was sold to M/s Varde Investment Partners L.P., US for ₹ 2.95 billion resulting into loss of ₹ 0.47 billion.

B. Details of Book value of Investments in Security Receipts (₹ billion)

Sr. No.	Particulars	Book value of Investments in Security receipts	
		2020-21	2019-20
(i)	Backed by NPAs sold by the Bank as underlying	2.72	4.09
(ii)	Backed by NPAs sold by banks/other financial institutions/ non-banking financial companies as underlying	--	-
	Total	**2.72**	**4.09**

7.2 खरीदी/बेची गई अनर्जक वित्तीय आस्तियों का विवरण

क. खरीदी गई अनर्जक वित्तीय आस्तियों का विवरण

(₹ बिलियन)

क्र. सं.	विवरण	2020-21	2019-20
1)	क) वर्ष के दौरान खरीदे गए खातों की संख्या	-	-
	ख) कुल बकाया	-	-
2)	क) इनमें से वर्ष के दौरान पुनर्संरचित खातों की संख्या	-	-
	ख) कुल बकाया	-	-

ख. बेची गई अनर्जक वित्तीय आस्तियों का विवरण

(₹ बिलियन)

क्र. सं.	विवरण	2020-21	2019-20
1)	बेचे गए खातों की संख्या	-	-
2)	कुल बकाया	-	-
3)	कुल प्राप्त राशि	-	-

8. परिचालन परिणाम

क्र. सं.	विवरण	2020-21	2019-20
(i)	औसत कार्यशील निधियों के प्रतिशत के रूप में ब्याज आय	6.35	7.16
(ii)	औसत कार्यशील निधियों के प्रतिशत के रूप में गैर–ब्याज आय	0.47	0.35
(iii)	औसत कार्यशील निधियों के प्रतिशत के रूप में परिचालन लाभ	2.25	1.76
(iv)	औसत आस्तियों पर प्रतिफल	0.19	0.10
(v)	प्रति (स्थायी) कर्मचारी निवल लाभ/(हानि) (₹ बिलियन में)	0.007	0.003

- परिचालन परिणामों के लिए कार्यशील निधियों और कुल आस्तियों को गत लेखा वर्ष के अंत तथा रिपोर्ट के अंतर्गत लेखा वर्ष के अंत के आंकड़ों के औसत के रूप में लिया गया है (''कार्यशील निधियों'' का संदर्भ कुल आस्तियों से है)।
- प्रति कर्मचारी निवल लाभ की गणना के लिए सभी कैडरों के स्थायी, पूर्णकालिक कर्मचारियों को लिया गया है।

7.2 Details of Non Performing Financial Assets Purchased/Sold

A. Details of Non Performing financial assets purchased (₹ billion)

Sr. No.	Particulars	2020-21	2019-20
1)	a) No. of accounts purchased during the year	-	-
	b) Aggregate outstanding	-	-
2)	a) Of these, number of accounts restructured during the year	-	-
	b) Aggregate outstanding	-	-

B. Details of Non Performing financial assets sold (₹ billion)

Sr. No.	Particulars	2020-21	2019-20
1)	No. of accounts sold	-	-
2)	Aggregate outstanding	-	-
3)	Aggregate consideration received	-	-

8. Operating Results

Sr. No.	Particulars	2020-21	2019-20
(i)	Interest income as a percentage to average working funds	6.35	7.16
(ii)	Non-interest income as a percentage to average working funds	0.47	0.35
(iii)	Operating profit as a percentage to average working funds	2.25	1.76
(iv)	Return on average assets	0.19	0.10
(v)	Net Profit/(Loss) per (permanent) employee (in ₹ billion)	0.007	0.003

- For operating results, the working funds and total assets have been taken as the average of the figures as at the end of the previous accounting year and the end of the accounting year under report (The "working funds" refer to the total assets).
- All permanent, full-time employees in all cadres have been reckoned for computing per employee net profit .

9. ऋण संकेंद्रण जोखिम

9.1 पूँजी बाजार एक्सपोज़र

(₹ बिलियन)

क्र. सं.	विवरण	2020-21	2019-20
(i)	इक्विटी शेयरों, परिवर्तनीय बॉन्डों, परिवर्तनीय डिबेंचरों और इक्विटी उन्मुख म्युचुअल फंड यूनिट्स में प्रत्यक्ष निवेश, जिनका निवेश केवल कॉर्पोरेट ऋण में ही नहीं है;	-	-
(ii)	शेयरों (आईपीओ/ईसॉप सहित) परिवर्तनीय बॉन्डों/परिवर्तनीय डिबेंचरों और इक्विटी उन्मुख म्युचुअल फंडों की यूनिट्स में निवेश के लिए शेयरों / बॉन्डों / डिबेंचरों अथवा अन्य प्रतिभूतियों के एवज में अग्रिम अथवा गैर प्रतिभूति आधार पर व्यक्तियों को अग्रिम;	-	-
(iii)	अन्य उद्देश्यों के लिए अग्रिम, जहां शेयरों या परिवर्तनीय बॉन्डों या परिवर्तनीय डिबेंचरों या इक्विटी उन्मुख म्युचुअल फंडों की यूनिट्स को प्राथमिक प्रतिभूति के रूप में लिया गया है;	-	-
(iv)	अन्य उद्देश्यों के लिए अग्रिम जहां शेयरों या परिवर्तनीय बॉन्डों/ डिबेंचरों या इक्विटी उन्मुख म्युचुअल फंड यूनिट्स की कोलैटरल सिक्योरिटी, अर्थात ऐसे उद्देश्य जहां शेयरों/परिवर्तनीय बॉन्डों या परिवर्तनीय डिबेंचरों या इक्विटी उन्मुख म्युचुअल फंड यूनिट्स के अलावा प्राथमिक प्रतिभूति अग्रिमों को पूरी तरह कवर नहीं करती;	-	-
(v)	शेयर दलालों को जमानती और गैर–जमानती अग्रिम तथा शेयर दलालों और मार्केटमेकर्स की ओर से जारी गारंटियां;	-	-
(vi)	संसाधन जुटाने के लिए कॉर्पोरेट्स को नई कंपनियों में प्रवर्तक इक्विटी लेने के लिए शेयरों/बॉन्डों/डिबेंचरों या अन्य प्रतिभूतियों के पेटे या बेजमानती ऋणों की मंजूरी;	-	-
(vii)	संभावित इक्विटी प्रवाह/निर्गमों के बदले पूरक ऋण;	-	-
(viii)	शेयरों या परिवर्तनीय बॉन्डों या परिवर्तनीय डिबेंचरों या इक्विटी उन्मुख म्युचुअल फंड यूनिट्स की प्राथमिक निर्गम की खरीद के संबंध में बैंक द्वारा दी गई हामीदारी प्रतिबद्धताएं;	-	-
(ix)	शेयर दलालों को मार्जिन ट्रेडिंग के लिए वित्तपोषण;	-	-
(x)	उद्यम पूँजीगत निधियों (पंजीकृत और अपंजीकृत दोनों) के लिए सभी एक्सपोज़र	-	-
	पूँजी बाजार में कुल एक्सपोज़र	-	-

9. Credit Concentration Risk

9.1 Capital Market Exposure

(₹ billion)

Sr. No.	Particulars	2020-21	2019-20
(i)	Direct investment in equity shares, convertible bonds, convertible debentures and units of equity oriented mutual funds the corpus of which is not exclusively invested in corporate debt;	-	-
(ii)	Advances against shares/bonds/debentures or other securities or on clean basis to individuals for investment in shares (including IPOs/ESOPs), convertible bonds, convertible debentures and units of equity oriented mutual funds;	-	-
(iii)	Advances for any other purposes where shares or convertible bonds or convertible debentures or units of equity oriented mutual funds are taken as primary security;	-	-
(iv)	Advances for any other purposes to the extent secured by the collateral security of shares or convertible bonds or convertible debentures or units of equity oriented mutual funds i.e. where the primary security other than shares/ convertible bonds/convertible debentures/units of equity oriented mutual funds does not fully cover the advances;	-	-
(v)	Secured and unsecured advances to stockbrokers and guarantees issued on behalf of stockbrokers and market makers;	-	-
(vi)	Loans sanctioned to corporates against the security of shares/bonds/debentures or other securities or on clean basis for meeting promoter's contribution to the equity of new companies in anticipation of raising resources;	-	-
(vii)	Bridge loans to companies against expected equity flows/ issues;	-	-
(viii)	Underwriting commitments taken up by the Bank in respect of primary issue of shares or convertible bonds or convertible debentures or units of equity oriented mutual funds;	-	-
(ix)	Financing to stockbrokers for margin trading;	-	-
(x)	All exposures to Venture Capital Funds (both registered and unregistered)	-	-
	Total Exposure to Capital Market	-	-

9.2 देशगत जोखिम एक्सपोज़र (₹ बिलियन)

जोखिम श्रेणी	यथा मार्च 2021 को एक्सपोजर (निवल)	यथा मार्च 2021 को रखे गए प्रावधान	यथा मार्च 2020 को एक्सपोज़र (निवल)	मार्च 2020 को प्रावधान
नगण्य	66.75	0.26	80.50	0.35
न्यून	334.72	-	443.74	0.03
मध्यम	510.83	-	378.41	-
उच्च	40.45	-	73.26	-
बहुत ज्यादा	65.57	-	65.76	-
प्रतिबंधित	-	-	-	-
ऑफ क्रेडिट	-	-	-	-
कुल	**1018.32**	**0.26**	**1,041.67**	**0.38**

9.3 रणनीतिक ऋण पुनर्संरचना (एसडीआर) योजना (₹ बिलियन)

विवरण	2020-21	2019-20
खातों की संख्या	1	1
कुल बकाया राशि	-	-
इक्विटी में परिवर्तित ऋण की राशि	0.08	0.08

9.4 दबावग्रस्त आस्तियों की संवहनीय संरचना योजना (एस4ए) के अंतर्गत एक्सपोज़र (₹ बिलियन)

विवरण		2020-21	2019-20
मानक खातों के रूप में वर्गीकृत खातों की संख्या, जिन पर एस4ए लागू होता है		2	2
कुल बकाया राशि		0.01	0.01
बकाया राशि	भाग क में	2.94	2.94
	भाग ख में	2.59	2.59
किया गया प्रावधान		1.11	1.11

9.2 Exposure to Country Risk

(₹ billion)

Risk Category	Exposure (net) as at March 2021	Provision held as at March 2021	Exposure (net) as at March 2020	Provision held as at March 2020
Insignificant	66.75	0.26	80.50	0.35
Low	334.72	-	443.74	0.03
Moderate	510.83	-	378.41	-
High	40.45	-	73.26	-
Very High	65.57	-	65.76	-
Restricted	-	-	-	-
Off-credit	-	-	-	-
Total	**1018.32**	**0.26**	**1,041.67**	**0.38**

9.3 Strategic Debt Restructuring (SDR) Scheme

(₹ billion)

Particulars	2020-21	2019-20
No. of accounts	1	1
Aggregate amount outstanding	-	-
Amount of exposure converted into equity	0.08	0.08

9.4 Exposure on the Scheme for Sustainable Structuring of Stressed Assets (S4A)

(₹ billion)

Particulars		2020-21	2019-20
No. of accounts classified as standard where S4A has been applied		2	2
Aggregate amount outstanding		0.01	0.01
Amount Outstanding	In Part A	2.94	2.94
	In Part B	2.59	2.59
Provision Held		1.11	1.11

9.5 बैंक द्वारा विवेकसम्मत ऋण सीमा से अधिक ऋण देने संबंधी मामले-एकल उधारकर्ता सीमा/समूह उधारकर्ता सीमा

क. वर्ष के दौरान विवेकसम्मत ऋण सीमा से अधिक ऋण संबंधी मामले- संख्या और राशि (₹ बिलियन)

क्र. सं.	पैन	उधारकर्ता का नाम	उद्योग कोड	उद्योग का नाम	क्षेत्र	निधिक राशि	गैर-निधिक राशि	पूंजीगत निधियों के % के रूप में एक्सपोज़र
1.	-	अफ्रीकी निर्यात-आयात बैंक	65102	वित्तीय सेवाएं	वित्तीय सेवाएं	25.13	0.00	17.70

(गत वर्ष : शून्य)

ख. पूंजीगत निधियों और कुल आस्तियों के प्रतिशत के रूप में ऋण

वर्तमान वर्ष

	विवरण	पूंजीगत निधियों की तुलना में प्रतिशत*	कुल ऋण एक्सपोज़र की तुलना में प्रतिशत (टीसीई)@	कुल आस्तियों की तुलना में प्रतिशत
i)	सबसे बड़ा एकल उधारकर्ता	17.70	1.44	1.86
ii)	सबसे बड़ा उधारकर्ता समूह	25.25	2.05	2.66
iii)	20 सबसे बड़े एकल उधारकर्ता	158.33	12.86	16.67
iv)	20 सबसे बड़े उधारकर्ता समूह	180.01	14.62	18.96

* यथा 31 मार्च, 2020 को पूंजीगत निधियां।

@ टीसीईः ऋण + अग्रिम + अप्रयुक्त मंजूरियां + गारंटियां + साख पत्र + डेरिवेटिव्स पर ऋण एक्सपोज़र।

1) बैंकों और विदेशी संस्थाओं को दिए गए ऐसे ऋण, जिनके लिए भारत सरकार द्वारा गारंटी दी गई है/भारत सरकार की ओर से स्वीकृत किए गए हैं, उन्हें एकल/समूह उधारकर्ता एक्सपोज़र में शामिल नहीं किया गया है।

2) यथा 31 मार्च, 2021 को एक एकल उधारकर्ता रहा, जिसे ऋण एक्सपोज़र कुल पूंजीगत निधियों के 15% की सीमा से अधिक रहा, जिसके लिए निदेशक मंडल से पूर्व में अनुमोदन ले लिया गया था। इसके अतिरिक्त, कोई समूह उधारकर्ता नहीं रहा, जिसे ऋण एक्सपोज़र पूंजीगत निधियों के 40% की सीमा से अधिक रहा हो। विवरण उपर्युक्त पैरा 9.5.क में दिया गया है।

गत वर्षः

	विवरण	पूंजी निधियों का प्रतिशत*	कुल ऋण एक्सपोज़र का प्रतिशत (टीसीई)@	कुल आस्तियों का प्रतिशत
i)	सबसे बड़ा एकल उधारकर्ता	14.99	1.04	1.42
ii)	सबसे बड़ा उधारकर्ता समूह	29.85	2.07	2.82
iii)	20 सबसे बड़े एकल उधारकर्ता	194.62	13.50	18.38
iv)	20 सबसे बड़े उधारकर्ता समूह	236.31	16.39	22.31

* यथा 31 मार्च, 2019 को पूंजीगत निधियां।

@ टीसीईः ऋण + अग्रिम + अप्रयुक्त मंजूरियां + गारंटियां + साख पत्र + डेरिवेटिव्स पर ऋण एक्सपोज़र।

9.5 Prudential Exposure Limits – Single Borrower Limit (SBL)/Group Borrower Limit (GBL) exceeded by the Bank

A. The number and amount of exposures in excess of the prudential exposure limits during the year

(₹ billion)

Sr. No.	PAN No.	Borrower Name	Industry Code	Industry Name	Sector	Amount Funded	Amount Non-Funded	Exposure as a % to Capital Funds
1.	-	AFRICAN EXPORT-IMPORT BANK	65102	Financial Services	Financial Services	25.13	0.00	17.70

(Pervious year : Nil)

B. Credit exposure as percentage to capital funds and as percentage to total assets

Current Year:

	Particulars	Percentage to Capital Funds*	Percentage to Total Credit Exposure (TCE)@	Percentage to Total Assets
i)	Largest single borrower	17.70	1.44	1.86
ii)	Largest borrower group	25.25	2.05	2.66
iii)	20 largest single borrowers	158.33	12.86	16.67
iv)	20 largest borrower groups	180.01	14.62	18.96

*Capital Funds as on March 31, 2020

@ TCE: Loans + Advances + Unutilised Sanctions + Guarantees + LCs + Credit exposure on account of derivatives.

1) Credit exposure to banks and overseas institutions guaranteed by GOI/assumed at the behest of GOI, not considered for single/group borrower exposure.

2) As on March 31, 2021, there was one single borrower to whom credit exposure above the base ceiling of 15% of total capital funds was assumed with the prior approval of the Board. Further, there was no borrower group to whom credit exposure was above the base ceiling of 40% of capital funds. Details disclosed in para 9.5.A above.

Previous Year:

	Particulars	Percentage to Capital Funds*	Percentage to Total Credit Exposure (TCE)@	Percentage to Total Assets
i)	Largest single borrower	14.99	1.04	1.42
ii)	Largest borrower group	29.85	2.07	2.82
iii)	20 largest single borrowers	194.62	13.50	18.38
iv)	20 largest borrower groups	236.31	16.39	22.31

* Capital Funds as on March 31, 2019

@TCE: Loans + Advances + Unutilised Sanctions + Guarantees + LCs + Credit exposure on account of derivatives.

3) बैंकों और विदेशी संस्थाओं को दिए गए ऐसे ऋण, जिनके लिए भारत सरकार द्वारा गारंटी दी गई है/भारत सरकार की ओर से स्वीकृत किए गए हैं, उन्हें एकल/समूह उधारकर्ता एक्सपोज़र में शामिल नहीं किया गया है।

4) यथा 31 मार्च, 2020 को कोई एकल उधारकर्ता या उधारकर्ता समूह नहीं रहे, जिन्हें ऋण एक्सपोज़र पूँजी निधियों के क्रमशः 15% और 40% की अधिकतम सीमा से ऊपर रहा हो।

ग. पांच सबसे बड़े औद्योगिक क्षेत्रों को ऋण एक्सपोज़र

वर्तमान वर्ष

	क्षेत्र	**कुल ऋण एक्सपोज़र की तुलना में प्रतिशत (टीसीई)**	**ऋण आस्तियों की तुलना में प्रतिशत**
i)	इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट और निर्माण सेवाएं	5.50	8.68
ii)	निर्माण	3.29	5.20
iii)	पेट्रोलियम उत्पाद	3.15	4.97
iv)	रसायन और रंजक (डाई)	2.22	3.51
v)	लौह सदृश धातुएं और धातु प्रसंस्करण	2.13	3.36

गत वर्ष:

	क्षेत्र	**कुल ऋण एक्सपोज़र की तुलना में प्रतिशत (टीसीई)**	**ऋण आस्तियों की तुलना में प्रतिशत**
i)	इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट और निर्माण सेवाएं	13.07	9.18
ii)	लौह धातुएं और धातु प्रसंस्करण	8.36	5.88
iii)	टेक्सटाइल और गारमेंट	7.52	5.29
iv)	रसायन और रंजक	6.85	4.81
v)	पेट्रोलियम उत्पाद	6.47	4.55

- ''ऋण एक्सपोज़र'' की गणना भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा परिभाषित अनुसार की गई है।
- उद्योग एक्सपोज़र की गणना के लिए बैंकों और विदेशी संस्थाओं को दिया गया वह ऋण जिसके लिए भारत सरकार द्वारा/भारत सरकार की ओर से गारंटी दी गई है को, भारत सरकार की ओर से दिया गया ऋण माना गया है और उसे इसमें शामिल नहीं किया गया है।

घ. अप्रतिभूतित अग्रिम (₹ बिलियन)

विवरण	**यथा 31 मार्च, 2021 को**	**यथा 31 मार्च, 2020 को**
बैंक के कुल अप्रतिभूतित अग्रिम	48.49	53.44
i) जिसमें से कॉर्पोरेट / व्यक्तिगत गारंटियों, वचन पत्रों, ट्रस्ट रसीदों आदि जैसे अमूर्त आस्तियों के एवज में बकाया अग्रिम की राशि	5.61	12.40
ii) उपर्युक्त (i) में उल्लिखित अनुसार अमूर्त प्रतिभूतियों का अनुमानित मूल्य	0.01	0.19

3) Credit exposure to banks and overseas institutions guaranteed by GOI/assumed at the behest of GOI, not considered for single/group borrower exposure.

4) As on March 31, 2020 there are no single borrower or borrower groups to whom credit exposure was above the base ceilings of 15% and 40% of capital funds, respectively.

C. Credit exposure to the five largest industrial sectors

Current Year:

	Sector	Percentage to Total Credit Exposure (TCE)	Percentage to Loan Assets
i)	EPC Services	5.50	8.68
ii)	Construction	3.29	5.20
iii)	Petroleum Products	3.15	4.97
iv)	Chemical and Dyes	2.22	3.51
v)	Ferrous Metals and Metal Processing	2.13	3.36

Previous Year:

	Sector	Percentage to Total Credit Exposure (TCE)	Percentage to Loan Assets
i)	EPC Services	13.07	9.18
ii)	Ferrous Metals and Metal Processing	8.36	5.88
iii)	Textiles and Garments	7.52	5.29
iv)	Chemical and Dyes	6.85	4.81
v)	Petroleum Products	6.47	4.55

- The "credit exposure" has been reckoned as defined by RBI.
- Credit exposure to banks and overseas institutions guaranteed by GOI/assumed at the behest of GOI, excluded for computing industry exposure.

D. Unsecured Advances

(₹ billion)

Particulars	As at 31st March, 2021	As at 31st March, 2020
Total Unsecured Advances of the bank	48.49	53.44
i) Of which amount of advances outstanding against charge over intangible securities such as corporate/ personal guarantees, promissory notes, trust receipts, etc.	5.61	12.40
ii) The estimated value of such intangible securities (as in (i) above).	0.01	0.19

ङ. फैक्टरिंग एक्सपोज़र

फैक्टरिंग व्यवस्था के अंतर्गत बैंक का कोई एक्सपोज़र नहीं है (गत वर्ष ₹ शून्य)।

च. वर्ष के दौरान वित्तीय संस्था द्वारा पार की गई विवेकसम्मत ऋण सीमा वाले एक्सपोज़र (₹ बिलियन)

क्र. सं.	पैन	उधारकर्ता का नाम	उद्योग कोड	उद्योग का नाम	क्षेत्र	निधिक राशि	गैर-निधिक राशि	पूँजीगत निधियों के % के रूप में एक्सपोज़र
1.	-	अफ्रीकी निर्यात-आयात बैंक	65102	वित्तीय सेवाएं	वित्तीय सेवाएं	25.13	0.00	17.70

(गत वर्ष : शून्य)

यथा 31 मार्च, 2021 को एक एकल उधारकर्ता रहा, जिसे ऋण एक्सपोजर कुल पूँजीगत निधियों के 15% की सीमा से अधिक रहा, जिसके लिए निदेशक मंडल से पूर्व में अनुमोदन ले लिया गया था। इसके अतिरिक्त, कोई समूह उधारकर्ता नहीं रहा, जिसे ऋण एक्सपोजर पूँजीगत निधियों के 40% की सीमा से अधिक रहा हो। विवरण उपर्युक्त पैरा 9.5 ए में दिया गया है

10. उधारियों/ऋण-व्यवस्थाओं, ऋण एक्सपोज़रों और अनर्जक आस्तियों का संकेंद्रण

(क) उधारियों और ऋण-व्यवस्थाओं का संकेंद्रण

(₹ बिलियन)

विवरण	2020-21	2019-20
20 सबसे बड़े ऋणदाताओं से कुल उधारियां	128.77	109.57
बैंक की कुल उधारियों की तुलना में 20 सबसे बड़े ऋणदाताओं से कुल उधारियों का प्रतिशत	11.75%	10.42%

(ख) ऋण एक्सपोज़रों का संकेंद्रण

(₹ बिलियन)

विवरण	2020-21	2019-20
20 सबसे बड़े उधारकर्ताओं को कुल एक्सपोज़र	224.76	240.51
बैंक के कुल अग्रिमों की तुलना में 20 सबसे बड़े ऋणदाताओं को कुल एक्सपोज़र का प्रतिशत	20.30%	22.47%
20 सबसे बड़े उधारकर्ताओं/ग्राहकों को कुल एक्सपोज़र	224.76	240.51
उधारकर्ताओं/ग्राहकों पर बैंक के कुल एक्सपोज़र की तुलना में 20 सबसे बड़े उधारकर्ताओं/ग्राहकों को एक्सपोज़र का प्रतिशत	12.86%	13.50%
एक्ज़िम बैंक के मामले में, कुल एक्सपोज़र की तुलना में शीर्ष 10 देशों के एक्सपोज़र का प्रतिशत	35.97%	34.37%

ऋण और निवेश एक्सपोज़र पर आधारित एक्सपोज़र की गणना वित्तीय संस्थाओं के लिए एक्सपोज़र मानदंडों पर भारतीय रिज़र्व बैंक के मास्टर परिपत्र संख्या डीबीआर.एफआईडी.एफआईसी.संख्या 4/01.02.00/2015-16 दिनांकित 01 जुलाई, 2015 के अनुसार की गई है।

E. Factoring Exposures

The Bank has no exposure under factoring arrangement (previous year ₹ NIL).

F. Exposures where the FI had exceeded the prudential Exposures Limits during the year

(₹ billion)

Sr. No	PAN No.	Borrower Name	Industry Code	Industry Name	Sector	Amount Funded	Amount Non-Funded	Exposure as a % to Capital Funds
1.	-	AFRICAN EXPORT-IMPORT BANK	65102	Financial Services	Financial Services	25.13	0.00	17.70

(Pervious Year : Nil)

As on March 31, 2021, there was one single borrower to whom credit exposure above the base ceiling of 15% of total capital funds was assumed with the prior approval of the Board. Further, there was no borrower group to whom credit exposure was above the base ceiling of 40% of capital funds. Details disclosed in para 9.5.A above.

10. Concentration of borrowings/lines of credit, credit exposures and NPAs

(a) Concentration of borrowings and lines of credit

(₹ billion)

Particulars	2020-21	2019-20
Total borrowings from twenty largest lenders	128.77	109.57
Percentage of borrowings from twenty largest lenders to total borrowings of the Bank	11.75%	10.42%

(b) Concentration of Credit exposures

(₹ billion)

Particulars	2020-21	2019-20
Total exposures to twenty largest borrowers	224.76	240.51
Percentage of exposures to twenty largest borrowers to Total Advances of the Bank	20.30%	22.47%
Total exposure to twenty largest borrowers/customers	224.76	240.51
Percentage of exposures to twenty largest borrowers/customers to Total exposure of the Bank on borrowers/customers	12.86%	13.50%
In the case of Exim Bank, percentage of total of top ten country exposures to total exposures	35.97%	34.37%

Exposure computed based on credit and investment exposure as prescribed vide RBI Master Circular on Exposure norms for financial institutions: DBR.FID.FIC.No.4/01.02. 00/ 2015-16 dated July 01, 2015.

(ग) ऋणों और अनर्जक आस्तियों का क्षेत्रवार संकेंद्रण (₹ बिलियन)

क्र. सं.	क्षेत्र	2020-21			2019-20		
		कुल बकाया अग्रिम	सकल अनर्जक आस्तियां	क्षेत्र में कुल अग्रिमों की तुलना में सकल अनर्जक आस्तियों का प्रतिशत	कुल बकाया अग्रिम	सकल अनर्जक आस्तियां	क्षेत्र में कुल अग्रिमों की तुलना में सकल अनर्जक आस्तियों का प्रतिशत
क	**घरेलू क्षेत्र**	**355.91**	**39.48**	**11%**	**298.00**	**46.11**	**15%**
1	**कुल निर्यात वित्त**	**323.68**	**32.73**	**10%**	**255.96**	**39.11**	**15%**
	कृषि क्षेत्र	-	-	-	-	-	-
	औद्योगिक क्षेत्र	**186.28**	**25.02**	**13%**	**201.72**	**30.06**	**15%**
	लौह धातुएं और धातु प्रसंस्करण	13.35	2.56	19%	18.17	2.56	14%
	तेल और गैस	-	-	-	4.65	0.70	15%
	टेक्सटाइल और गारमेंट	27.03	5.28	20%	-	-	-
	रसायन और रंजक	10.67	-	0%	12.89	-	-
	पेट्रोकेमिकल्स	30.69	4.89	16%	-	-	-
	अन्य	104.54	12.29	12%	166.01	26.80	16%
	सेवा क्षेत्र	137.40	7.71	6%	54.24	9.05	17%
	विमानन सेवाएं	-	-	-	2.29	-	-
	ईपीसी सेवाएं	-	-	-	10.92	8.37	77%
	जहाजरानी सेवाएं	-	-	-	11.35	-	-
	वित्तीय सेवाएं	103.47	-	0%	-	-	-
	अन्य	33.93	7.71	23%	29.68	0.68	2%
2	**कुल आयात वित्त**	32.23	6.75	21%	42.04	7.00	17%
	कृषि क्षेत्र	-	-	-	-	-	-
	औद्योगिक क्षेत्र	28.50	5.36	19%	38.47	5.59	15%
	लौह धातु और धातु प्रसंस्करण	0.15	0.15	100%	0.33	0.33	100%
	तेल और गैस	-	-	-	6.38	-	-
	रसायन और रंजक	18.26	2.11	12%	18.38	2.16	12%
	अन्य	10.09	3.10	31%	13.38	3.10	23%
	सेवा क्षेत्र	**3.73**	**1.39**	**37%**	**3.57**	**1.41**	**39%**
	ईपीसी सेवाएं	-	-	-	0.32	-	-
	जहाजरानी सेवाएं	-	-	-	2.39	0.63	26%
	अन्य	3.73	1.39	37%	0.86	0.78	91%
3	**(क) में से भारत सरकार द्वारा गारंटित एक्सपोज़र**	-	-	-	-	-	-
ख	**बाह्य क्षेत्र**	**104.50**	**34.65**	**33%**	**144.48**	**47.51**	**33%**
1	**कुल निर्यात वित्त**	**104.50**	**34.65**	**33%**	**144.48**	**47.51**	**33%**
	कृषि क्षेत्र	-	-	-	-	-	-
	औद्योगिक क्षेत्र	79.65	31.69	40%	120.29	44.36	37%
	लौह धातु और धातु प्रसंस्करण	18.89	1.06	6%	26.42	1.06	4%
	तेल और गैस	-	-	-	26.99	22.34	83%
	टेक्सटाइल और गारमेंट	2.60	1.20	46%	-	-	-
	रसायन और रंजक	5.89	5.08	86%	6.56	-	-
	अन्य	52.27	24.36	47%	60.32	20.96	35%

(c) Sector-wise concentration of exposures and NPAs

(₹ billion)

Sr. .No	Sector	2020-21			2019-20		
		Outstanding Total Advances	Gross NPAs	Percentage of Gross NPAs to Total Advances in that sector	Outstanding Total Advances	Gross NPAs	Percentage of Gross NPAs to Total Advances in that sector
A	**Domestic Sector**	355.91	39.48	11%	298.00	46.11	15%
1	**Total Export Finance**	323.68	32.73	10%	255.96	39.11	15%
	Agricultural sector	-	-	-	-	-	-
	Industrial Sector	186.28	25.02	13%	201.72	30.06	15%
	Ferrous Metals & Metal Processing	13.35	2.56	19%	18.17	2.56	14%
	Oil and Gas	-	-	-	4.65	0.70	15%
	Textiles & Garments	27.03	5.28	20%	-	-	-
	Chemical and dyes	10.67	-	0%	12.89	-	-
	Petrochemicals	30.69	4.89	16%	-	-	-
	Others	104.54	12.29	12%	166.01	26.80	16%
	Services Sector	137.40	7.71	6%	54.24	9.05	17%
	Aviation Services	-	-	-	2.29	-	-
	EPC Services	-	-	-	10.92	8.37	77%
	Shipping Services	-	-	-	11.35	-	-
	Financial Services	103.47	-	0%	-	-	-
	Others	33.93	7.71	23%	29.68	0.68	2%
2	**Total Import Finance**	32.23	6.75	21%	42.04	7.00	17%
	Agricultural sector	-	-	-	-	-	-
	Industrial Sector	28.50	5.36	19%	38.47	5.59	15%
	Ferrous Metals & Metal Processing	0.15	0.15	100%	0.33	0.33	100%
	Oil and Gas	-	-	-	6.38	-	-
	Chemicals and dyes	18.26	2.11	12%	18.38	2.16	12%
	Others	10.09	3.10	31%	13.38	3.10	23%
	Services Sector	3.73	1.39	37%	3.57	1.41	39%
	EPC Services	-	-	-	0.32	-	-
	Shipping Services	-	-	-	2.39	0.63	26%
	Others	3.73	1.39	37%	0.86	0.78	91%
3	**Of (A), exposures guaranteed by the Government of India**	-	-	-	-	-	-
B	External Sector	104.50	34.65	33%	144.48	47.51	33%
1	**Total Export Finance**	104.50	34.65	33%	144.48	47.51	33%
	Agricultural sector	-	-	-	-	-	-
	Industrial Sector	79.65	31.69	40%	120.29	44.36	37%
	Ferrous Metals & Metal Processing	18.89	1.06	6%	26.42	1.06	4%
	Oil and Gas	-	-	-	26.99	22.34	83%
	Textiles & Garments	2.60	1.20	46%	-	-	-
	Chemicals and Dyes	5.89	5.08	86%	6.56	-	-
	Others	52.27	24.36	47%	60.32	20.96	35%

क्र. सं.	क्षेत्र	2020-21			2019-20		
		कुल बकाया अग्रिम	सकल अनर्जक आस्तियां	क्षेत्र में कुल अग्रिमों की तुलना में सकल अनर्जक आस्तियों का प्रतिशत	कुल बकाया अग्रिम	सकल अनर्जक आस्तियां	क्षेत्र में कुल अग्रिमों की तुलना में सकल अनर्जक आस्तियों का प्रतिशत
	सेवा क्षेत्र	**24.85**	**2.96**	**12%**	**24.19**	**3.15**	**13%**
	विमानन सेवाएं	-	-	-	4.36	-	-
	ईपीसी सेवाएं	-	-	-	-	-	-
	वित्तीय सेवाएं	15.48	-	0%	13.30	-	-
	जहाजरानी सेवाएं	-	-	-	1.49	0.59	40%
	अन्य	9.37	2.96	32%	5.04	2.56	51%
2	**कुल आयात वित्त**	-	-	-	-	-	-
	कृषि क्षेत्र	-	-	-	-	-	-
	औद्योगिक क्षेत्र	-	-	-	-	-	-
	सेवा क्षेत्र	-	-	-	-	-	-
3	**(ख) में से भारत सरकार द्वारा गारंटित एक्सपोज़र**	-	-	-	-	-	-
ग	**अन्य एक्सपोज़र#**	**646.90**	**-**	**-**	**628.04**	**-**	**-**
घ	**कुल एक्सपोजर (क+ख+ग)**	**1,107.31**	**74.13**	**6.69%**	**1070.52**	**93.62**	**8.75%**

इसमें ऋण-व्यवस्थाओं, राष्ट्रीय निर्यात बीमा खाते के अंतर्गत क्रेता ऋण, रियायती वित्त योजना, वाणिज्यिक बैंकों को पुनर्वित्त और बैंकों द्वारा प्रति-गारंटित अग्रिम शामिल हैं।

घ. हेज न किया गया विदेशी मुद्रा एक्सपोजर

बैंक ने आरबीआई के मास्टर निदेश डीबीआर.एफआईडी.सं. 108/01.02.000/2015-16 दिनांकित 23 जून, 2016 के अनुसार, पूँजी के प्रावधान की आवश्यकताओं के संबंध में एक आंतरिक नोट के अनुसार अरक्षित (हेज न किया गया) विदेशी मुद्रा एक्सपोज़र वाली कंपनियों को एक्सपोज़र के लिए वृद्धिशील रूप से प्रावधान करने के नियम को लागू किया है। यथा 31 मार्च, 2021 को मुद्रा उत्प्रेरित ऋण जोखिम के लिए ₹ 0.26 बिलियन (गत वर्षः शून्य) की राशि रखी गई और मुद्रा उत्प्रेरित ऋण जोखिम के लिए आवंटित पूँजी ₹ 7.29 बिलियन (गत वर्षः शून्य) रही।

Sr. .No	Sector	2020-21			2019-20		
		Outstanding Total Advances	Gross NPAs	Percentage of Gross NPAs to Total Advances in that sector	Outstanding Total Advances	Gross NPAs	Percentage of Gross NPAs to Total Advances in that sector
	Services Sector	24.85	2.96	12%	24.19	3.15	13%
	Aviation Services	-	-	-	4.36	-	-
	EPC Services	-	-	-	-	-	-
	Financial Services	15.48	-	0%	13.30	-	-
	Shipping Services	-	-	-	1.49	0.59	40%
	Others	9.37	2.96	32%	5.04	2.56	51%
2	**Total Import Finance**	-	-	-	-	-	-
	Agricultural sector	-	-	-	-	-	-
	Industrial Sector	-	-	-	-	-	-
	Services Sector	-	-	-	-	-	-
3	Of (B), exposures guaranteed by the Government of India	-	-	-	-	-	-
C	**Other Exposures #**	646.90	-	-	628.04	-	-
D	**Total exposures (A+B+C)**	1,107.31	74.13	6.69%	1070.52	93.62	8.75%

includes advances under Lines of Credit, BC-NEIA, Concessional Finance Scheme, refinance to commercial banks and advances counter-guaranteed by banks.

(d) Unhedged Foreign Currency Exposure

The Bank in accordance with RBI Master Direction DBR.FID.No.108/01.02.000/2015-16. Dated 23rd June, 2016 has in place an internal guidance note on capital provisioning requirement and incremental provisioning for exposure to entity with Unhedged Foreign Currency Exposure (UFCE). As on March 31, 2021, an amount of ₹ 0.26 bn (PY: Nil) was held towards Currency Induced Credit Risk and Capital allocated for Currency Induced Credit Risk amounted to ₹ 7.29 bn (PY: Nil).

11. डेरिवेटिव

11.1 वायदा दर करार एवं ब्याज दर स्वाप

(₹ बिलियन)

क्र. सं.	विवरण	2020-21		2019-20	
		हेजिंग	ट्रेडिंग	हेजिंग	ट्रेडिंग
1.	स्वाप करारों का मूल कल्पित मूल्य	490.16	-	511.96	-
2.	प्रतिपक्षी पार्टी द्वारा करार के दायित्वों का निर्वहन न करने पर संभावित हानि	1.40	-	0.05	-
3.	स्वाप करारों के लिए बैंक द्वारा अपेक्षित कोलैटरल	-	-	-	-
4.	स्वाप्स से उत्पन्न ऋण जोखिम का संकेंद्रण	सभी संव्यवहार अनुमोदित ऋण जोखिम सीमाओं के अंदर हैं।*	-	सभी संव्यवहार अनुमोदित ऋण जोखिम सीमाओं के अंदर हैं।*	-
5.	स्वाप बही का सही मूल्य	9.91		28.80	-

* सभी ब्याज दर स्वाप बैंकों के साथ किए गए हैं।

स्वाप की प्रकृति तथा शर्तें: सभी संव्यवहार बैंक की आस्तियों/देयताओं से संबंधित हैं तथा इन्हें बैंक की आस्ति-देयता प्रबंधन स्थिति की हेजिंग के उद्देश्य से किया गया है।

(₹ बिलियन)

लिखत	प्रकृति	संख्या	अनुमानित मूलधन	बेंचमार्क	शर्तें
आईआरएस	हेजिंग	31	431.32	लाइबोर	फिक्स्ड प्राप्तियां बनाम फ्लोटिंग देय
आईआरएस	हेजिंग	1	2.18	लाइबोर	फिक्स्ड प्राप्तियां बनाम फ्लोटिंग देय
आईआरएस	हेजिंग	4	56.65	लाइबोर	फिक्स्ड प्राप्तियां बनाम फ्लोटिंग देय
	कुल	36	490.16		

11. Derivatives

11.1 Forward Rate Agreement/Interest Rate Swap

(₹ billion)

Sr. No.	Particulars	2020-21		2019-20	
		Hedging	Trading	Hedging	Trading
1.	The Notional Principal of swap agreements	490.16	-	511.96	-
2.	Losses, which would be incurred if counter parties failed to fulfill their obligations under the agreements	1.40	-	0.05	-
3.	Collateral required by the Bank upon entering into swaps	-	-	-	-
4.	Concentration of credit risk arising from Swaps	All transactions fall within approved credit exposure limits*	-	All transactions fall within approved credit exposure limits*	-
5.	The fair value of the swap book	9.91		28.80	-

*All the interest rate swaps have been undertaken with Banks

Nature and Terms of Swaps: All transactions have underlying assets/liabilities and have been undertaken for the purpose of hedging the Bank's ALM position.

(₹ billion)

Instrument	Nature	Nos.	Notional Principal	Benchmark	Terms
IRS	Hedging	31	431.32	LIBOR	Fixed receivable vs Floating payable
IRS	Hedging	1	2.18	LIBOR	Floating receivable vs Fixed payable
IRS	Hedging	4	56.65	LIBOR	Floating receivable vs Floating payable
	Total	**36**	**490.16**		

11.2 एक्सचेंजों में खरीदे-बेचे गए ब्याज दर डेरिवेटिव्स (₹ बिलियन)

क्र. सं.	विवरण	राशि
1.	वर्ष के दौरान एक्सचेंजों में खरीदे-बेचे गए ब्याज दर डेरिवेटिव की सांकेतिक मूल राशि	-
2.	यथा 31 मार्च, 2021 को एक्सचेंजों में खरीदे-बेचे गए ब्याज दर डेरिवेटिव की बकाया सांकेतिक मूल राशि	-
3.	एक्सचेंजों में खरीदे-बेचे गए ब्याज दर डेरिवेटिव की बकाया सांकेतिक मूल राशि किंतु ''हाइली इफेक्टिव'' नहीं	-
4.	एक्सचेंजों में खरीदे-बेचे गए ब्याज दर डेरिवेटिव का बकाया मार्क-टू-मार्केट मूल्य किंतु ''हाइली इफेक्टिव'' नहीं	-

11.3 डेरिवेटिव्स में जोखिम एक्सपोज़र का प्रकटीकरण

क. क्वालिटेटिव प्रकटीकरण

1. बैंक बाजार जोखिमों को कम करने के उद्देश्य से मुख्यतः अपने तुलन-पत्र जोखिमों को हेज करने तथा प्रभावी न्यून लागत निधियों को जुटाने के लिए वित्तीय डेरिवेटिव का उपयोग करता है। बैंक वर्तमान में भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा अनुमत केवल ओवर दि काउंटर (ओटीसी) ब्याज दर तथा मुद्रा डेरिवेटिव्स का ही उपयोग करता है।

2. डेरिवेटिव संव्यवहारों में दो जोखिम (i) बाजार जोखिम अर्थात ब्याज दरों/विनिमय दरों के प्रतिकूल प्रचलन से बैंक को संभावित हानि तथा (ii) ऋण जोखिम अर्थात प्रतिपक्षी पार्टी द्वारा अपने दायित्व के निर्वहन में चूक से हानि की संभावना, विहित रहते हैं। बैंक में निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित एक डेरिवेटिव नीति है, जिसका उद्देश्य जोखिम प्रबंधन की दृष्टि से समग्र आस्ति देयता स्थिति को संव्यवहार स्तर पर ही प्रबंधित कर लेना है। यह नीति बैंक के व्यवसाय लक्ष्यों के अनुरूप अनुमत डेरिवेटिव उत्पादों के प्रयोग को परिभाषित करती है, नियंत्रण एवं निगरानी प्रणाली निर्धारित करती है और नियामकीय, प्रलेखन तथा लेखा संबंधी विषयों के बारे में बताती है। इसमें बाजार जोखिम को नियंत्रित करने तथा प्रबंध करने (स्टॉप लॉस लिमिट, ओपन पोजिशन लिमिट, टेनर लिमिट, सेटलमेंट तथा प्री-सेटलमेंट लिमिट, पीवी01 लिमिट आदि) संबंधी जोखिम मानदंडों को भी निर्धारित किया गया है।

3. बैंक की आस्ति-देयता प्रबंधन समिति (एल्को) बैंक के मिड ऑफिस, जो डेरिवेटिव संव्यवहारों से जुड़े बाजार जोखिमों का आकलन और निगरानी करता है, की सहायता से बाजार जोखिम प्रबंधन कार्य की देखरेख करती है।

4. यथा 31 मार्च, 2021 को बैंक की बहियों में बकाया सभी डेरिवेटिव संव्यवहारों को हेजिंग के उद्देश्य से किया गया है तथा आस्ति-देयता बहियों में दर्शाया गया है। इन संव्यवहारों पर आय को बीमांकिक आधार पर हिसाब में लिया गया है।

5. आकस्मिक देयताओं के अंतर्गत बकाया वायदा दर संविदाओं में ब्याज दर स्वाप/करंसी स्वाप्स शामिल नहीं हैं जो कि डेरिवेटिव नीति के अनुपालन के संदर्भ में है।

11.2 Exchange Traded Interest Rate Derivatives (₹ billion)

Sr. No.	Particulars	Amount
1.	Notional Principal amount of exchange traded interest rate derivatives undertaken during the year	-
2.	Notional Principal amount of exchange traded interest rate derivatives outstanding as on March 31, 2021	-
3.	Notional Principal amount of exchange traded interest rate derivatives outstanding and not "highly effective"	-
4.	Mark-to-market value of exchange traded interest rate derivatives outstanding and not "highly effective"	-

11.3 Disclosures on risk exposure in derivatives

A. Qualitative disclosures

1. The Bank uses financial derivative transactions predominantly for raising cost-effective funds and hedging its balance sheet exposures, with the objective of reducing market risk. The Bank currently deals only in over-the-counter (OTC) interest rate and currency derivatives, of the type permitted by RBI.

2. Derivative transactions carry: (i) market risk i.e. the probable loss that the Bank may incur as a result of adverse movements in interest rates / exchange rates and (ii) credit risk i.e. the probable loss the Bank may incur if the counter-parties fail to meet their obligations. The Bank has in place a Derivative Policy approved by the Board, which aims at synchronizing the risk management objectives at the transaction level with those of the overall ALM position. The policy defines the use of permitted derivative products consistent with business goals of the Bank, lays down the control and monitoring systems and deals with regulatory, documentation and accounting issues. The policy also prescribes suitable risk parameters to control and manage market risk on derivative trades undertaken in the treasury book. (stop-loss limits, open position limits, tenor limits, settlement and pre-settlement risk limits, PV01 limits).

3. The ALCO of the Bank oversees management of market risks with support from the Bank's Mid-Office, which measures, monitors and reports market risk associated with derivative transactions.

4. All derivative transactions outstanding in the Bank's books as on March 31, 2021 have been undertaken for hedging purposes and are in the ALM book. The income on such transactions has been accounted for on accrual basis.

5. Interest Rate Swaps (IRS) and Currency Swaps are not included in Outstanding Forward Exchange Contracts under Contingent Liabilities as per the Derivative Policy.

ख. क्वांटिटेटिव प्रकटन

(₹ बिलियन)

क्र. सं.	विवरण	2020-21		2019-20	
		करंसी डेरिवेटिव्स	ब्याज दर डेरिवेटिव्स	करंसी डेरिवेटिव्स	ब्याज दर डेरिवेटिव्स
1	डेरिवेटिव (कल्पित मूल राशि)				
	क) हेजिंग के लिए	355.21	490.16	319.89	511.96
	ख) ट्रेडिंग के लिए	-	-	-	-
2	मार्क्ड–टू–मार्केट स्थितियां				
	क) आस्ति (+)		9.91		28.80
	ख) देयता (–)	(24.95)		(45.41)	
3	ऋण एक्सपोजर	17.45	16.84	13.72	31.23
4	ब्याज दर में एक प्रतिशत परिवर्तन का संभावित प्रभाव (100*पीवी 01)				
	क) हेजिंग डेरिवेटिव पर	10.05	18.65	11.68	21.14
	ख) ट्रेडिंग डेरिवेटिव पर	-	-	-	-
5	वर्ष के दौरान 100*पीवी 01 का अधिकतम और न्यूनतम				
	क) हेजिंग पर				
	(i) अधिकतम	11.75	20.58	11.78	21.21
	(ii) न्यूनतम	11.12	18.66	10.45	13.89
	ख) ट्रेडिंग पर				
	(i) अधिकतम	-	-	-	-
	(ii) न्यूनतम	-	-	-	-

12. बैंक द्वारा जारी चुकौती आश्वासन पत्र

वर्ष के दौरान, बैंक द्वारा कोई चुकौती आश्वासन पत्र जारी नहीं किया गया (गत वर्षः शून्य) और बकाया प्रतिबद्धताओं के लिए कोई वित्तीय उत्तरदायित्व नहीं रहा। यथा 31 मार्च, 2021 को प्राप्त वचन पत्रों के एवज में कोई बकाया एक्सपोज़र नहीं है (गत वर्ष ₹ शून्य)।

B. Quantitative Disclosures

(₹ billion)

Sr. No.	Particulars	2020-21		2019-20	
		Currency Derivatives	Interest rate Derivatives	Currency Derivatives	Interest rate Derivatives
1	Derivatives (Notional Principal Amount)				
	a) For hedging	355.21	490.16	319.89	511.96
	b) For trading	-	-	-	-
2	Marked to Market Positions				
	a) Asset (+)		9.91		28.80
	b) Liability (-)	(24.95)		(45.41)	
3	Credit Exposure	17.45	16.84	13.72	31.23
4	Likely impact of one percentage change in interest rate (100*PV01)				
	a) On hedging derivatives	10.05	18.65	11.68	21.14
	b) On trading derivatives	-	-	-	-
5	Maximum and Minimum of 100*PV01 observed during the year				
	a) On hedging				
	(i) Maximum	11.75	20.58	11.78	21.21
	(ii) Minimum	11.12	18.66	10.45	13.89
	b) On trading				
	(i) Maximum	-	-	-	-
	(ii) Minimum	-	-	-	-

12. Letters of Comfort issued by the Bank

During the year, the Bank has not issued any Letter of Comfort (previous year Nil) and no financial obligation has arisen on account of the outstanding commitments. There are no outstanding exposures against Letters of comfort received as on March 31, 2021 (previous year ₹ Nil).

13. आस्ति-देयता प्रबंधन

वर्तमान वर्ष: (₹ बिलियन)

विवरण	1 से 14 दिन	15 से 28 दिन	29 दिन से 3 माह	3 माह से 6 माह तक	6 माह से 1 साल तक	1 साल से 3 साल तक	3 साल से 5 साल तक	5 साल से ज्यादा	कुल
रुपया अग्रिम	15.42	0.60	2.73	26.11	76.94	29.87	21.58	(1.81)*	171.44
रुपया निवेश	0.00	0.00	0.09	0.05	0.14	0.57	17.82	81.52	100.17
रुपया अन्य आस्तियां	35.57	24.44	125.17	32.19	64.02	173.04	131.52	274.43	860.39
रुपया जमा राशियां	0.02	9.47	9.75	0.03	18.54	8.78	0.14	0.00	46.74
रुपया उधारियां	0.00	14.87	114.44	37.39	13.00	93.74	59.73	70.25	403.43
रुपया अन्य देयताएं	5.43	4.69	29.85	26.72	32.71	114.98	18.11	229.03	461.54
विदेशी मुद्रा आस्तियां	42.17	25.74	64.65	57.65	82.77	270.45	230.30	498.63	1,272.36
विदेशी मुद्रा देयताएं	24.53	22.55	79.22	61.08	93.92	355.19	120.41	383.38	1,140.27

(*) ऋण प्रावधानों के निवल

गत वर्ष: (₹ बिलियन)

विवरण	1 से 14 दिन	15 से 28 दिन	29 दिन से 3 माह	3 माह से 6 माह तक	6 माह से 1 साल तक	1 साल से 3 साल तक	3 साल से 5 साल तक	5 साल से ज्यादा	कुल
रुपया अग्रिम	10.26	7.27	9.86	24.88	12.16	28.17	30.17	6.33	129.11
रुपया निवेश	12.50	0.06	0.08	0.04	0.13	0.73	0.58	94.25	108.37
रुपया अन्य आस्तियां	14.37	1.57	59.10	44.55	51.15	127.54	111.09	254.61	663.98
रुपया जमा राशियां	0.01	0.00	7.22	0.02	28.92	0.17	0.06	0.00	36.41
रुपया उधारियां	33.50	0.00	44.66	12.30	24.23	72.67	65.41	88.45	341.21
रुपया अन्य देयताएं	5.24	5.29	14.35	21.24	29.70	78.36	21.46	215.72	391.37
विदेशी मुद्रा आस्तियां	82.40	2.70	25.67	40.95	73.01	256.96	214.30	515.15	1,211.14
विदेशी मुद्रा देयताएं	48.52	2.87	47.09	72.76	79.56	349.37	172.12	367.70	1,139.99

13. Asset Liability Management

Current Year: (₹ billion)

Particulars	1 to 14 days	15 to 28 days	29 days to 3 months	Over 3 months & up to 6 months	Over 6 months & up to 1 year	Over 1 year & up to 3 years	Over 3 years & up to 5 years	Over 5 years	Total
Rupee Advances	15.42	0.60	2.73	26.11	76.94	29.87	21.58	(1.81)*	171.44
Rupee Investments	0.00	0.00	0.09	0.05	0.14	0.57	17.82	81.52	100.17
Rupee Other Assets	35.57	24.44	125.17	32.19	64.02	173.04	131.52	274.43	860.39
Rupee Deposits	0.02	9.47	9.75	0.03	18.54	8.78	0.14	0.00	46.74
Rupee Borrowings	0.00	14.87	114.44	37.39	13.00	93.74	59.73	70.25	403.43
Rupee Other Liabilities	5.43	4.69	29.85	26.72	32.71	114.98	18.11	229.03	461.54
Foreign Currency Assets	42.17	25.74	64.65	57.65	82.77	270.45	230.30	498.63	1,272.36
Foreign Currency Liabilities	24.53	22.55	79.22	61.08	93.92	355.19	120.41	383.38	1,140.27

* Net of loan provisions

Previous Year: (₹ billion)

Particulars	1 to 14 days	15 to 28 days	29 days to 3 months	Over 3 months & up to 6 months	Over 6 months & up to 1 year	Over 1 year & up to 3 years	Over 3 years & up to 5 years	Over 5 years	Total
Rupee Advances	10.26	7.27	9.86	24.88	12.16	28.17	30.17	6.33	129.11
Rupee Investments	12.50	0.06	0.08	0.04	0.13	0.73	0.58	94.25	108.37
Rupee Other Assets	14.37	1.57	59.10	44.55	51.15	127.54	111.09	254.61	663.98
Rupee Deposits	0.01	0.00	7.22	0.02	28.92	0.17	0.06	0.00	36.41
Rupee Borrowings	33.50	0.00	44.66	12.30	24.23	72.67	65.41	88.45	341.21
Rupee Other Liabilities	5.24	5.29	14.35	21.24	29.70	78.36	21.46	215.72	391.37
Foreign Currency Assets	82.40	2.70	25.67	40.95	73.01	256.96	214.30	515.15	1,211.14
Foreign Currency Liabilities	48.52	2.87	47.09	72.76	79.56	349.37	172.12	367.70	1,139.99

14. आरक्षित निधियों से आहरण

बैंक द्वारा आरक्षित निधियों से कोई राशि नहीं निकाली गई है।

15. व्यवसाय अनुपात

विवरण	2020-21	2019-20
इक्विटी पर रिटर्न	1.70%	0.94%
आस्तियों पर रिटर्न	0.19%	0.10%
प्रति कर्मचारी निवल लाभ/(हानि)(₹ बिलियन)	0.007	0.003

16. भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा लगाए गए दंडों का प्रकटीकरण

भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा बैंक पर भारतीय रिज़र्व बैंक अधिनियम, 1934 के अंतर्गत अधिनियम के किसी भी प्रावधान का उल्लंघन करने अथवा अधिनियम, आदेश, नियम अथवा भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा निर्दिष्ट किसी भी अपेक्षित शर्त के उल्लंघन के लिए कोई दंड नहीं लगाया गया।

17. शिकायतों का प्रकटीकरण

ग्राहक शिकायतें

क्र. सं.	विवरण	2020-21	2019-20
(क)	वर्ष के प्रारंभ में लंबित शिकायतें	-	-
(ख)	वर्ष के दौरान मिली शिकायतें	2	4
(ग)	वर्ष के दौरान निपटाई गई शिकायतें	2	4
(घ)	वर्ष के अंत में लंबित शिकायतें	-	-

18. तुलन पत्र से इतर प्रायोजित एसपीवी (जिन्हें लेखा मानकों के अनुरूप समेकित किया जाना है)

प्रायोजित एसपीवी का नाम	
घरेलू	विदेशी
-	-

विशिष्ट लेखा मानकों के अनुसार प्रकटीकरण

14. Draw Down from Reserves

The Bank has not drawn any amount from the Reserves.

15. Business Ratios

Particulars	2020-21	2019-20
Return on Equity	1.70%	0.94%
Return on Assets	0.19%	0.10%
Net Profit/(Loss) per employee (₹ billion)	0.007	0.003

16. Disclosure of Penalties Imposed by RBI

There are no penalties imposed by the Reserve Bank of India under the Reserve Bank of India Act, 1934, for contraventions of any of the provisions of the Act or non-compliance with any other requirements of the Act, order, rule or condition specified by Reserve Bank of India.

17. Disclosure of Complaints

Customer Complaints

Sr. No.	Particulars	2020-21	2019-20
(a)	No. of complaints pending at the beginning of the year	-	-
(b)	No. of complaints received during the year	2	4
(c)	No. of complaints redressed during the year	2	4
(d)	No. of complaints pending at the end of the year	-	-

18. Off-Balance Sheet SPVs Sponsored (which are required to be consolidated as per accounting norms)

Name of the SPV sponsored	
Domestic	Overseas
-	-

Disclosure as per specific Accounting Standards

19. अचल आस्तियों का विवरण

अचल आस्तियों का विवरण भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा अचल आस्तियों के लिए जारी लेखा मानक-10 के अनुसार नीचे दिया गया है।

वर्तमान वर्ष: (₹ बिलियन)

विवरण	परिसर	अन्य	कुल
सकल ब्लॉक			
यथा 31 मार्च, 2020 को लागत	4.76	1.19	5.95
परिवर्द्धन	0.36	0.28	0.64
निपटान	-	0.03	0.03
यथा 31 मार्च, 2021 को लागत (क)	5.12	1.44	6.56
मूल्यह्रास			
यथा 31 मार्च, 2020 को संचित	1.25	0.97	2.22
वर्ष के दौरान प्रावधान	0.23	0.17	0.40
निपटान पर हटाया गया	-	0.02	0.02
यथा 31 मार्च, 2021 को संचित (ख)	1.48	1.12	2.60
निवल ब्लॉक (क-ख)	**3.64**	**0.32**	**3.96**

गत वर्ष: (₹ बिलियन)

विवरण	परिसर	अन्य	कुल
सकल ब्लॉक			
यथा 31 मार्च, 2019 को लागत	3.11	1.06	4.17
परिवर्द्धन	1.65	0.15	1.80
निपटान	0.00	0.02	0.02
यथा 31 मार्च, 2020 को लागत (क)	4.76	1.19	5.95
मूल्यह्रास			
यथा 31 मार्च, 2019 को संचित	1.03	0.86	1.89
वर्ष के दौरान प्रावधान	0.22	0.13	0.35
निपटान पर हटाया गया	0.00	0.02	0.02
यथा 31 मार्च, 2020 को संचित (ख)	1.25	0.97	2.22
निवल ब्लॉक (क-ख)	**3.51**	**0.22**	**3.73**

20. सरकारी अनुदानों का लेखा

भारत सरकार ने बैंक द्वारा विदेशी सरकारों, विदेशी बैंकों/संस्थाओं को प्रदान की गई विशिष्ट ऋण-व्यवस्थाओं के प्रति बैंक को ब्याज समकरण राशि अदा करने के लिए सहमति दी है और उसे उपचय (अक्रुअल) आधार पर हिसाब में लिया गया है।

21. लेखा मानक - 5 अवधि के लिए निवल लाभ अथवा हानि, अवधि पूर्व मदें और लेखा नीतियों में परिवर्तन

वर्ष के लिए ब्याज आय ₹1.11 बिलियन की रही, जो समाधान की अवधि से पूर्व से संबंधित रही। गत वित्तीय वर्ष 2019-20 की तुलना में 31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष के लिए लेखा नीतियों में कोई परिवर्तन नहीं किया गया।

19. Details of Fixed Assets

Details of Fixed Assets are given below as prescribed in AS-10 Accounting for Fixed Assets issued by the ICAI.

(₹ billion)

Particulars	Premises	Others	Total
Gross Block			
Cost as on 31st March 2020	4.76	1.19	5.95
Additions	0.36	0.28	0.64
Disposals	-	0.03	0.03
Cost as on 31st March 2021 (A)	5.12	1.44	6.56
Depreciation			
Accumulated as on 31st March 2020	1.25	0.97	2.22
Provided during the year	0.23	0.17	0.40
Eliminated on Disposals	-	0.02	0.02
Accumulated as on 31st March 2021 (B)	1.48	1.12	2.60
Net Block (A-B)	**3.64**	**0.32**	**3.96**

Previous Year: (₹ billion)

Particulars	Premises	Others	Total
Gross Block			
Cost as on 31st March 2019	3.11	1.06	4.17
Additions	1.65	0.15	1.80
Disposals	0.00	0.02	0.02
Cost as on 31st March 2020 (A)	4.76	1.19	5.95
Depreciation			
Accumulated as on 31st March 2019	1.03	0.86	1.89
Provided during the year	0.22	0.13	0.35
Eliminated on Disposals	0.00	0.02	0.02
Accumulated as on 31st March 2020 (B)	1.25	0.97	2.22
Net Block (A-B)	**3.51**	**0.22**	**3.73**

20. Accounting for Government Grants

GOI has .agreed to pay interest equalisation amount to the Bank towards specific Lines of Credit extended by the Bank to foreign governments, overseas banks / institutions and the same is accounted on accrual basis.

21. Accounting Standard – 5 Net Profit or Loss for the period, Prior Period Items, and Changes in Accounting Policies:

Interest Income for the year includes an amount of ₹ 1.11 bn pertaining to the prior period reconciliation. There is no change in the Significant Accounting Policies adopted during the year ended March 31, 2021 as compared to those followed in the previous financial year 2019-20.

22. खंड रिपोर्टिंग

बैंक के परिचालनों में केवल एक व्यवसाय खंड शामिल है अर्थात वित्तीय गतिविधियां, अतएव इसे एकल व्यवसाय खंड वाली संस्था के रूप में माना गया है।

बैंक के भौगोलिक परिचालन खंडों को घरेलू परिचालनों एवं अंतरराष्ट्रीय परिचालनों में वर्गीकृत किया गया है। इन परिचालनों का घरेलू तथा अंतरराष्ट्रीय खंड में वर्गीकरण मुख्यतः संव्यवहार के जोखिम तथा प्रतिफल पर आधारित हैं।

(₹ बिलियन)

विवरण	घरेलू परिचालन		अंतरराष्ट्रीय परिचालन		कुल	
	2020-21	2019-20	2020-21	2019-20	2020-21	2019-20
राजस्व	83.69	83.19	2.08	3.34	85.76	86.53
आस्तियां	1,305.24	1,258.52	42.78	49.89	1,348.02	1,308.41

23. संबंधित पक्षकार प्रकटन

भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी लेखा मानक-18 के अनुसार, बैंक के संबंधित पक्षकारों का प्रकटन निम्नलिखित अनुसार हैः

- संबंध
  - (i) संयुक्त उपक्रम:
    - जीपीसीएल कंसल्टिंग सर्विसेज लिमिटेड
    - कुकुज़ा परियोजना विकास कंपनी
  - (ii) मुख्य प्रबंधकीय कार्मिक अधिकारी:
    - **श्री डेविड रस्कीना** (प्रबंध निदेशक)
    - **सुश्री हर्षा बंगारी** (उप प्रबंध निदेशक)
    - **श्री एन. रमेश** (उप प्रबंध निदेशक)

22. Segment Reporting

The operations of the Bank predominantly comprise of only one business segment i.e. financial activities and hence, have been considered as representing a single business segment.

The geographic segments of the Bank are categorised as Domestic Operations and International Operations. The categorisation of operations as domestic or international is primarily based on the risk and reward associated with the place of the transaction.

(₹ billion)

Particulars	Domestic Operations		International Operations		Total	
	2020-21	2019-20	2020-21	2019-20	2020-21	2019-20
Revenue	83.69	83.19	2.08	3.34	85.76	86.53
Assets	1,305.24	1,258.52	42.78	49.89	1,348.02	1,308.41

23. Related Party Disclosures

As per AS–18 Related Party Disclosure issued by the ICAI, the Bank's related parties are disclosed below:

- Relationship

(i) Joint Ventures:

- GPCL Consulting Services Limited
- Kukuza Project Development Company

(ii) Key Managerial Personnel:

- **Shri David Rasquinha** (Managing Director)
- **Ms. Harsha Bangari** (Deputy Managing Director)
- **Shri N. Ramesh** (Deputy Managing Director)

- बैंक से संबंधित पक्षकार शेष राशियां तथा लेन-देनों का सारांश नीचे दिया गया है: (₹ मिलियन)

विवरण	संयुक्त उपक्रम		प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिक	
	2020-21	2019-20	2020-21	2019-20
प्रदत्त ऋण	-	-	-	-
जारी गारंटियां	-	3.94	-	-
प्राप्त ब्याज	-	-	-	-
प्राप्त गारंटी कमीशन	0.02	-	-	-
प्रदत्त सेवाओं के एवज में प्राप्त भुगतान	-	-	-	-
स्वीकार की गई सावधि जमा राशियां	-	-	3.00	-
सावधि जमा राशियों पर ब्याज	-	-	0.18	0.19
बट्टाकृत / अपलेखीकृत की गई राशियां	-	-	-	-
बकाया सावधि जमा राशियां	-	-	9.24	1.50
वर्ष के अंत में बकाया ऋण	-	-	-	-
वर्ष के अंत में बकाया गारंटियां	-	3.94	-	-
वर्ष के अंत में बकाया निवेश	3.23	3.23	-	-
प्राप्त लाभांश	0.42	0.42	-	-
वर्ष के दौरान अधिकतम बकाया ऋण	-	-	-	-
वर्ष के दौरान अधिकतम बकाया गारंटियां	3.94	3.94	-	-
परिलब्धियों सहित वेतन	-	-	13.68	7.30
भुगतान किया गया किराया	-	-	0.48	0.30
व्ययों की प्रतिपूर्ति	4.49	-	-	-
निदेशक की प्राप्त फीस	0.03	-	-	-
परामर्श के लिए भुगतान की गई फीस	11.66	-	-	-

24. आय पर कर का लेखांकन

(क) चालू वर्ष के लिए कर के प्रावधान संबंधी विवरण: (₹ बिलियन)

विवरण	2020-21	2019-20
आय पर कर	0.24	(0.23)
जोड़ें: निवल आस्थगित कर देयता	0.78	1.43
कुल	**1.02**	**1.20**

- **The Bank's related party balances and transactions are summarised as follows:** (₹ million)

Particulars	Joint Venture		Key Managerial Personnel	
	2020-21	2019-20	2020-21	2019-20
Loans granted	-	-	-	-
Guarantees issued	-	3.94	-	-
Interest received	-	-	-	-
Guarantee commission received	0.02	-	-	-
Receipts towards services rendered	-	-	-	-
Term Deposit Accepted	-	-	3.00	-
Interest on Term Deposits	-	-	0.18	0.19
Amounts written-off / written-back	-	-	-	-
Term Deposit Outstanding	-	-	9.24	1.50
Loans outstanding at year-end	-	-	-	-
Guarantees outstanding at year-end	-	3.94	-	-
Investments outstanding at year end	3.23	3.23	-	-
Dividend received	0.42	0.42	-	-
Maximum Loan outstanding during the year	-	-	-	-
Maximum Guarantees outstanding during the year	3.94	3.94	-	-
Salary including perquisites	-	-	13.68	7.30
Rent paid	-	-	0.48	0.30
Reimbursement of Expenses	4.49	-	-	-
Director's Fees received	0.03	-	-	-
Fees paid for consultancy	11.66	-	-	-

24. Accounting for Taxes on Income

(a) Details of Provision for Tax for current year: (₹ billion)

Particulars	2020-21	2019-20
Tax on Income	0.24	(0.23)
Add: Net Deferred Tax Liability	0.78	1.43
Total	**1.02**	**1.20**

(ख) आस्थगित कर आस्ति:

प्रमुख करों के संदर्भ में आस्थगित कर आस्तियों तथा देयताओं का संयोजन नीचे दिया गया है: (₹ बिलियन)

विवरण	2020-21	2019-20
आस्थगित कर आस्तियां		
1. अस्वीकृत प्रावधान (निवल)	35.73	37.13
घटाएं: आस्थगित कर देयता		
1. अचल आस्तियों पर मूल्यह्रास	0.02	0.60
2. बॉन्ड निर्गम व्ययों का परिशोधन	0.57	0.62
3. धारा 36(1)(viii) के अंतर्गत सृजित विशेष आरक्षित निधि	4.58	4.58
निवल आस्थगित कर आस्तियां तुलन-पत्र के 'आस्तियां' पक्ष में 'अन्य आस्तियां' में शामिल	30.56	31.33

25. संयुक्त उपक्रमों में हित की रिपोर्टिंग

I.

	संयुक्त रूप से नियंत्रित संस्थाएं	देश	धारिता का प्रतिशत	
			वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
क	जीपीसीएल कंसल्टिंग सर्विसेज लिमिटेड	भारत	28%	28%
ख	कुकुज़ा परियोजना विकास कंपनी	मॉरीशस	40%	33%

II. लेखा मानक 27 संयुक्त उपक्रमों में हितों की वित्तीय रिपोर्टिंग के अनुसार, आनुपातिक समेकन पद्धति का प्रयोग करते हुए संयुक्त रूप से नियंत्रित संस्थाओं में हितों से संबंधित आस्तियों, देयताओं, आय और व्यय की कुल राशि निम्नलिखित अनुसार है:

(₹ मिलियन)

देयताएं	2020-21	2019-20	आस्तियां	2020-21	2019-20
पूंजी एवं आरक्षित निधियां	43.41	41.06	अचल आस्तियां	0.05	0.06
ऋण	-	-	निवेश	17.31	21.39
अन्य देयताएं	7.82	10.84	अन्य आस्तियां	33.88	30.45
कुल	**51.23**	**51.90**	**कुल**	**51.23**	**51.90**

आकस्मिक देयताएं: शून्य (गत वर्ष: शून्य) (₹ मिलियन)

व्यय	2020-21	2019-20	आय	2020-21	2019-20
अन्य व्यय	98.22	100.17	परामर्शी आय	15.42	18.04
प्रावधान	0.81	1.19	ब्याज आय तथा निवेश से आय	1.53	1.60
			अन्य आस्तियां	0.15	0.21
			हानि	81.93	81.51
कुल	**99.03**	**101.36**	**कुल**	**99.03**	**101.36**

नोट: वित्तीय वर्ष 2020-21 के लिए जीपीसीएल से संबंधित आंकड़े लेखा परीक्षित हैं, किन्तु अभी बोर्ड द्वारा अनुमोदित नहीं हैं। वित्तीय वर्ष 2020-21 के लिए कुकुज़ा परियोजना विकास कंपनी से संबंधित आंकड़े लेखा परीक्षित नहीं हैं और अनंतिम हैं।

(b) Deferred Tax Asset:

The composition of deferred tax assets and liabilities into major items is given below: (₹ billion)

Particulars	**2020-21**	**2019-20**
Deferred Tax Assets		
1. Provision Disallowed (Net)	35.73	37.13
Less: Deferred Tax Liability		
1. Depreciation on Fixed Assets	0.02	0.60
2. Amortisation of Bond issue expenses	0.57	0.62
3. Special Reserve created under section 36(1)(viii)	4.58	4.58
Net Deferred Tax Assets [included in 'Other Assets' in the 'Assets' side of the Balance Sheet]	30.56	31.33

25. Financial Reporting of Interest in Joint Ventures

I

	Jointly Controlled Entities	**Country**	**Percentage of holding**	
			Current Year	**Previous Year**
A	GPCL Consulting Services Limited	India	28%	28%
B	Kukuza Project Development Company	Mauritius	40%	33%

II The aggregate amount of assets, liabilities, income and expenses related to the interest in the jointly controlled entities using the proportionate consolidation method as per AS 27 Financial Reporting of Interests in joint Ventures is as under:

(₹ million)

Liabilities	**2020-21**	**2019-20**	**Assets**	**2020-21**	**2019-20**
Capital & Reserves	43.41	41.06	Fixed Assets	0.05	0.06
Loans	-	-	Investments	17.31	21.39
Other Liabilities	7.82	10.84	Other Assets	33.88	30.45
Total	**51.23**	**51.90**	**Total**	**51.23**	**51.90**

Contingent Liabilities: NIL (previous year: NIL) (₹ million)

Expenses	**2020-21**	**2019-20**	**Income**	**2020-21**	**2019-20**
Other Expenses	98.22	100.17	Consultancy Income	15.42	18.04
Provisions	0.81	1.19	Interest income and Income from investment	1.53	1.60
			Other Income	0.15	0.21
			Loss	81.93	81.51
Total	**99.03**	**101.36**	**Total**	**99.03**	**101.36**

Note: Figures for GPCL for FY 2020-21 are audited but not yet approved by the Board. Figures for Kukuza Project Development Company for FY 2020-21 are unaudited and provisional.

26. आस्तियों का ह्रास

बैंक की आस्तियों में अधिकांश आस्तियां ''वित्तीय आस्तियां'' हैं, जिन पर ''आस्तियों का ह्रास'' संबंधी लेखा मानक 28 लागू नहीं होता है। बैंक की राय में, जिन आस्तियों पर ये मानक लागू होते हैं, उनमें उक्त लेखा मानकों के संबंध में हिसाब में लेने के लिए यथा 31 मार्च, 2021 को कोई ह्रास नहीं हुआ है।

27. कर्मचारी लाभ

बैंक ने भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा कर्मचारी लाभों पर, यथा 01 अप्रैल, 2007 से जारी लेखा मानक-15 को अपनाया है। कर्मचारी लाभों से उत्पन्न देयता को बैंक की बहियों में दायित्व के विद्यमान मूल्य पर हिसाब में लिया गया है, जिसमें तुलन-पत्र की तारीख को आयोजनागत आस्तियों के सही मूल्य को घटाया गया है।

क) तुलन-पत्र में हिसाब में ली गई राशि (₹ बिलियन)

विवरण	पेंशन निधि	ग्रेच्युटी
अवधि के अंत में आयोजनागत आस्तियों का सही मूल्य	1.354	0.209
अवधि के अंत में हित दायित्वों का वर्तमान मूल्य	(1.389)	(0.295)
निधीयन स्थिति	(0.035)	(0.085)
अवधि के अंत में हिसाब में न ली गई पूर्व सेवा लागत	-	-
अवधि के अंत में हिसाब में न ली गई परिवर्ती देयता	-	-
अवधि के अंत में तुलन पत्र में हिसाब में ली गई निवल देयता	(0.035)	(0.085)

ख) लाभ और हानि खाते में हिसाब में लिया गया व्यय (₹ बिलियन)

विवरण	पेंशन निधि	ग्रेच्युटी
वर्तमान सेवा लागत	0.030	0.016
ब्याज मूल्य	0.017	0.002
बीमांकिक हानि/(लाभ)	0.017	0.067
विगत सेवा लागत - गैर निहित लाभ	-	-
विगत सेवा लागत - निहित लाभ	-	0.002
परिवर्ती दायित्व	-	-
लाभ एवं हानि खाते में हिसाब में लिया गया व्यय	0.063	0.087
नियोक्ता द्वारा अंशदान	0.273	0.033
नियोजित आस्तियों पर अपेक्षित प्रतिफल	0.071	0.012

ग) बीमांकिक अनुमानों का सारांश

विवरण	पेंशन निधि	ग्रेच्युटी
बट्टा दर (प्रति वर्ष)	6.97%	6.93%
आस्तियों पर अपेक्षित प्रतिफल की दर (प्रति वर्ष)	6.97%	6.93%
वेतन वृद्धि दर (प्रति वर्ष)	7.00%	7.00%

उपरोक्त के अतिरिक्त वित्तीय वर्ष 2020-21 के लिए छुट्टी नकदीकरण की परिभाषित लाभ दायित्व की राशि ₹ 0.0333 बिलियन रही, जिसका पूर्णतः प्रावधान किया जा चुका है।

26. Impairment of Assets

A substantial portion of the Bank's assets comprise of 'financial assets' to which Accounting Standard 28 "Impairment of Assets" is not applicable. In the opinion of the Bank, there is no impairment of its assets (to which the standard applies) as at March 31, 2021 requiring recognition in terms of the said standard.

27. Employee Benefits

The Bank has adopted Accounting Standard 15 – Employee Benefits, issued by The Institute of Chartered Accountants of India (ICAI) w.e.f. April 01, 2007. The Bank recognises in its books the liability arising out of Employee Benefits as present value of obligations as reduced by the fair value of plan assets on the Balance Sheet date.

A) Amount to be recognised in the Balance Sheet (₹ billion)

Particulars	Pension Fund	Gratuity
Fair value of Plan Assets at the end of the period	1.354	0.209
Present value of Benefit Obligation at the end of the period	(1.389)	(0.295)
Funded Status	(0.035)	(0.085)
Unrecognised past service cost at the end of the period	-	-
Unrecognised transitional liability at the end of the period	-	-
Net Liability recognised in the Balance Sheet	(0.035)	(0.085)

B) Expense to be recognised in the Profit and Loss Account (₹ billion)

Particulars	Pension Fund	Gratuity
Current Service Cost	0.030	0.016
Interest Cost	0.017	0.002
Actuarial Losses / (Gains)	0.017	0.067
Past Service Cost - Non–vested Benefit	-	-
Past Service Cost – vested benefit	-	0.002
Transitional liability	-	-
Expense recognised in Profit and Loss Account	0.063	0.087
Contributions by Employer	0.273	0.033
Expected Return on Plan Assets	0.071	0.012

C) Summary of Actuarial Assumptions

Particulars	Pension Fund	Gratuity
Discount Rate (p.a.)	6.97%	6.93%
Expected Rate of Return on Assets (p.a.)	6.97%	6.93%
Salary Escalation Rate (p.a.)	7.00%	7.00%

In addition to the above, for the year 2020-21 the amount of Defined Benefit Obligation of Leave Encashment works out to ₹ 0.0333 billion, which has been fully provided for.

28. सेबी के दिनांक 29 अक्तूबर, 2013 के परिपत्र के अनुपालन में भारतीय निर्यात-आयात बैंक द्वारा जारी किए गए विभिन्न बॉन्डों के लिए डिबेंचर ट्रस्टी का संपर्क विवरण नीचे दिया गया है:

डिबेंचर ट्रस्टी

एक्सिस ट्रस्टी सर्विसेज लिमिटेड

प्राधिकृत व्यक्ति: श्री अनिल ग्रोवर, ऑपरेशंस हेड
श्री संजय सिन्हा, प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी

पता:

पंजीकृत कार्यालय:	एक्सिस हाउस, बॉम्बे डाइंग मिल्स कंपाउंड, पांडुरंग बुधकर मार्ग, वर्ली, मुंबई - 400 025
कॉर्पोरेट कार्यालय:	द रूबी, दूसरी मंजिल, एसडब्ल्यू सेनापति बापट मार्ग, दादर पश्चिम, मुंबई - 400 028

फोन: (022) 62300451
ईमेल: debenturetrustee@axistrustee.com
वेबसाइट: www.axistrustee.com

29. वत्तीय वर्ष 2020 की चौथी तिमाही से कोविड-19 महामारी के लगातार फैलने से वित्तीय बाजारों में उतार-चढ़ाव में उल्लेखनीय रूप से बढ़ोत्तरी हुई और वैश्विक मंदी की आशंका में डूबी वैश्विक अर्थव्यवस्था में अनिश्चितता बढ़ी। इसी तरह, अगले वित्तीय वर्ष के दौरान भारत की अर्थव्यवस्था में भी गिरावट आने की आशंका है, क्योंकि इस महामारी के चलते जनवरी 2020 से मांग और आपूर्ति बुरी तरह प्रभावित हुई है। बैंक अपनी व्यवसाय निरंतरता को बनाए रखने के लिए आश्वस्त है और इस महामारी पर बारीकी से निगाह बनाए रखेगा तथा बैंक की वित्तीय स्थिति और परिचालन परिणामों पर पड़ने वाले प्रभाव का विश्लेषण कर उसके उपाय करेगा।

कोविड-19 विनियामकीय पैकेज के संबंध में आरबीआई के दिशानिर्देशों के अनुसार बैंक ने अपने वाणिज्यिक ऋण पोर्टफोलियो के अंतर्गत सभी उधारकर्ताओं को मॉरटोरिअम पैकेज प्रदान किया। आरबीआई के प्रथम मोरेटोरियम पैकेज (1 मार्च, 2020 से 31 मई, 2020 तक) में ₹ 95.45 बिलियन के ऋण पोर्टफोलियो के अंतर्गत स्थगन मूलधन की राशि ₹ 5.65 बिलियन रही। यह स्थगन राशि यथा 29 फरवरी, 2020 को बकाया कुल वाणिज्यिक ऋण अर्जक आस्तियों की 29% रही। आरबीआई के दूसरे मोरेटोरियम पैकेज (1 जून, 2020 से 31 अगस्त, 2020 तक) में ₹ 112.68 बिलियन के ऋण के अंतर्गत स्थगन मूलधन की राशि ₹ 9.70 बिलियन रही। यह स्थगन राशि यथा 31 मई, 2020 को बकाया कुल वाणिज्यिक ऋण अर्जक आस्तियों की 33 प्रतिशत रही। इसके अतिरिक्त, बैंक ने (क) वाणिज्यिक ऋण पोर्टफोलियो के अंतर्गत अपने पात्र उधारकर्ताओं के लिए कोविड-19 संबंधी दबाव को कम करने के लिए समाधान फ्रेमवर्क को क्रियान्वित किया और (ख) सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों को मौजूदा ऋणों की एकबारगी पुनर्संरचना की। यथा 31 मार्च, 2021 को बैंक को ₹ 7.48 बिलियन के बकाया के साथ निधिक और गैर-निधिक सुविधा प्राप्त 10 उधारकर्ताओं से 6 अगस्त, 2020 के आरबीआई के परिपत्र के अंतर्गत ऋण पुनर्संरचना का अनुरोध मिला, जो क्रियान्वयन की प्रक्रिया में है।

28. In terms of SEBI circular dated October 29, 2013, the contact details of the Debenture Trustee for various Bonds issued by Export-Import Bank of India are as given below:

DEBENTURE TRUSTEE

AXIS Trustee Services Ltd.

Designated Person:	Mr. Anil Grover, Operations Head Mr. Sanjay Sinha, Managing Director & Chief Executive Officer

Address:

Registered Office:	Axis House, Bombay Dyeing Mills Compound, Pandhurang Budhkar Marg, Worli Mumbai - 400 025
Corporate Office:	The Ruby, 2nd floor, SW, 29 Senapati Bapat Marg, Dadar West, Mumbai 400 028

Tel.: (022) 62300451
E-mail: debenturetrustee@axistrustee.com
Website: www.axistrustee.com

29. With the ongoing spread of the COVID-19 pandemic since the fourth quarter of the Financial Year 2020, there has been a significant increase in volatility in the financial markets and uncertainty in the global economy with fears of a global recession. Likewise, India's economy is also expected to contract in the next Financial Year owing to the unprecedented pandemic induced demand and supply shocks since January 2020. The Bank is confident of its sustainability and will continue to closely monitor the progression of this pandemic, evaluate and proactively assess and respond to its impact on the Bank's financial position and operating results.

    In accordance with the RBI guidelines relating to COVID-19 regulatory package, the Bank had offered the moratorium package to all the borrowers under its commercial loan portfolio. In the First Moratorium Package (March 1, 2020 to May 31, 2020) of the RBI, the principal deferred amounted to ₹ 5.65 bn under the loan portfolio of ₹ 95.45 bn. This deferred amount constituted 29% of the aggregate Performing Assets (PA) Commercial Loans outstanding as on February 29, 2020. In the Second Moratorium Package by the RBI (June 1, 2020 to August 31, 2020), the principal deferred amounted to ₹ 9.70 bn under loans aggregating ₹ 112.68 bn. This deferred amount constituted 33% of the aggregate PA Commercial Loans outstanding as on May 31, 2020. In addition, the Bank has approved policies in place for (a) implementing a resolution framework to address COVID-19 related stress for its eligible borrowers under the commercial loan portfolio and (b) a one-time restructuring of existing loans to micro, small and medium enterprises. As of March 31, 2021, the Bank received requests for restructuring under the RBI's circular dated August 6, 2020 from 10 borrowers with funded and non-funded outstanding of ₹ 7.48 bn, which is under implementation.

कोविड-19 विनियामकीय पैकेज की समाप्ति पर आस्ति वर्गीकरण और आय निर्धारण के संबंध में 23 मार्च, 2021 के सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुपालन में आरबीआई के परिपत्र सं. डीओआर.एसटीआर.आरईसी. 4/21.04.048/2021-22, दिनांकित 07 अप्रैल, 2021 के अनुसार, सभी ऋणदात्री संस्थाओं को मोरेटोरियम अवधि अर्थात 01 मार्च, 2020 से 31 अगस्त, 2020 तक उधारकर्ताओं पर लगाए गए 'ब्याज पर ब्याज' को रिफंड/समायोजित करना आवश्यक है। मोरेटोरियम अवधि के दौरान उधारकर्ताओं पर लगाए गए 'ब्याज पर ब्याज' का यह रिफंड /समायोजन ₹ 0.15 बिलियन के भीतर रहा। तदनुसार, वित्तीय वर्ष 2020-21 के लिए बहियों में समुचित प्रावधान कर दिया गया है।

बैंक ने कुल ₹ 96.87 बिलियन के बकाया ऋण वाले मौजूदा ग्राहकों को आपातकालीन ऋण सुविधा गारंटी योजना 1.0 (ईसीएलजीएस 1.0) के अंतर्गत सहायता प्रदान की। यह योजना कोविड-19 महामारी के चलते दबाव में आए सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों को सहायता प्रदान करने के लिए वित्त मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा घोषित ₹ 20 लाख करोड़ के व्यापक पैकेज के हिस्से के रूप में शुरू की गई थी। बैंक ने इसके बाद इस योजना के दूसरे संस्करण (ईसीएलजीएस 2.0) के अतंर्गत अपने मौजूदा ग्राहकों को सहायता प्रदान की, जो ₹500 मिलियन से अधिक और ₹ 5000 मिलियन तक के बकाया ऋण के लिए शुरू की गई थी। ₹ 110.75 मिलियन के बकाया ऋण वाले उधारकर्ताओं को ईसीएलजीएस 2.0 योजना के अंतर्गत सहयोग प्रदान किया। यथा 31 मार्च, 2021 को दोनों ईसीएलजीएस योजनाओं के अंतर्गत संवितरित किए गए और बकाया रहे ऋण ₹ 207.62 मिलियन के रहे, जिनमें इस योजना के अंतर्गत कुल मंजूर राशि ₹ 1,193.60 मिलियन रही।

30. जहां कहीं आवश्यक समझा गया है, पिछले वर्ष के आंकड़ों को पुनर्समूहित किया गया है।

बोर्ड के लिए और उनकी ओर से

श्री एन. रमेश उप प्रबंध निदेशक	**सुश्री हर्षा बंगारी** उप प्रबंध निदेशक	**श्री डेविड रस्कीना** प्रबंध निदेशक	
श्री रजत सच्चर	**श्री के. राजारमन**	**श्री पंकज जैन**	**श्री अमिताभ कुमार**
श्री आर. सुब्रमणियन	**श्री दिनेश कुमार खारा**	**श्री एम. सेंथिलनाथन**	**श्री राजकिरन राय जी.**
श्री ए. एस. राजीव			

हमारी सम दिनांक की संलग्न रिपोर्ट के अनुसार
कृते **जेसीआर एंड कंपनी**
सनदी लेखाकार
फर्म रजि. नं. 105270 डब्ल्यू

(सीए मितेश छेड़ा)
पार्टनर
एम. सं. 160688

मुंबई, दिनांकः 18 मई, 2021

In terms of the RBI's circular no. DOR.STR.REC.4/21.04.048/2021-22 dated April 07, 2021, in conformity with the Supreme Court order dated March 23, 2021, on Asset Classification and Income Recognition following the expiry of COVID-19 regulatory package, all lending institutions are required to refund/adjust the 'interest on interest' charged to the borrowers during the moratorium period, i.e. March 01, 2020 to August 31, 2020. Such refund / adjustment of 'interest on interest' charged to the borrowers during the moratorium period is within ₹ 0.15 bn. Accordingly, a suitable provision has been made in the books of account for FY 2020-21.

The Bank also supported its existing clients with loan outstanding aggregating ₹ 96.87 mn under the Emergency Credit Line Guarantee Scheme 1.0 (ECLGS 1.0). The Scheme was introduced as part of the ₹ 20 lakh crore comprehensive package announced by the Ministry of Finance, Government of India to aid the Micro, Small and Medium Enterprises (MSMEs) sector in view of the economic distress caused by the COVID-19 pandemic. The Bank further supported its existing clients under a second version of the Scheme (ECLGS 2.0), which was introduced for loan outstanding above ₹ 500 mn and up to ₹ 5,000 mn. The borrowers with an outstanding amount of ₹ 110.75 mn were supported under ECLGS 2.0 scheme. As of March 31, 2021, the total loans disbursed and outstanding under both the ECLGS schemes aggregated ₹ 207.62 mn with aggregate sanction amount of ₹ 1,193.60 mn under the scheme.

30. Previous year's figures have been regrouped, wherever necessary.

For and on behalf of the Board

Shri N. Ramesh Deputy Managing Director	**Ms. Harsha Bangari** Deputy Managing Director	**Shri David Rasquinha** Managing Director	
Shri Rajat Sachar	**Shri K. Rajaraman**	**Shri Pankaj Jain**	**Shri Amitabh Kumar**
Shri R. Subramanian	**Shri Dinesh Kumar Khara**	**Shri M. Senthilnathan**	**Shri Rajkiran Rai G.**
Shri A. S. Rajeev			

As per our attached report of even date
For **JCR & Co.**
Chartered Accountants
Firm Regn. No. 105270W

(CA Mitesh Chheda)
Partner
M. No. 160688

Mumbai, Date : May 18, 2021

निर्यात विकास कोष
The Export Development Fund

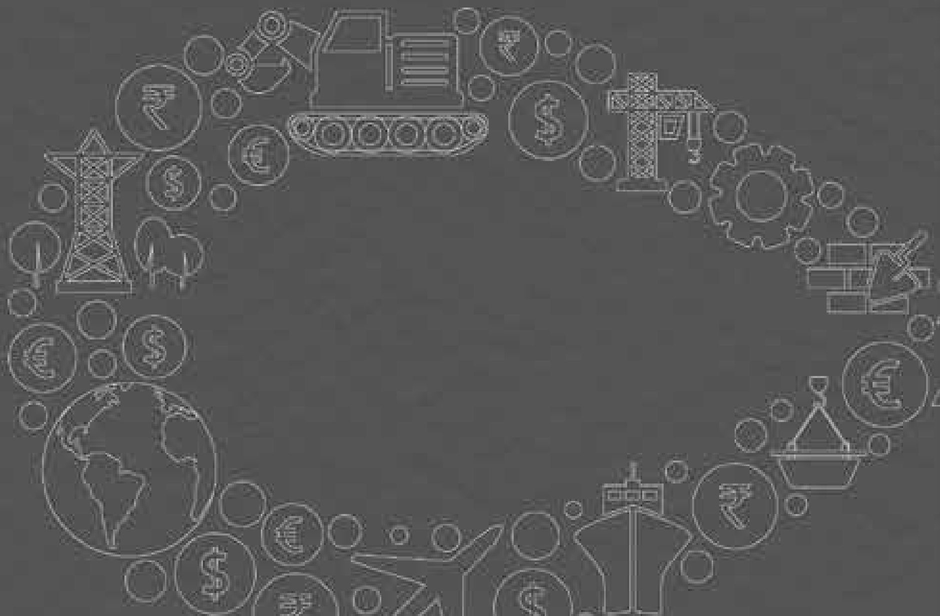

निदेशकों की रिपोर्ट

निर्यात विकास कोष

वित्तीय सेवाएं विभाग, वित्त मंत्रालय ने भारत से ईरान को वस्तुओं और सेवाओं के निर्यातों के वित्तपोषण के लिए चुनिंदा ईरानी बैंकों को ₹ 9 बिलियन की क्रेता ऋण सुविधा के रूप में निर्यात विकास कोष (ईडीएफ) से राशि प्रदान करने के लिए एक्ज़िम बैंक अधिनियम की धारा 17(1) के अंतर्गत केंद्र सरकार का अनुमोदन सूचित किया। सभी आवश्यक अनुमोदन प्राप्त करने के बाद, भारत से ईरान को वस्तुओं और सेवाओं के निर्यात के वित्तपोषण के लिए ईडीएफ के अंतर्गत सात ईरानी बैंकों को ₹ 9 बिलियन की क्रेता-ऋण सुविधा प्रदान करने के लिए 23 दिसंबर, 2014 को अम्ब्रेला फ्रेमवर्क करार पर हस्ताक्षर किए गए। ईरानी बैंकों को प्रदान की जाने वाली इस क्रेता ऋण सुविधा को ईरान सरकार की संप्रभु गारंटी प्राप्त है। तत्पश्चात, भारत सरकार के अनुमोदन के अनुसार, भारत से स्टील रेलों के आयात के वित्तपोषण और ईरान में चाबहार बंदरगाह के विकास के लिए इस क्रेता ऋण सुविधा की राशि ₹ 30 बिलियन तक बढ़ाई गई।

इस फ्रेमवर्क करार के अंतर्गत, भारत से इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान के रेलवे को 150,000 टन स्टील रेलों की आपूर्ति के लिए ₹ 8.19 बिलियन मूल्य के प्रथम कॉन्ट्रैक्ट को क्रेता ऋण सुविधा के अंतर्गत अनुमोदित किया गया था। राष्ट्रीय निर्यात बीमा खाता (एनईआईए) ट्रस्ट ने उक्त ऋण सुविधा के लिए क्रेता ऋण (व्यापक जोखिम) कवर प्रदान किया है।

इस कॉन्ट्रैक्ट के अंतर्गत यथा 31 मार्च, 2021 को ₹ 8.11 बिलियन की राशि का संवितरण किया जा चुका है। इस कॉन्ट्रैक्ट के अंतर्गत भौतिक और वित्तीय निष्पादन पूरे किए जा चुके हैं। यथा 31 मार्च, 2021 को इस ऋण सुविधा के अंतर्गत बकाया राशि ₹ 5.72 बिलियन रही। शेष स्टील रेल कॉन्ट्रैक्ट और चाबहार बंदरगाह परियोजना के लिए वित्तपोषण कॉन्ट्रैक्ट निगोशिएशन/ अंतिम रूप दिए जाने के विभिन्न चरणों में हैं।

DIRECTORS' REPORT

EXPORT DEVELOPMENT FUND (EDF)

The Department of Financial Services (DFS), Ministry of Finance conveyed the approval of the Central Government under Section 17 (1) of the Exim Bank Act, for domiciling in the EDF, a Buyer's Credit Facility of ₹ 9 billion for extending to select Iranian banks for financing export of goods and services from India to Iran. Pursuant to receipt of all necessary approvals, the EDF, on December 23, 2014, concluded an umbrella Framework Agreement with seven Iranian banks for a Buyer's Credit Facility of ₹ 9 billion to finance the export of goods and services from India to Iran. The Buyer's Credit Facility to the Iranian banks is backed by a Sovereign Guarantee of the Government of Iran. Subsequently, pursuant to approval from the GoI, the facility was enhanced up to ₹ 30 billion, for financing import of steel rails from India, and development of the Chabahar Port in Iran.

Under the Framework Agreement, the first contract for an aggregate value of ₹ 8.19 billion, for supply of 150,000 tonnes of steel rails from India to the Railway of the Islamic Republic of Iran was approved under the Buyer's Credit Facility. The NEIA Trust has provided Buyer's Credit (Comprehensive Risks) cover for the above facility.

As of March 31, 2021, disbursements aggregating ₹ 8.11 billion have been made under the contract. The physical and financial completion have been achieved under the contract. The amount outstanding under the facility as on March 31, 2021 stood at ₹ 5.72 billion. Financing for the balance steel rails contract, and the contract for the Chabahar Port project are at various stages of negotiation/finalization.

स्वतंत्र लेखा परीक्षक की रिपोर्ट

सेवा में
भारत के राष्ट्रपति
लेखा परीक्षित वित्तीय विवरणों संबंधी रिपोर्ट

अभिमत

हमने भारतीय निर्यात-आयात बैंक ('बैंक') के निर्यात विकास कोष वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा कर ली है, जिसमें यथा 31 मार्च, 2021 को तुलन-पत्र एवं उक्त तिथि को समाप्त वर्ष के लिए लाभ और हानि लेखे तथा वित्तीय विवरणों पर टिप्पणियां और महत्त्वपूर्ण लेखांकन नीतियों का सारांश एवं अन्य विवरणात्मक सूचना शामिल हैं।

हमारी राय में और सर्वोत्तम जानकारी तथा हमें दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार, उक्त लेखा विवरण भारतीय निर्यात-आयात बैंक सामान्य विनियमावली, 2020 के विनियम 14 (ii) तथा भारत में सामान्यतः स्वीकृत लेखा सिद्धांतों के अनुरूप हैं और यथा 31 मार्च, 2021 को बैंक की वित्तीय स्थिति, उक्त तिथि को समाप्त वर्ष के लिए इसकी वित्तीय निष्पादन स्थिति की सत्य एवं सही स्थिति प्रकट करते हैं।

अभिमत का आधार

हमने आईसीएआई द्वारा जारी लेखा परीक्षा मानकों (एसए) के अनुसार लेखा परीक्षा की। इन मानकों के अंतर्गत हमारे उत्तरदायित्वों का विवरण, हमारी रिपोर्ट के 'वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा' खंड में आगे 'लेखा परीक्षक के उत्तरदायित्व' में दिया गया है। हम आईसीएआई द्वारा जारी नैतिक संहिता (कोड ऑफ एथिक्स) के अनुरूप बैंक से स्वतंत्र हैं। हमारा मत है कि हमें मिले लेखा परीक्षा संबंधी साक्ष्य पर्याप्त हैं और हमारे अभिमत को आधार प्रदान करने के लिए समुचित हैं।

अन्य जानकारी

अन्य जानकारियों के लिए बैंक का निदेशक मंडल उत्तरदायी है। अन्य जानकारियों में निदेशकों की रिपोर्ट, समग्र व्यवसाय परिचालन, प्रबंधन और कॉर्पोरेट अभिशासन (गवर्नैंस) शामिल हैं, किन्तु इनमें वित्तीय विवरण और हमारे लेखा परीक्षक की रिपोर्ट शामिल नहीं है।

वत्तीय विवरणों पर हमारे अभिमत में अन्य जानकारी को कवर नहीं किया गया है और इस संबंध में हम किसी भी

INDEPENDENT AUDITOR'S REPORT

To,
The President of India
Report on the Audited Financial Statements

Opinion

We have audited the accompanying Financial Statements of the Export Development Fund of the "Export-Import Bank of India" ("the Bank"), which comprise the Balance Sheet of as at March 31, 2021 and the Profit and Loss account for the year then ended and notes to the financial statements, including a summary of significant accounting policies and other explanatory information.

In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, the accompanying financial statements give a true and fair view of the financial position of the Bank as at March 31, 2021, of its financial performance for the year then ended in accordance with the Regulation 14 (ii) of the Export-Import Bank of India General Regulations, 2020 and the Accounting principles generally accepted in India.

Basis for Opinion

We conducted our audit in accordance with the Standards on Auditing (SAs) issued by ICAI. Our responsibilities under those standards are further described in the Auditor's Responsibilities for the Audit of the Financial Statements section of our report. We are independent of the Bank in accordance with the Code of Ethics issued by ICAI. We believe that the audit evidence we have obtained is sufficient and appropriate to provide a basis for our opinion.

Other Information

The Bank's Board of Directors is responsible for the other information. The other information comprises the information included in the Directors' Report, Overall Business Operations, Management and Corporate Governance but does not include the financial statements and our auditor's report there on.

रूप में कोई आश्वासन / निष्कर्ष अभिव्यक्त नहीं करते हैं। वित्तीय विवरणों की हमारी लेखा परीक्षा के संबंध में, हमारा उत्तरदायित्व ऊपर चिह्नित की गई अन्य जानकारी को पढ़ना है, और इसे पढ़ते हुए इस पर विचार करना है कि यह अन्य जानकारी वित्तीय विवरणों में दी गई जानकारी से वस्तुतः असंगत तो नहीं है, या लेखा परीक्षा में ली गई हमारी जानकारी या अन्यथा कोई जानकारी गलत तो नहीं है।

यदि, इस लेखा परीक्षक की रिपोर्ट की तारीख से पूर्व में हमें मिली अन्य जानकारी पर हमारे द्वारा किए गए काम के आधार पर, हम इस निष्कर्ष पर पहुंचते हैं कि यह अन्य जानकारी गलत है तो हमें उस तथ्य को रिपोर्ट करना आवश्यक है। इस संबंध में रिपोर्ट करने के लिए कुछ भी नहीं है।

वार्षिक रिपोर्ट पढ़ते हुए, यदि हम इस निष्कर्ष पर पहुंचते हैं कि इसमें कहीं कुछ गलत बयानी है तो हम उन मामलों को गवर्नेंस प्राधिकारियों को रिपोर्ट करेंगे।

अन्य मामले

इस रिपोर्ट में अभिव्यक्त किए गए अभिमत में हमें बैंक के प्रबंधन द्वारा इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों के जरिए प्रदान की गई जानकारी, तथ्य तथा इनपुट शामिल हैं और कोविड-19 के चलते भौतिक गतिविधि पर प्रतिबंधों को देखते हुए हम इन पर निर्भर रहे हैं।

इस मामले के संबध में हमारी राय इससे भिन्न नहीं है।

वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा के लिए प्रबंधन के उत्तरदायित्व

बैंक का प्रबंधन इन वित्तीय विवरणों को, उक्त अधिनियम तथा उसके अधीन विरचित विनियमों के प्रावधानों के अनुरूप तैयार करने और उन्हें प्रस्तुत करने तथा प्रबंधन द्वारा निर्धारित अनुसार, धोखाधड़ी अथवा त्रुटि के चलते किसी भी तरह के मिथ्या कथन से रहित वित्तीय विवरणों को तैयार के लिए आवश्यक ऐसे आंतरिक नियंत्रणों के लिए उत्तरदायी है।

वित्तीय विवरणों को तैयार करने में, प्रबंधन, बैंक के परिचालन को जारी रखने के लिए बैंक की क्षमता का मूल्यांकन करने, परिचालन जारी रखने संबंधी मामलों के यथा लागू अनुसार प्रकटीकरण, और जब तक कि भारत सरकार बैंक को लिक्विडेट न करना चाहे या परिचालन बंद न करना चाहे, या ऐसा करने के अलावा कोई उचित विकल्प न हो, तब तक लेखांकन के आधार पर परिचालन जारी रखने के लिए उत्तरदायी है। गवर्नेंस से जुड़ा प्रबंधन बैंक की वित्तीय रिपोर्टिंग प्रक्रिया की निगरानी के लिए उत्तरदायी है।

Our opinion on the financial statements does not cover the other information and we do not express any form of assurance / conclusion thereon. In connection with our audit of the financial statements, our responsibility is to read the other information identified above and, in doing so, consider whether the other Information is materially inconsistent with the financial statements or our knowledge obtained in the audit or otherwise appears to be materially misstated.

If, based on the work we have performed on the other information that we obtained prior to the date of this auditors' report, we conclude that there is a material misstatement of this other information, we are required to report that fact. We have nothing to report in this regard.

When we read the Annual report, if we conclude that there is a material misstatement therein, then we will communicate the matter to those charged with governance.

Other Matters

The opinion expressed in the present report includes the information, facts and inputs made available to us through electronic means by the Bank's management and relied upon by us because of the COVID-19 induced restrictions on physical movements.

Our opinion is not modified in respect of this matter.

Responsibilities of Management for the Financial Statements

The management of Bank is responsible for the preparation and fair presentation of the financial statements in accordance with the provisions of the Act and the Regulations framed there under and for such internal controls as the management determines is necessary to enable the preparation of financial statements that are free from material misstatement, whether due to fraud or error.

In preparing the financial statements, the management is responsible for assessing the Bank's ability to continue as a going concern, disclosing, as applicable, matters related to going concern and using the going concern basis of accounting unless the Government of India either intends to

वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा के लिए लेखा परीक्षक के उत्तरदायित्व

हमारा उत्तरदायित्व इस बारे में तर्कसंगत आश्वासन हासिल करना है कि ये वित्तीय विवरण, पूर्ण रूप में धोखाधड़ी अथवा त्रुटि के चलते किसी भी तरह के मिथ्या कथन से रहित हैं, और अपने अभिमत को शामिल करते हुए लेखा परीक्षक की रिपोर्ट जारी करना है। तर्कसंगत आश्वासन, उच्च स्तरीय आश्वासन है, किन्तु गारंटी नहीं है कि लेखा परीक्षा मानकों के अनुरूप की गई लेखा परीक्षा, यदि कोई महत्त्वपूर्ण मिथ्या कथन है तो सदैव उसका पता लगा लेगी। मिथ्या कथन धोखाधड़ी या त्रुटि के चलते आ सकते हैं और उन्हें तब महत्त्वपूर्ण माना जाता है, जब अलग–अलग या सकल रूप से, इन वित्तीय विवरणों के आधार पर लिए गए प्रयोक्ताओं के आर्थिक निर्णयों को प्रभावित करने की संभावना रखते हों।

लेखा परीक्षा मानकों के अनुरूप लेखा परीक्षा के क्रम में, हम प्रोफेशनल निर्णय लेते हैं और पूरी लेखा परीक्षा के दौरान प्रोफेशनल संशयात्मकता रखते हैं। हमारे उत्तरदायित्वों में निम्नलिखित भी शामिल हैं:

- धोखाधड़ी या त्रुटि के चलते, वित्तीय विवरणों के महत्त्वपूर्ण मिथ्या कथन के जोखिमों का निर्धारण और मूल्यांकन, उन जोखिमों की प्रतिक्रियास्वरूप लेखा परीक्षा प्रक्रियाएं डिजाइन करना और उनका निष्पादन करना, तथा हमारे अभिमत को आधार प्रदान करने के लिए पर्याप्त और समुचित लेखा परीक्षा साक्ष्य हासिल करना। किसी धोखाधड़ी के चलते बनने वाले महत्त्वपूर्ण मिथ्या कथन का जोखिम, किसी त्रुटि के चलते होने वाले मिथ्या कथनों की तुलना में अधिक होता है, क्योंकि धोखाधड़ी में मिलीभगत, जालसाजी, इरादतन चूक, मिथ्या प्रस्तुति, अथवा आंतरिक नियंत्रण की अवहेलना करना शामिल हो सकता है।
- परिस्थितियों के अनुसार यथोचित लेखा प्रक्रियाएं डिजाइन करने के लिए लेखा परीक्षा से संबंधित आंतरिक नियंत्रण की समझ विकसित करना।
- प्रयोग की गई लेखांकन नीतियों की उपयुक्तता और लेखांकन आकलन की तर्कसंगतता तथा प्रबंधन द्वारा किए गए संबंधित प्रकटीकरणों का मूल्यांकन करना।
- परिचालन जारी रखने के लेखांकन आधार और हासिल किए गए लेखा परीक्षा साक्ष्य के आधार पर, इसकी उपयुक्तता पर निष्कर्ष देना कि घटनाओं या स्थितियों से संबंधित कोई महत्त्वपूर्ण अनिश्चितता तो

liquidate the Bank or to cease operations, or has no realistic alternative but to do so. Those charged with governance are responsible for overseeing the Bank's financial reporting process.

Auditor's Responsibilities for the Audit of the Financial Statements

Our objectives are to obtain reasonable assurance about whether the financial statements as a whole are free from material misstatement, whether due to fraud or error, and to issue an auditor's report that includes our opinion. Reasonable assurance is a high level of assurance, but is not a guarantee that an audit conducted in accordance with SAs will always detect a material misstatement when it exists. Misstatements can arise from fraud or error and are considered material if, individually or in the aggregate, they could reasonably be expected to influence the economic decisions of users taken on the basis of these financial statements.

As part of an audit in accordance with SAs, we exercise professional judgment and maintain professional scepticism throughout the audit. We also:

- Identify and assess the risks of material misstatement of the financial statements, whether due to fraud or error, design and perform audit procedures responsive to those risks, and obtain audit evidence that is sufficient and appropriate to provide a basis for our opinion. The risk of not detecting a material misstatement resulting from fraud is higher than for one resulting from error, as fraud may involve collusion, forgery, intentional omissions, misrepresentations, or the override of internal control.
- Obtain an understanding of internal control relevant to the audit in order to design the audit procedures that are appropriate in the circumstances.
- Evaluate the appropriateness of accounting policies used and the reasonableness of the accounting estimates and related disclosures made by management.

नहीं है, जो बैंक के परिचालन जारी रखने के संबंध में कोई शंका पैदा करती हो। यदि हम इस निष्कर्ष पर पहुंचते हैं कि ऐसी कोई आशंका है तो हमें अपनी लेखा परीक्षा रिपोर्ट में, वित्तीय विवरणों में संबंधित प्रकटीकरणों में इस ओर ध्यान आकर्षित करना आवश्यक होता है अथवा यदि ऐसे प्रकटीकरण अपर्याप्त होते हैं, तो अपना अभिमत बदलना पड़ता है। हमारे निष्कर्ष, हमारी लेखा परीक्षा की रिपोर्ट की तारीख तक हासिल किए गए लेखा परीक्षा साक्ष्य पर आधारित हैं। तथापि, भविष्य में ऐसी कोई घटनाएं या स्थितियां हो सकती हैं, जो बैंक के लिए अपना परिचालन बंद करने का कारण बनें।

- प्रकटीकरण सहित वित्तीय विवरणों की समग्र प्रस्तुति, ढांचे और सामग्री का मूल्यांकन करना, और देखना कि वित्तीय विवरण निहित संव्यवहारों को प्रदर्शित करते हैं और घटनाएं इस रूप में हैं कि उचित प्रस्तुति प्रदर्शित करती हैं।

हम अपनी लेखा परीक्षा के दौरान चिह्नित किए गए किसी महत्त्वपूर्ण विचलन सहित अन्य मामलों में, गवर्नेंस से जुड़े व्यक्तियों को लेखा परीक्षा के नियोजित स्कोप और समय तथा महत्त्वपूर्ण लेखा परीक्षा निष्कर्ष सूचित करते हैं।

हम गवर्नेंस से जुड़े व्यक्तियों को यह कथन भी प्रदान करते हैं कि हमने स्वतंत्रता से संबंधित सभी संबंधित नैतिक अपेक्षाओं का अनुपालन किया है, और उन्हें सभी संबंधों तथा अन्य मामलों और जहां कहीं लागू हो, संबंधित सेफगार्ड के बारे में सूचित करते हैं, जिन्हें हमारी स्वतंत्रता के लिए जरूरी माना जा सकता है।

अन्य कानूनी और विनियामकीय अपेक्षाओं संबंधी रिपोर्ट

तुलन-पत्र, तथा लाभ और हानि खाता, भारतीय निर्यात-आयात बैंक सामान्य विनियमावली 2020 की अनुसूचियों I क और II क के अनुरूप तैयार किए गए हैं।

हम यह रिपोर्ट करते हैं किः

i. लेखा परीक्षा के लिए हमारी अधिकतम जानकारी और विश्वास के अनुसार जो तथ्य और स्पष्टीकरण आवश्यक थे, वे सब हमने प्राप्त किए हैं और वे संतोषजनक हैं।

ii. हमारी राय, इस रिपोर्ट में लिए गए तुलन-पत्र तथा लाभ और हानि लेखा विवरण, लेखों की बहियों के अनुरूप हैं।

- Conclude on the appropriateness of the management's use of the going concern basis of accounting and, based on the audit evidence obtained, whether a material uncertainty exists related to events or conditions that may cast significant doubt on the Bank's ability to continue as a going concern. If we conclude that a material uncertainty exists, we are required to draw attention in our auditor's report to the related disclosures in the financial statements or, if such disclosures are inadequate, to modify our opinion. Our conclusions are based on the audit evidence obtained up to the date of our auditor's report. However, future events or conditions may cause the Fund to cease to continue as a going concern.

- Evaluate the overall presentation, structure and content of the financial statements, including the disclosures, and whether the financial statements represent the underlying transactions and events in a manner that achieves fair presentation.

We communicate with those charged with governance regarding, among other matters, the planned scope and timing of the audit and significant audit findings, including any significant deficiencies in internal control that we identify during our audit.

We also provide those charged with governance with a statement that we have complied with relevant ethical requirements regarding independence, and to communicate with them all relationships and other matters that may reasonably be thought to bear on our independence, and where applicable, related safeguards.

Report on Other Legal and Regulatory Requirements

The Balance Sheet and the Profit and Loss Account have been drawn upas per Schedules IA and IIA of the Export-Import Bank of India General Regulations, 2020.

We further report that:

i. We have sought and obtained all the information and explanations, which to the best of our

iii. कोष के संव्यवहार, जो हमारे संज्ञान में लाए गए हैं, बैंक की शक्तियों के अन्दर हैं।

iv. हमारी राय में, इस रिपोर्ट में लिए गए उक्त वित्तीय विवरण, लेखा मानकों के अनुरूप हैं।

knowledge and belief were necessary for the purpose of our audit and have found them to be satisfactory.

ii. In our opinion, the Balance Sheet and the Profit and Loss Account dealt with by this Report are in agreement with Books of Account.

iii. The transactions of the Bank, which have come to our notice, have been within the powers of the Bank.

iv. In our opinion, the aforesaid financial statements dealt with by this report comply with the applicable Accounting Standards.

कृते **जेसीआर एंड कं.**
सनदी लेखाकार
फर्म रजिस्ट्रेशन संख्या 105270W

सीए मितेश छेड़ा
पार्टनर
सदस्यता सं. 160688
यूडीआईएन: 21160688AAAAEV7577
मुंबई,18 मई, 2021

For **JCR & CO.**
Chartered Accountants
Firm Registration No.105270W

CA Mitesh Chheda
PARTNER
Membership No.160688
UDIN: 21160688AAAAEV7577
Mumbai,18th May, 2021

यथा 31 मार्च, 2021 को तुलन–पत्र

निर्यात विकास कोष

	इस वर्ष (यथा 31.03.2021 को) ₹	गत वर्ष (यथा 31.03.2020 को) ₹
देयताएं		
1. ऋणः		
क) सरकार से	-	-
ख) अन्य स्रोतों से	5,094,360,835	5,596,223,297
2. अनुदान:		
क) सरकार से	128,307,787	128,307,787
ख) अन्य स्रोतों से	-	-
3. उपहार, दान, उपकृतियां:		
क) सरकार से	-	-
ख) अन्य स्रोतों से	-	-
4. अन्य देयताएं	417,953,894	447,745,509
5. लाभ और हानि लेखा	795,697,548	702,042,832
योग	**6,436,320,064**	**6,874,319,425**
आस्तियां		
1. बैंक की शेष राशियां		
क) चालू खातों में	1,500,000	97,252,892
ख) अन्य जमा खातों में	-	-
2. निवेश	-	-
3. ऋण एवं अग्रिम:		
क) भारत में	-	-
ख) भारत के बाहर	5,731,575,847	6,208,576,873
4. भुनाए गए, पुनर्भुनाए गए विनिमय बिल और वचन–पत्रः		
क) भारत में	-	-
ख) भारत के बाहर	-	-
5. अन्य आस्तियां		
क) निम्नलिखित पर उपचित ब्याज		
i) ऋण एवं अग्रिम	174,728,992	209,672,100
ii) निवेश/बैंक शेष	-	-
ख) प्रदत्त अग्रिम आय कर	242,415,703	242,415,703
ग) अन्य	286,099,522	116,401,857
योग	**6,436,320,064**	**6,874,319,425**

BALANCE SHEET AS AT 31ST MARCH, 2021

EXPORT DEVELOPMENT FUND

	This year (As at 31.03.2021) ₹	Previous year (As at 31.03.2020) ₹
LIABILITIES		
1. Loans:		
a) From Government	-	-
b) From Other Sources	5,094,360,835	5,596,223,297
2. Grants:		
a) From Government	128,307,787	128,307,787
b) From Other Sources	-	-
3. Gifts, Donations, Benefactions:		
a) From Government	-	-
b) From Other Sources	-	-
4. Other Liabilities	417,953,894	447,745,509
5. Profit and Loss Account	795,697,548	702,042,832
Total	**6,436,320,064**	**6,874,319,425**
ASSETS		
1. Bank Balances:		
a) In current accounts	1,500,000	97,252,892
b) In other deposit accounts	-	-
2. Investments	-	-
3. Loans and Advances:		
a) In India	-	-
b) Outside India	5,731,575,847	6,208,576,873
4. Bills of Exchange and Promissory Notes Discounted, Rediscounted:		
a) In India	-	-
b) Outside India	-	-
5. Other Assets:		
a) Accrued interest on:		
i) Loans and Advances	174,728,992	209,672,100
ii) Investments/bank balances	-	-
b) Advance Income Tax paid	242,415,703	242,415,703
c) Others	286,099,522	116,401,857
Total	**6,436,320,064**	**6,874,319,425**

	इस वर्ष (यथा 31.03.2021 को) ₹	गत वर्ष (यथा 31.03.2020 को) ₹
आकस्मिक देयताएं		
i) स्वीकृतियां, गारंटियां, परांकन तथा अन्य दायित्व	-	-
ii) वायदा विनियम संविदाओं की बकाया राशियों पर	-	-
iii) हामीदारी एवं वचनबद्धताओं पर	-	-
iv) अंशतः प्रदत्त निवेशों पर अनाहूत देयताएं	-	-
v) बैंक पर दावे जिन्हें ऋण के रूप में स्वीकार नहीं किया गया है	-	-
vi) संग्रहण के लिए बिल	-	-
vii) सहभागिता प्रमाण-पत्रों पर	-	-
viii) भुनाए गए/पुनः भुनाए गए बिल	-	-
ix) अन्य राशियां जिनके लिए बैंक आकस्मिक रूप से जिम्मेदार है	-	-

टिप्पणी:

भारतीय निर्यात-आयात बैंक अधिनियम, 1981 (अधिनियम) की धारा 15 की शर्तों के अनुसार बैंक द्वारा निर्यात विकास निधि की स्थापना की गई है। अधिनियम की धारा 17 की शर्तों के अनुसार, किसी भी ऋण अथवा अग्रिम की मंजूरी से पहले अथवा ऐसी कोई व्यवस्था करने से पहले भारतीय निर्यात-आयात बैंक को केन्द्र सरकार का पूर्व अनुमोदन प्राप्त करना होगा।

बोर्ड के लिए और उनकी ओर से

श्री एन. रमेश
उप प्रबंध निदेशक

सुश्री हर्षा बंगारी
उप प्रबंध निदेशक

श्री डेविड रस्कीना
प्रबंध निदेशक

श्री रजत सच्चर | **श्री के. राजारमन** | **श्री पंकज जैन** | **श्री अमिताभ कुमार**

श्री आर. सुब्रमणियन | **श्री दिनेश कुमार खारा** | **श्री एम. सेंथिलनाथन** | **श्री राजकिरन राय जी.**

श्री ए. एस. राजीव

हमारी सम दिनांक की संलग्न रिपोर्ट के अनुसार
कृते **जेसीआर एंड कंपनी**
सनदी लेखाकार
फर्म रजि. नं. 105270 डब्ल्यू

(सीए मितेश छेड़ा)
पार्टनर
एम. सं. 160688

मुंबई, दिनांकः 18 मई, 2021

	This year (As at 31.03.2021) ₹	Previous year (As at 31.03.2020) ₹
CONTINGENT LIABILITIES		
i) Acceptances, Guarantees, Endorsements and other obligations	-	-
ii) On outstanding forward exchange contracts	-	-
iii) On underwriting commitments	-	-
iv) Uncalled Liability on partly paid investments	-	-
v) Claims on the Bank not acknowledged as debts	-	-
vi) Bills for collection	-	-
vii) On participation certificates	-	-
viii) Bills Discounted/Rediscounted	-	-
ix) Other monies for which the Bank is contingently liable	-	-

Note:
The Bank has established Export Development Fund in terms of Section 15 of Export-Import Bank of India Act, 1981 (The Act). In terms of Section 17 of the Act, before granting any loan or advance or entering into any such arrangement, Exim Bank has to obtain the prior approval of the Central Government.

For and on behalf of the Board

Shri N. Ramesh
Deputy Managing Director

Ms. Harsha Bangari
Deputy Managing Director

Shri David Rasquinha
Managing Director

Shri Rajat Sachar **Shri K. Rajaraman** **Shri Pankaj Jain** **Shri Amitabh Kumar**

Shri R. Subramanian **Shri Dinesh Kumar Khara** **Shri M. Senthilnathan** **Shri Rajkiran Rai G.**

Shri A. S. Rajeev

As per our attached report of even date
For **JCR & Co.**
Chartered Accountants
Firm Regn. No. 105270W

(CA Mitesh Chheda)
Partner
M. No. 160688

Mumbai, Date : May 18, 2021

31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष के लिए लाभ और हानि लेखा

निर्यात विकास कोष

	इस वर्ष ₹	गत वर्ष ₹
व्यय		
1. ब्याज	456,095,562	541,441,588
2. अन्य व्यय	26,110	594,674
3. आगे ले जाया गया लाभ	93,654,717	108,787,035
योग	**549,776,389**	**650,823,297**
आयकर के लिए प्रावधान	-	37,809,541
तुलन-पत्र में अंतरित शेष लाभ	93,654,717	70,977,494
	93,654,717	**108,787,035**
आय		
1. ब्याज और बट्टा		
क) ऋण एवं अग्रिम	549,776,389	650,823,297
ख) निवेश/बैंक शेष	-	-
2. विनिमय, कमीशन, ब्रोकरेज और फीस	-	-
3. अन्य आय	-	-
4. तुलन-पत्र को ले जायी गयी हानि	-	-
योग	**549,776,389**	**650,823,297**
लाभ नीचे लाया गया	93,654,717	108,787,035
पूर्ववर्ती वर्षों की आधिक्य आय/ब्याज कर के प्रावधान का प्रतिलेखन	-	-
	93,654,717	**108,787,035**

बोर्ड के लिए और उनकी ओर से

श्री एन. रमेश
उप प्रबंध निदेशक

सुश्री हर्षा बंगारी
उप प्रबंध निदेशक

श्री डेविड रस्कीना
प्रबंध निदेशक

श्री रजत सच्चर **श्री के. राजारमन** **श्री पंकज जैन** **श्री अमिताभ कुमार**

श्री आर. सुब्रमणियन **श्री दिनेश कुमार खारा** **श्री एम. सेंथिलनाथन** **श्री राजकिरन राय जी.**

श्री ए. एस. राजीव

हमारी सम दिनांक की संलग्न रिपोर्ट के अनुसार
कृते **जेसीआर एंड कंपनी**
सनदी लेखाकार
फर्म रजि. नं. 105270 डब्ल्यू

(सीए मितेश छेड़ा)
पार्टनर
एम. सं. 160688

मुंबई, दिनांकः 18 मई, 2021

PROFIT AND LOSS ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31ST MARCH, 2021

EXPORT DEVELOPMENT FUND

	This year ₹	Previous year ₹
EXPENDITURE		
1. Interest	456,095,562	541,441,588
2. Other Expenses	26,110	594,674
3. Profit carried down	93,654,717	108,787,035
Total	**549,776,389**	**650,823,297**
Provision for Income Tax	-	37,809,541
Balance of profit transferred to Balance Sheet	93,654,717	70,977,494
	93,654,717	**108,787,035**
INCOME		
1. Interest and Discount:		
a) loans and advances	549,776,389	650,823,297
b) investments/bank balances	-	-
2. Exchange, Commission, Brokerage and Fees	-	-
3. Other Income	-	-
4. Loss carried to Balance Sheet	-	-
Total	**549,776,389**	**650,823,297**
Profit brought down	93,654,717	108,787,035
Excess Income/Interest tax provision of earlier years written back	-	-
	93,654,717	**108,787,035**

For and on behalf of the Board

Shri N. Ramesh
Deputy Managing Director

Ms. Harsha Bangari
Deputy Managing Director

Shri David Rasquinha
Managing Director

Shri Rajat Sachar **Shri K. Rajaraman** **Shri Pankaj Jain** **Shri Amitabh Kumar**

Shri R. Subramanian **Shri Dinesh Kumar Khara** **Shri M. Senthilnathan** **Shri Rajkiran Rai G.**

Shri A. S. Rajeev

As per our attached report of even date
For **JCR & Co.**
Chartered Accountants
Firm Regn. No. 105270W

(CA Mitesh Chheda)
Partner
M. No. 160688

Mumbai, Date : May 18, 2021

भारतीय निर्यात-आयात बैंक के कार्यालय

प्रधान कार्यालय

केन्द्र एक भवन, 21वीं मंज़िल, विश्व व्यापार केन्द्र संकुल, कफ़ परेड, मुंबई - 400 005.
फोन: (91 22) 22172600 । फैक्स: (91 22) 22182572
ई-मेल: ccg@eximbankindia.in । वेबसाइट: www.eximbankindia.in, www.eximmitra.in

भारत स्थित कार्यालय

अहमदाबाद
साकार II, पहली मंज़िल, एलिसब्रिज शॉपिंग सेंटर के पास,
एलिसब्रिज पी. ओ., अहमदाबाद - 380 006.
फोन: +91 79 26576852/26576843 । फैक्स: +91 79 26577696
ई-मेल: eximahro@eximbankindia.in

बेंगलूरु
रमणश्री आर्केड, चौथी मंज़िल, 18, एम. जी. रोड, बेंगलूरु - 560 001.
फोन: +91 80 25585755/25589101-04 । फैक्स: +91 80 25589107
ई-मेल: eximbro@eximbankindia.in

चंडीगढ़
सी-213, दूसरी मंज़िल, एलान्ते कार्यालय,
औद्योगिक क्षेत्र फेज-1, चंडीगढ़ - 160 002.
फोन: +91 172 4629171-73 । फैक्स: +91 172 4629175
ई-मेल: eximcro@eximbankindia.in

चेन्नै
ओवरसीज टॉवर्स, चौथी एवं पांचवी मंज़िल, 756-एल,
अन्ना सलाई, चेन्नै - 600 002.
फोन: +91 44 28522830/31 । फैक्स: +91 44 28522832
ई-मेल: eximchro@eximbankindia.in

गुवाहाटी
नेडफी हाउस, चौथी मंज़िल, जी. एस. रोड, दिसपुर, गुवाहाटी - 781 006.
फोन: +91 361 2237607/609 । फैक्स: +91 361 2237701
ई-मेल: eximgro@eximbankindia.in

हैदराबाद
गोल्डन एडिफिस, दूसरी मंज़िल, 6-3-639/640,
राज भवन रोड, खैरताबाद सर्कल, हैदराबाद - 500 004.
फोन: +91 40 23307816-21 । फैक्स: +91 40 23317843
ई-मेल: eximhro@eximbankindia.in

कोलकाता
वाणिज्य भवन, चौथी मंज़िल, (अंतरराष्ट्रीय व्यापार सुगमीकरण केंद्र),
1/1 वुड स्ट्रीट, कोलकाता - 700 016.
फोन: +91 33 68261300-301 । फैक्स: +91 33 68261302
ई-मेल: eximkro@eximbankindia.in

मुंबई
8वीं मंज़िल, मेकर चैंबर IV, नरीमन पॉइंट, मुंबई - 400 021.
फोन: +91 22 22861300 । फैक्स: +91 22 22182572
ई-मेल: eximmro@eximbankindia.in

नई दिल्ली
ऑफिस ब्लॉक, टॉवर 1, सातवीं मंज़िल, रिंग रोड के पास,
किदवई नगर (पूर्व), नई दिल्ली - 110 023.
फोन: +91 11 61242600 / 24607700 । फैक्स: +91 11 20815029
ई-मेल: eximndo@eximbankindia.in

पुणे
नं. 402 और 402 (बी), चौथी मंज़िल, सिग्नेचर बिल्डिंग, भाम्बुर्डा,
भंडारकर रोड, शिवाजी नगर, पुणे - 411 004.
फोन: +91 20 26403000 । फैक्स: +91 20 26458846
ई-मेल: eximpro@eximbankindia.in

लंदन शाखा
5वीं मंज़िल, 35 किंग स्ट्रीट, लंदन ईसी 2वी 8 बीबी, यूनाइटेड किंगडम.
फोन: +44 20 77969040 । फैक्स: +44 20 76000936
ई-मेल: eximlondon@eximbankindia.in

विदेश स्थित कार्यालय

आबिदजान
5वीं मंज़िल, अज्यूर बिल्डिंग, 18-दॉक्तर क्रोज़े रोड,
प्लेत्यो-आबिदजान, कोत दि'वार.
फोन: +225 20 24 29 51 । फैक्स: +225 20 24 29 50
ई-मेल: eximabidjan@eximbankindia.in

अदिस अबाबा
हाउस नं. 46, जैक्रोस एस्टेट कंपाउंड, वोरेडा 07,
बोले सब-सिटी, अदिस अबाबा, इथियोपिया.
फोन: +251 118 222296 । फैक्स: +251 116 610170
ई-मेल: aaro@eximbankindia.in

ढाका
मधुमिता प्लाज़ा कॉनकॉर्ड, 12वीं मंज़िल, प्लॉट सं. 11,
रोड नं. 11, ब्लॉक जी, बानानी ढाका - 1213, बांग्लादेश.
फोन: +88 01 708 520 444
ई-मेल: eximdhaka@eximbankindia.in

दुबई
लेवल 5, टेनेंसी 1बी, गेट प्रीसिंक्ट बिल्डिंग नं. 3,
दुबई अंतरराष्ट्रीय वित्तीय केन्द्र, पीओ बॉक्स नं. 506541, दुबई, यूएई.
फोन: +971 4 3637462 । फैक्स: +971 4 3637461
ई-मेल: eximdubai@eximbankindia.in

जोहांस्बर्ग
दूसरी मंज़िल, सैंडटन सिटी ट्विन टॉवर्स ईस्ट, सैंडहर्स्ट एक्सटेंशन 3,
सैंडटन 2196, जोहांस्बर्ग, दक्षिण अफ्रीका.
फोन: +27 11 3265103/13 । फैक्स: +27 11 7844511
ई-मेल: eximjro@eximbankindia.in

सिंगापुर
20, कोलियर क्वे, #10-02, सिंगापुर - 049319.
फोन: +65 65326464 । फैक्स: +65 65352131
ई-मेल: eximsingapore@eximbankindia.in

वाशिंगटन डी. सी.
1750 पेंसिल्वेनिया एवेन्यू एन. डब्ल्यू, सूइट 1202,
वाशिंगटन डी. सी. 20006, संयुक्त राज्य अमेरिका.
फोन: +1202 223 3238 । फैक्स: +1202 785 8487
ई-मेल: eximwashington@eximbankindia.in

यँगॉन
हाउस नं. 54/ए, तल मंज़िल, बोयारन्युत मार्ग,
डैगन टाउनशिप, यँगॉन, म्यांमार.
फोन: +95 1389520
ई-मेल: eximyangon@eximbankindia.in

Head Office

Centre One Building, 21st Floor, World Trade Centre Complex,
Cuffe Parade, Mumbai - 400 005.
Ph.: +91 22 22172600 | Fax: +91 22 22182572
E-mail: ccg@eximbankindia.in | Website: www.eximbankindia.in | www.eximmitra.in

Domestic Offices

AHMEDABAD
Sakar II, 1st Floor, Next to Ellisbridge Shopping Centre,
Ellisbridge P. O., Ahmedabad - 380 006.
Ph.: +91 79 26576852/26576843 | Fax: +91 79 26577696
E-mail: eximahro@eximbankindia.in

BENGALURU
Ramanashree Arcade, 4th Floor, 18, M. G. Road,
Bengaluru - 560 001.
Ph.: +91 80 25585755/25589101-04 | Fax: +91 80 25589107
E-mail: eximbro@eximbankindia.in

CHANDIGARH
C- 213, 2nd Floor, Elante Offices,
Industrial Area Phase -1, Chandigarh - 160 002.
Ph.: +91 172 4629171/73 | Fax: +91 172 4629175
E-mail: eximcro@eximbankindia.in

CHENNAI
Overseas Towers, 4th and 5th Floor, 756-L,
Anna Salai, Chennai - 600 002.
Ph.: +91 44 28522830/31 | Fax: +91 44 28522832
E-mail: eximchro@eximbankindia.in

GUWAHATI
NEDFi House, 4th Floor, GS Road, Dispur,
Guwahati - 781 006.
Ph.: +91 361 2237607/609 | Fax: +91 361 2237701
E-mail: eximgro@eximbankindia.in

HYDERABAD
Golden Edifice, 2nd Floor, 6-3-639/640, Raj Bhavan Road,
Khairatabad Circle, Hyderabad - 500 004.
Ph.: +91 40 23307816-21 | Fax: +91 40 23317843
E-mail: eximhro@eximbankindia.in

KOLKATA
Vanijya Bhawan, 4th Floor, (International Trade Facilitation Centre),
1/1 Wood Street, Kolkata - 700 016.
Ph.: +91 33 68261300-301 | Fax: +91 33 68261302
E-mail: eximkro@eximbankindia.in

MUMBAI
8th Floor, Maker Chamber IV,
Nariman Point, Mumbai - 400 021.
Ph.: +91 22 22861300 | Fax: +91 22 22182572
E-mail: eximmro@eximbankindia.in

NEW DELHI
Office Block, Tower 1, 7th Floor, Adjacent Ring Road,
Kidwai Nagar (East), New Delhi - 110 023.
Ph.:+91 11 61242600 / 24607700 | Fax: +91 11 20815029
E-mail: eximndo@eximbankindia.in

PUNE
No. 402 & 402 (B) 4th Floor Signature Building, Bhamburda,
Bhandarkar Rd., Shivajinagar, Pune - 411 004.
Ph.: +91 20 26403000 | Fax: +91 20 26458846
E-mail: eximpro@eximbankindia.in

London Branch
5th Floor, 35 King Street,
London EC2V 8BB, United Kingdom.
Ph.: +44 20 77969040 | Fax: +44 20 76000936
E-mail: eximlondon@eximbankindia.in

Overseas Offices

ABIDJAN
5th Floor, Azur Building, 18-Docteur Crozet Road,
Plateau, Abidjan, Côte d'Ivoire.
Ph.: + 225 27 20 24 29 51 | Fax: + 225 27 20 24 29 50
E-mail: eximabidjan@eximbankindia.in

ADDIS ABABA
House No. 46, Jakrose Estate Compound,
Woreda 07, Bole Sub-City,
Addis Ababa, Ethiopia.
Ph.: +251 118 222296 | Fax: +251 116 610170
E-mail: aaro@eximbankindia.in

DHAKA
Modhumita Plaza Concord, Floor 12, Plot No. 11,
Road No. 11, Block G, Banani, Dhaka - 1213, Bangladesh.
Ph.: +88 01 708 520 444
E-mail: eximdhaka@eximbankindia.in

DUBAI
Level 5, Tenancy 1B, Gate Precinct Building No. 3,
Dubai International Financial Centre,
PO Box No. 506541, Dubai, UAE.
Ph.: +971 4 3637462 | Fax: +971 4 3637461
E-mail: eximdubai@eximbankindia.in

JOHANNESBURG
2nd Floor, Sandton City Twin Towers East, Sandhurst Ext. 3,
Sandton 2196, Johannesburg, South Africa.
Ph.: +27 11 3265103/13 | Fax: +27 11 7844511
E-mail: eximjro@eximbankindia.in

SINGAPORE
20, Collyer Quay, #10-02, Singapore - 049319.
Ph.: +65 65326464 | Fax: +65 65352131
E-mail: eximsingapore@eximbankindia.in

WASHINGTON D.C.
1750 Pennsylvania Avenue NW, Suite 1202,
Washington D.C. 20006, United States of America.
Ph.: +1 202 223 3238 | Fax: +1 202 785 8487
E-mail: eximwashington@eximbankindia.in

YANGON
House No. 54/A, Ground Floor, Boyarnyunt Street,
Dagon Township, Yangon, Myanmar.
Ph.: +95 1389520
E-mail: eximyangon@eximbankindia.in

वार्षिक रिपोर्ट
ANNUAL REPORT
2020-21

इंडिया एक्ज़िम बैंक
India Exim Bank

केन्द्र एक भवन, 21वीं मंज़िल, विश्व व्यापार केन्द्र संकुल, कफ़ परेड, मुंबई - 400 005
Centre One Building, 21st Floor, World Trade Centre Complex, Cuffe Parade, Mumbai - 400 005
+91-22-22172600 +91-22-22182572 ccg@eximbankindia.in www.eximbankindia.in/www.eximmitra.in
हमें फॉलो करें Follow us on: